शिक्षा निदेशालय

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

सहायक सामग्री

(2022-23)

कक्षा : बारहवीं

भूगोल

मार्गदर्शन:

श्री अशोक कुमार

सचिव (शिक्षा)

श्री हिमांशु गुप्ता

निदेशक (शिक्षा)

डा0 रीता शर्मा

अतिरिक्त शिक्षा निदेशक (स्कूल एवं परीक्षा)

समन्वयक:

श्री संजय सुभाष कुमार	श्रीमती सुनीता दुआ	श्री राज कुमार	श्री कृष्ण कुमार
उप शिक्षा निदेशक (परीक्षा)	विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा)	विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा)	विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा)

उत्पादन मंडल

अनिल कुमार शर्मा

दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो में **राजेश कुमार**, सचिव, दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो, 25/2, पंखा रोड, संस्थानीय क्षेत्र, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित तथा **मुद्रक :** सुप्रीम ऑफसेट प्रेस, 133, उद्योग केन्द्र, EXT.-1, ग्रेटर नोएडा, उ.प.

ASHOK KUMAR
IAS

सत्यमेव जयते

सचिव (शिक्षा)
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054
दूरभाष : 23890187 टेलीफैक्स : 23890119

Secretary (Education)
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone : 23890187 Telefax : 23890119
e-mail : secyedu@nic.in

MESSAGE

Remembering the words of John Dewey, "Education is not preparation for life, education is life itself, I highly commend the sincere efforts of the officials and subject experts from Directorate of Education involved in the development of Support Material for classes IX to XII for the session 2022-23.

The Support Material is a comprehensive, yet concise learning support tool to strengthen the subject competencies of the students. I am sure that this will help our students in performing to the best of their abilities.

I am sure that the Heads of School and teachers will motivate the students to utilise this material and the students will make optimum use of this Support Material to enrich themselves.

I would like to congratulate the team of the Examination Branch along with all the Subject Experts for their incessant and diligent efforts in making this material so useful for students.

I extend my Best Wishes to all the students for success in their future endeavours.

(Ashok Kumar)

HIMANSHU GUPTA, IAS
Director, Education & Sports

सत्यमेव जयते

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Civil Lines
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
E-mail: diredu@nic.in

MESSAGE

"A good education is a foundation for a better future."
- Elizabeth Warren

Believing in this quote, Directorate of Education, GNCT of Delhi tries to fulfill its objective of providing quality education to all its students.

Keeping this aim in mind, every year support material is developed for the students of classes IX to XII. Our expert faculty members undertake the responsibility to review and update the Support Material incorporating thelatest changes made by CBSE. This helps the students become familiar with the new approaches and methods, enabling them to become good at problem solving and critical thinking. This year too, I am positive that it will help our students to excel in academics.

The support material is the outcome of persistent and sincere efforts of our dedicated team of subject experts from the Directorate of Education. This Support Material has been especially prepared for the students. I believe its thoughtful and intelligent use will definitely lead to learning enhancement.

Lastly, I would like to applaud the entire team for their valuable contribution in making this Support Material so beneficial and practical for our students.

Best wishes to all the students for a bright future.

(HIMANSHU GUPTA)

Dr. RITA SHARMA
Additional Director of Education
(School/Exam)

सत्यमेव जयते

Govt. of NCT of Delhi
Directorate of Education
Old Secretariat, Delhi-110054
Ph. : 23890185

D.O. No. PS/Addl.DE/Sch/2022/131
Dated: 01 सितम्बर, 2022

संदेश

शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार का महत्वपूर्ण लक्ष्य अपने विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा निदेशालय ने अपने विद्यार्थियों को उच्च कोटि के शैक्षणिक मानकों के अनुरूप विद्यार्थियों के स्तरानुकूल सहायक सामग्री कराने का प्रयास किया है। कोरोना काल के कठिनतम समय में भी शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया को निर्बाध रूप से संचालित करने के लिए संबंधित समस्त अकादमि समूहों और क्रियान्वित करने वाले शिक्षकों को हार्दिक बधाई देती हूँ।

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं तक की सहायक सामग्रियों में सी.बी.एस.ई के नवीनतम दिशा–निर्देशों के अनुसार पाठयक्रम में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। साथ ही साथ मूल्यांकन से संबंधित आवश्यक निर्देश भी दिए गए हैं। इन सहायक सामग्रियों में कठिन से कठिन सामग्री को भी सरलतम रूप में प्रस्तुत किया गया है ताकि शिक्षा निदेशालय के विद्यार्थियों को इसका भरपूर लाभ मिल सके।

मुझे आशा है कि इन सहायक सामग्रियों के गहन और निरंतर अध्ययन के फलस्वरूप विद्यार्थियों में गुणात्मक शैक्षणिक संवर्धन का विस्तार उनके प्रदर्शनो में भी परिलक्षित होगा। इस उत्कृष्ट सहायक सामग्री को तैयार करने में शामिल सभी अधिकारियों तथा शिक्षकों को हार्दिक बधाई देती हूँ तथा सभी विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देती हूँ।

रीता शर्मा

(रीता शर्मा)

शिक्षा निदेशालय

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

सहायक सामग्री

(2022-23)

भूगोल

कक्षा : बारहवीं

(हिन्दी माध्यम)

निःशुल्क वितरण हेतु

दिल्ली पाठ्य-पुस्तक ब्यूरो द्वारा प्रकाशित

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य – भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके; और

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

Constitution of India

Part IV A (Article 51 A)

Fundamental Duties

It shall be the duty of every citizen of India —

(a) to abide by the Constitution and respect its ideals and institutions, the National Flag and the National Anthem;

(b) to cherish and follow the noble ideals which inspired our national struggle for freedom;

(c) to uphold and protect the sovereignty, unity and integrity of India;

(d) to defend the country and render national service when called upon to do so;

(e) to promote harmony and the spirit of common brotherhood amongst all the people of India transcending religious, linguistic and regional or sectional diversities; to renounce practices derogatory to the dignity of women;

(f) to value and preserve the rich heritage of our composite culture;

(g) to protect and improve the natural environment including forests, lakes, rivers, wildlife and to have compassion for living creatures;

(h) to develop the scientific temper, humanism and the spirit of inquiry and reform;

(i) to safeguard public property and to abjure violence;

(j) to strive towards excellence in all spheres of individual and collective activity so that the nation constantly rises to higher levels of endeavour and achievement;

*(k) who is a parent or guardian, to provide opportunities for education to his child or, as the case may be, ward between the age of six and fourteen years.

Note: The Article 51A containing Fundamental Duties was inserted by the Constitution (42nd Amendment) Act, 1976 (with effect from 3 January 1977).

*(k) was inserted by the Constitution (86th Amendment) Act, 2002 (with effect from 1 April 2010).

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2][**राष्ट्र की एकता और अखंडता**] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''राष्ट्र की एकता'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।

THE CONSTITUTION OF INDIA

PREAMBLE

WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a [1]**[SOVEREIGN SOCIALIST SECULAR DEMOCRATIC REPUBLIC]** and to secure to all its citizens :

JUSTICE, social, economic and political;

LIBERTY of thought, expression, belief, faith and worship;

EQUALITY of status and of opportunity; and to promote among them all

FRATERNITY assuring the dignity of the individual and the [2][unity and integrity of the Nation];

IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY this twenty-sixth day of November, 1949 do **HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.**

---

1. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, Sec.2, for "Sovereign Democratic Republic" (w.e.f. 3.1.1977)
2. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, Sec.2, for "Unity of the Nation" (w.e.f. 3.1.1977)

SUPPORT MATERIAL
2022-2023

SUBJECT : Geography
CLASS-XII

Reviewed and prepared by :-

Group Leader

Pushpa Tripathi, Vice Principal — Govt. Co.Ed. SSS Sec-22, Dwarka Delhi (1821204)

Subject Expert

1. Abrar Ahmed (Lecturer Geography) — GBSSS, DDA Flats Ph-II, Kalkaji New Delhi Sch. ID (1925016)
2. Vandana Bhatia (Lecturer Geography) — Asose, Sect-22 Dwarka, ID-1821282
3. Meenakshi Kumari (Lecturer Geography) — Sarvodaya Co-Ed. SSS Sect-2 R.K. Puram, Delhi ID-1821137
4. Kusum Joshi (Lecturer Geography) — R.P.V.V. Sect-10 Dwarka, Sch ID-1821137
5. Beenu Dalal (Lecturer Geography) — GGSSS, No.2 Najafgarh Sch ID-1822047

COURSE STRUCTURE
Class – XII (2022 - 2023)

One Theory Paper — **3 Hours** / **70 Marks**

	UNITS	No. of periods	Marks
A	**Fundamental of Human Geography**	**90**	**35 Marks**
	Unit - 1: Human Geography	07	**30**
	Unit - 2: People	20	
	Unit - 3: Human Activities	32	
	Unit - 4: Transport, Communication and Trade	26	
	Map work	05	**5**
B	**India-People and Economy**	**90**	**35 Marks**
	Unit - 6: People	15	**30**
	Unit - 7: Human Settlements	10	
	Unit - 8: Resources and Development	30	
	Unit - 9: Transport, Communication and International Trade	15	
	Unit - 10: Geographical Perspective on selected issues and problems	15	
	Map Work	05	**5**
	Total	**180**	**70 Marks**
C	**Practical Work in Geography Part II**	**40**	**30 Marks**
	Unit 1: Processing of Data and Thematic Mapping	25	**15**
	Unit 2: Field study or Spatial Information Technology	15	**10**
	Practical Record Book and Viva Voce		**5**

Geography (Code No. 029) Class – XII

Part-A **Fundamentals of Human Geography** **90 Periods**

Unit 1: **Human Geography:** Nature and Scope **07 Periods**

Unit 2: **People** **20 Periods**

- The World Population-distribution, density and growth
- Population change-Components of population change, Demographic Transition
- Human development - concepts; selected Indicators, international comparisons

Unit 3: **Human Activities** **32 Periods**

- Primary activities - concepts and changing trends; gathering, pastoral, mining, subsistence agriculture, modern agriculture; people engaged in agriculture and allied activities - some examples from selected countries.
- Secondary activities-concept; manufacturing: types - household, small scale, large scale; agro based and mineral based industries;

- Tertiary activities-concept; trade, transport and tourism; services; people engaged in tertiary activities
- Quatenary activities-concept; people engaged in quatenary activities case study from selected countries.

Unit 4: Transport, Communication and Trade 24 Periods

- Land transport - roads, railways; trans-continental railways. Water transport- inland waterways; major ocean routes.
- Air transport- Intercontinental air routes Oil and gas pipelines.
- Satellite communication and cyber space- Importance and usage for geographical information; use of GPS.
- International trade-Bases and changing patterns; ports as gateways of international trade, role of WTO in International trade.

Map Work on identification of features based on 1-5 units on the outline/Physical/Political map of World. 05 Periods

Part B. India: People and Economy 90 Periods

Unit 6: People 15 Periods

- Population: distribution, density and growth; composition of population - linguistic, religious; sex, rural-urban and occupational-regions variations in growth of population.

Unit 7: Human Settlements 10 Periods

- Rural settlements - types and distribution
- Urban settlements - types, distribution and functional classification.

Unit 8: Resources and Development 30 Periods

- Land resources- general land use; agricultural land use, Geographical conditions and distribution of major crops (Wheat, Rice, Tea, Coffee, Cotton, Jute, Sugarcane and Rubber), agricultural development and problems.
- Water resources-availability and utilization-irrigation, domestic, industrial and other uses; scarcity of water and conservation methods-rain water harvesting and watershed management.
- Mineral and energy resources- distribution of metallic (Iron ore, Copper, Bauxite, Manganese); non-metallic (Mica, Salt) minerals; conventional (Coal, Petroleum, Natural gas and Hydroelectricity) and non-conventional energy sources (solar, wind, biogas) and conservation.
- Planning in India- target group area planning (case study); idea of sustainable development (case study).

Unit 9: Transport, Communication and International Trade 15 Periods

- Transport and communication-roads, railways, waterways and airways: oil and gas pipelines; Geographical information and communication networks.
- International trade- changing pattern of India's foreign trade; sea ports and their hinterland and airports.

Unit 10: Geographical Perspective on Selected Issues and Problems 15 Periods

- Environmental pollution; urban-waste disposal.
- Urbanisation, rural-urban migration; problems of slums.
- Land degradation.

Map work on locating and labeling of features based on above units on outline map of India. 05 Marks

Part-C Practical Work in Geography Part II 40 Periods

Unit 1: Processing of Data and Thematic Mapping 25 Periods

- Type and Sources of data: Primary, Secondary and other sources.
- Tabulating and processing of data; calculation of averages, measures of central tendency.
- Representation of data- construction of diagrams: bars, circles and flowchart; thematic maps; construction of dot; choropleth and isopleth maps.

Unit 2: Spatial information Technology 15 Periods

Introduction to GIS; hardware requirements and software modules; data formats; raster and vector data, data inputs, editing and topology building; data analysis; overlay and buffer.

Prescribed Books:

1. Fundamentals of Physical Geography, Class XI, Published by NCERT
2. India, Physical Environment, Class XI, Published by NCERT
3. Practical Work in Geography, Class XI, Published by NCERT
4. Fundamentals of Human Geography, Class XII, Published by NCERT
5. India - People and Economy, Class XII, Published by NCERT
6. Practical Work in Geography, Class XII, Published by NCERT

Note:

1. The above textbooks are also available in Hindi medium.
2. Kindly refer to the latest editions of all NCERT Textbooks.

QUESTION PAPER DESIGN GEOGRAPHY THEORY CLASS XI & XII

COMPETENCIES	Total Marks and % 70 Marks
Demonstrate	29 marks - 41%
Application	26 marks - 37%
Formulate	15 marks - 22%
Total	70 marks - 100%

Fundamental of Human Geography
Class XII - Textbook I (NCERT)
Map items for Identification only on the outline political map of the world.

Unit-1	Ch.-1	Nil
Unit-2	Ch. 2 to 4	1 The largest country in each continent in terms of area
Unit-3	Ch. 5 to 7	1 Areas of subsistence gathering.
	Primary Activities.	2 Major areas of nomadic herding of the world.
		3 Major areas of commercial livestock rearing.
		4 Major areas of extensive commercial grain faming.
		5 Major areas of mixed farming of the World.
Unit - 4	Ch. 8 to 9	2 Transcontinental Railways: Terminal Stations of transcontinental railways- Trans siberian, Trans Canadian, Tran Australian Railways
		3 Major Sea Ports :
		Europe: North Cape, London, Hamburg
		North America: Vancouver, San Francisco, New Orleans
		South America: Rio De Janeiro, Colon, Valparaiso
		Africa: Suez, Durban and Cape Town
		Asia: Yokohama, Shanghai, Hongkong, Aden, Karachi, Kolkata
		Australia: Perth, Sydney, Melbourne
		4. Inland Waterways: Suez canal, Panama canal, Rhine waterway and St. Lawrence Seaway
		5. Major Airports:
		Asia: Tokyo, Beijing, Mumbai, Jedda, Aden
		Africa : Johannesburg & Nairobi
		Europe: Moscow, London, Paris, Berlin, and Rome
		North America: Chicago, New Orleans, Mexico City
		South America: Buenos Aires, Santiago
		Australia: Darwin and Wellington

Indian - People and Economy
Class XII - Textbook II (NCERT)
Map Items for locating and labelling only on the outline political map of India

Units - 6 & 7	Ch. 1 to 4	• State with high level of urbanization and low level of urbanization • State with higher level of population density & one state with lowest level of population density (2011) • Any city with more than 10 million population - Greated Mumbai, Delhi, Kolkata, Chennai, Bengaluru.
Unit - 8	Ch. 5 to 9	Leading producing states of the following crops: (a) Rice, (b) Wheat, (c) Cotton, (d) Jute, (e) Sugarcane, (f) Tea, and (h) Coffee **Mines:** • Iron-ore mines: Mayurbhanj, Bailadila, Ratnagiri, Bellary. • Manganese mines: Balaghat, Shimoga. • Copper mines: Hazaribagh, Singhbhum, Khetari. • Bauxite mines: Katni, Bilaspur and Koraput • Coal mines: Jharia, Bokaro, Raniganj, Neyveli. • Oil Refineries: Mathura, Jamnagar, Baronilndustries.
Unit - 9	Ch. 10 - 11	Transport: (i) Important tower on North South Corridor, East West Corridor & golden quadrilateral. (ii) Major Sea Ports: Kandla, Mumbai, Marmagao, Kochi, Ennore, Tuticorin, Chennai, Vishakhapatnam, Paradwip, Haldia. (iii) International Air ports: Ahmedabad, Mumbai, Bangalore, Chennai, Kolkata, Guwahati, Delhi, Amritsar, Panaji, Kochi, Thiruvanantpuram and Hyderabad
Unit - 10	Ch. 12	NIL

भाग : क
मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

अध्याय 1: मानव भूगोल : प्रकृति एंव विषय क्षेत्र

अध्याय 2: विश्व जनसंख्या : वितरण, घनत्व और वृद्धि

अध्याय 3: जनसंख्या संघटन–(हटाया गया 2022–23 के लिए)

अध्याय 4: मानव विकास

अध्याय 5: प्राथमिक क्रियाएँ

अध्याय 6: द्वितीयक क्रियाएँ

अध्याय 7: तृतीयक एवं चतुर्थ क्रियाकलाप

अध्याय 8: परिवहन एवं संचार

अध्याय 9: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

अध्याय 10: मानव बस्तियाँ (हटाया गया 2022–23 के लिए)

भाग : क

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

अध्याय–1

मानव भूगोल : प्रकृति एंव विषय क्षेत्र

अवधारणा मानचित्र–1

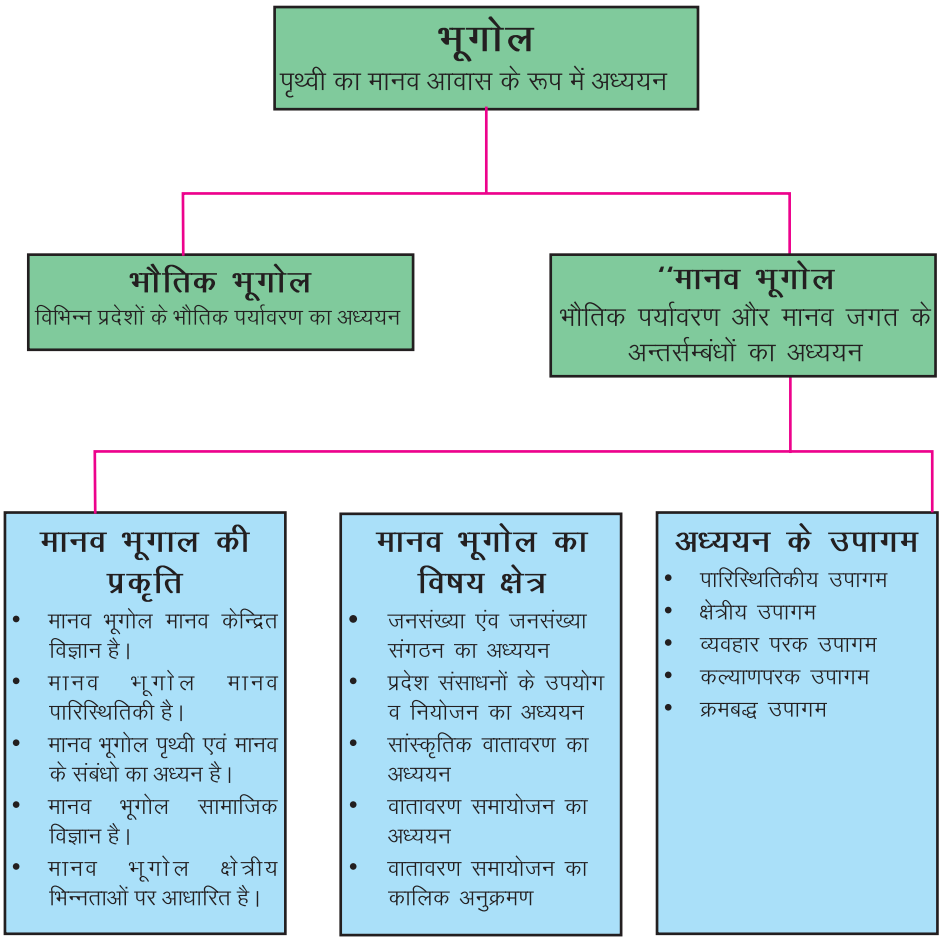

मानव भूगोल की शाखाएँ
सैन्य विज्ञान
सैन्य भूगोल
जनांकिकीय
जनसंख्या भूगोल
नगरीय अध्ययन
नगरीय भूगोल
समाजशास्त्र
सामाजिक भूगोल
अर्थशास्त्र
आर्थिक भूगोल
मनोविज्ञान
व्यवहारवादी भूगोल
इतिहास
ऐतिहासिक भूगोल
राजनीतिक
राजनैतिक भूगोल

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. निम्न में कौन सा मानव भूगोल का उपागम नही हैं

(A) अन्वेषण और विवरण

(B) भूगोल मे उदार आधुनिकवाद

(C) क्षेत्रीय विभेदन

(D) प्रकृति का मानवीकरण

प्रश्न 2. निम्न में किस भूगोल वेत्ता का संबंध संभववाद से है

(A) रैटजेल (B) विडाल डी ला ब्लाश

(C) एलन सी सेंपल (D) इमेनुअलकांट

प्रश्न 3. निम्न लिखित कथनों का अध्ययन कीजिए तथा दिए गए विकल्पो से उचित विकल्प चुनिए।

1) भौतिक भूगोल भौतिक पर्यावरण का अध्ययन करता है।

2) मानव भूगोल भौतिक पर्यावरण और मानवीय जगत के बीच संबंधो का अध्ययन है।

(A) केवल 1 सही हैं (B) केवल 2 सही है

(C) 1 और 2 दोनो सही है(D) दोनो में से कोई सही नही है।

प्रश्न 4. मानव भूगोल की इस परिभाषा का संबंध किस भूगोल वेत्ता से है "मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील संबंधो का अध्ययन है"

(A) हंटिगटन (B) एलन सी.सेंपल

(C) विडाल डी ला ब्लाश (D) ग्रिफिथ टेलर

प्रश्न 5. 'विकास की आरंभिक अवस्था में मानव प्रकृति की सुनता था, उसकी प्रचंडता से भयभीत था और उसकी पूजा करता था'। यह कथन मानव भूगोल की किस विचार धारा का समर्थन करता है।

(A) निश्चयवाद (B) संभववाद

(C) नव निश्चयवाद (D) व्यवहार वादी विचारधारा

प्रश्न 6. निम्न लिखित में से कौन सी मानव भूगोल की शाखा नही है

(A) आवास भूगोल (B) जनसंख्या भूगोल

(C) नगरीय भूगोल (D) समुद्र विज्ञान

प्रश्न 7. भूगोलवेता ग्रिफिथ टेलर का संबंध किस विचार धारा से है?

(A) पर्यावरण निश्चयवाद (B) नव निश्चयवाद

(C) संभववाद (D) प्रत्यक्षवाद

प्रश्न 8. निम्न लिखित कथनो का अध्ययन कीजिए तथा उपयुक्त कथनों में से सही कथन का चुनाव कीजिए

या

निम्न में कौन सा कथन सही है?

(A) भूआकृति विज्ञान मानव भूगोल की महत्वपूर्ण शाखा है

(B) रैटजेल ने नवनिश्चयवाद की विचारधारा का प्रतिपादन किया।

(C) प्रौद्योगिकी किसी समाज के सांस्कृतिक विकास के स्तर का सूचक होती है।

(D) मानव द्वारा 'विशाल नगरीय प्रसार' निश्यचवाद का सूचक है।

प्रश्न–9. निम्न लिखित में से कौन सा एक भौगोलिक सूचना का स्रोत नही है।

(A) खोज यात्राओं के विवरण

(B) प्राचीन मानचित्र व डायरियाँ

(C) चन्द्रमा से प्राप्त चट्टानी नमूनें

(D) प्राचीन महाकाव्य

प्रश्न–10.निम्न लिखित में से कौन सा उपागम परिष्कृत सांख्यिकीय विधियों के प्रयोग पर बल देता है?

(A) क्षेत्रीय विभेदन **(B)** प्रादेशिक विश्लेषण

(C) स्थानिक संगठन **(D)** अन्वेषण और विवरण

प्रश्न–11. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

(i).....किसी समाज के सांस्कृतिक विकास की सूचक होती है

(ii).....का ज्ञान प्रौद्योगिकी को विकसित करने के लिए महत्व पूर्ण है।

प्रश्न–12.'ना तो नितांत आवश्यकता की स्थिति है। और ना ही नितांत स्वतन्त्रता की दशा है।' उपरोक्त संकल्पना किस विचार धारा का समर्थन करता है।

(A) संभववाद (B) निश्चयवाद

(C) व्यवहारवाद (D) नवनिश्चयवाद

उत्तरमाला

1–(D), 2–(B), 3–(C), 4–(B), 5–(B), 6 – (D), 7– (B), 8–(C), 9– (D), 10– (C), 11–प्रौद्योगिकी, प्रकृति, 12– (D)

एक अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 13. नव–निश्चयवाद की संकल्पना किस भूगोल वेत्ता ने प्रस्तुत किया

उत्तर : ग्रिफिथ टेलर ने

प्रश्न 14. जनांकिकी का अध्ययन भूगोल की किस शाखा से सम्बन्धित है?

उत्तर : जनसंख्या भूगोल

प्रश्न 15. आर्थिक भूगोल की किन्ही 2 शाखाओं / उपक्षेत्रों के नाम बताइये।

उत्तर : 1. विपणन भूगोल

2. पर्यटन भूगोल (अन्य भी हो सकते है)

प्रश्न 16. अध्ययन के उपागम के आधार पर भूगोल में द्वैतवाद की दो विचाधराओं के नाम लिखिये

उत्तर : 1. प्रोदशिक 2. क्रमबद्ध

प्रश्न 17. उत्तर उपनिवेश युग में अध्ययन का प्रमुख उपागम क्या था

उत्तर : प्रादेशिक विश्लेषण

प्रश्न 18. भारत में अबूझमाड़ क्षेत्र के जंगलो में रहने वाले आदिवासियों का जीवन भूगोल को किस विचारधारा को प्रस्तुत करता है

उत्तर : पर्यावरणीय निश्चयवाद

तीन अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 19. मानव भूगोल की परिभाषा दीजिए एंव इसके प्रमुख अध्ययन क्षेत्र बतायें।

उत्तर : भौगोलिक वातावरण तथा मानवीय क्रियाओं के अर्न्तसंबंधों तथा विभिन्नताओं का अध्ययन ही मानव भूगोल है। रैटजल के अनुसार – 'मानव भूगोल मानव समाजों तथा धरातल के बीच सम्बन्धों का संश्लेषित अध्ययन हैं।

मानव भूगोल का अध्ययन क्षेत्र

- किसी क्षेत्र की जनसंख्या व उसकी क्षमताओं का अध्ययन
- प्रदेश के संसाधनों के उपयोग और उनके नियोजन का अध्ययन
- सांस्कृतिक वातावरण का अध्ययन
- वातावरण समायोजन का अध्ययन

प्रश्न 20. ''भौतिक भूगोल और मानव भूगोल के तत्वों के मध्य परस्पर अन्योन्यक्रिया होती है। 'इस कथन को उपयुक्त उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए। (बोर्ड परीक्षा 2014)

उ. भौतिक भूगोल और मानव भूगोल के तत्वों के मध्य परस्पर अन्योन्यक्रिया होती है। भौतिक भूगोल के विभिन्न लक्षण जैसे भूमि की बनावट, जलवायु, मिट्टी, पदार्थ जल तथा वनस्पति मनुष्य के रहन – सहन तथा आर्थिक सामाजिक क्रियाओं पर प्रभाव डालते हैं। प्रकृति मनुष्य के कार्य एंव जीवन को निश्चित करती हैं मानव जीवन को निश्चित करती है। मानव जीवन प्राकृतिक साधनों पर ही आधारित है उन्हीं प्राकृतिक साधनों द्वारा मानव के रोजगार फसल चक्र परिवहन के साधन आदि सभी प्रभावित होते हैं। प्रकृति मानव विकास के भरपूर अवसर प्रदान करती है और मानव इन अवसरों का उपयोग विकास के लिए करता है।

प्रश्न 21. प्रकृति और मनुष्य आपस में इतनी जटिलता से जुडे हुए हैं कि उन्हे एक दूसरे से अलग नही किया जा सकता है। ''कथन को प्रमाणित कीजिए।

उत्तर : प्रकृति और मनुष्य आपस में जटिलता से जुड़े है।

1. प्रकृति और मानव को एक दूसरे से अलग नही किया जा सकता।
2. आपसी अन्योन्य क्रिया द्वारा मनुष्य ने प्राकृतिक पर्यावरण में सामाजिक और सांस्कृतिक पर्यावरण की रचना की है।
3. भौतिक और मानवीय परिघटनाओं का वर्णन प्राय रूपकों के रूप में किया जाता है जैसे पृथ्वी के रूप, तूफान की आंख, नदी का मुख

आदि।

प्रश्न 22. मानव भूगोल के अध्ययन की विषय वस्तु क्या है किन्ही तीन तथ्यों की व्याख्या कीजिए ?

उत्तरः मानव भूगोल के अध्ययन की विषय वस्तु के तीन महत्व पूर्ण तथ्य निम्न है।

1) भौतिक पर्यावरण व मानव जगत के बीच अन्योन्यक्रिया द्वारा निर्मित सांस्कृतिक वातावरण का अध्ययन।

2) पृथ्वी को मानव के घर के रूप में समझना और उन सभी तत्वों का अध्ययन करना जिन्होनें मानव को पोषित किया है।

3) धरातल पर रहने वाले समस्त मानवीय जगत एंव उसकी क्षमता का अध्ययन करना।

प्रश्न 23. पर्यावरणीय निश्चयवाद के विचार को उपयुक्त उदाहरणो सहित स्पष्ट कीजिए

अथवा

अपनी प्रारभिक अवस्था में मानव प्रकृति से अत्यधिक प्रभावित हुआ। इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर : 1) प्राकृतिक पर्यावरण से अन्योन्य क्रिया की आरंभिक अवस्था में मानव की प्रौद्योगिक ज्ञान का स्तर अत्यन्त निम्न था उस समय सामाजिक विकास की अवस्था भी आदिम थी

2) इस अवस्था में प्रकृति के समक्ष मानव निष्किय था प्रकृति के अनुसार ही मानव ही मानव स्वयं को ढालता था।

3) इस अवस्था में मानव प्रकृति की सुनता था उसकी प्रचण्डता से भयभीत होता था मानव प्रकृति की पूजा करता था।

4) इस अवस्था में मानव ने अपने आप को प्रकृति के द्वारा दी गई सुविधाओं के अनुसार ढाल लिया था इस सामंजस्य को पर्यावरण निश्चयवाद कहा है।

प्रश्न 24. ''प्रकृति अवसर प्रदान करती है और मानव उसका उपयोग करता है इस प्रकार धीरे – धीरे प्रकृति का मानवीकरण हो जाता है।'' मानव भूगोल की इस विचारधारा को किस नाम से जाना जाता है इसकी दो प्रमुख विशेषताएँ बताइए ?

उत्तर : 1) मानव भूगोल की इस विचारधारा को संभववाद के नाम से जाना जाता है।

2) समय के साथ मानव बेहतर तकनीक विकसित कर लेता है और पर्यावरण से प्राप्त संसाधनों के द्वारा संभावनाओं को जन्म देता है।

3) इस अवस्था में मानवीय क्रियाएँ सांस्कृतिक भू पृष्ठ का निर्माण करती है। और मानवीय क्रियाओं की छाप चारों और नजर आती है।

प्रश्न 25.''नव निश्चयवाद संकल्पनात्मक ढंग से एक संतुलन बनाने का प्रयास करता है।'' स्पष्ट कीजिए ?

अथवा

''नव निश्चयवाद ग्रिफिथ टेलर की देन है जो दो विचारधाराओं के मध्य सतुंलन बनाने का प्रयास है''। स्पष्ट करें।

अथवा

नव निश्चयवाद की कोई तीन विशेषताएँ बताइए।

उत्तर : इस विचारधारा के जनक ग्रिफिथ टेलर महोदय है।

1. यह विचारधारा पर्यावरणीय निश्चयवाद और सम्भावनावाद के बीच के मार्ग को प्रस्तुत करती है।
2. यह पर्यावरण को नुकसान किये बगैर समस्याओं को सुलझाने पर बल देती है।
3. पर्यावरणीय निश्चयवाद के अनुसार मनुष्य न तो प्रकृति पर पूरी तरह निर्भर हो कर रह सकता और न ही प्रकृति से स्वतन्त्र रह कर जी सकता है
4. प्रकृति पर विजय पाने के लिये प्रकृति के ही नियमों का पालन करना एंव उसे विनाश से बचाना होगा।
5. प्राकृतिक देनों का प्रयोग करते हुये प्रकृति की सीमाओं का ख्याल रखना चाहिये। उदाहरणार्थ औद्योगीकरण करते हुये जंगलों को नष्ट होने से बचाना। खनन करते समय अति दोहन से बचाना।

प्रश्न 26. मानव भूगोल की मानवतावादी विचारधारा से क्या आशय है ?

उत्तर : 1) मानवतावादी विचारधारा से आशय मानव भूगोल के अध्ययन को मानव के कल्याण एवं सामाजिक चेतना के विभिन्न पक्षों से जोड़ना था।

2) इसका उदय 1970 के दशक में हुआ।

3) इसके अन्तर्गत आवास, स्वास्थय एंव शिक्षा जैसे पक्षों पर ध्यान केन्द्रित किया गया।

4) यह मनुष्य की केन्द्रीय एवं क्रियाशील भूमिका पर बल देता हैं।

5) इसमें प्रादेशिक असमानतायें, निर्धनता, अभाव जैसे विषयों के कारण एंव निवारण पर ध्यानाकर्षित करता है

पाँच अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 27. प्रौद्योगिकी के विकास के लिए प्रकृति का ज्ञान किस प्रकार महत्वपूर्ण है ? उपयुक्त उदाहरणों से स्पष्ट करो?

उत्तर : 1) प्रोद्योगिकी किसी भी समाज के सांस्कृतिक विकास के स्तर की सूचक हाती है।

2) मानव प्रकृति के नियमों को समझकर ही प्रौद्योगिक का विकास कर सकता है। जैसे घर्षण व ऊष्मा की सोच ने आग की खोज में सहायता की।

3) डी.एन.ए. तथा आनुवांशिकी की रहस्यों ने अनेक बीमारियों पर विजय पाने में सहायता की।

4) वायु की गति के नियमों के प्रयोग से अधिक तीव्र गति से चलने वाले वायुयान विकसित किए गए।

5) प्रकृति के ज्ञान के आधार पर ही सांस्कृतिक वातावरण का निर्माण होता है।

प्रश्न 28. ''प्रकृति पर मानव प्रयासों की छाप स्पष्ट दिखाई देती है।'' उपर्युक्त उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : प्रकृति अवसर प्रदान करती है और मानव उनका उपयोग करता है। धीरे–धीरे प्रकृति का मानवीकरण हो जाता है तथा प्रकृति पर मानव प्रयासों की छाप पड़ने लगती है जैसे –

- तरंगित पहाड़ियों में चरागाहों का उपयोग।
- महासागरों का समुद्री मार्ग के रूप में उपयोग।
- उच्च भूमियों पर स्वास्थ्य विश्राम स्थल।
- अन्तरिक्ष में उपग्रह प्रक्षेपण।
- कृषि, नगर, पुलों का निर्माण आदि।

प्रश्न 29. समय के साथ मानव भूगोल को स्पष्ट करने वाले उपागमों में परिवर्तन आया है। मानव भूगोल के उपगमों में यह गत्यात्मकता विषय की परिवर्तन शील प्रकृति को दर्शाती हैं। इस कथन के संदर्भ में मानव भूगोल के प्रमुख उपागमों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : 1) पहले विभिन्न समाजों के बीच अन्योन्यक्रिया नगण्य थी और एक दूसरे के विषय में ज्ञान सीमित था

2) संसार के विभिन्न देशों में यात्रा करने वाले यात्री क्षेत्रों के विषय में सूचनाओं का प्रचार किया करते थे।

3) 15 वीं शताब्दी के अन्त में यूरोप में अन्वेषणों के प्रयास शुरू हुए और धीरे – धीरे लोगों व देशों के विषय में मिथक व रहस्य खुलने शुरू हुए।

4) औपनिवेशिक युग में अन्वेषणों को आगे बढाने के लिए गति प्रदान की ताकि प्रदेशों के संसाधनों तक पहुंचा जा सके और उनके विषय में तालिका युक्त सूचनाएँ प्राप्त हो सकें।

5) 1970 के बाद के दशकों में मानव भूगोल में मानवतावादी आमूलवादी और व्यवहारवादी विचारधाराओं का उदय हुआ इनके उदय ने मानव भूगोल को सामाजिक–राजनितिक यथार्थ के प्रति अधिक प्रासंगिक बना दिया।

प्रश्न 30.भूगोल में भौतिक और मानवीय परिघटनाओं का वर्णन मानव शरीर रचना विज्ञान से प्रतीकों का प्रयोग करते हुए रूपकों के रूप में किया जाता है। उदाहरण देकर कथन की व्याख्या कीजिए।

- प्रकृति और मानव अविभाज्य तत्व हैं और इन्हें समग्रता में देखा जाता है।
- भूगोल में मानवीय और भौतिक दोनो परिघटनाओं का वर्णन मानव शरीर रचना विज्ञान से प्रतीकों का प्रयोग करते हुए रूपकों के रूप में किया जाता है।
- हम देखते है कि तूफान की आंख, नदी के मुख, हिमनदी के ग्रोथ जलडमरूमध्य की ग्रीवा, मृदा की परिच्छेदिका का वर्णन करते हैं।
- प्रदेशों, गांवों, नगरों का वर्णन जीवों के रूप में किया जाता है जैसे– हम अपनी जन्मभूमि को मां कहते है।
- सड़कों रेलमार्गों के जाल को परिसंचरण की धमनियों के रूप में वर्णित किया जाता है।

अध्याय–2

विश्व जनसंख्या (वितरण, घनत्व और वृद्धि)

अवधारणा मानचित्र

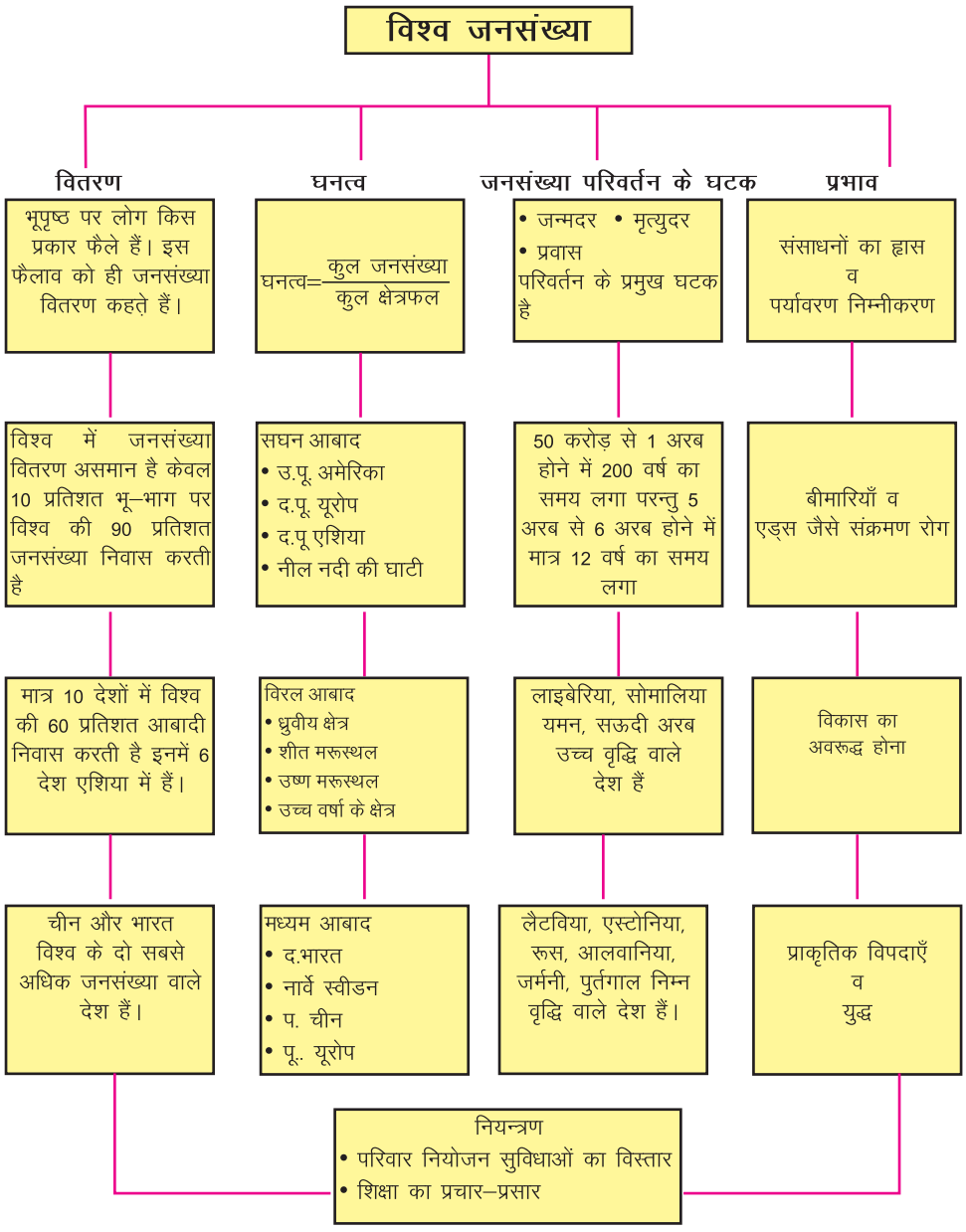

एक अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1. जनांकिकीय संक्रमण की द्वितीय अवस्था की किन्ही दो विशेषताओ की पहचान कीजिए।

उत्तर : 1. प्रारंभ में प्रजनन शीलता ऊँची बनी रहती है।

2. स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं व स्वच्छता में सुधार के साथ मृत्यु दर में कमी आती है।

प्रश्न 2. जनसंख्या नियन्त्रण के दो प्रमुख उपायों को स्पष्ट कीजिए

उत्तर : 1. गर्भ निरोधक की सुगमता से उपलब्धता

2. शिक्षा का प्रसार व जागरूकता

प्रश्न 3. एक निश्चित स्तर के बाद जनसंख्या वृद्धि समाज में समस्याओं को जन्म देती है। तर्क देकर कथन को न्याय संगत ठहराइए।

उत्तर : एक निश्चित स्तर के बाद जनसंख्या वृद्धि संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डालती है जिससे संसाधनों के शोषण और संसाधनों पर नियन्त्रण की होड़ उत्पन्न होती है जो समाज में अनेको समस्याओं को जन्म देती है।

प्रश्न 4. अठारहवी शताब्दी में विश्व जनसंख्या में विस्फोटक वृद्धि के मुख्य कारण की पहचान कीजिए।

उत्तर : अठारहवी शताब्दी में विश्व जनसंख्या में विस्फोटक वृद्धि का मुख्य कारण औद्योगिक क्रांति थी।

प्रश्न 5. जनसंख्या घनत्व की परिभाषा दीजिए।

उत्तर : किसी क्षेत्र में लोगों की कुल संख्या और उस क्षेत्र के कुल क्षेत्रफल के अनुपात को जनसंख्या घनत्व कहते है इसकी गणना निम्न प्रकार की जाती है–

$$\text{जनसंख्या घनत्व} = \frac{\text{कुल जनसंख्या}}{\text{कुल क्षेत्रफल}}$$

प्रश्न 6. जनसंख्या वृद्धि को परिभाषित कीजिए

उत्तर : जनसंख्या वृद्धि का अभिप्राय किसी क्षेत्र में समय की निश्चित अवधि के दौरान बसे हुए लोगो की संख्या में परिवर्तन से है यह परिवर्तन धनात्मक और ऋणात्मक दोनो प्रकार का हो सकता है।

प्रश्न 7. जनसंख्या की वास्तविक वृद्धि की गणना किस प्रकार की जाती है?

उत्तर : जनसंख्या की वास्तविक वृद्धि की गणना निम्न प्रकार की जाती है–

जनसंख्या की वास्तविक वृद्धि = जन्म–मृत्यु + आप्रवास–उत्प्रवास

प्रश्न 8. अफ्रीकी, स्वतंत्र राष्ट्रो के राष्ट्रमंडल के कुछ भागो में जनसंख्या की धीमी वृद्धि के प्रमुख कारण की समीक्षा कीजिए

उत्तर : एच आई वी / एडस जैसी घातक बीमारी ने इन राष्ट्रो के कुछ भागो में मृत्यु दर को तेजी से बढ़ा दिया जिस कारण जनसंख्या में धीमी वृद्धि हुई।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 9. एशिया में बहुत अधिक स्थानों पर कम लोग और कम स्थानों पर बहुत अधिक लोग रहते है।" यह कथन किस विद्धान का है।

(A) जार्ज बी क्रेसी

(B) माल्थस

(C) बाल्डो इमरसन

(D) रैटजेल

प्रश्न 10. जब लोग एकस्थान से दूसरे स्थान पर जाते है तो वह स्थान जहाँ से लोग गमन करते हैं कहलाता है।

(A) गंतव्य स्थान **(B)** उदगम स्थान

(C) अप्रवास **(D)** उत्प्रवास

प्रश्न 11. मिलान करिए

1) आप्रवास	i) बेरोजगारी
2) उत्प्रवास	ii) रहन सहन की अच्छी दशाएँ
3) प्रतिकर्ष कारक	iii) प्रवासी जो किसी नए स्थान पर जाते है
4) अपकर्ष कारक	iv) प्रवासी जो किसी स्थान पर आते है।

	a	b	c	d
A	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
B	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
C	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
D	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

प्रश्न 12. निम्न में कौन सा जनसंख्या परिवर्तन का घटक नही है?

(A) नगरीकरण (B) जन्म

(C) मृत्यु (D) प्रवास

प्रश्न 13. निम्न में से कौन सी दशा जनांकिकीय संक्रमण की अंतिम अवस्था को दर्शाती है

(A) उच्च प्रजननशीलता उच्च मर्त्यता

(B) महामारियाँ व भोजन की अनिश्चितता

(C) जनसंख्या का अशिक्षित होना

(D) नगरीय जनसंख्या व उच्च तकनीकी ज्ञान

प्रश्न 14. निम्न में कौन सा सुमेलित नही है?

(A) जन्म – मृत्यु = जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि

(B) (जन्म – मृत्यु) + आप्रवास – उत्प्रवास = जनसंख्या की वास्तविक वृद्धि

(C) प्रति हजार जनसंख्या के पीछे मृतको की संख्या = जन्म दर

(D) जनसंख्या का एकस्थान से दूसरे स्थान पर जाना = प्रवास

प्रश्न 15. निम्न में से किस महामारी ने अफ्रीका, स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रमंडल (सी0आई0एस0) के कुछ भागों और एशिया में मृत्यु दर बढ़ा दी है और औसत जीवन प्रत्याशा घटा दी है।

(A) हैजा (B) टी0बी0

(C) एच0आई0वी0 / एडस (D) डेंगू बुखार

प्रश्न 16. बीसवी शताव्दी में जनसंख्या की तीव्र वृद्धि में योगदान देने वाले प्रमुख कारण क्या थे।

(A) जैव प्रौद्योगिकी का विकास एवं सूचना क्रांति

(B) कृषि का विकास

(C) परिवहन का विकास

(D) औद्योगिक विकास

उत्तरमालाः–

9–(A), 10–(B), 11–(C), 12–(A), 13–(D)

14–(C), 15–(C), 16–(A)

तीन अंक वाले प्रश्न (लघुउत्तरीय)

प्रश्न 17. जनसंख्या वृद्धि की परिभाषा दीजिए। जनंसख्या की धनात्मक और त्रृणात्मक वृद्ध में अंतर स्पष्ट कीजिए। (3 अंक)

उत्तरः किसी क्षेत्र में निश्चित समयावधि में जनसंख्या में होने वाले परिवर्तन को जनसंख्या वृद्वि कहते हैं। जब जनसंख्या परिवर्तन को प्रतिशत में व्यक्त किया है उसे जनसंख्या वृद्वि दर कहते हैं। जनसंख्या वृद्वि दर 2 प्रकार की होती हैः–

(1) जनसंख्या की धनात्मक वृद्वि दर–किन्ही दो समय अंतरालों के बीच जब जन्म दर, मृत्यु दर से अधिक हो जाती है, तब वह जनसंख्या की धनात्मक वृद्वि दर कहलाती है।

(2) जनसंख्या की ऋणात्मक वृद्वि दर–किन्हीं दो समय अंतरालों के बीच जब जन्मदर, मृत्यु दर से कम हो जाती है, तब वह जनसंख्या की ऋणात्मक वृद्वि दर कहलाती है।

प्रश्न 18. संसार में जनसंख्या प्रवास के प्रमुख अपकर्ष कारकों का वर्णन कीजिए।

उत्तर : प्रवास के अपकर्ष कारक गंतव्य स्थान को उद्गम स्थान की अपेक्षा अधिक आकर्षक बनाते हैं। ये कारक निम्न हैं :–

1) काम के बेहतर अवसर
2) रहन–सहन की अच्छी दशाएँ
3) शान्ति व स्थायित्व
4) अनुकूल जलवायु
5) जीवन व सम्पत्ति की सुरक्षा

प्रश्न 19. संसार में जनसंख्या प्रवास के प्रमुख प्रतिकर्ष कारकों का वर्णन कीजिए।

उत्तर : प्रवास के प्रतिकर्ष कारक उद्गम स्थान को उदासीन स्थल बनाते है। इन कारणों की वजह से लोग इस स्थान को छोड़कर चले जाते है। ये प्रमुख

कारक निम्न है :–

1) रहन – सहन की निम्न दशाएँ
2) राजनैतिक अस्थिरता
3) प्रतिकूल जलवायु
4) प्राकृतिक विपदाएँ
5) महामारियाँ
6) आर्थिक पिछड़ापन

प्रश्न 20. जनसंख्या परिवर्तन के तीन प्रमुख घटकों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर : जनसंख्या परिवर्तन के तीन प्रमुख घटक निम्न है–

1) **जन्मदर** :– अशोधित जन्म दर को प्रति हजार स्त्रियों द्वारा जन्म दिए गए जीवित बच्चों के रूप में व्यक्त किया जाता है। इसके उच्च होने या निम्न होने का जनसंख्या परिवर्तन से सीधा संबंध है।
2) **मृत्युदर** :– मृत्युदर भी जनसंख्या परिवर्तन में सक्रिय भूमिका निभाती है। जनसंख्या वृद्धि केवल बढ़ती जन्मदर से ही नहीं होती अपितु घटती मृत्युदर से भी परिवर्तित होती है।
3) **प्रवास** :– प्रवास के द्वारा जनसंख्या के आकार में परिवर्तन होता है इसके अन्तर्गत उद्‌गम स्थान को छोड़कर जाना व गंतव्य स्थान पर आकर बसना दोनों सम्मिलित है। प्रवास स्थायी व मौसमी दोनों प्रकार का हो सकता है। यह जनसंख्या परिवर्तन में योगदान देता है।

प्रश्न 21. किसी क्षेत्र में जनसंख्या वृद्धि व ह्रास के प्रमुख परिणामों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : किसी देश की जनसंख्या वृद्धि वहाँ के आर्थिक विकास पर धनात्मक व ऋणात्मक दोनो प्रकार का प्रभाव डाल सकती है।

जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न समस्याएँ :–

1) संसाधनों पर अत्याधिक भार।
2) संसाधनों का तीव्र गति से ह्रास।
3) जनसंख्या के भरण पोषण में कठिनाई।
4) विकास की गति का अवरूद्ध होना।

जनसंख्या ह्रास के परिणाम :–

1) संसाधनों का पूर्ण उपयोग नहीं हो पाता।

2) समाज की आधारभूत संरचना स्वयं ही अस्थिर हो जाती है।

3) देश का भविष्य चिंता व निराशा में डूब जाता है।

प्रश्न 22. विज्ञान व प्रौद्योगिकी ने किस प्रकार जनसंख्या वृद्धि में सहायता की है? तीन बिन्दुओं में स्पष्ट कीजिए।

अथवा

जनसंख्या की वृद्धि व नियन्त्रण दोनों परिस्थिति में विज्ञान व प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

उत्तर : 1) विज्ञान प्रौद्योगिकी ने कृषि व औद्योगिकरण को बढ़ावा दिया जिससे उत्पादन में वृद्धि हुई तथा जनसंख्या में वृद्धि हुई।

2) विज्ञान व प्रौद्योगिकी के बल पर ही भयंकर बीमारियों व संक्रामक रोगों के रोकथाम हुई व मृत्युदर पर नियन्त्रण हुआ।

3) विज्ञान व प्रौद्योगिकी की उन्नति ने लोगों के रहन–सहन की दशाओं में सुधार किया उन्हें आरामदायक बनाया, जिससे जनसंख्या में वृद्धि हुई।

प्रश्न 23. जनसंख्या नियन्त्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये सरकार क्या तरीके अपना रही है ?

उत्तर : 1) परिवार नियोजन कार्यक्रमों का विस्तार

2) अच्छे गर्भ निरोधकों का प्रचार व सरलता से उपलब्ध कराना।

3) शिक्षा का प्रसार, विशेषकर स्त्रियों में।

पाँच अंको वाले प्रश्न (दीर्घउत्तरीय)

प्रश्न 24. विश्व में जनसंख्या के वितरण एंव घनत्व को प्रभावित करने वाले कारकों की विवेचना कीजिए।

या

'विश्व में जनसंख्या का वितरण असमान है। 'इस कथन के संदर्भ में प्रमुख कौन–से कारक जनसंख्या वितरण को प्रभावित करते हैं?

उत्तर : विश्व में जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक निम्न है।

1. प्राकृतिक कारक

(क) उच्चावच :– पर्वतीय, पठारी अथवा ऊबड़–खाबड़, प्रदेशों में कम लोग रहते हैं जबकि मैदानी क्षेत्रों में लोगों का निवास अधिक होता है

क्योंकि इन क्षेत्रों में भूमि उर्वरक होती है और कृषि की जा सकती है। यही कारण है कि नदी घाटियों जैसे गंगा, ब्रह्मपुत्र, हांग–हो आदि की घाटियाँ अधिक घनी बसी है।

(ख) जलवायु :– अत्याधिक गर्म या अत्याधिक ठंडे भागों में कम जनसंख्या निवास करती है। ये विरल जनसंख्या वाले क्षेत्र हैं जैसे मरूस्थल व पहाड़ी क्षेत्र मानसून प्रदेशों में अधिक जनसंख्या निवास करती है – जैसे एशिया के देश।

(ग) मृदा :– जनसंख्या के वितरण पर मृदा की उर्वरा शक्ति का बहुत प्रभाव पड़ता है। उपजाऊ मिट्टी वाले क्षेत्रों में खाद्यान्न तथा अन्य फसलें अधिक पैदा की जाती हैं तथा प्रति हैक्टेयर उपज अधिक होती है। इसलिए नदी घाटियों की उपजाऊ मिट्टी वाले क्षेत्र अधिक घने बसे हैं।

(घ) खनिज पदार्थ :– विषम जलवायु होने पर भी उपयोगी खनिजों की उपलब्धता से लोग वहाँ बसने लगते हैं। उदाहरण के लिए, सऊदी अरब के भीषण गर्मी वाले क्षेत्र में खनिज तेल के मिल जाने से अधिक घने बसे हैं। कालगूर्डी और कूलगर्डी की गर्म जलवायु में सोने की प्राप्ति तथा अलास्का में तेल कुओं की उपलब्धता के कारण वहाँ अधिक लोग रहते हैं।

(ड़) वनस्पति :– अधिक घने वनों के कारण भी जनसंख्या अधिक नहीं पाई जाती है लेकिन कोणधारी वनों की आर्थिक उपयोगिता अधिक है। इसलिए लोग उन्हें काटने के लिए वहाँ बसते हैं।

2) **आर्थिक कारक** :–

1) परिवहन का विकास :– परिवहन के साधनों के विकास से लोग दूर के क्षेत्रों से परिवहन के बेहतर साधनों से जुड़ जाते हैं विश्व के सभी परिवहन साधनों से जुड़े क्षेत्र सघन आबाद हैं।

2) नगरीकरण और औद्योगिक क्षेत्रों में उद्योगों और नगरीय केन्द्रों की वृद्धि एक उच्च जनसंख्या घनत्व को आकर्षित करती है।

3) **धार्मिक एंव सांस्कृतिक कारक** :–

1) **धार्मिक कारक** :– धार्मिक कारणों से लोग अपने देश छोड़ने को मजबूर हो जाते है। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान यहूदियों को यूरोप छोडकर रेगिस्तान क्षेत्र में नया देश इजराइल बसाना पड़ा था। इसी

प्रकार दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद नीति के कारण जनसंख्या का वितरण प्रभावित हुआ है।

2) **राजनैतिक कारक** :– किसी देश में गृह युद्ध, अशान्ति आदि के कारण भी जनसंख्या वितरण पर प्रभाव पड़ता है। उदाहरण के लिए, फारस की खाड़ी का युद्ध, श्रीलंका में जातीय संघर्ष आदि के कारण जनसंख्या का पलायन हुआ।

प्रश्न 25. किसी देश की जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ने पर वहाँ आर्थिक विकास पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

उत्तर : जनसंख्या की तीव्र वृद्धि के कारण अनेक प्रकार की आर्थिक और सामाजिक समस्याएँ उत्पन्न हो जाती है :

1. **भोजन की समस्या** :– तीव्र गति से जनसंख्या की वृद्धि के कारण भोजन पदार्थों की आवश्यकता की पूर्ति कठिन हो जाती है।
2. **आवास की समस्या** :– बढती जनसंख्या के कारण निवास स्थानों की कमी होती जा रही है। लाखों लोग झुग्गी तथा झोपड़ी में निवास करते हैं।
3. **बेरोजगारी** :– जनसंख्या वृद्धि के कारण बेकारी एक गम्भीर समस्या के रूप में उभर कर सामने आई है। आर्थिक विकास कम हो जाने से रोजगार के अवसर कम हो जाते हैं और बेरोजगारी बढ़ जाती है।
4. **निम्न जीवन स्तर** : अधिक जनसंख्या के कारण प्रति व्यक्ति आय कम हो जाती है इसलिए स्तर गिर जाता है।
5. **जनसंख्या का कृषि पर अधिक दबाव** : बढ़ती जनसंख्या को खाद्यान्नों की पूर्ति करने के लिए कृषि योग्य भूमि पर दबाव बढ़ जाता है।
6. **बचत में कमी** : जनसंख्या वृद्धि के कारण कीमतें बढ़ जाती है तथा बचत कम होती है।
7. **स्वास्थ्य** : नगरों में गन्दगी बढ़ जाती है स्वास्थ्य और सफाई का स्तर नीचे गिर जाता है।

प्रश्न 26. जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत क्या है?

जनांकिकीय संक्रमण अवस्थाओं को चित्र द्वारा स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त किसी क्षेत्र की जनसंख्या के वर्णन तथा भविष्य की जनसंख्या के पूर्वानुमान लगाने में मदद करता है। इस सिद्धान्त के अनुसार जैसे–जैसे कोई देश या समाज ग्रामीण खेतीहर और अशिक्षित में उन्नति करके नगरीय औद्योगिक और साक्षर बनता है तो उस समाज में उच्च जन्म व उच्च मृत्युदर से निम्न जन्म व निम्न मृत्युदर की स्थिति आने लगती है ये परिवर्तन विभिन्न अवस्थाओं में होते हैं। इन्हे सामूहिक रूप से जनांकिकीय चक्र कहते हैं। ये अवस्थाएँ निम्न प्रकार हैं:–

प्रथम अवस्था : प्रथम अवस्था में उच्च जन्मदर और उच्च मृत्युदर होती है। जनसंख्या वृद्धि धीमी होती है और अधिकतम लोग प्राथमिक व्यवसाय में लोग होते हैं। बड़े परिवार संपत्ति माने जाते हैं जीवन प्रत्याशा निम्न होती है।

द्वितीय अवस्था : इस अवस्था में आरंभ में उच्च जन्मदर बनी रहती है किन्तु समय के साथ घटती है। इस अवस्था में मृत्युदर घट जाती है। जन्मदर व मृत्युदर में अंतर के कारण जनसंख्या तेजी से बढ़ती है। बाद में घटने लगती है।

तृतीय अवस्था :– इस अवस्था में जन्म दर तथा मृत्युदर बहुत कम हो जाती है। लगभग संतुलन की स्थिति होती है। जनसंख्या या तो स्थिर हो जाती है अथवा बहुत कम वृद्धि होती है। इस अवस्था में जनसंख्या शिक्षित हो जाती है तथा तकनीकी ज्ञान के द्वारा विचार पूर्वक परिवार के आकार को नियन्त्रित करती है।

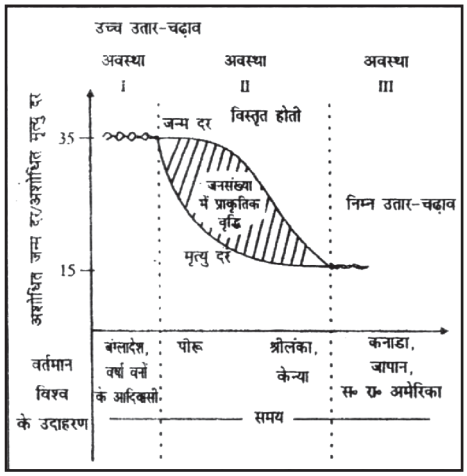

प्रश्न 27. विश्व में बहुत अधिक क्षेत्रफल पर बहुत कम लोग व बहुत कम क्षेत्र पर बहुत अधिक लोग रहते है। ''उदाहरणों सहित इस कथन की पुष्टि करो।

अथवा

''विश्व में जनसंख्या वितरण का प्रतिरूप अपने आप में अनूठा है।'' स्पष्ट करें।

उत्तर : 1. विश्व की 90% जनसंख्या इसके 10% स्थल पर निवास करती है।

2. संयुक्त राज्य अमेरिका का पूर्वी भाग यूरोप का उत्तरी पश्चिमी भाग, दक्षिणी, दक्षिणी पूर्वी एशिया के क्षेत्र सर्वाधिक घनत्व वाले क्षेत्र है जहां 200 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. से भी अधिक लोग रहते हैं।

3. उत्तरी व दक्षिणी ध्रुवों के निकट, उष्ण व शीत मरूस्थल व अधिक वर्षा वाले स्थानों का जनसंख्या घनत्व 1 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. से भी कम है।

4. उत्तरी गोलार्ध में जनसंख्या अधिक तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में कम है क्योंकि द. गोलार्ध में स्थल भाग कम है।

5. संसार की अधिकांश जनसंख्या 5^0 उत्तरी अक्षांश से 45^0 उत्तरी अक्षांश के मध्य ही निवास करती हैं।

प्रश्न 28. संसार में जनसंख्या वृद्धि की विभिन्न प्रवृत्तियों का आदि काल से लेकर अब तक का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

उत्तरः–

- पृथ्वी पर वर्तमान में जनसंख्या 700 करोड़ से भी अधिक है इस आकार तक पहुँचने में जनसंख्या को कई शताब्दियाँ लगी है
- आरंभिक वर्षों में जन संख्या बहुत धीरे धीरे बढ़ी है पिछले कुछ 100 वर्षों में ही जनसंख्या में आश्चर्यजनक बृद्धि हुई है
- लगभग 8000 से 12000 वर्ष पूर्व तक कृषि के उदभव और आरंभ के पश्चात जनसंख्या 55 करोड़ थी
- 1750 के आस–पास जब औद्योगिक क्रांति हुई तो उस समय विश्व की जनसंख्या 55 करोड थी।
- अठारहवी शताब्दी में विश्व की जनसंख्या में विस्फोटक वृद्धि हुई है।
- विज्ञान व प्रौद्योगिकी की उन्नति ने जन्म दर को घटाने तथा जनसंख्या को तेजी से बढ़ने के लिए मंच तैयार किया है।

अध्याय–4

मानव विकास

अवधारणा मानचित्र

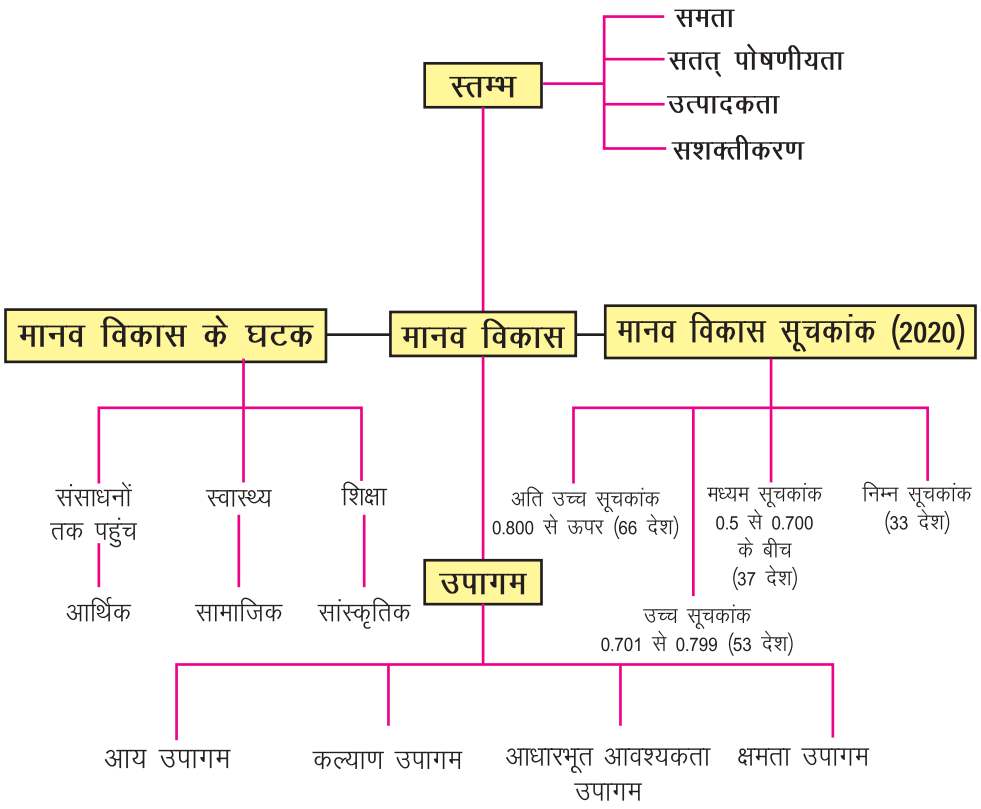

एक अंक वाले प्रश्न (अतिलघुउत्तरीय)

प्रश्न 1. वृद्धि तथा विकास के बीच कोई एक अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : वृद्धि मात्रात्मक और मूल्य निरपेक्ष होती है जो धनात्मक अथवा ऋणात्मक हो सकती है विकास का अर्थ गुणात्मक परिवर्तन है जो मूल्य सापेक्ष होता है। विकास हमेशा गुणवत्ता सकारात्मक परिवर्तन को दर्शाता है।

प्रश्न 2. डॉ. महबूब–उल–हक ने 'विकास' शब्द को किस प्रकार परिभाषित किया है ?

उत्तर : डॉ. महबूब–उल–हक के अनुसार विकास का संबंध लोगों के विकल्पों में बढ़ोत्तरी से है ताकि वे आत्मसम्मान के साथ दीर्घ व स्वस्थ जीवन जी सकें।

प्रश्न 3. मानव विकास के सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्षों की अथवा केद्र बिन्दु की पहचान कीजिए।

उत्तर : संसाधना तक पहुँच, स्वास्थ्य एव शिक्षा मानव विकास के केन्द्र बिन्दु हैं।

प्रश्न 4. मानव विकास के स्तम्भ के रूप में सतत पोषणीयता' किस प्रकार मानव विकास को पोषित करती है ?

उत्तर : निर्वहन का अर्थ है अवसरों की उपलब्धता में निरंतरता। सतत पोषणीयता मानव विकास के लिए आवश्यक है जिससे प्रत्येक पीढ़ी को समान अवसर मिलें। इसलिए संसाधनों का उपयोग भविष्य को ध्यान में रख कर करना चाहिए।

प्रश्न 5. मानव विकास सूचकांक में शीर्ष स्थान पर बने रहने के लिए नॉर्वे ने क्या प्रयास किए हैं?

उत्तर : शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को प्राथमिकता देना, सामाजिक खंड में बहुत अधिक निवेश तथा लोगों और सुशासन में उच्चतर निवेश के कारण नार्वे मानव विकास सूचकांक में शीर्ष स्थान पर है।

प्रश्न 6. किसी एक कारक की समीक्षा कीजिए जो किसी भी देश में मानव विकास के स्तर को निर्धारित करता है

उत्तर : सामाजिक सेक्टर पर सरकारी व्यय का प्रतिरूप तथा देश का राजनीतिक परिवेश।

प्रश्न 7. ज्ञान तक पहुँच को प्रदर्शित करने के लिए प्रयुक्त होने वाले सूचकों को बताईए।

उत्तर : प्रौढ़ साक्षरता दर और सकल नामांकन अनुपात ज्ञान तक पहुँच को प्रदर्शित करते हैं।

प्रश्न 8. कल्याण उपागम की किन्हीं दो विशेषताओं को उजागर कीजिए।

उत्तर : 1. यह उपागम, मानव को लाभार्थी अथवा सभी विकासात्मक गतिविधियों के लक्ष्य के रूप में देखता है।

2. इसके अनुसार लोग विकास में प्रतिभागी नहीं हैं, किंतु वे केवल निष्क्रिय प्रातकर्ता हैं।

प्र0–9 मानव विकास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

(i) मानव विकास की अवधारणा का प्रतिपादन अमर्त्य सेन द्वारा किया गया था।

(ii) मानव विकास की अवधारणा मे सभी प्रकार के विकास का केन्द्र बिन्दु पर्यावरण हैं।

(iii) मानव विकास का मूल उद्देश्य ऐसी दशाओं को उत्पन्न करना है जिनमें लोग सार्थक जीवन व्यतीत कर सकते हैं। उपयुक्त कथनों में से कौन–सा/से सही नहीं है/हैं।

A) केवल (i) और(ii)

B) केवल (ii) और (iii)

C) केवल (iii)

D) (i), (ii), (iii)

(iv) कृषि, वानिकी, मत्स्यन आदि : प्राथमिक क्रियाएँ

प्र0–10 उचित मिलान कर सही विकल्प चुनिए

1) आय अपागम	(i) संसाधनों तक पहुँच के लिए मानव क्षमताओं का निर्माण
2) कल्याण उपागम	(ii) मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था
3) आधारभूत आवश्यकता उपागम	(iii)सरकार द्वारा मानव कल्याण पर व्यय
4) क्षमता उपागम	(iv)आय का स्तर उँचा होने पर, मानव विकास का स्तर भी उँचा होगा।

विकल्पः–	1	2	3	4
A	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
B	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
C	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
D	(iv)	(i)	(ii)	(i)

उ0 A) (iv), (iii), (ii), (i)

प्र0–11 निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सुमेलित नहीं हैं?

A) समता – प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध अवसरों के लिए – समान पहुँच की व्यवस्था करना।

B)सतत पोषणीयता – अवसरों की उपलब्धता में निरंतरता

C)उत्पादकता – मानव संसाधनों का उपयोग भविष्य को ध्यान में रख कर करना

D)सशक्तीकरण – सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए समूहों का सशक्तीकरण

प्र0–12 निम्नलिखित में से कौन मानव विकास रिपोर्ट (HDR) को प्रकाशित करता हैं?

A) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)

B) विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)

C) विश्व बैंक (World Bank)

D) विश्व आर्थिक मंच (Word Economic Forum)

प्र0–13 मानव विकास सूचकांक की प्रथम रिपोर्ट कब जारी हुई।

(i) 1985 (ii) 1987 (iii) 1980 (iv) 1990

प्र0–14 मानव विकास के मापन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

(i) मानव विकास सूचकांक मानव विकास में प्राप्तियों का मापन करता हैं।

(ii) मानव विकास के मापन के संबंध में संसाधनों तक पहुँच क्रयशक्ति के संदर्भ में मापा जाता है।

(iii) मानव विकास सूचकांक में स्वास्थ्य का मूल्यांकन करने के लिए जन्म के समय जीवन–प्रत्याशा सूचक को चुना जाता है।

उपयुक्त कथनों में से कौन सा/से सही है।

A) केवल (i) और (ii) B) केवल (iii)

C) केवल (ii और (iii) D) (i),(ii),और(iii)

उत्तर माला

9-a 10-a 11-c 12-d 13-d 14-d

तीन अंक वाले प्रश्न (लघुउत्तरीय)

प्रश्न 15. "विकास का अर्थ गुणात्मक परिवर्तन से है जो सदैव मूल्य सापेक्ष होता है" किन्हीं तीन तर्कों द्वारा इस कथन की पुष्टि करो।

उत्तरः **(1)** विकास तब ही सार्थक माना जाता है जब वर्तमान दशाओं में वृद्धि हो।

(2) विकास तब होता है जब सकारात्मक वृद्धि होती है।

(3) परन्तु केवल सकारात्मक वृद्धि होना ही विकास ही नहीं है। विकास उस समय होता है जब गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन होता है। अर्थात् किसी स्थान पर यदि जनसंख्या बढ़ने के साथ–साथ उसकी मूलभूत सेवाओं की व्यवस्था भी बढ़ जाती है, जब वह वृद्धि के साथ विकास कहा जाएगा।

प्रश्न 16. विकास और वृद्धि में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 1) वृद्धि समय के संदर्भ के मात्रात्मक एंव मूल्य निरपेक्ष परिवर्तन को सूचित करती है। यह धनात्मक व ऋणात्मक दोनों हो सकती है।

2) विकास का अर्थ गुणात्मक परिर्वन से है जो मूल्य सापेक्ष होता है।

3) विकास तब तक नहीं हो सकता जब तक वर्तमान दशाओं में सकारात्मक वृद्धि ना हो। यह गुणात्मक एवं पूर्ण सकारात्मक परिवर्तन का सूचक है।

प्रश्न 17. डॉ. महबूब उल हक द्वारा मानव विकास का वर्णन किस प्रकार किया गया है ?

उत्तर : 1) विकास मानव के लिए विकल्पों में वृद्धि करता है।

2) मानव विकास जीवन में सार्थक सुधार लाता है।

3) विकास परिवर्तनशील है इसका उद्देश्य ऐसी दशाऐं उत्पन्न करना है जिसमें लोग सार्थक जीवन जी सकें।

प्रश्न 18. विश्व में मानव विकास के 'कल्याण उपागम' की किन्हीं तीन विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : मानव विकास के कल्याण उपागम की प्रमुख विशेषताएँ।

- यह उपागम मानव को सभी विकासात्मक गतिविधियों के लाभार्थी के रूप में देखता है।

- यह उपागम शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और सुख साधनों पर उच्चतर सरकारी व्यय का तर्क देता है।
- लोग विकास में प्रतिभागी नहीं है किन्तु वे केवल निष्क्रिय प्राप्तकर्त्ता है।
- सरकार कल्याण पर अधिकतम व्यय करके मानव विकास के स्तरों में वृद्धि करने के लिए उत्तरदायी है।

प्रश्न 19. संसार में मानव विकास के 'आधारभूत आवश्यकता उपागम' को स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर : इस उपागम को मूल रूप से अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने प्रस्तावित किया था।

- छः न्यूनतम आवश्यकता जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन, जलापूर्ति, स्वच्छता और आवास की पहचान की गई थी और इन आवश्यकताओं की पूर्ति सबसे पहले आवश्यक है।
- इसमें मानव विकल्पों की वृद्धि पर जोर नहीं दिया जाएगा।
- मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था पर जोर दिया गया है।

प्रश्न 20. संसार के विभिन्न देशों में मानव विकास के निम्न अथवा उच्च स्तर क्यों दिखाई पड़ते हैं ? उपयुक्त कारण देकर उत्तर की पुष्टि करें?

उत्तर : उच्च स्तर वाले देश :–

- इन देशों में सेवाओं जैसे शिक्षा एंव स्वास्थ्य पर सरकार द्वारा अत्याधिक निवेश किया जाता है तथा इन सेवाओं को उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता होती है।
- राजनैतिक उपद्रव एवं सामाजिक अस्थिरता यहाँ पर नहीं पाई जाती है।
- यहाँ बहुत अधिक सामाजिक विविधता नहीं है।
- इस देशों में नार्वे, आईसलैंड, आस्ट्रेलिया, लेक्जेमबर्ग, कनाडा आदि हैं।

निम्न स्तर वाले देश :–

- सामाजिक सेवाओं में सरकार द्वारा आवश्यक निवेश किया जाता है।
- इन देशों में प्रतिरक्षा एवं गृहकलह शान्त करने में अधिक व्यय होता है।
- अधिकांश देशों में आर्थिक विकास की गति बहुत धीमी है।

- अधिकांश देश राजनैतिक उपद्रवों गृहयुद्ध, सामाजिक अस्थिरता–अकाल अथवा बीमारियों के दौर से गुज़र रहे हैं।

प्रश्न 21. मानव विकास के 'आय उपागम' की किन्ही तीन विशेषताओं को स्पष्ट करें।

उत्तर : विश्व में मानव विकास के आय के उपागम की प्रमुख विशेषताएँ–

- आय उपागम मानव विकास के सबसे पुराने उपागमों में से एक है। इस विचार के अनुसार आय बढ़ने से ही मानव विकास हो जायेगा।
- इस उपागम में मानव विकास को आय के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- आय का स्तर ऊंचा होने पर विकास का स्तर भी ऊँचा होगा।

प्रश्न 22. मानव विकास सूचकांक के मुख्य सूचकांको का वर्णन कीजिए।

उत्तर : मानव विकास के मापन के तीन प्रमुख सूचकांक है।

1) **स्वास्थ्य** :– स्वास्थ्य का मूल्यांकन करने के लिए चुना गया सूचक जन्म के समय जीवन प्रत्याशा है जो दीर्घ एंव स्वस्थ्य जीवन का सूचक है।

2) **शिक्षा** :– शिक्षा का मूल्यांकन करने के लिए प्रौढ़ साक्षरता दर और सकल नामांकन अनुपात को आधार माना जाता है। यह मनुष्य की ज्ञान तक पहुंच को प्रदर्शित करता है।

3) **संसाधनों तक पहुंच** :– यह लोगों की क्रय शक्ति को प्रकट करता है। यह आर्थिक सामर्थ्य का सूचक है।

प्रश्न 23. सतत पोषणीयता' मानव विकास के लिए किस प्रकार आवश्यक है?

उत्तर :
- सतत् पोषणीयता का अर्थ है अवसरों की सतत प्राप्यता ।
- सभी पर्यावरणीय, वित्तीय व मानवीय संसाधनों का उपयोग भविष्य को ध्यान में रखकर करना चाहिए ताकि प्रत्येक पीढ़ी को समान अवसर मिल सके।
- इन संसाधनों में से किसी भी एक का दुरूपयोग भावी पीढ़ियों के लिए अवसरों को कम करेगा।

प्रश्न 24. किसी देश / क्षेत्र के आकार व प्रति व्यक्ति आय का मानव विकास से प्रत्यक्ष संबंध नहीं है '' – कैसे? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

''मानव विकास की अंतर्राष्ट्रीय तुलनाएँ रूचिकर हैं।'' उपयुक्त उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : किसी प्रदेश के आकार व प्रति व्यक्ति आय का मानव विकास से प्रत्यक्ष संबंध नही है क्योंकि,

- प्रायः मानव विकास में बडे देशों की अपेक्षा छोटे देशों का कार्य बेहतर रहा है। मानव विकास का स्तर, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आर्थिक विकास से मापा जाता है जो देश के आकार से प्रभावित नहीं होते।
- मानव विकास में अपेक्षाकृत निर्धन राष्ट्रों का कोटि क्रम धनी पड़ोसियों से ऊँचा रहा है।
- छोटी अर्थव्यवस्थाएँ जैसे श्रीलंका व टोबैगो का मानव विकास सूचकाँक भारत से ऊँचा है वहीं कम प्रति व्यक्ति आय के बावजूद मानव विकास में केरल का प्रर्दशन पंजाब व गुजरात से कहीं बेहतर है।

5 अंक वाले दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 25. मानव विकास के विभिन्न उपागमों का वर्णन करें ?

उत्तर : मानव विकास से सम्बन्धित समस्याओं के लिए अनेक उपागम है। उनमें से कुछ महत्वपूर्ण निम्न है :–

आय उपागम :– यह मानव के सबसे पुराने उपागमों में से एक है। इसमें मानव विकास को आय के साथ जोड़कर देखा जाता है। आय का उच्च स्तर विकास के ऊंचे स्तर को दर्शाता है।

कल्याण उपागम :– यह उपागम मानव को लाभार्थी अथवा सभी विकासात्मक गतिविधियों के लक्ष्य के रूप में देखता है। सरकार कल्याण पर अधिकतम व्यय करके मानव विकास के स्तरों में वृद्धि करने के लिए जिम्मेदार है।

आधारभूत आवश्यकता उपागम :– इस उपागम को मूलरूप से अन्तराष्ट्रीय श्रम संगठन ने प्रस्तावित किया था। इसमें छः न्यूनतम् आवश्यकताओं जैसे–शिक्षा, भोजन, जलापूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य और आवास की पहचान की गई थी। इनमें मानव विकल्पों के प्रश्न की उपेक्षा की गई है।

क्षमता उपागम :– इस उपागम का संबंध प्रो. अमर्त्य सेन से है। संसाधनों तक पहुंच के क्षेत्रों में मानव क्षमताओं का निर्माण करना बढ़ते मानव विकास की कुंजी है।

प्रश्न 26. मानव विकास सूचकांक का मापन किस प्रकार किया जाता है ? महत्वपूर्ण सूचकों को संदर्भ में रखते हुए स्पष्ट करे।

उत्तर : संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 'मानव विकास लोगों के विकल्पों को विकसित व परिवर्द्धित करने की प्रक्रिया है। मानव विकास सूचकांक स्वास्थ्य, शिक्षा तथा संसाधनों तक पहुंच जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निष्पादन के आधार पर देशों

का क्रम तैयार करता है। यह क्रम 0 से 1 के बीच के स्कोर पर आधारित होता है, जो किसी देश के मानव विकास सूचकों के रिकार्ड से प्राप्त किया जाता है। इसके महत्वपूर्ण सूचक –

1) स्वास्थ्य का मूल्यांकन करने के लिए जन्म के समय जीवन प्रत्याशा को सूचक माना है। उच्च जीवन प्रत्याशा का अर्थ है लोगों के पास अधिक लम्बा व स्वस्थ जीवन जीने के अधिक अवसर हैं।
2) प्रौढ़ साक्षरता दर व सकल नामांकन अनुपात शिक्षा को प्रदर्शित करते हैं जिसे पढ़ लिख सकने वाले व्यस्कों की संख्या व विद्यालयों में नामांकित बच्चों की संख्या से ज्ञात किया जाता है।
3) संसाधनों तक पहुँच को क्रय शक्ति के संदर्भ में मापा जाता हैं। इनमें से प्रत्येक आयाम को 1/3 अंक भारित दी जाती है और मानव विकास सूचकांक इन सभी आयामों को दिए गए अंको का कुल योग होता है।

प्रश्न 27. मानव विकास से आपका क्या अभिप्राय है ? मानव विकास के चार प्रमुख स्तम्भों (घटकों) का वर्णन कीजिए ?

उत्तर : डा. महबूब–उल–हक के अनुसार –

''मानव विकास का अभिप्राय ऐसे विकास से है जो लोगों के विकल्पों में वृद्धि करता है और उनके जीवन में सुधार लाता है। विकास का मूल उद्देश्य ऐसी दशाओं को उत्पन्न करना है जिनमें लोग सार्थक जीवन व्यतीत कर सकें।''

मानव विकास के चार स्तम्भ :–

1) **समता** :– उपलब्ध अवसरों में प्रत्येक व्यक्ति को समान भागीदारी मिलना ही समानता है। लोगों को उपलब्ध अवसर लिंग, प्रजाति, आय और भारत के संदर्भ में जाति के भेदभाव के विचार के बिना समान होने चाहिए।
2) **सतत् पोषणीयता** :– सतत् पोषणीयता का अर्थ अवसरों की उपलब्धि में निरन्तरता है। इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक पीढ़ी को समान अवसर मिलें। भावी पीढ़ियों को ध्यान में रखकर पर्यावरणीय, वित्तीय और मानव संसाधनों का उपयोग करना चाहिए।

इनमें से किसी भी संसाधन का दुरूपयोग भावी पीढ़ी के लिए अवसरों को कम करेगा।

3) **उत्पादकता** :– यहाँ उत्पादकता शब्द का प्रयोग मानव श्रम की उत्पादकता के संदर्भ में किया जाता है। लोगों को समर्थ और सक्षम बनाकर मानव श्रम की उत्पादकता को निरन्तर बेहतर बनाना चाहिए। लोगों के ज्ञान को बढ़ाने के प्रयास तथा उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने से उनकी कार्य क्षमता बेहतर होगी।

4) **सशक्तीकरण** :– सशक्तिकरण का तात्पर्य आर्थिक व सामाजिक रूप से पिछड़े हुए लोगों को हर तरह से समर्थ बनाना, जिससे वे विकल्प चुनने के लिए स्वतंत्र रहे।

पाठ–5

प्राथमिक क्रियाएँ

अवधारणा मानचित्र

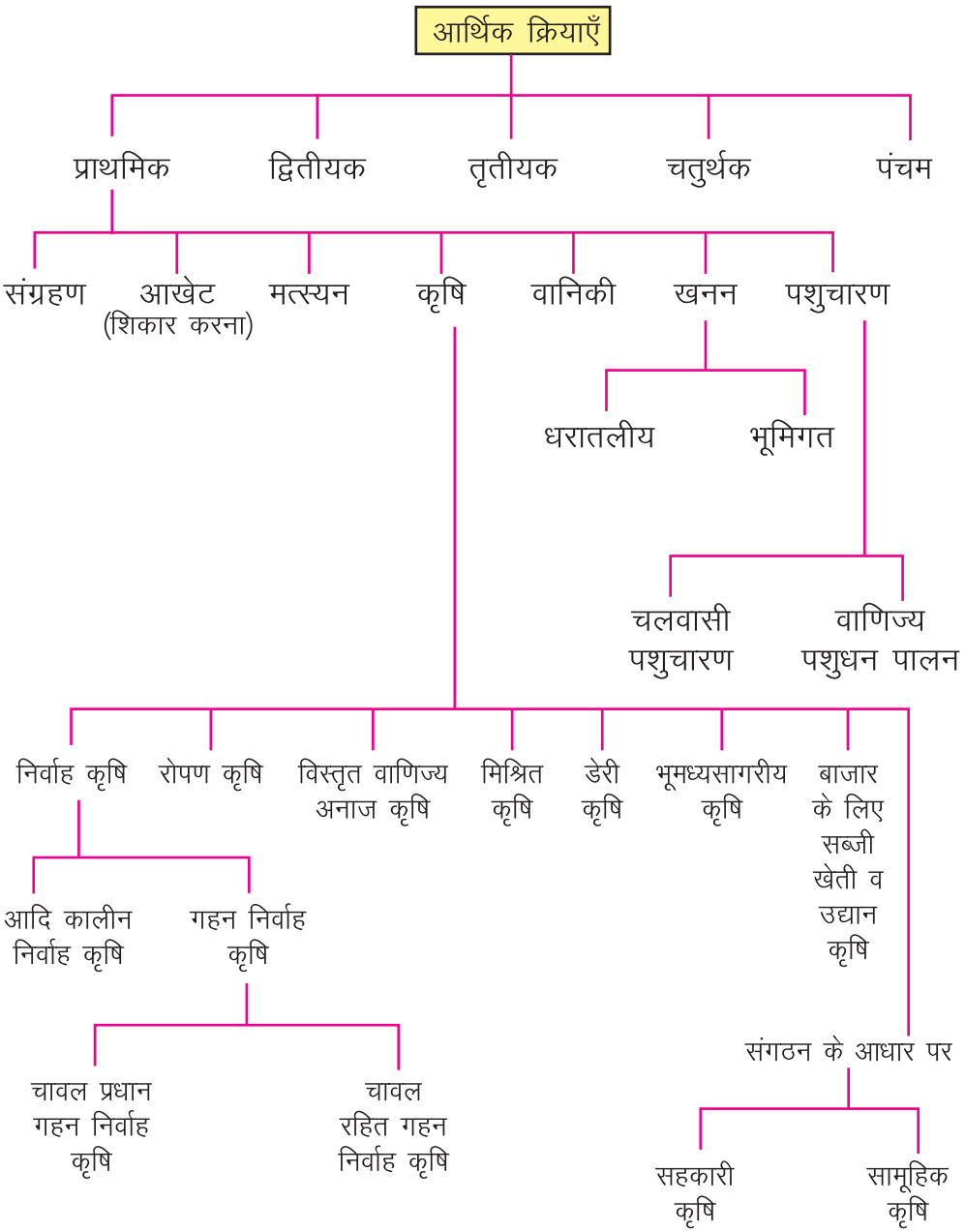

– स्थानांतरी कृषि, प्राथमिक क्रिया का महत्वपूर्ण उदाहरण है।

– भारत के उत्तरी पूर्वी राज्यों में स्थानांतरी कृषि को झूमिंग, मध्य अमेरिका एवं मैक्सिको में मिल्पा, मलेशिया तथा इंडोनेशिया में लांदाग कहते हैं।

प्रमुख क्षेत्र

चलवासी पशुचारण	–	उत्तरी अफ्रीका, यूरोप तथा एशिया के टुंड्रा प्रदेश, दक्षिण पश्चिमी अफ्रीकातथा मेडागास्कर दीप
वाणिज्य पशुपालन	–	न्यूजीलैण्ड, आस्ट्रेलिया, अर्जेंटाइना, संयुक्त राज्य अमेरिका।
आदिकालीन निर्वाह कृषि	–	अफ्रीका, दक्षिण व मध्य अमेरिका का उष्णकटिबंधीय भाग तथा दक्षिण पूर्वी एशिया।
विस्तृत वाणिज्य	–	स्टेपीज यूरेशिया के, उ. अमेरिका के प्रेयरीज, अर्जेंटाइना के पम्पास, द. अफ्रीका का वेल्डस, आस्ट्रेलिया का डाउन्स तथा न्यूजीलैण्ड के कैंटरबरी घास के मैदान।
डेयरी कृषि	–	उत्तरी पश्चिम यूरोप, कनाडा तथा न्यूजीलैण्ड व आस्ट्रेलिया एवं तस्मानिया।
सहकारी कृषि	–	पश्चिम यूरोप के डेनमार्क, नीदरलैण्ड बेल्जियम, स्वीडन तथा इटली।
पुष्पोत्पादन	–	नीदरलैंड– (ट्यूलिप)
उद्यान कृषि	–	पश्चिम यूरोप व उत्तरी अमेरिका
मिश्रित कृषि	–	अत्याधिक विकसित भाग जैसे उत्तरी अमेरिका, उ. पश्चिमी यूरोप, यूरेशिया के कुछ भाग तथा दक्षिणी महाद्वीप के समशीतोष्ण अक्षांश वाले भाग
सामूहिक कृषि	–	सोवियत संघ (कोलखहोज)
भूमध्य सागरीय कृषि	–	दक्षिणी यूरोप, उत्तरी अफ्रीका में टयूनिशिया, द. कैलिफोर्निया, मध्यवर्ती चिली, द. अफ्रीका का द. प. भाग आदि।
सहकारी कृषि	–	डेनमार्क, नीदरलैण्ड बेल्जियम, स्वीडन, इटली।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1 निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः–

(i) द्वितीयक क्रियाओं में परिवहन तथा अन्य क्षेत्र शामिल हैं।

(ii) प्राथमिक क्रियाएँ प्रत्यक्ष रूप से पर्यावरण पर निर्भर हैं।

उपयुक्त कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़कर बताइए कि कौन सा/ से कथन सही है/हैं।

A) केवल (i) B) केवल (ii)

C) (i) और (ii) दोनों D) न तो (i) और न ही (ii)

प्रश्न 2 गहन निर्वाह कृषि विश्व में मुख्य रूप से किस क्षेत्र में की जाती हैं?

a) मध्य एशिया b) मानसून एशिया

c) दक्षिणी अमेरिका एवं मैक्सिको के क्षेत्रों में d) भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में

प्रश्न 3 गुज्जर, बकरबाल गद्दी एवं भूटिया लोग किस पर्वतीय क्षेत्र में रहते है?

a) रॉकी b) एंडीज

c) हिमालय d) आल्पस

प्रश्न 4. निम्नलिखित में से किस प्रकार की खेती यूरोपीय उपनिवेशवादियों द्वारा विकसित की गई थी?

उत्तरः (a) रोपण कृषि (b) ट्रक कृषि (c) निर्वाह कृषि (d) मिश्रित कृषि

प्रश्न 5. डेनमार्क जाना जाता हैः–

उत्तरः (a) मिश्रित कृषि (b) पशुपालन (c) डेरी उद्योग (d) रोपण कृषि

प्रश्न 6. निम्नलिखित में से कौन सा देश पुष्प उत्पादन में विशिष्टीकरण रखता हैं?

उत्तरः (a) भारत (b) पाकिस्तान (c) नीदरलैंड (d) कनाडा

1. (b) 2. (b) 3. (c) 4. (a) 5. (c) 6. (c)

एक अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 7. आर्थिक गतिविधियाँ क्या हैं?

उत्तरः मानव के वो क्रियाकलाप जिनसे आय प्राप्त होती हैं, आर्थिक गतिविधियाँ कहलाती है।

प्रश्न 8. किस प्रकार की कृषि में एकल फसल विशेषज्ञता एक विशेषता हैं?

उत्तरः रोपण कृषि

प्रश्न 9. ट्रक कृषि को परिभाषित कीजिए।

उत्तरः ट्रक कृषि में सब्जियों को ट्रक द्वारा काफी दूर स्थित बाजार तक भेजा जाता है।

प्रश्न 10. किस प्रकार की कृषि में खट्टे फलों की खेती बहुत महत्वपूर्ण हैं?

उत्तरः भूमध्यसागरीय कृषि

प्रश्न 11.सहकारी कृषि से आप क्या समझते हैं?

उत्तरः सहकारी कृषि में उत्पादन के साधनों का स्वामित्व संपूर्ण समाज एंव सामूहिक श्रम पर आधारित होता हैं।

पांच अंक वाले प्रश्न (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

प्रश्न 12. डेयरी कृषि की सफलता किन बातों पर निर्भर करती है?

अथवा

"नगरीकरण के कारण डेयरी कृषि का विकास हुआ हैं।" उदाहरण सहित समझाइए।

अथवा

डेरी कृषि का क्या महत्व है? विश्व में यह नगरीय और औद्योगिक केंद्रों के निकट मुख्य रूप से क्यों की जाती है।

अथवा

डेरी कृषि की विशेषतायें बताइये

उ. 1) **अर्थ** – यह एक विशेष प्रकार की कृषि है, जिसके अन्तर्गत पशुओं को दूध के लिए पाला जाता है, और उनके स्वास्थ्य, प्रजनन एवं चिकित्सा पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

2) **पूँजी** – पशुओं के लिए छप्पर, घास संचित करने के भंडार एवं दुग्ध उत्पादन में अधिक यंत्रों के प्रयोग के लिए पूँजी भी अधिक चाहिए।

3) **श्रम** – पशुओं को चराने, दूध निकालने आदि कार्यों के लिए वर्ष भर श्रम की आवश्यकता होती हैं।

4) नगरीय और औद्योगिक क्षेत्रों में विकसित यातायात के साधन

प्रशीतकों का उपयोग तथा पाश्चुरीकरण की सुविधा उपलब्ध होने के कारण इन केंद्रों के निकट स्थापित की जाती है।

5) **बाजार** – डेरी कृषि का कार्य नगरीय एवं औद्योगिक केंद्रों के समीप किया जाता हैं, क्योंकि ये क्षेत्र ताजा दूध एवं अन्य डेरी उत्पाद के अच्छे बाजार होते हैं।

6) **मुख्य क्षेत्र** –(1) उत्तरी पश्चिमी यूरोप

(2) कनाडा

(3) न्यूजीलैंड, दक्षिण पूर्वी, आस्ट्रेलिया एवं तस्मानिया।

प्रश्न 13.भूमध्य सागरीय कृषि की विशेषताएँ बताइये।

उत्तर : 1) यह कृषि भूमध्यसागरीय जलवायु वाले प्रदेशों में की जाती है।

2) यह विशिष्ट प्रकार की कृषि है, जिसमें खट्टे फलों के उत्पादन पर विशेष बल दिया जाता है।

3) यहाँ शुष्क कृषि भी की जाती है। गर्मी के महीनों में अंजीर और जैतून पैदा होते हैं।

4) शीत ऋतु में जब यूरोप एवं संयुक्त राज्य अमेरिका में फलों एवं सब्जियों की माँग होती है, तब इसी क्षेत्र से इसकी आपूर्ति की जाती है।

5) इस क्षेत्र के कई देशों में अच्छे किस्म के अंगूरों से उच्च गुणवत्ता वाली मदिरा (शराब) का उत्पादन किया जाता है।

प्रश्न 14.बाजार के लिए सब्जी खेती एवं उद्यान कृषि की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। (CBSE 2008)

उत्तर : 1) इस प्रकार की कृषि में अधिक मुद्रा मिलने वाली फसलें, जैसे सब्जियाँ, फल एवं पुष्प लगाए जाते हैं जिनकी मांग नगरीय क्षेत्रों में होती है।

2) इस कृषि में खेतों का आकार छोटा होता है।

3) खेत यातायात के अच्छे साधनों द्वारा जुड़े होते हैं।

प्रश्न 15.चलवासी पशुचारण और वाणिज्य पशुधन पालन में अंतर बताइये।

(CBSE Exam 2010)

संसार में चलवासी पशुचारकों के जीवन जीन`के तरीको का वर्णन कीजिए। (2017)

अथवा

किन्ही पाँच भिन्नता प्रतिपादक बिन्दुओं का उल्लेख करते हुए मिश्रित कृषि और डेरी कृषि में अन्तर स्पष्ट कीजिए (2016)

अथवा

चलवासी पशुचारण की परिभाषा लिखिए। इसकी किन्ही चार विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

अथवा

किन्ही पाँच भिन्नता प्रतिपादक बिन्दुओं का उल्लेख करते हुए चलवासी पशुचारण और वाणिज्य पशुधन पालन में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

संसार में चलवासी पशुचारण की किन्ही पाँच विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर : चलवासी पशुचारण

1) **अर्थ** – चलवासी पशुचारण में पशुपालक समुदाय चारे एवं जल की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते हैं।

2) **पूँजी** – यह पूँजी प्रधान नहीं है। पशुओं को प्राकृतिक परिवेश में पाला जाता है।

3) **पशुओं की देखभाल** – पशु प्राकृतिक रूप से बड़े होते हैं और उनकी विशेष देखभाल नहीं की जाती।

4) **पशुओं के प्रकार** – चलवासी पशुपालक एक ही समय में विभिन्न प्रकार के पशु रखते हैं। जैसे सहारा व एशिया के मरुस्थलों में भेड़, बकरी व ऊँट पाले जाते हैं।

5) **क्षेत्र** – यह पुरानी दुनिया तक की सीमित है। इसके तीन प्रमुख क्षेत्र हैं:–

   क) उत्तरी अफ्रीका के एटलांटिक तट से अरब प्रायद्वीप होते हुए मंगोलिया एवं मध्य चीन

   ख) यूरोप व एशिया के टुंड्रा प्रदेश

   ग) दक्षिण पश्चिम अफ्रीका एवं मेडागास्कर द्वीप।

वाणिज्य पशुधन पालन

1) **अर्थ** – वाणिज्य पशुधन पालन एक निश्चित स्थान पर विशाल क्षेत्र

वाले फार्म पर किया जाता है और उनके चारे की व्यवस्था स्थानीय रूप से की जाती है।

2) **पूँजी** – चलवासी पशुचारण की अपेक्षा वाणिज्य पशुधन पालन अधिक व्यवस्थित एवं पूँजी प्रधान है।

3) **पशुओं की देखभाल** – पशुओं को वैज्ञानिक तरीके से पाला जाता है और उनकी विशेष देखभाल की जाती है।

4) **पशुओं के प्रकार** – इसमें उसी विशेष पशु को पाला जाता है जिसके लिए वह क्षेत्र अत्यधिक अनुकूल होता है।

5) **क्षेत्र** – यह मुख्यतः नई दुनिया में प्रचलित हैं। विश्व में न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया, अर्जेंटाइना, युरुग्वे, संयुक्त राज्य अमेरीका में वाणिज्य पशुधन पालन किया जाता है।

प्रश्न 16. 'मिश्रित कृषि' की विशेषताएं बताते हुये इसके प्रमुख क्षेत्रों के नाम लिखिए।

उत्तर : 1) इस प्रकार की कृषि में फसल उत्पादन एवं पशुपालन दोनों को समान महत्व दिया जाता हैं। फसलों के साथ–साथ पशु जैसे मवेशी, भेड़, सुअर, कुक्कुट आय के प्रमुख स्रोत है।

2) चारें की फसलें मिश्रित कृषि के मुख्य घटक हैं।

3) इस कृषि में खेतों का आकार मध्यम होता है।

4) इसमें बोई जाने वाली अन्य फसलें गेहूँ, जौ, राई, जई, मक्का, कंदमूल प्रमुख है। शस्यावर्तन एवं अंतः फसली कृषि मृदा की उर्वरता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

5) इस प्रकार की कृषि विश्व के अत्यधिक विकसित भागों में की जाती है, जैसे उत्तरी पश्चिमी यूरोप, उत्तरी अमेरिका का पूर्वी भाग, यूरेशिया के कुछ भाग एवं दक्षिणी महाद्वीपों के समशीतोष्ण अंक्षाश वाले भाग।

प्रश्न 17. आदिमकालीन निर्वाह कृषि की विशेषताएँ बताए।

उत्तर : **1) अर्थ आदिमकालीन** – निर्वाह कृषि, कृषि का वह प्रकार है जिसमें कृषक अपने व अपने परिवार के भरण पोषण (निर्वाह) हेतु उत्पादन करता है। इसमें उत्पाद बिक्री के लिए नहीं होते। आदिमकालीन निर्वाह कृषि का प्राचीनतम रूप है, जिसे स्थानांतरी कृषि भी कहते हैं, जिसमें खेत स्थाई नहीं होते।

2) **खेत का आकार** – खेत छोटे–छोटे होते हैं।

3) **कृषि की पद्धति** – इसमें किसान एक क्षेत्र के जंगल या वनस्पतियों को काटकर या जलाकर साफ करता है। खेत का उपजाऊपन समाप्त होने पर उस स्थान को छोड़कर भूमि का अन्य भाग कृषि हेतु तैयार करता है।

4) **औजार** – औजार पारम्परिक होते हैं, जैसे लकड़ी, कुदाली एवं फावड़े।

5) **क्षेत्र** – ऊष्णकटिबंधीय क्षेत्र जहाँ आदिम जाति के लोग यह कृषि करते हैं:–

(1) अफ्रीका

(2) उष्णकटिबंधीय दक्षिण व मध्य अमेरीका

(3) दक्षिण पूर्वी एशिया।

प्रश्न 18.चावल प्रधान गहन निर्वाह कृषि की मुख्य विशेषताएं बताए?

अथवा

संसार में गहन निर्वाह कृषि मुख्यतः कहाँ की जाती है? गहन निर्वाह कृषि के दोनो प्रकारो को स्पष्ट कीजिए

अथवा

संसार के विभिन्न देशो में प्रचलित निर्वाह कृषि के दो प्रकार कौन से है? निर्वाह कृषि के इन प्रकारों की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

संसार में प्रचलित निर्वाह कृषि की किन्ही पाँच विशेषताओं का वर्णन कीजिए (2016)

(A) चावल प्रधान गहन निर्वाह कृषि

उत्तर : 1) **अर्थ** – इस प्रकार की कृषि में लोग परिवार के भरण पोषण के लिए भूमि के छोटे से टुकड़े पर काफी बड़ी संख्या में लोग चावल की कृषि में लगे होते हैं। यहाँ भूमि पर जनसंख्या का दबाव अधिक होता है।

2) **मुख्य फसल** – जैसा कि इस कृषि के नाम से ही पता चलता है कि इसमें चावल प्रमुख फसल होती है। सिंचाई वर्षा पर निर्भर होती है।

3) **खेतों का आकार** – अधिक जनसंख्या घनत्व के कारण खेतों का

आकार छोटा होता है तथा खेत एक दूसरे से दूर होते हैं।

4) **श्रम** – भूमि का गहन उपयोग होता है एवं यंत्रों की अपेक्षा मानव श्रम का अधिक महत्व है। कृषि कार्य में कृषक का पूरा परिवार लगा रहता है।

5) **प्राकृतिक खाद** – भूमि की उर्वरता बनाए रखने के लिए पशुओं के गोबर की खाद एवं हरी खाद का उपयोग किया जाता है।

6) **क्षेत्र** – मानसून एशिया के घने बसे प्रदेश।

b. चावल रहित गहन निर्वाह कृषि।

उत्तर : 1) इस कृषि में चावल मुख्य फसल नहीं होती है और इसके स्थान पर गेहूँ, सोयाबीन, जौ तथा सोरपम आदि फसलें बोई जाती है।

2) यह कृषि उन क्षेत्रों में की जाती है, जहाँ पर चावल की फसल के लिए पर्याप्त वर्षा नहीं होती इसलिए इसमें सिंचाई की जाती है।

3) इस प्रकार की कृषि में भूमि पर जनसंख्या का दबाव अधिक रहता हैं।

4) खेत बहुत ही छोटे तथा बिखरे हुए होते हैं।

5) मशीनों के स्थान पर खेती के अधिकतर कार्य पशुओं द्वारा होते है।

6) मुख्य क्षेत्रों में उत्तरी कोरिया, उत्तरी जापान, मंचूरिया, गंगा सिंधु के मैदानी भाग (भारत) हैं।

प्रश्न 19.रोपण कृषि की मुख्य विशेषताएँ बताइये।

अथवा

संसार के विभिन्न क्षेत्रों मेंप्रचलित रोपण कृषि की किन्ही पाँच विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (2017, 2019)

उत्तर : **1) अर्थ** – रोपण कृषि एक व्यापारिक कृषि है जिसके अन्तर्गत बाजार में बेचने के लिए चाय, कॉफी, कोको, रबड़, कपास, गन्ना, केले व अनानास की पौध लगाई जाती है।

2) खेत का आकार – इसमें कृषि क्षेत्र (बागान) का आकार बहुत बड़ा होता है।

3) पूँजी निवेश – बागानों की स्थापना व उन्हें चलाने, रखरखाव के लिए अधिक पूँजी की आवश्यकता होती है।

4) तकनीकी व वैज्ञानिक विधियाँ – इसमें उच्च प्रबंध तकनीकी

आधार तथा वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग किया जाता है।

5) **एक फसली कृषि** – यह एक फसली कृषि है जिसमें एक फसल के उत्पादन पर ही ध्यान दिया जाता है।

6) **श्रम** – इसमें काफी श्रमिकों की आवश्यकता होती है। श्रम स्थानीय लोगों से प्राप्त किया जाता है।

7) **परिवहन के साधन** – परिवहन के साधन सुचारु रूप से विकसित होते हैं जिसके द्वारा बागान एवं बाजार भली प्रकार से जुड़े रहते हैं।

8) **क्षेत्र** – इस कृषि को यूरोपीय एवं अमेरिकी लोगों ने अपने अधीन उष्ण कटिबंधीय उपनिवेशों में स्थापित किया था।

पाँच अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 20 "भोजन संग्रह एंव आखेट जनजातीय समाजों के जीवन निर्वाह के लिए आदिमकालीन आर्थिक क्रियाएँ हैं, परंतु आधुनिक समय में भोजन संग्रह के कार्य का व्यापारीकरण भी हो गया है" इस कथन की जाँच कीजिए।

अथवा

भोजन संग्रहण प्राचीनतम आर्थिक क्रिया है, परन्तु विश्व स्तर पर भोजन संग्रहण का अधिक महत्व नही है।" इस कथन को प्रमाणित कीजिए। **(Comptt. 2017)**

उत्तरः भोजन संग्रहक कीमती पौधों की पत्तियों, छाल औषधीय पौधों को बाजार में बेचने के उद्देश्य से इनको संग्रहीत करते हैं।

' पोधों के विभिन्न भागों का ये उपयोग करते हैं। जैसे–छाल का उपयोग कुनेन, चमड़ा तैयार करना एवं कार्क के लिए।

' दृढ़ फल को भोजन एवं तेल के लिए एकत्रित किया जाता है। अनेक उद्योगों में पेड़ के तने का उपयोग रबड़, बनाना, गोंद व राल बनाने के लिए किया जाता है, पेड़ की पत्तियों का उपयोग पेय पदार्थ, दवाइयाँ तथा कांतिवर्धक वस्तुएँ बनाने के लिए किया जाता है।

प्रश्न21. संसार में प्रचलित वाणिज्य पशुधन पालन की किन्ही पाँच विशेषताओं का वर्णन कीजिए। **(2014)**

अथवा

संसार में वाणिज्य पशुधनपालन व्यवस्थित और पूंजी प्रधान गतिविधि हैं इस कथन को प्रमाणित किजिए। (Comptt. 2017)

उत्तर (i) वाणिज्य पशुधन पालन अधिक व्यवस्थित एवं पूँजी प्रधान है।

(ii) पश्चिमी संस्कृति से प्रभावित, इसमें फार्म स्थायी होते हैं, जो विशाल क्षेत्र पर फैले होते है जिन्हें छोटी–छोटी इकाइयों में बाँट दिया जाता है।

(iii) चराई के नियंत्रण के लिए बाड़ लगाकर इन इकाइयों को एक दूसरे से अलग कर दिया जात है।

(iv) पशुओं की संख्या चरागाह की वहन क्षमता के अनुसार रखी जाती हें

(v) एक विशिष्ट गतिविधि है, जिसमें एक ही प्रकार के प्रशु पाले जाते है!

(vi) प्रमुख पशुओं में भेड़, बकरी, गाय–बैल एवं घोड़े हैं।

(vii) पशुफार्म में पशुधन पालन वैज्ञानिक आधार पर व्यवस्थित किया जाता है।

(viii) विशेष ध्यान पशुओं के प्रजनन, मानसिक सुधार, बिमारियों पर नियन्त्रण तथा उनके स्वास्थय पर दिया जाता हैं। इस प्रकार प्रत्येक कार्य के लिए पूंजी आवश्यक हैं।

प्रश्न 22.किन्ही पाँच भिन्नता प्रतिपादक बिन्दुओं का उल्लेख करते हुये, सहकारी कृषि और सामूहिक कृषि में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर (i) सरकारी कृषि में कृषक स्वेच्छा से अपने संसाधनों का समाहित कर, सहाकरी संस्था बनाकर कृषि कार्य सम्पन्न करते हैं, जबकि सामूहिक कृषि में उत्पादन के साधनों का स्वामित्व सम्पूर्ण समाज एवं सामूहिक श्रम पर आधारित होता है।

(ii) सहकारी कृषि में व्यक्तिगत फार्म अक्षुण्ण रहते हैं, परन्तु सामूहिक कृषि में कृषक अपने सभी संसाधनो को मिलाकर कृषि करते हैं, किन्तु भूमि का छोटा सा हिस्सा अपने अधिकार में रख सकते हैं।

(iii) सहकार समितियाँ कृषकों की सभी रूपों में सहायता करती हैं परन्तु सामूहिक कृषि में सरकार सभी तरह से नियन्त्रण करती है।

(iv) सहकारी समितियाँ अपने उत्पादों को अनुकूल शर्तो पर बेचती हैं, सामूहिक कृषि में उत्पादन को सरकार ही निर्धारित मूल्य पर खरीदती है।

(v) डेनमार्क, नीदरलैंड, बेल्जियम, स्वीडन, इटली आदि यूरोप के देशों में सहकारी कृषि का चलन हैं, जबकि रूस में सामूहिक कृषि का

प्रश्न 23. संसार में चलवासी पशुचारको की संख्या घट रही है एवं इनके द्वारा उपयोग में लाए गये क्षेत्रों में कमी हो रही हैं।
इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर चलवासी पशुचारकों की संख्या तथा उनके द्वारा उपयोग में लाए गए क्षेत्र लाए गए क्षेत्र में कमी हो रही है। इसके दो कारण है–

(क) राजनीतिक सीमाओं का अधिरोपण

(ख) कई देशों द्वारा नई बस्तियों की योजना बनाना।

(क) विश्व के चलवासी पशुचारण के प्रमुख क्षेत्रों में अधिकांशत : उपनिवेश शासन के समय में राजनीति क सीमाओं का अधिरोपण किया गया है। जिनमें शासन इकाइयों का बटँवारा किया गया जिस कारण अनेक क्षेत्रों में पशुचारकों के आवगमन पर प्रभाव पड़ा अथवा उनका क्षेत्र सीमित कर दिया गया

(ii) उननिवेश काल में चरागाहों को कृषि फार्मो में परिवर्तित करने का कार्य किया गया, वेस्टलेंड रूल, लागू किया गया।

(iii) अफ्रीका में स्थानीय किसानों को कृषि क्षेत्रों को बढ़ाने के लिए प्रतिपादित किया गया।

(ख) (i) कुछ चारागाहों को श्वेत बस्तियों के रूप में परिवर्तित किया गया।

(ii) पशुचारको के कुछ समूहों ने शहरों में रहना शुरू कर दिया तथा व्यापार में शामिल हो गये।

अध्याय–6

द्वितीयक क्रियाएँ

अवधारणा मानचित्र

उद्योगों का वर्गीकरण

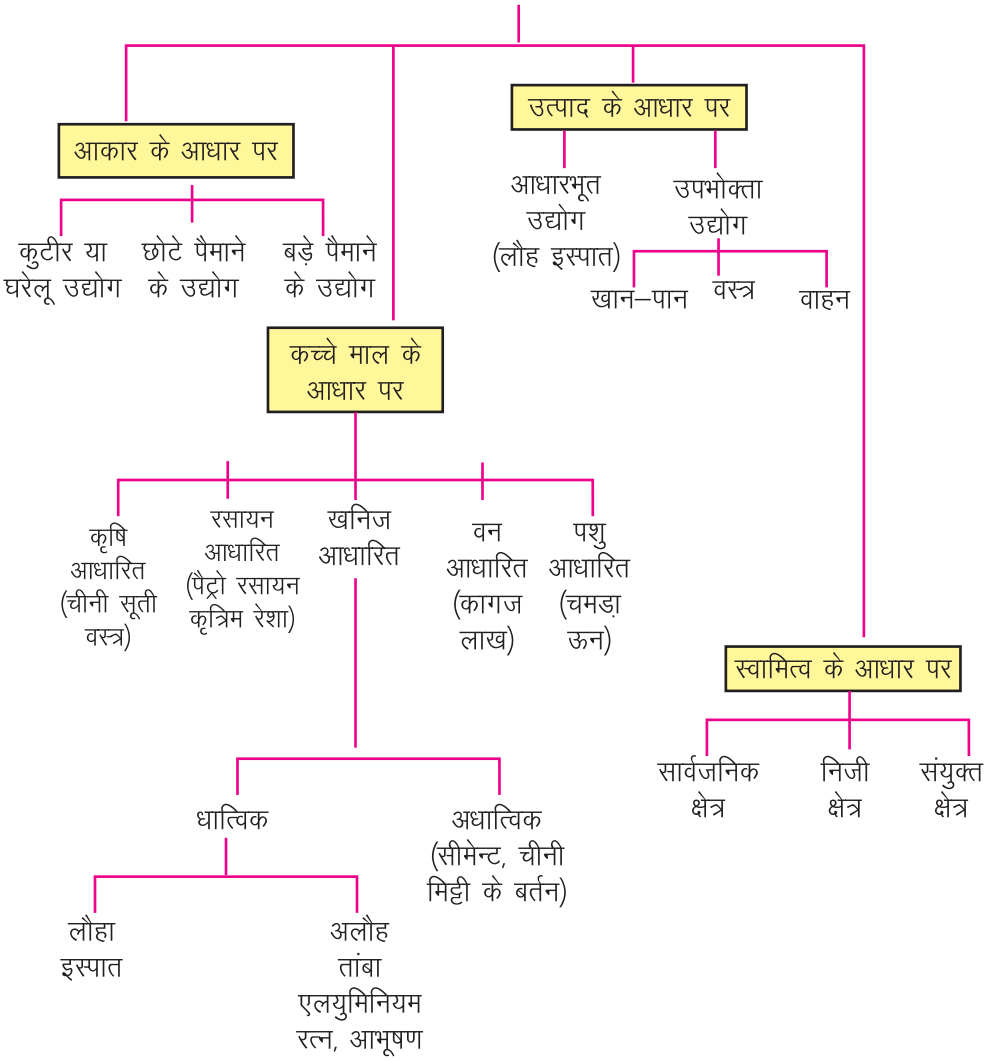

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1 सीमेन्ट उद्योग किस प्रकार के उद्योग की श्रेणी में आता है?

A) कृषि आधारित　　B) रसायन आधारित

C) खनिज आधरित　　D) वन आधारित

प्रश्न 2 निम्नलिखित में कौन सा एक कार्य द्वितीयक सेक्टर से संबंन्धित नहीं है?

A) टोकरी बुनना　　B) वस्त्र निमार्ण

C) इस्पात प्रगलन　　D) बीमा कार्य

प्रश्न 3 निम्नलिखित में से कौन उद्योग स्वच्छन्द उद्योग की श्रेणी में आयेगा?

a) मोटरकार उद्योग　　b) चीनी उद्योग

c) लौह इस्पात उद्योग　　d) फर्नीचर उद्योग

प्रश्न 4 भारत में प्रौधोगिकी ध्रुव का एक उदाहरण नगर है?

a) अहमदाबाद　　b) बेंगलूरू

c) दिल्ली　　d) लखनऊ

प्रश्न 5 व्यावसायिक श्रमिकों को .....कालर श्रमिक एवं वास्तविक उत्पादन श्रमिकों को ..... कालर श्रमिक कहते है।

a) सफेद, नीला　　b) पीला, लाला

c) सफेद, सुनहरा　　d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

प्रश्न 6 निम्नलिखित में से किस तरह के उद्योगों में स्वामित्व निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र दोनों का होता है?

a) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग　　b) निजी क्षेत्र के उद्योग

c) संयुक्त क्षेत्र के उद्योग　　d) उपर्युक्त सभी में

प्रश्न 7 कच्चे लोहे को इस्पात (Steel) में बदलने के लिये उसमें क्या मिलाया जाता है?

a) मैगनीज b) एल्मूनियम

c) तांबा d) कोयला

प्रश्न 8 सूती कपड़ा उद्योग के लिये निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

a) अकेला यूरोप विश्व का आधा कपास आयात करता है।

b) बिजली करघों से युक्त कारखानों में कम श्रमिक लगते है।

c) हथकरधा क्षेत्र में अधिक श्रमिकों की जरूरत होती है।

d) सूती वस्त्र उद्योग में भारत विश्व में बहुत पीछे है।

प्रश्न 9 निम्नलिखित में वन आधारित उद्योग कौन सा है?

a) कृत्रिम रेशा b) लाख उद्योग

c) ऊनी वस्त्र d) पेट्रो रसायन

उत्तरमाला

1-c 2-d 3-c 4-b 5-a 6-c 7-a 8-d 9-b

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 10. प्रौद्योगिक ध्रुव को परिभाषित कीजिए?

उत्तर : वे उच्च प्रोद्योगिकी उद्योग जो प्रादेशिक संक्रेद्रित है, आत्मनिर्भर एवं उच्च विशिष्टता लिए होते हैं उन्हें प्रोद्योगिक ध्रुव कहा जाता है।

प्रश्न 11. कच्चे लोहे को इस्पात (Steel) में बदलनें के लिए उसमें क्या मिलाया जाता हैं?

उत्तर : मैंगनीज

प्रश्न 12. विनिर्माण की सबसे छोटी इकाई क्या हैं?

उत्तर : कुटीर उद्योग

प्रश्न 13. किस प्रकार की अर्थव्यवस्था में उत्पादन का स्वामित्व व्यक्तिगत होता है?

उत्तर : पूँजीवाद

प्रश्न 14. यंत्रीकरण शब्द को परिभाषित कीजिए।

उत्तर : यंत्रीकरण से तात्पर्य हे किसी कार्य को पूर्ण करने के लिए मशीनो का प्रयोग करना।

प्रश्न 15. छोटे पैमाने के उद्योग की किन्हीं तीन विशेषताओं पर प्रकाश डाले

अथवा

छोटे पैमाने व बड़े पैमाने के उद्योग में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तर– **छोटे पैमाने के उद्योगः**

1. **निर्माण स्थलः**– इस प्रकार के उद्योग मे निर्माण स्थल घर से बाहर करखाना होता है।
2. **कच्चा माल** :– इसमें स्थानीय कच्चे माल का उपयोग होता है।
3. **रोजगार के अवसर** :– रोजगार के अवसर इस उद्योग में अधिक होते हैं जिससे स्थानीय निवासियों की क्रय शक्ति

बड़े पैमाने के उद्योग–

1. उत्पादन, विकसित प्रौद्योगिक तथा कुशल श्रमिकों द्वारा किया जाता है।
2. उत्पादन अथवा उत्पादित माल को विशाल बाज़ार में बेचा जाता है।
3. इसमें उत्पादन की मात्रा भी अधिक होती है।
4. अधिक पूंजी तथा विभिन्न प्रकार के कच्चे माल का प्रयोग किया जाता है।

प्रश्न 16. स्वामित्व के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण कीजिए।

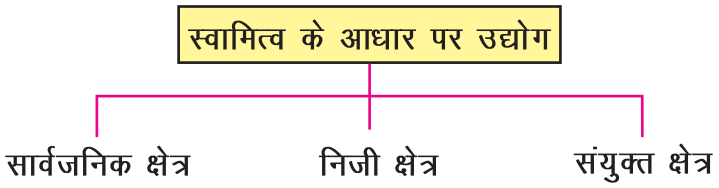

1. सार्वजनिक क्षेत्र :–

1) ऐसे उद्योग सरकार के अधीन होते हैं।
2) सरकार ही इनका प्रबंध करती है।
3) भारत में बहुत से उद्योग सार्वजनिक क्षेत्र के बीच है जैसे लोह इस्पात उद्योग।
4) अधिकतर समाजवादी, साम्यवादी देशों में ऐसा होता हैं।

2. **निजी क्षेत्र :–**

1) ऐसे उद्योगों का मालिक एक व्यक्ति या एक कम्पनी होती है।

2) व्यक्ति या निजी कंपनियां इन उद्योगों का प्रबंधन करती है।

3) पूंजीवाद देशों में यह व्यवस्था होती है।

4) भारत में टाटा समूह, विरला, रिलायंस इंडस्ट्री इसके उदाहरण है।

3. **संयुक्त क्षेत्र :–**

1) कुछ उद्योगों का संचालन सरकार और निजी कंपनियाँ मिलकर करती है।

2) हिन्दुस्तान पैट्रोलियम कोर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) तथा मित्तल एनर्जी लिमिटेड (HPCL Mittal energy limited (HMFL) इसका उदाहरण है।

प्रश्न 17. कुटीर उद्योग से क्या तात्पर्य है? इसकी मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर : कुटीर उद्योग उन उद्योगों को कहते हैं जिनमें लोग अपनें परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर स्थानीय कच्चें माल की सहायता से घर पर ही दैनिक उपयोग की वस्तुओं का निर्माण करते है।

1) पूँजी एंव परिवहन के साधन इन उद्योगों को प्रभावित नही करते।

2) कच्चा माल एंव बाजार दोनों ही स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होते है।

3) किसी शक्तिचालित मशीन की आवश्यकता नहीं होती। हाथ के साधारण औजार ही उपयोग में आते हैं।

प्रश्न 18. संसार में हथकरघा उद्योगों की किन्ही तीन विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए? (C.B.S.E.-2012 Delhi)

उत्तर : हथकरघा उद्योग की विशेषताएँ :–

1) हथकरघा उद्योग में अधिक श्रमिकों की आवश्यकता होती है।

2) यह अर्धकुशल श्रमिकों को रोजगार प्रदान करता है।

3) इसमें पूँजी की आवश्यकता कम होती है।

4) इसके अन्तर्गत सूत की कताई, बुनाई आदि का कार्य किया जाता है।

प्रश्न 19. स्वच्छंद उद्योगों की किन्हीं तीन विशेषताओं की व्याख्या किजिए ? (C.B.S.E.-2012 Delhi)

उत्तर : स्वच्छंद उद्योग की विशेषताएँ :–

1) स्वच्छंद उद्योग व्यापक विविधता वाले स्थानों में स्थित होते हैं।
2) ये किसी विशिष्ट प्रकार के कच्चे माल पर निर्भर नहीं होते हैं।
3) ये उद्योग संघटन पुरजो पर निर्भर होते हैं।
4) इनमें कम मात्रा में उत्पादन होता है।
5) इन उद्योगों में श्रमिकों की भी कम आवश्यकता होती है।
6) सामान्यतः ये उद्योग प्रदूषण नही फैलाते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (पाँच अंको वाले)

प्रश्न 20. उद्योगों की स्थापना को प्रभावित करने वाले कारक कौन से हैं।

अथवा

उद्योगों का स्थानीकरण किन तत्वों पर निर्भर करता है ?

अथवा

संसार में उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारको की व्याख्या कीजिए।

अथवा

संसार में उद्योगो की स्थिति का प्रभावति करने वाले किन्ही पाँच कारको को उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।

अथवा

बड़े पैमाने पर लगाए जाने वाले उद्योग विभिन्न स्थितियों का चुनाव क्यों करते है? औद्योगिक स्थिति को प्रभावित करने वाले किन्ही चार कारकों को स्पष्ट कीजिए (2017)

उत्तर

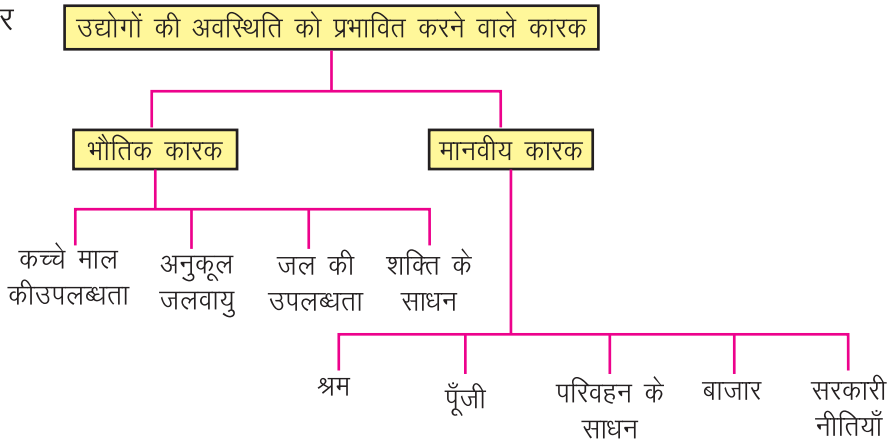

1. **कच्चे माल की उपलब्धता** :– उद्योग के लिए कच्चा माल अपेक्षाकृत सस्ता एंव सरलता से परिवहन योग्य होना चाहिए। भारी वजन सस्ते मूल्य एंव वजन घटाने वाले पदार्थों व शीघ्र नष्ट होने वाले पदार्थों पर आधारित उद्योग कच्चे माल के स्त्रोत के समीप ही स्थित हो। जैसे लौह–इस्पात उद्योग, चीनी उद्योग।

2. **अनुकूल जलवायु** :– कुछ उद्योग विशेष प्रकार की जलवायु वाले क्षेत्रों में ही स्थापित किये जाते हैं। उदाहरण के लिए दक्षिण भारत में सूती वस्त्र उद्योग विकसित होने में नमी वाले पर्यावरण का लाभ मिला है। नमी के कारण कपास से वस्त्र की कताई आसान हो जाती है। अत्याधिक ठंडे व अत्याधिक गर्म प्रदेशों में उद्योगों की स्थापना कठिन कार्य है।

3. **शक्ति के साधन** :– वे उद्योग जिनमें अधिक शक्ति की आवश्यकता होती है वे ऊर्जा के स्रोतों के समीप लगाए जाते हैं, जैसे एल्यूमिनियम उद्योग।

4. **श्रम की उपलब्धता** :– बढ़ते हुए यंत्रीकरण, स्वचालित मशीनों इत्यादि में उद्योगों में श्रमिकों पर निर्भरता को कम किया है, फिर भी कुछ प्रकार के उद्योगों में अब भी कुशल श्रमिकों की आवश्यकता है। अधिकांश उद्योग सस्ते व कुशल श्रमिकों की उपलब्धता वाले स्थानों पर अवस्थित होते हैं। स्विटजरलैंड का घड़ी उद्योग व जापान का इलैक्ट्रोनिक उद्योग कुशल और दक्ष श्रमिकों के बल पर ही टिके हैं।

5. **पूँजी** :– किसी भी उद्योग के सफल विकास के लिए पर्याप्त पूँजी का उपलब्ध होना अनिवार्य है। कारखाने के लिए जमीन, मशीने, कच्चा माल, श्रमिकों को वेतन देने के लिए पर्याप्त पूँजी की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए यूरोप में पर्याप्त मात्रा में पूँजी उपलब्ध होती है तथा वहाँ उद्योग भी काफी विकसित है।

प्रश्न 21. आधुनिक बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की प्रमुख विशेषताएँ बताइए ?

उत्तर : आधुनिक समय में बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं:–

1) **कौशल का विशिष्टीकरण** :– आधुनिक उद्योगों में उत्पादन बड़े

पैमाने पर होने के कारण कौशल का विशिष्टीकरण हो जाता है जिसमें प्रत्येक कारीगर निरंतर एक ही प्रकार का कार्य करता है। कारीगर निर्दिष्ट कार्य के लिये प्रशिक्षित होते है।

2) **यन्त्रीकरण** :– यन्त्रीकरण से तात्पर्य है कि किसी कार्य को पूरा करने के लिए मशीनों का प्रयोग करना। आधुनिक उद्योग स्वचालित यन्त्रीकरण की विकसित अवस्था है।

3) **प्रौद्योगिकीय नवाचार** :– आधुनिक उद्योगों में नया तकनीकी ज्ञान, शोध व विकासमान युक्तियों को सम्मिलित किया गया है जिसमें विनिर्माण की गुणवत्ता को नियन्त्रित करना, अपशिष्टों का निस्तारण व अदक्षता को समाप्त करना व प्रदूषण के विरूद्ध संघर्ष करना मुख्य है।

4) **संगठनात्मक ढांचा व स्तरीकण** :– इसके अतिरिक्त बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण में संगठनात्मक ढाँचा बड़ा, पूँजी का निवेश अधिक कर्मचारियों में प्रशासकीय अधिकारी वर्गों का बाहुल्य होता है।

प्रश्न 22. आधुनिक औद्योगिक क्रियाओं की मुख्य प्रवृत्तियाँ क्या हैं ?

उत्तर : आधुनिक औद्योगिक क्रियाओं की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :–

1) आधुनिक निर्माण प्रक्रिया बहुत सारे यंत्रों पर निर्भर है। अत्याधुनिक एंव विकसित यंत्रों का प्रयोग होता है।

2) कार्यो को विभाजित/वर्गीकृत करके विशिष्ट कुशलता प्राप्त व्यक्तियों को कार्य में लगाया जाता है।

3) प्रबंध स्तर पर प्रशासन एंव अधिकारी वर्गों की नियुक्ति की जाती है।

4) पूँजी निवेश अधिक होता है। उत्पादन में लागत कम करने का प्रयास किया जाता है।

प्रश्न 23. छोटे पैमाने के उद्योगों को स्थापित करने के लाभ बताइये ?

या

रोजगार उत्पन्न करने की दृष्टि से छोटे पैमानें के उद्योग अधिक लाभप्रद है। छोटे पैमाने के उद्योगों की विशेषतायें बताते हुये इस कथन की सार्थकता स्पष्ट करें।

उत्तर : **विशेषतायें** :–

1) इस श्रेणी के उद्योगों का निर्माण स्थल घर से बाहर होता है।

2) कच्चा माल स्थानीय होता है किन्तु श्रमिक अर्द्धकुशल होते हैं।

3) शक्ति के सांधनों से चलने वाले छोटे यन्त्रों का प्रयोग किया जाता है। एक बड़े पैमाने के उद्योग की अपेक्षा छोटे पैमाने के कई उद्योग यदि कार्यशील हो तो उसमें रोजगार ज्यादा होते है।

4) स्थानीय लोग रोजगार पाते है उनकी आय बढ़ती है एंव उनकी क्रय शक्ति भी बढ़ती है।

5) कच्चे माल की स्थानीय माँग में वृद्धि कच्चे माल के उत्पादकों को उत्साहित करती है। रोजगार होने पर क्रयशक्ति में वृद्धि उत्पादन को बढ़ाती है। इसलिए भारत, चीन, इण्डोनेशिया आदि देशों ने इस प्रकार के उद्योगों को प्रोत्साहित किया है।

प्रश्न 24. उच्च प्रौद्योगिक उद्योग की विशेषताएँ बताते हुये स्पष्ट करें कि ये नगरों के परिधि क्षेत्रों में क्यों विकसित होते हैं ?

उत्तर : 1) उच्च प्राद्योगिक उद्योग में वैज्ञानिक एंव इंजिनियरिंग उत्पादकों का निर्माण कार्य किया जाता है। इसमें शोध की जरूरत होती है।

2) इसमें श्रमिकों का अधिकांश भाग दक्षता प्राप्त होते हैं।

3) अधिकांश कार्य कम्प्यूटर एंव यंत्रों द्वारा सम्पन्न किये जाते हैं।

4) इन उद्योगों के स्थान खाफ–सुथरे विशाल भवनों, कार्यालयों एंव प्रयोगशालाओं युक्त होते हैं।

5) इन्हें प्रौद्योगिक ध्रुव भी कहा जाता है।

6) ये नगर के परिधि क्षेत्र में इसलिये होते है क्योंकि

- नगर के बाहर क्षेत्र में सस्ती और अधिक भूमि उपलब्ध होती है।
- नगर के बाहरी क्षेत्र से आन्तरिक क्षेत्रों की तरफ यातायात की अच्छी सुविधा उपलब्ध होती है।

अध्याय–7

तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप

अवधारणा मानचित्र

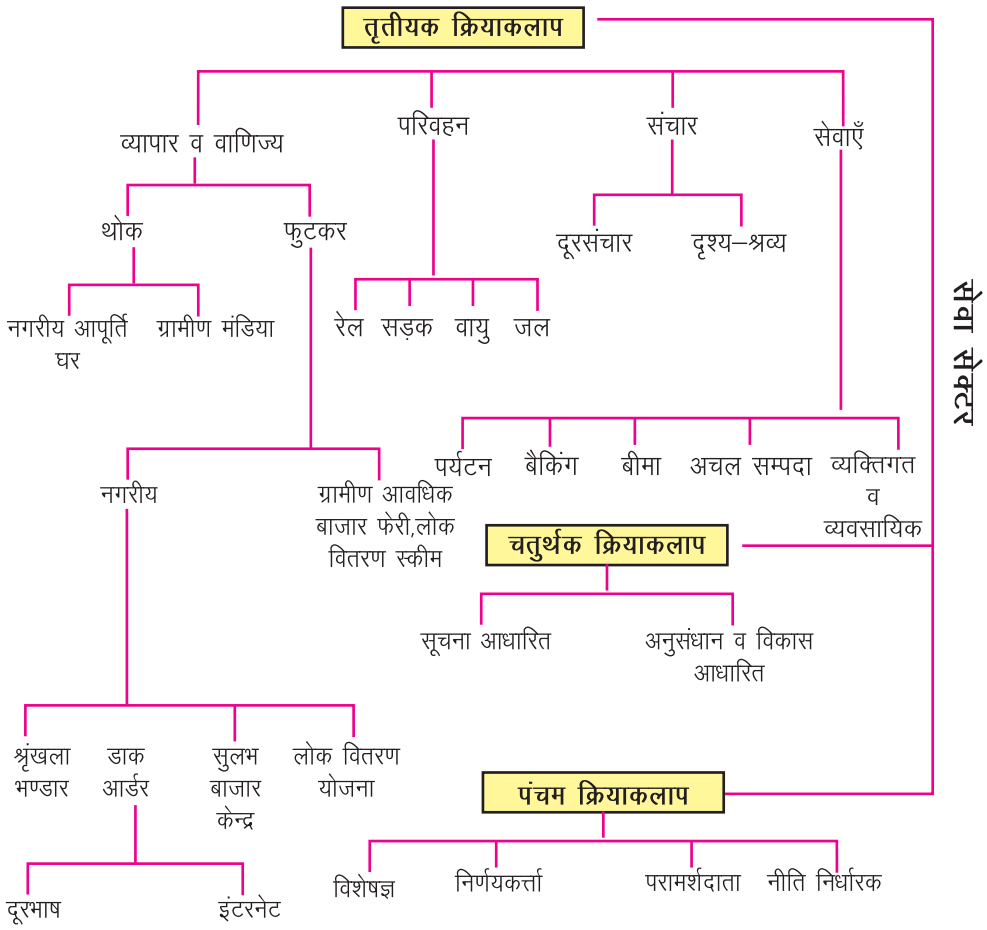

प्रश्न 1 निम्नलिखित में से कौन सा एक तृतीयक क्रियाकलाप है?

a) वस्त्र निर्माण b) संचार

c) बुनाई d) खनन

प्रश्न 2 निम्नलिखित में कौन–सा एक चतुर्थ क्रियाकलाप है?

a) सूचना का संग्रहण b) मौद्रिक बैंकिंग

c) मुद्रण मीडिया d) अनुसंधान

प्रश्न 3 किस क्षेत्र के क्रियाकलाप के अंतर्गत उच्चतर स्तर के निर्णय लेने तथा नीतियों का निर्माण करने वाले कार्य शामिल है?

a) द्वितीयक क्रियाकलाप b) चतुर्थ क्रियाकलाप

c) पंचम क्रियाकलाप d) तृतीयक क्रियाकलाप

प्रश्न 4 परिवहन की मांग किससे प्रभावित होती है?

a) जनसंख्या के आकार

b) सड़कों के निर्माण

c) औद्योगीकरण

d) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 5 रेडियों और दूरदर्शन निम्नलिखित में से किस क्रियाकलाप के अंर्तगत आते हैं?

a) द्वितीयक क्रियाकलाप b) तृतीयक क्रियाकलाप

c) चतुर्थ क्रियाकलाप d) पंचम क्रियाकलाप

प्रश्न 6 स्टेइंग इन होम्स (घरों में रूकना) के संदर्भ में मैडीकेरे और कूर्ग का संबंध निम्नलिखित में से किस एक राज्य से है?

a) कर्नाटक b) हिमाचल प्रदेश

c) गोवा d) केरल

प्रश्न 7 बाह्स्त्रोतीकरण सहायक है–

a) दक्षता सुधारनें में

b) विकासशील देशों में रोजगार बढ़ाने में

c) कीमतों को घटानें में

d) इनमें से सभी

उत्तर माला

1-b 2-d 3-c 4-a 5-b 6-a 7-d

अति लघु उत्तरीय प्रश्न :– एक अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 8. व्यापार क्या हैं

उत्तर : व्यापार उत्पादित मदों का क्रय और विक्रय हैं।

प्रश्न 9. विश्व में चिकित्सा पर्यटन के तेजी से उभरते देशों के नाम बताइए?

उत्तर : भारत, थाइलैंड, सिंगापुर, मलेशिया

प्रश्न 10. चतुर्थ क्रियाकलापों के कोई दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर : 1. परामर्श 2. अनुसंधान और विकास 3. सूचना का उत्पादन (कोई दो)

प्रश्न 11. फुटकर व्यापार सेवा के दो उदाहरण बताइए।

उत्तर : 1. स्ट्रीट पेडलिंग 2. हस्तशिल्प

प्रश्न 12. जनसंचार के कोई दो माध्यम बताइए।

उत्तर : रेडियो और दूरदर्शन।

लघु उत्तरीय प्रश्न (तीन अंक वाले प्रश्न)

प्रश्न 13. अंकीय विभाजन क्या हैं ? किसी देश में अंकीय विभाजन किस प्रकार परिलक्षित होता है ? (C.B.S.E. Delhi-2014) (2019)

उत्तर : सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर आधारित विकास से मिलने वाले अवसरों का वितरण पूरे ग्लोब पर असमान रूप से वितरित है सूचना और संचार प्रौद्योगिकी तक सभी देशों की समान पहुँच नही है। विकसित देश इस दिशा में आगे बढ़ गए है जबकि विकासशील देश पिछड़ गए हैं। इसी को अंकीय विभाजन कहते हैं।

देशों के भीतर अंकीय विभाजन :– देशों के भीतर भी अंकीय विभाजन दिखाई देता है उदाहरण के लिए भारत और रूस के अलग–अलग भागों में इस प्रौद्योगिकी के विकास में काफी अंतर पाया जाता है। देश के बड़े–बड़े नगरों, महानगरों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की भरपूर सुविधाएँ उपलब्ध है, जबकि ग्रामीण औरी दुर्गम क्षेत्र इस सुविधा से वंचित है।

प्रश्न 14. चतुर्थक सेवाओं को ज्ञानोन्मुख सेक्टर क्यों कहा जाता है ?

अथवा

चतुर्थक सेवाओं को उदाहरण सहित समझायें।

उत्तर : चतुर्थक सेवाओं के अन्तर्गत कर्मचारियों के विशिष्ट ज्ञान का उपयोग किया जाता है दूसरे शब्दों में यह ज्ञानोन्मुख सेक्टर हैं।

प्राथमिक एंव द्वितीयक सेक्टरों से बड़ी संख्या में चतुर्थक में चतुर्थक सेक्टर की तरफ सेवाओं का प्रतिस्थापन हुआ है। सेवाओं में वृद्धि अर्थव्यवस्था के विकसित होने का प्रतीक है। एक ही प्रकार का काम तृतीयक या चतुर्थक दोनों हो सकता है जैसे अध्यापक तृतीयक श्रेणी में है किन्तु यदि कोई अध्यापक नवीन शिक्षण पद्धति के काम में संलग्न होकर किसी प्रकार का आविष्कार करता है तो वह चतुर्थक में शामिल हो जाता है।

प्रश्न 15. व्यापार एवं वाणिज्य किस प्रकार सेवाओं को जन्म देते हैं? संक्षेप विवरण कीजिये।

उत्तर : व्यापार में क्रय विक्रय के लिये स्थानीय से लेकर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक के व्यापार होते हैं।

इस प्रक्रिया के अन्तर्गत कई संग्रहण एंव विपणन केन्द्र जन्म लेते हैं जिन्हें हम दो श्रेणियों में रख सकते हैं।

1. ग्रामीण विपणन केन्द्र
2. नगरीय बाजार केन्द्र

व्यापार भी दो प्रकार से किये जाते हैं :–

1. **थोक व्यापार :–** इस व्यापार को वे बिचौलिये स्थापित करते हैं जो विनिर्माताओं से सीधे सामान उपलब्ध कराते हैं।

   इसी पूरी प्रक्रिया से बड़ी संख्या में लोग संलग्न होते हैं एंव रोजगार प्राप्त करते हैं

2. **फुटकर व्यापार :–** यह उपभोक्ताओं को वस्तुओं के प्रत्यक्ष विक्रय से सम्बन्धित है।

प्रश्न 16. ग्रामीण विपणन केंद्र की तीन विशेषताएं बताइए।

अथवा

नगरीय बाजार केंद्रो में अधिक विशिष्टीकृत नगरीय सेवायें मिलती है। तीन बिंदुओं में स्पष्ट करें।

अथवा

विश्व के ग्रामीण और नगरीय विपणन केंद्रों के लक्षणों की तुलना

तीन बिंदुओं में कीजिए।

अथवा

फुटकर व्यापार का क्या अर्थ है। ग्रामीण विपणन केन्द्रों ओर नगरीय विपणन केन्द्रो की किन्ही दो–दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (Comptt 2018)

उत्तरः

ग्रामीण विपणन केंद्र	नगरीय विपणन केंद्र
1. ये केंद्र निकटवर्ती बस्तियों को का पोषण करते हैं।	1. ये केंद्र अधिक विशिष्टीकृत नगरीय सेवाएं प्रदान करते है
2. ये केंद्र स्थानीय संग्रहण और वितरण केंद्र की सेवाएं प्रदान करते हैं।	2. ये केंद्र स्थानीय सेवाओं के साथ–साथ विशिष्टीकृत वस्तुएं एवं सेवाएं प्रदान करते है।
3. इन केंद्रों पर व्यक्तिगत और व्यावसायिक सेवाएं सुविकसित नहीं होती है।	3. ये केंद्र विनिर्मित वस्तुएं प्रदान करते हैं।
4. ये केंद्र केवल स्थानीय ग्रामीण आवश्यकताओं की ही पूर्ति कर सकते हैं।	4. ये केद्र व्यावसायिक सेवाएं जैसे–अध्यापक, वकील, परामर्शदाता एवं चिकित्सक की सेवाएं भी प्रदान करते है

प्रश्न 17. बाह्य स्त्रोतन के परिणामस्वरूप कई देशों में बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर खुले है। इस कथन का तीन उपयुक्त उदारहणों सहित विशलेषण कीजिए।

उत्तरः (i) बाह्य स्त्रोतन बाहरी एजेंसी को कार्य में कुशलता एवं लागतें कम करने के लिए प्रदान करता है, इसी के परिणामस्वरूप भारत, चीन, पूर्वी यूरोप इजराइल, फिलीपींस में बड़ी संख्या में काल सेंटर खुले है।

(ii) व्यवसाय प्रक्रमण बाह्य स्त्रोतन (B.P.O.S) योग्य नवयुवकों एवं नवयुवतियों के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न करता है।

(iii) बाह्य स्त्रोतन कंपनियों को अतिरिक्त व्यवसायिक अवसरों को उत्पन्न करने में सक्षम बनाता है इसी कारण नागरीय क्षेत्रों में साइबर कैफों का चलन बढ़ गया है।

(iv) ज्ञान प्रक्रपण बाह्यस्त्रोतन (K.P.O.S) ने कई क्षेत्रों को बढ़ाया है जैसे– ई–लर्निंग, आकँड़ा–प्रक्रमण, ई–बैंकिग सेक्टर, अनुसंधान एवं विकास इत्यादि।

प्रश्न 18. विश्व के दो लोकप्रिय पर्यटक प्रदेश कौन से है?पर्यटन के महत्व के चार बिंदुओं में वर्णन करे।

उत्तरः विश्व के दो पर्यटक प्रदेश–

(i) भूमध्य सागरीय तट के चारों ओर कोष्ण स्थान

(ii) भारत का पश्चिम तट

महत्वः–(i) आज यह विश्व का अकेला सबसे बड़ा तृतीयक क्रियाकलाप है।

(ii) पर्यटन ने लगभग 25 करोड़ लोगों को रोज़गार प्रदान किया है।

(iii) पर्यटकों के आवास, भोजन, परिवहन, मनोरंजन जैसी सेवा उपलब्ध कराने के लिए पर्यटन अनेक स्थानीय व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करता है।

(iv) पर्यटन आधारित संरचना उद्योगों, फुटकर व्यापार तथा शिल्प उद्योगो को पोषित करता है।

प्रश्न 19. भारत विश्व में चिकित्सा पर्यटन में अग्रणी देश बन कर उभरा है। स्पष्ट करे।

(ii) भारत में महानगरों में अवस्थित विश्वस्तरीय अस्पताल संपूर्ण विश्व के रोगियों का उपचार करते हैं।

(iii) भारत, स्विटजरलैंड के अस्पताल विकिरण बिंबों के अध्ययन से लेकर चुंबकीय अनुनाद बिंबों के निर्वाचन ओर पराश्रात्य परिक्षणों तक की विशिष्ट चिकित्सा सुविधाओं को उपलब्ध करा रहे है।

(iv) इससे बाहृयस्त्रोतन रोगियों को भी लाभ होता है।

प्रश्न 20. तृतीयक क्रियाकलापों में पर्यटन की भूमिका स्पष्ट करते हुए पर्यटन को प्रभावित करने वाले कारकों को स्पष्ट करें।

अथवा

पर्यटक सेवा से क्या अभिप्राय है? पर्यटन को प्रभावित तथा आकर्षित करने वाले चार प्रमुख कारकों का वर्णन कीजिए।

उत्तरः **भूमिकाः** पर्यटन विश्व के प्रमुख तृतीयक क्रियाकलपों में अग्रणी स्थान रखता है। इसके अंतर्गत पर्यटकों के आवास, भोजन, परिवहन, मनोरंजन तथा खरीददारी जैसे सेवायें उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय व्यक्तियों को नियुक्त किया जाता है जिससे बड़ी संख्या में रोज़गार का सृजन होता है।

पर्यटन सेवा– पर्यटन एक यात्रा है जो व्यापार की बजाय आमोद–प्रमोद के उद्देश्य से अधिक की जाती है। पर्यटन में लोग अपने निवास स्थानों एवं कार्यस्थलों से अस्थायी तौर पर थोड़े समय के लिए अन्य स्थानों पर जाकर मनोरंजन करते हैं।

पर्यटन को प्रभावित करने वाले चार कारक–

1. **मांग**–विगत शताब्दी से अवकाश के लिए पर्यटन की मांग तीव्रता से बढ़ी है। उच्च जीवन स्तर तथा बढ़े हुए आराम के समय के कारण अधिक लोग विश्राम के लिए पर्यटन पर जाते हैं।

2. **परिवहन**–परिवहन सुविधाओ में सुधार के कारण पर्यटन क्षेत्रों का अधिक विकास हुआ है, उदाहरण के लिए वायु परिवहन ने घरों को विश्व के सभी पर्यटन स्थलों से जोड़ दिया है।

पर्यटन को आकर्षित करने वाले कारक

1. **जलवायु**–कुछ ठंडे देशो के पर्यटको को गुनगुनी धूप में पुलिनों पर मौज मस्ती करने की इच्छा होती है। दक्षिणी यूरोप और भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में पर्यटन के महत्व का यह एक महत्वपूर्ण कारक है।

2. **भू–दृश्य**–कुछ लोग मनोरम और मनोहर पर्यावरण में छुट्टियाँ बिताना पंसद करते हैं। इसके लिए पर्यटक पर्वतों, झीलों, दर्शनीय, समुद्र तटों और मनुष्य द्वारा पूर्ण से अपरिवर्तित भू–द्श्यों को चुनते हैं।

3. **इतिहास एंव कला**–प्राचीन काल के इतिहास से संबंधित स्थल एंव पुरातत्विक महत्व के भवन पर्यटकों के लिए आकर्षक स्थल होते हैं।

4. **संस्कृति और अर्थव्यस्था**–मानव जातीय और स्थानीय रीतियों को पसंद करने वालों को पर्यटन लुभाता है। "घरों में रूकना" एक लाभदायक व्यापार बन कर उभरा है। उदाहरण–
   (i) गोवा में हेरिटेज हेाम्स
   (ii) कर्नाटक में मैडिकेरे और कुर्ग। (कोई चार)

प्रश्न 21. परिवहन सेवायें किस तरह तृतीयक क्रिया कलापों की वृद्धि में सहायक है ?

उत्तर : किसी व्यक्ति या वस्तु का एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाना, ले जाना परिवहन है परिवहन पर ही आधुनिक समय में सभी आर्थिक गतिविधियाँ निर्भर करती हैं।

1. परिवहन एक सेवा के रूप बहुत अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है ड्राईवर, कन्डक्टर, सामान लादने, उतारने वाले, टिकट संग्राहक आदि इस तरह सभी प्रकार की परिवहन सेवाओं में भारी संख्याओं में लोग लगे है।

2. परिवहन के कारण पर्यटन में आशातीत बढ़ोतरी हुई है।

3. परिवहन की सुविधा के कारण औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आती है और लोग इन सेवाओं में कार्य करते हैं।

प्रश्न 22. ''किसी देश के आर्थिक विकास के लिए सेवाएँ बहुत महत्वपूर्ण हैं।'' सेवा क्षेत्र के पाँच घटकों की व्याख्या करते हुए, इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

उत्तरः किसी देश के आर्थिक विकास में सेवाओं का महत्वः

(i) वाणिज्यिक सेवाएंः विज्ञापन, कानूनी सेवाएं, जनसंपर्क और परामर्श

की सभी सेवाओं का विशिष्ट उद्देश्य लाभ कमाना है।

(ii) वित्त, बीमा, वाणिज्यिक, और आवासीय भूमि और भवनों जैसी संपत्ति का क्रय विक्रय आर्थिक विकास में योगदान देता है।

(iii) उत्पादक और उपभोक्ता को जोड़ने वाले थोक और फुटकर व्यापार तथा रखरखाव, सौंदर्य प्रसाधक तथा मरम्मत के कार्य जैसी सेवाएं उपभोक्ताओं को प्रदान की जाती हैं।

(iv) परिवहन और संचार सेवाएंः रेल, सड़क, जहाज और वायुयान सेवाएं आधुनिक समाज के लिए वस्तुओं के उत्पादन, वितरण और उपभोग में सहायता करती है। संचार सेवाओं में शब्दों और संदेशों, तथ्यों और विचारों का प्रेषण शामिल है। संचार सेवाएं तीव्र गति से संदेश प्रदान करती है।

(v) मनोरंजनः दूरदर्शन, रेडियो, फिल्म और साहित्य की सेवाएं लोगों को मनोरंजन प्रदान करती है।

प्रश्न 23 चिकित्सा पर्यटन क्या है? विकासशील देशों में तेजी से उभरने के क्या कारण है?

उत्तरः–i) जब चिकित्सा एवं उपचार के साथ–साथ पर्यटन की सुविधा भी प्रदान की जाती है तो इसे चिकित्सा पर्यटन कहते हैं।

ii)भारत, थाइलैंड, मलेशिया एवं सिंगापुर जैसे विकासशील देश चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में अग्रणी होकर उभरे है, इसका प्रमुख कारण इन देशों में विकसित देशों की अपेक्षा चिकित्सीय सुविधाओं का सस्ता होना है तथा साथ ही चिकित्सा का उच्चस्तरीय होना भी है।

iii)यही कारण है कि संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विकसित देशों से प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में रोगी चिकित्सा हेतु भारत आते हैं।

अध्याय–8

परिवहन एंव संचार

अवधारणा मानचित्र

परिवहन के साधन

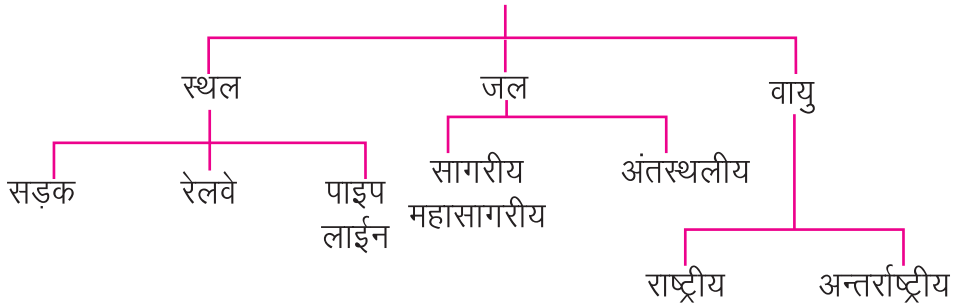

रेल लाइनों का वर्गीकरण
(चौड़ाई के आधार पर गेज)

बड़ी गेज	मानक गेज	मीटर गेज
1.5 मी. या अधिक	1.44 मीटर	1 मीटर

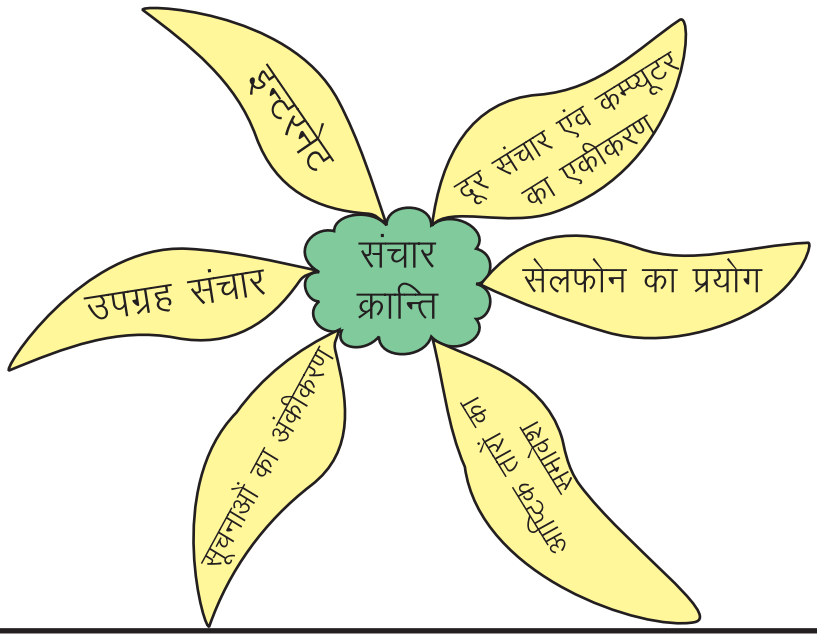

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1 निम्न में से कौन सा जलमार्ग संयुक्त राज्य अमेरिका के आंतरिक मार्गों को दक्षिण में मैक्सिको की खाड़ी के साथ जोड़ता है–

a) वृहद झीलें सेंट लारेंस समुद्री मार्ग
b) वोल्गा जलमार्ग
c) डेन्यूब जलमार्ग
d) मिसीसिपी जलमार्ग

प्रश्न 2 (i) **प्राचीन काल में परिवहन के मुख्य राजमार्ग के रूप में नदी मार्ग ही प्रयुक्त हुआ करते थे। जैसे कि भारत के संदर्भ में परंतु वर्तमान समय में जलमार्ग अपना महत्व खो रहे हैं।**

(i) **सिंचाई इत्यादि कार्यों में जल के उपयोग के कारण नदियों में जल की मात्रा कम हो गई है।**

उपयुक्त कथनों को ध्यान से पढ़ें एवं निम्न में से उचित विकल्प चुनें।

a) कथन (i) और (ii) दोनों असत्य है।
b) कथन (i) सही एवं (ii) गलत है।
c) कथन (i) और (ii) सही है एवं कथन (ii) पहले कथन का ही सर्मथन करता है
d) कथन (i) गलत एवं (ii) कथन सही है।

प्रश्न 3 दक्षिणी अमेरिका में रेलमार्ग किन प्रदेशों में सघन है।

a) अर्जेटाइना के पंपास तथा ब्राजील के उत्पादक ग्रुप
b) चिली और पेरू
c) बोलिविया तथा पेरू
d) पश्चिमी तटीय क्षेत्र

प्रश्न 4 किस नदी से एक नौगम्य पानी की नहर स्वेज नहर से इस्माइलिया में मिलकर ताजे पानी की आपूर्ति को बढाती है।

a) कोंगो नदी
b) जाम्बेजी नदी
c) नाइजर
d) नील नदी

प्रश्न 5 निम्नलिखित में से कौन सा व्यापारिक समुद्री मार्ग पश्चिम यूरोपीय के औद्योगिक प्रदेशों को पश्चिमी अफ्रीका, दक्षिणी अफ्रीका, दक्षिण–पूर्वी एशिया और आस्ट्रलिया और न्यूजीलैण्ड की वाणिज्यक कृषि तथा पशुपालन आधारित अर्थव्यवस्थाओं से जोड़ता है–

a) उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग
b) भूमध्यसागर – हिंदमहासागरीय समुद्री मार्ग
c) उत्तमाशा अंतरीय समुद्री मार्ग
d) उत्तरी प्रशांत समुद्री मार्ग

प्रश्न 6 निम्न में से कौन सा युग्म सुमेलित नहीं है–

a) पेरिस से इस्तांबूल — पार–साइबेरियन रेलमार्ग
b) हैलिफैक्स से वैकूवर — पार–कैनेडियन रेलमार्ग
c) न्यूयार्क से सान फ्रांसिको — संघ और प्रशांत रेलमार्ग
d) पर्थ से सिडनी — आस्ट्रेलियाई पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग

प्रश्न 7 राइन जलमार्ग किन देशों से होकर गुजरता है?

a) फ्रांस और इटली
b) जर्मनी और नीदरलैंड
c) फ्रांस और बेल्जियाम
d) रूस

प्रश्न 8 बिग इञ्च पाइपलाइन किस महाद्वीप में है?

a) दक्षिणी–अमेरिका
b) उत्तरी अमेरिका
c) अफ्रीका
d) एशिया

प्रश्न 9 निम्नलिखित में से कौन सा भारतीय उपग्रह नही है?

a) आर्यभट्ट
b) भाष्कर I
c) रोहिणी
d) स्पुतनिक

उत्तर माला

1-d 2-c 3-a 4-d 5-b 6-b 7-a 8-b 9-b 10-d

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न) एक अंकवाले प्रश्न

प्रश्न 10. साइबर स्पेस का क्या अर्थ है?

उत्तर : साइबर स्पेस विद्युत द्वारा कंप्यूटरीकृत स्पेस का संसार हैं। इसे इंटरनेट भी कहा जाता हैं।

प्रश्न 11. कौन से दो शहर ट्रांस कैनेडियन रेलमार्ग द्वारा जोड़े गए हैं?

उत्तर : वैंकूवर और सेंट जॉन

प्रश्न 12. पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए।

उत्तर : पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग पूरे महाद्वीप से गुजरते हुए इसके दोनों छोरो को जोड़ते है। e.g. पार–साइबेरियन रेलमार्ग

प्रश्न 13. जर्मनी के सबसे महत्वपूर्ण जलमार्ग का नाम बताइए।

उत्तर : राइन जलमार्ग

प्रश्न 14. उस नौ परिवहन नहर का नाम बताइए जो एशिया और यूरोप दोनों महाद्वीपों के लिए वाणिज्य के प्रवेश द्वार के रूप में जानी जाती है।

उत्तर : स्वेज नहर

कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

1) सर्वाधिक सड़क घनत्व वाला महाद्वीप – उत्तरी अमेरिका
2) उत्तरी एंव द. अमेरिका को जोड़ने वाला महामार्ग – पार अमेरिकन
3) सर्वाधिक सड़क घनत्व वाला देश – संयुक्त राज्य अमेरिका
4) सघनतम रेल तन्त्र वाला महाद्वीप – यूरोप
5) दक्षिण अमेरिका का महाद्वीप पारीय रेल मार्ग – व्यूनस आयर्स से वालपैराइजो तक है।
6) विश्व का व्यस्ततम् व्यापारिक जलमार्ग – उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग (वृहद् ट्रंक मार्ग)
7) विश्व के कुल वायुमार्गो के 60 प्रतिशत भाग का प्रयोग करने वाला देश – सं. राज्य अमेरिका
8) उत्तरी अमेरिका में स्थित प्रसिद्ध पाइपलाइन – बिग इंच
9) भारत द्वारा छोड़ा गया पहला उपग्रह – आर्यभट्ट
10) प्रशान्त महासागर और अटलांटिक महासागर को जोड़ने वाली नहर – पनामा नहर

लघु उत्तरीय प्रश्न / तीन अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 15. लोगों का जीवन स्तर व जीवन की गुणवत्ता दक्ष परिवहन, संचार एवं व्यापार पर निर्भर करती है। अपने उत्तर की पुष्टि तीन तर्क देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 1. दक्ष परिवहन, व्यापार एवं संचार व्यवस्था उत्पादन केन्द्रों को विनिमय और उपभोग केन्द्रों से जोड़ते है।

2. परिवहन एवं संचार का कुशल तन्त्र एवं लोगों की गतिशीलता यानी एक स्थान से दूसरे स्थान तक आवागमन को सुचारू बनाता है।

3. दक्ष परिवहन, व्यापार एंव संचार व्यवस्था लोगों के बीच सहयोग एंव एकता को बढ़ाती है।

प्रश्न 16. सड़क परिवहन, रेल परिवहन की अपेक्षा बेहतर कैसे है ? स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : 1) सड़क परिवहन से व्यक्तियों या वस्तुओं को घर तक पहुँचाया जा सकता है जबकि रेलमार्ग उन्हें एक निश्चित स्थान तक ही ला सकता है।

2) सड़कों का निर्माण पहाड़ी व अन्य दुर्गम क्षेत्रों में भी हो सकता है जबकि रेलमार्गों का निर्माण ऐसे स्थानों पर नहीं किया जा सकता।

3) छोटी–छोटी दूरियों को तय करने के लिये सड़क मार्ग ही प्रयोग किये जाते हैं।

प्रश्न 17. महामार्गों की परिभाषा देते हुये इनकी प्रमुख विशेषतायें बताइये।

उत्तर : महामार्ग वे पक्की सड़कें है जो दूर स्थित स्थानों को मिलाती है। इनकी प्रमुख विशेषतायें निम्न है :–

1) महामार्गों को अबाधित यातायात की सुविधा प्रदान करने के लिये इन पर फ्लाईओवर बनाये जाते है। यथा संभव लालबत्ती नहीं रखी जाती।

2) ये सड़कें गतिअवरोधकों से मुक्त एवं कई लेन वाली होती हैं।

3) इनकी चौड़ाई लगभग 80 मीटर होती है।

4) ये सड़कें देश के प्रमुख नगरों, पत्तनों को मिलाती है।

5) इन सड़कों के किनारों पर रैलिंग लगी होती है। ताकि कहीं पर भी इनको क्रास ना किया जा सके। यातायात निर्बाध गति से चलता रहे।

प्रश्न 18. विश्व में सड़क परिवहन की किन्हीं तीन प्रमुख समस्याओं का वर्णन कीजिए। (CBSE-2018)

उत्तरः (1) सड़कें प्राकृतिक आपदा के दौरान तथा खराब मौसमी दशाओं में अनुपयोगी है।

(2) यातायात की माँग को सड़क जाल पूरा नहीं कर पाता है फलस्वरूप सड़कों पर दबाव बढ़ता है।

(3) सड़कों के निर्माण और उनके रखरखाव के लिए भारी निवेश की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 19. पनामा नहर ने दक्षिणी एंव उत्तरी अमेरिका को किस तरह प्रभावित किया? स्पष्ट करें। पनामा नहर की विशेषताएँ बताइए ।

अथवा

पनामा नहर की विशेषताएं बताइए। (C.B.S.E.-2009, 2011)

अथवा

पनामा नहर ने दक्षिणी अमेरिका की अर्थव्यवस्थाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

मनुष्य निर्मित महत्वपूर्ण नौ परिवहन नहर का नाम बतायें जो अटलांटिक महासागर को प्रशान्त महासागर से जोडती हैं। इस नहर की विशेषताओं को लिखिए ? (C.B.S.E.-Delhi-2010)

उत्तर : 1) पनामा नहर उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिका के मध्य 72 कि. मी. लम्बी है।

2) इस नहर के कारण उत्तरी अमेरिका के पूर्व न्यूयार्क एंव पश्चिम स्थित सानफ्रांसिस्को के मध्य जल परिवहन से 13000 कि. मी. की दूरी कम हो गयी है। इसी तरह पश्चिमी यूरोप एंव स. रा. अमेरिका के पश्चिमी तट की दूरी कम हो गयी है।

3) द. अमेरिका के पूर्वी एवं पश्चिमी तटों के मध्य आसानी से परिवहन हो पाता है।

4) यह नहर द. अमेरिका के राष्ट्रों के मध्य व्यापार को बढ़ाने में सहायक हुई है।

प्रश्न 20. वायु परिवहन, परिवहन का तीव्रतम एंव आधुनिक साधन है स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'वायु परिवहन ने परिवहन के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, इस कथन के औचित्य को स्पष्ट करें।

अथवा

अथवा

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वायु परिवहन के किन्ही दो लाभो का उल्लेख कीजिए।

अथवा

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वायु परिवहन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस कथन की पुष्टि कीजिए। (C.B.S.E. Outside -2012)

उत्तर : निम्नलिखित कारक उपर्युक्त कथन को सही सिद्ध करते हैं :–

1) वायु परिवहन एक तीव्रतम साधन हैं इसके कारण आज विश्व का कोई भी स्थान 35 घंटे से अधिक दूरी पर नहीं है।

2) इसके द्वारा मूल्यवान वस्तुओं, जीवनरक्षक दवाओं को तीव्रता से कम समय में गन्तव्य तक पहुँचाया जा सकता है।

3) दुर्गम स्थलों जैसे पहाड़, दलदल, बीहड़, जंगलों आदि क्षेत्रों में वायु परिवहन द्वारा ही परिवहन संभव हो पाता है।

4) आपातकाल एंव युद्ध के समय वायु परिवहन का महत्व का महत्व बहुत अधिक बढ़ जाता है।

प्रश्न 21. विश्व में अंतः स्थलीय जलमार्ग के विकास के लिए उत्तरदायी तीन कारकों की व्याख्या कीजिए ? (C.B.S.E. Outside-2010)

उत्तर : अंतः स्थलीय जलमार्ग के विकास की आवश्यक दशाएँ निम्नलिखित है :–

1) नदियाँ बारहमासी होनी चाहिए। जिन नदियों में जल केवल वर्षा ऋतु में ही रहता है उनका प्रयोग वर्ष भर जलमार्गों के रूप में नहीं किया जा सकता।

2) नदियों का मार्ग जल–प्रपातों, सोपानी प्रपातों, क्षिप्रिकाओं तथा महाखड्डों से मुक्त होना चाहिए।

3) नदियों में विसर्प भी कम होने चाहिए जिससे सीधा जलमार्ग प्राप्त हो सकें।

4) शीतकाल में नदियाँ बर्फ मुक्त होनी चाहिए।

5) नदियों के मुहाने साफ रहने चाहिए, जिससे समुद्र यातायात से आन्तरिक यातायात को जोड़ा जा सके।

प्रश्न 22. स्वेज नहर पर टिप्पणी कीजिए।

अथवा

मनुष्य निर्मित उस महत्वपूर्ण नौ परिवहन नहर का नाम बताइए जो भूमध्य सागर और लाल सागर को जोड़ती है। इस नहर की कोई चार विशेषताएँ बताइए। (C.B.S.E.-Delhi-2010)

अथवा

स्वेज नहर की विशेषताएँ लिखिए ? (C.B.S.E.-Delhi-2009)

उत्तर : स्वेज नहर की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं।

1) इस नहर का निर्माण 1869 में मिस्र में हुआ।
2) यह नहर भूमध्य सागर को लालसागर से जोड़ती हैं।
3) यह लगभग180 किलोमीटर लम्बी तथा 11 से 15 मीटर गहरी है।
4) इस नहर के द्वारा यूरोप तथा दक्षिणी एशिया व आस्ट्रेलिया के मध्य की दूरी को उत्तरमाशा अंतरीप मार्ग की तुलना में कम हुई है।
5) इस नहर में प्रतिदिन 100 जलयान आवागमन करते हैं।
6) नील नदीं से नौगम्य ताजा पानी की नहर भी स्वेज नहर से मिलती है।

प्रश्न 23. सड़कों पर संकुलन क्यों हो जाता है ? परिवहन संकुलन की समस्याओं के समाधान के उपाय स्पष्ट कीजिए ?

(C.B.S.E.-Delhi-2012)

उत्तर : जब सड़क तंत्र यातायात की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित नहीं हो पाते तो सड़कों पर संकुलन बढ़ जाता है। इसे सड़को पर जाम लगना भी कहते हैं।

1) सार्वजनिक बस सेवाओं के सुधार व परिवहन के द्रुत मार्ग का विकास।
2) सड़कों को चौड़ा करना व उनकी गुणवत्ता को सुधारना।
3) पुलों, फ्लाईओवरों तथा दोहरे वाहन मार्गों का निर्माण करना।
4) उच्चतर पार्किंग शुल्क लगाकर निजी वाहनों की संख्या को नियन्त्रित करना।

प्रश्न 24. राइन नदी जलमार्ग विश्व का अत्याधिक प्रयोग में लाया जाने वाला जलमार्ग क्यों हैं ? कोई तीन कारण बताओं।

(C.B.S.E.-Delhi-2013)

उत्तर : राइन नदी जलमार्ग विश्व का अत्याधिक प्रयोग में लाया जाने वाला

जलमार्ग है क्योंकि :–

1) यह यूरोप के संपन्न कोयला खनन क्षेत्रों से गुजरता हुआ परिवहन सुविधाएं प्रदान करता है तथा संपूर्ण नदी बेसिन विनिर्माण की दृष्टि से अत्याधिक संपन्न है।

2) यह जलमार्ग स्विटजरलैंड, जर्मनी, फ्रांस, बेल्जियम तथा नीदरलैड के औद्योगिक क्षेत्रों को उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग से जोड़ता है।

3) प्रति वर्ष 20,000 से अधिक समुद्री जलयान तथा 2 लाख से अधिक आंतरिक मालवाहक पोत इस मार्ग से वस्तुओं एवं सामाग्रियों का आदान–प्रदान करते हैं।

4) यह जलमार्ग स्विटजरलैंड, जर्मनी, फ्रांस, बेल्जियम के औद्योगिक क्षेत्रों को उत्तरी अंटलाटिक समुद्री मार्ग से जोड़ता हैं।

प्रश्न 25. संसार में उपग्रह संचार की किन्ही तीन विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर : आधुनिक तकनीकी ज्ञान के आधार पर मनुष्य ने संचार व्यवस्था के लिए उपग्रह का प्रयोग करना शुरू कर दिया है। उपग्रहों से संचार का काम लिया जाता है। उपग्रह संचार से निम्नलिखित उपलब्धियाँ प्राप्त हुई हैं।

1) उपग्रह के माध्यम से संदेश भेजने के खर्च में कमी आई है।
2) उपग्रह संचार प्रणाली द्वारा रेडियों तथा टेलिविजन आदि का प्रयोग कर सकते हैं।
3) उपग्रह संचार से मौसम की जानकारी प्राप्त की जाती है।
4) उपग्रह संचार प्रणाली द्वारा पृथ्वी के खनिजों को ज्ञात किया जा सकता है।
5) इस प्रणाली द्वारा सैनिक और असैनिक कार्यों में सहायता मिलती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 26. पाइप लाइन परिवहन के गुण एंव दोष स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : पाइन लाइन परिवहन ने तरल पदार्थों जैसे जल, पैट्रोंलियम एंव गैसों के परिवहन में अभूतपूर्व योगदान दिया है।

पाइपलाईन परिवहन के लाभ निम्नलिखित है :–

- पाइपलाईनों को कठिन, ऊबड़–खाबड, भू–भागों तथा पानी के नीचे भी बिछाया जा सकता है।
- इनके संचालन एंव रखरखाव का खर्च अपेक्षाकृत कम है।
- यह जलीय तथा गैसीय पदार्थों के परिवहन का तीव्र, सस्ता तथा पर्यावरण हितैषी साधन है।

- पाइप लाइन परिवहन में ईंधन की बचत होती है तथा मौसम संबंधी दशाओं का प्रभाव नहीं पड़ता।
- परिवहन के इस साधन द्वारा पदार्थों की आपूर्ति की निरंतरता बनी रहती है।

पाइपलाईन परिवहन के दोष :–

पाइन लाइन परिवहन के दोष निम्नलिखित है :–

- पाइन लाइनों में काई लोच नही होती।
- एक बार बनाने के बाद इसकी क्षमता को न तो घटाया जा सकता है और न ही बढ़ाया जा सकता है।
- पाइन लाइन में रिसाव का पता लगाना भी एक बड़ी समस्या होती है।
- कहीं पर पाइप लाइन के फट जाने से उसकी मरम्मत करना कठिन होता है।
- कुछ इलाकों में इनकी सुरक्षा की व्यवस्था करना कठिन होता है।

प्रश्न 27. संसार के सबसे लंबे पार महाद्वीपीय रेलमार्ग का नाम लिखिए। इसकी किन्हीं चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (CBSE-2015)

उत्तर : पार साइबेरियन रेलमार्ग

विशेषताएँः–

(i) यह रेलमार्ग पश्चिम में सेंट पीट्स बर्ग से पूर्व में प्रशांत महासागर तट पर स्थित व्लाडि वोस्टक तक विस्तृत हैं।

(ii) यह 9322 कि.मी. लम्बा, दोहरे पथ से युक्त विद्युतीकृत एशिया का मत्त्वपूर्ण रेलमार्ग है।

(iii) यह एशियाई प्रदेश को पश्चिमी यूरोपीय बाजारों से जोड़ता है। इस रेलमार्ग को दक्षिण से जोड़ने वाले योजक मार्ग हैं।

(iv) यह रेलमार्ग यूराल पर्वत, ओब और येनीसी नदियों से गुजरता है।

प्रश्न 28. जल परिवहन की किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। उत्तरीय मार्ग पर यातायात कम क्यों है? दो कारण दीजिए। (CBSE-2012)

अथवा

जल परिवहन के प्रमुख लाभ बताइये।

अथवा

''जल परिवहन संसार का सबसे सस्ता एवं उपयोगी परिवहन का साधन हैं।'' (CBSE-2012)

उत्तरः जल परिवहन की विशेषताएँः–

(i) जल परिवहन में मार्गों का निर्माण नहीं करना पड़ता।

(ii) महासागर एक दूसरे से जुड़े हुए होते हैं। इनमें विभिन्न प्रकार के जहाज चल सकते हैं।

(iii) स्थल मार्ग की तरह जल मार्ग में घर्षण नहीं होता; ईधन की खपत कम होती है, यह परिवहन अन्य साधनों से सस्ता होता है।

उत्तमाशा अन्तरीप मार्ग पर यातायात कम होने के कारण

(i) दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका के सीमित विकास का होना और कम जनसंख्या।

(ii) एशिया और यूरोप के देशों के बीच बहुत लम्बा जलमार्ग।

प्रश्न 29. वाहक के रूप में मानव से लेकर आजकल के तार मार्गों तक के स्थल परिवहन के विकास की यात्रा का वर्णन कीजिए।

(CBSE-2015)

उत्तर : आरंभिक दिनों में मानव स्वयं वाहक थे, जिसमें वे डोली/पालकी ले जाते थे। बाद के वर्षों में पशुओं का उपयोग बोझा ढोने, यात्रा आदि करने के लिए किया जाने लगा जिसमें घोड़ो, खच्चर तथा ऊँटों का उपयोग किया जाता था।

पहिए के आविष्कार के साथ गाड़ियों और माल डिब्बों का प्रयोग महत्त्वूपर्ण हो गया।

भाप के ईंधन के आविष्कार के बाद पहरवहन क्रांति आई, जिससे रेलवे सर्वाधिक लोकप्रिय तथा तीव्रतम प्रकार बन गया। अंतर्दहन इंजन के आविष्कार ने (मोटर्स, कार तथा ट्रक) सड़क परिवहन में क्रांतिला दी तथा स्थल परिवहन के नवीनतम विकास पाइप लाइनों, राजमार्गो एवं तार मार्गो ने एक नया आयाम दिया है।

प्रश्न 30. जल, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा अन्य तरल पदार्थों के परिवहन के लिए किस साधन का उपयोग व्यापक रूप से किया जाता है? संसार में परिवहन के इस साधन के जाल का वर्णन कीजिए।

(CBSE-2015)

उत्तर : (a) जल, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस आदि के अबाधित प्रवाह व परिवहन के लिए पाइपलाइनों का प्रयोग किया जाता है।

(b) पाइप लाइन जालः

(i) संयुक्त राज्य अमेरिका में उत्पादक क्षेत्रों और उपभोग क्षेत्रों के बीच तेल पाइप लाइनों का सघन जाल पाया जाता है।

(ii) 'बिग इंच' प्रसिद्ध पाइपलाइन मैक्सिको की खाड़ी में स्थित तेल के कुओं से उत्तर–पूर्वी राज्यों में तेल ले जाती है।

(iii) यूरोप रूस, पश्चिम एशिया और भारत में पाइप लाइनों द्वारा तेल कुओं से परिष्करण शालाओं, पत्तनों तथा घरेलू बाजारों तक पहुँचाया जाता है।

(iv) तुर्कमेनिस्तान से पाइपलाइन को ईरान और चीन तक बढ़ाकर पैट्रोलियम तथा गैस का परिवहन किया जाता है।

अध्याय–9

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

अवधारणा मानचित्र

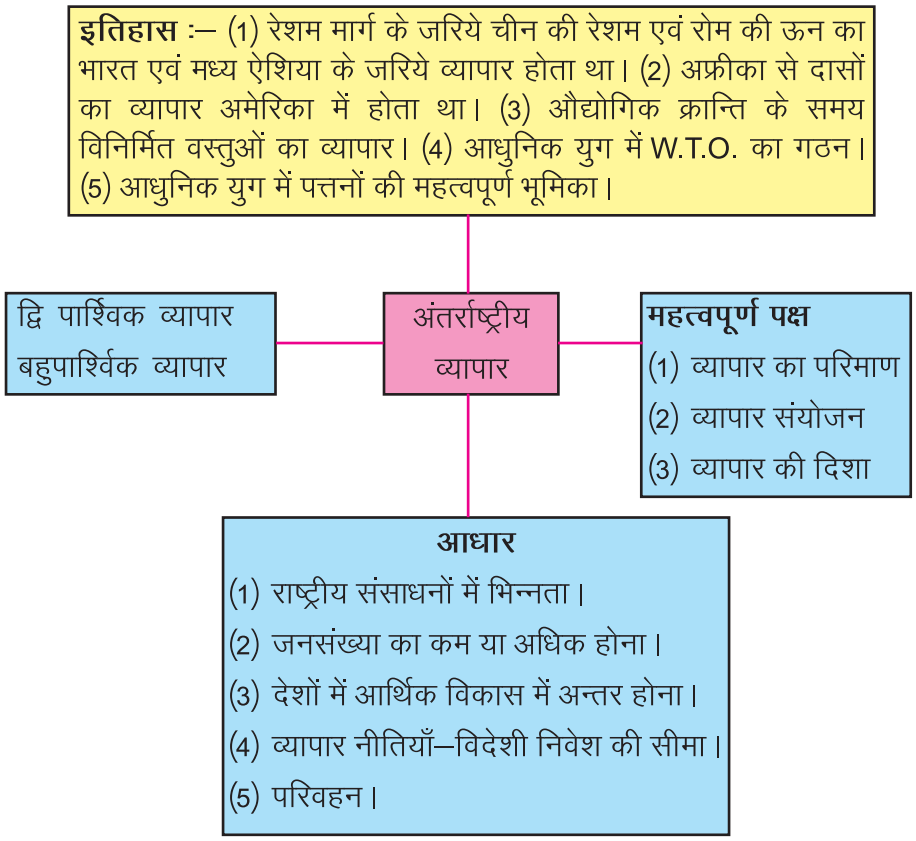

बहुविकल्पीय प्रश्नोंत्तर

प्रश्न 1. संसार के अधिकांश महान पत्तन.....पत्तनों के रूप में वर्गीकृत किए गए है।

a) वाणिज्यिक पन्तन

b) औद्योगिक पतन

c) विस्तृत पत्तन

d) पैकेट स्टेशन

प्रश्न 2. व्यापार की गई वस्तुओं का वास्तविक तौल ..... कहलाता है।

a) प्रखण्डीय संयोजन

b) परिमाण

c) व्यापार की दिशा

d) व्यापार के पक्ष

प्रश्न 3. निम्नलिखित मे से कौन सा देश साफ्टा (SAFTA) का सदस्य देश नही है?

a) बांग्लादेश b) भूटान

c) नेपाल d) म्यानमार

प्रश्न 4. नीचे 3 कथन दिये गए है उन्हे स्थान से पढ़ें एवं बाद में दिये गए परिणामों में सत्य कथन को चुनें।

(i) **अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार राष्ट्रों के लिये पारस्परिक रूप से लाभदायक है यदि यह उत्पादन के उच्च स्तर एवं प्रादेशिक विशेषताओं को प्रेरित करता है।**

(ii) **यह देशों के लिये हानिकारक है यदि यह अन्य देशों पर निर्भरता, विकास के असमान स्तर, शोषण और युद्ध का कारण बनने वाली प्रतिद्वन्दिता की ओर उन्मुख है।**

(iii)**अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर्यावरण, स्वास्थय एवं लोगों के कल्याण को प्रमाणित नही करता।**

a) कथन (i),(ii),(iii) तीनों सत्य है।

b) कथन (i) एवं (ii) सत्य है। (iii) परन्तु असत्य है।

c) सभी कथन गलत है।

d) केवल कथन (i) सत्य है।

प्रश्न 5. WTO की स्थापना कब हुयी?

a) 1995 b) 1895

c) 1991 d) 1948

उत्तर माला

1-c 2-b 3-d 4-b 5-a

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (एक अंक वाले प्रश्न)

प्रश्न 6. आदिम समाज में व्यापार का आरंभिक स्वरूप क्या था?

उत्तर : विनिमय व्यवस्था

प्रश्न 7. यूरोपीय उपनिवेशवाद में विदेशी वस्तुओं के व्यापार के साथ, व्यापार के किए नए स्वरूप का उदय हुआ?

उत्तर : दास व्यापार

प्रश्न 8. ऋणात्मक व्यापार संतुलन के अंतत किसी देश के लिए क्या परिणाम है?

उत्तर : ऋणात्मक व्यापार संतुलन अंततः किसी देश के वित्तीय संचय की समाप्ति को अभिप्रेरित करता है।

प्रश्न 9. डंप करना प्रथा क्या है?

उत्तर : लागत की दृष्टि से नहीं वरन भिन्न–भिन्न कारणों से अलग–अलग कीमत की किसी वस्तु को दो देशों में विक्रय करने की प्रथा डंप करना कहलाती हैं।

प्रश्न 10. NAFTA के किन्हीं दो सदस्य देशों के नाम लिखें?

उत्तर : संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा

लघुउत्तरीय प्रश्न (तीन अंक वाले प्रश्न)

प्रश्न 11. प्रादेशिक व्यापार संगठनों के अस्तित्व में आने के क्या कारण थे?

उत्तर : प्रादेशिक व्यापार समूह व्यापार की मदों में भौगोलिक सामीप्य, समरूपता और पूरकता के साथ देशों में व्यापार को बढ़ाने एवं विकासशील देंशों के व्यापार पर लगे प्रतिबंध को हटाने के उद्देश्य से अस्तित्व में आए हैं।

प्रश्न 12. राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को किस तरह प्रभावित करती है? उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

उत्तर : विश्व के सभी देशों में संसाधनों में भिन्नता पाई जाती है यह भिन्नता प्राकृतिक संसाधनों एवं मानवीय संसाधनों दोनों स्तरों पर होती है। इनकी गुणवत्ता एवं मात्रा में भी अन्तर होता है। इसलिए दो देशों के मध्य व्यापार की संभावना बढ़ती है। उदाहरण :–

(1) भौगोलिक संरचना में अन्तर के कारण किसी राष्ट्र में दूसरे राष्ट्र से अलग कृषि फसल होती है जैसे ब्राजील में कॉफी का उत्पादन अधिक होता है तो वहाँ से कॉफी अन्य देशों को निर्यात की जाती है।

(2) खनिज भी असमान रूप से वितरित है। द. अफ्रीका से बहुमूल्य खनिज दूसरें देशों को निर्यात किए जाते हैं। जापान जैसा विकसित

देश खनिजों का आयात करता है।

(3) जलवायु से उत्पन्न विविधता भी उत्पादन की विविधता को सुनिश्चित करती है जो व्यापार को प्रभावित करती है। जैसे ऊन उत्पादन ठडे क्षेत्रों में ही हो सकता है, केला, रबड़, कहवा, उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में आ सकते हैं।

प्रश्न 13. व्यापार संतुलन से क्या आशय है? व्यापार संतुलन के प्रकारों को स्पष्ट कीजिए। (C.B.S.E. 2012 Outside)

उत्तर : एक देश दूसरे देश को कुछ वस्तुएं या सेवाएं भेजता (निर्यात) है या कुछ वस्तुओं या सेवाओं को अपने देश में मंगाता (आयात) है। इसी आयात व निर्यात के अंतर को व्यापार संतुलन कहते हैं। यह दो प्रकार का होता है।

ऋणात्मक संतुलन :– देश दूसरे देशों से वस्तुओं के खरीदने पर उस मूल्य से अधिक खर्च करता है जितना वह अपनी वस्तुओं को बेचकर मूल्य प्राप्त करता है अर्थात् आयात का मूल्य निर्यात के मूल्य से अधिक होता है।

धनात्मक संतुलन :– यदि निर्यात का मूल्य (विक्रय मूल्य) आयात के मूल्य से अधिक है तो यह धनात्मक व्यापार संतुलन होता है।

प्रश्न 14. मुक्त व्यापार क्या है? इसके गुण एवं दोष बताइये।

उत्तर : जब दो देशों के मध्य व्यापारिक बाधायें हटा दी जाती हैं जैसे सीमा–शुल्क खत्म करना, तो इसे मुक्त व्यापार कहा जाता हैं।

गुण :– घरेलू उत्पादों एवं सेवाओं को अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धा मिलती है जिससे उत्पादन की गुणवत्ता में वृद्धि होती है। व्यापार में भी वृद्धि होती है।

दोष :– विकासशील देशों में समुचित विकास न होने के कारण विकसित देश अपने उत्पादों को उनके बाजारों में अधिक मात्रा में भेज देते हैं जिसे विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है और उनके अपने उद्योग बंद होने लगते हैं।

प्रश्न 15. मार्ग पत्तन एवं आंत्रपों पत्तन में क्या अन्तर है? स्पष्ट करें?

उत्तर : **मार्ग पत्तन** :– समुद्री मार्ग पर विश्राम केन्द्र के रूप में विकसित हुए है। यहाँ पर जहाज ईंधन, जल एवं भोजन के लिए लंगर डालते हैं।

जैसे – होनोलूलू एवं सिंगापुर।

आंत्रपों पत्तन :– इन पत्तनों पर विभिन्न देशों से निर्यात हेतु वस्तुएं लाई जाती हैं एकत्र की जाती हैं व अन्य देशों को भेज दी जाती हैं जैसे –यूरोप का रोटरडम एवं कोपेन–हेगन।

प्रश्न 16. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के तीन महत्वपूर्ण पक्ष क्या हैं? विश्लेषण कीजिए। (CBSE 2009, 2012 Delhi)

उत्तर : **व्यापार का परिमाण** :— व्यापार की गई वस्तुओं का वास्तविक तौल परिमाण कहलाता है। सभी प्रकार की व्यापारिक सेवाओं को तौला नहीं जा सकता इसीलिए व्यापार की गई वस्तुओं व सेवाओं के कुल मूल्य को व्यापार का परिमाण के रूप में जाना जाता है।

व्यापार संयोजन :— व्यापार संयोजन से अभिप्राय देशों द्वारा आयातित व निर्यातित वस्तुओं व सेवाओं के प्रकार में हुए परिवर्तन से हैं। जैसे पिछली शताब्दी के शुरू में प्राथमिक उत्पादों का व्यापार प्रधान था। बाद में निर्माण क्षेत्र की वस्तुओं का आधिपत्य हो गया। अब सेवा क्षेत्र भी तेजी से बढ़ रहा है।

व्यापार की दिशा :— पहले विकासशील देश कीमती वस्तुओं तथा शिल्पकला की वस्तुओं आदि का निर्यात करते थे। 19वीं शताब्दी में यूरोपीय देशों ने विनिर्माण वस्तुओं को अपने उपनिवेशों से खाद्य पदार्थ व कच्चे माल के बदले निर्यात करना शुरू कर दिया। वर्तमान में भारत ने विकसित देशों के साथ प्रतिस्पर्धा शुरु कर दी है। आज चीन तेजी से व्यापार के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

प्रश्न 17. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से सम्बन्धित प्रमुख समस्याओं को उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए। (CBSE 2011Outside, 2009 Delhi)

उत्तर : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से सम्बन्धित प्रमुख समस्याएँ :—

- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का होना राष्ट्रों के लिए पारस्परिक लाभदायक होता है अगर यह उत्पादन उच्च स्तर, वस्तुओं व सेवाओं की उपलब्धता, कीमतों व वेतन का समानीकरण प्रस्तुत करता है।
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार देशों के लिए हानिकारक हो सकता है यदि यह अन्य देशों पर निर्भरता, विकास के असमान स्तर, शोषण और युद्ध का कारण बनने वाली प्रतिद्वंदिता की ओर उन्मुख होता है।
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग बढ़ता जा रहा है। जिससे पर्यावरणीय व स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं उत्पन्न हो रही है। संसाधनों का तेजी से ह्रास हो रहा है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (पांच अंक वाले प्रश्न)

प्रश्न 18. विभिन्न आधार लेते हुये पत्तनों का वर्गीकरण कीजिये। इन्हें

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार क्यों कहा जाता हैं?

(CBSE 2011 Delhi)

उत्तर : पत्तनों का वर्गीकरण दिए गए अवधारणा मानचित्र से समझा जा सकता।

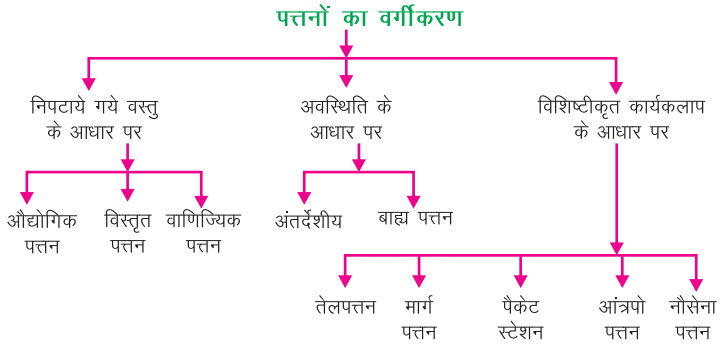

महत्व :– पत्तन व्यापार के लिए अत्यावाश्यक है क्योंकि बड़े पैमाने पर अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार समुद्री भागों से ही किया जाता है। ये पत्तन निम्न सुविधाएं प्रदान करते हैं।

(1) जहाजों के रुकने, ठहरने के लिए आश्रय प्रदान करते हैं।

(2) वस्तुओं को लादने, उतारने एवं भंडारण की सुविधा प्रदान करते हैं।

(3) अत्याधुनिक सुविधाएं, प्रशीतकों, छोटी नौकाओं की सुविधा।

(4) श्रम एवं प्रबंधकीय सुविधाएं प्रदान करते हैं।

(5) जहाजों के रखरखाव की व्यवस्था करते हैं।

प्रश्न 19. विश्व व्यापार संगठन की भूमिका विकसित एवं विकासशील देशों के लिए समान नहीं रही है। इस कथन को उचित तर्क देकर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन के रूप में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका क्या है? कुछ देशों द्वारा विश्व व्यापार संगठन की आलोचना क्यों की गई है? स्पष्ट कीजिए। (CBSE-2014)

अथवा

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका उसकी आलोचना के साथ स्पष्ट कीजिए? (CBSE 2011, Outside)

उत्तर : विश्व व्यापार संगठन की नींव GATT (जनरल एग्रीमेंट आन ट्रेड एन्ड टैरिफ) के रूप में 1948 में पड़ी थी। 1995 में GATT विश्व व्यापार संगठन के रूप में परिवर्तित हो गया। इसकी भूमिका निम्नलिखित है–

- विश्व व्यापार संगठन एकमात्र ऐसा अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है, जो राष्ट्रो के मध्य विवादों का निपटारा करता है।
- यह संगठन दूर संचार और बैंकिंग जैसी सेवाओं तथा अन्य विषयों जैसे बौद्धिक सम्पदा अधिकार के व्यापार को भी अपने कार्यों में सम्मिलित करता है।

आलोचना :–

(1) WTO ने मुक्त व्यापार एवं भूमंडलीकरण को बढ़ावा दिया है जिसके कारण धनी और धनी एवं गरीब देश और गरीब हो रहे हैं।

(2) विकसित देशों ने अपने बाजार को विकासशील देशों के उत्पादों के लिए नहीं खोला है।

(3) इस संगठन में केवल कुछ प्रभावशाली राष्ट्रो का वर्चस्व है।

(4) WTO पर्यावरणीय मुद्दों, बालश्रम, श्रमिकों के स्वास्थ्य व अधिकारों की उपेक्षा करता है।

प्रश्न 20. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अस्तित्व में आने के प्रमुख कारण क्या है?

या

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार क्या हैं? स्पष्ट करें?

(CBSE 2012, Outside, 2011 Outside, 2008 Delhi)

या

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के निम्नलिखित आधारों की व्याख्या कीजिए।

(Compt-2016)

(i) राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता

(ii) जनसंख्या के कारक

उत्तर : विश्व के प्रत्येक देश एक या अन्य वस्तुओं के उत्पादन में विशिष्टीकरण प्राप्त होते हैं। यही विशिष्टीकरण अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधार बनता है।

1) राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता

2) जनसंख्या का आकार

3) आर्थिक विकास की अवस्था।

4) विदेशी निवेश की सीमा।

5) परिवहन ।

उपर्युक्त कारक अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार के रूप में कार्य करते हैं। (कारकों को विस्तृत करके लिखें।)

भाग : ख
भारत : लोग और अर्थव्यवस्था

भाग –2

भारत : लोग एवं अर्थव्यवस्था

अध्याय	विषय वस्तु
1.	जनसंख्या : वितरण घनत्व एवं वृद्धि
2.	प्रवास : प्रकार, कारण और परिणाम (2022–23 सत्र के लिये हटाया गया)
3.	मानव विकास (2022–23 के लिये हटाया गया)
4.	मानव बस्तियाँ
5.	भूसंसाधन तथा कृषि
6.	जल संसाधन
7.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन
8.	निर्माण उद्योग (2022–23 सत्र के लिए हटाया गया)
9.	भारत के संदर्भ में नियोजन और सतत् पोषणीय विकास
10.	परिवहन तथा संचार
11.	अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार
12.	भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे व समस्यायें
13.	मानचित्र कार्य : विश्व एवं भारत

अध्याय–1

जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन

अवधारणा मानचित्र

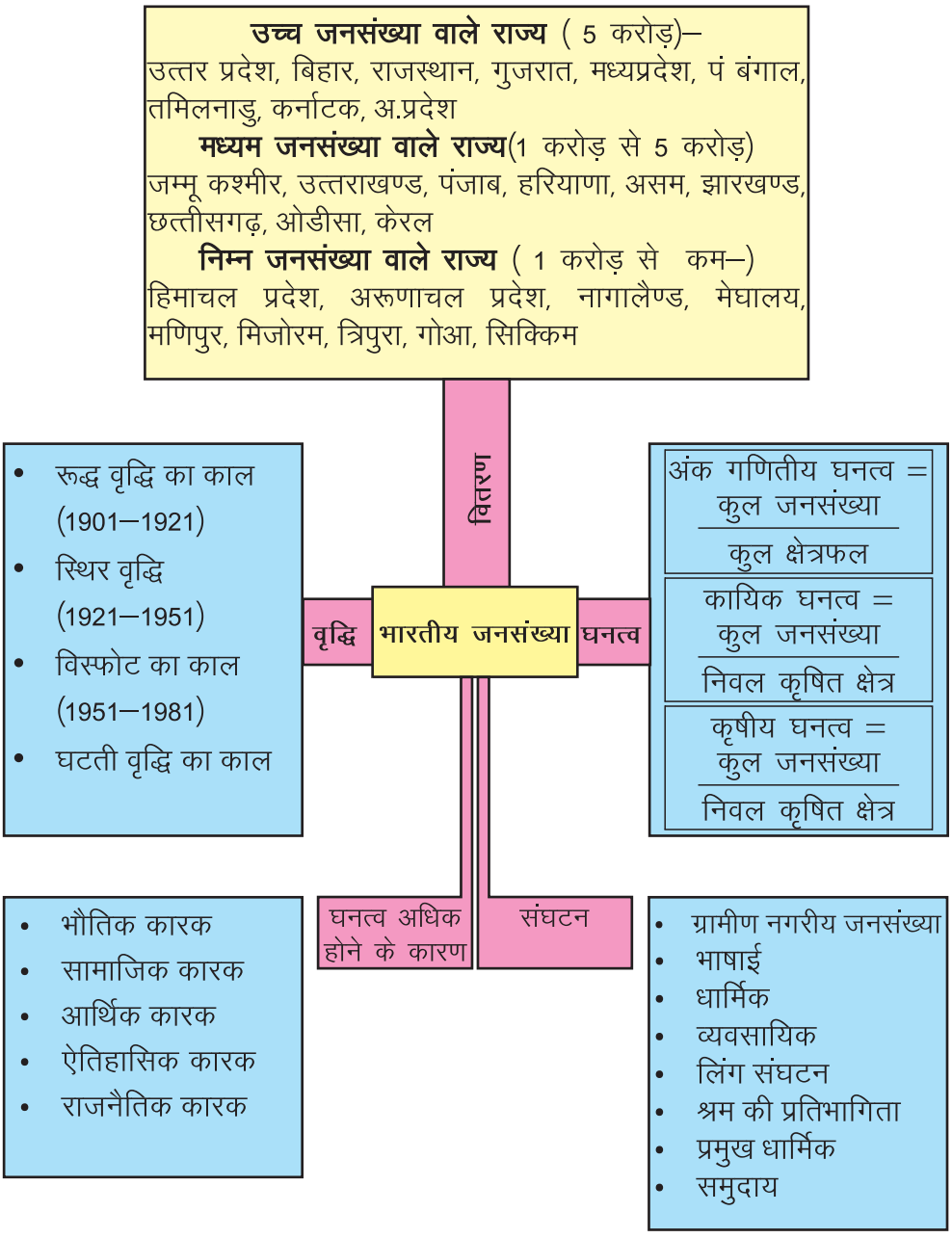

जानने योग्य तथ्य

2011 की जनगणना के आधार पर

1. भारत की कुल जनसंख्या — 1210193422
2. भारत की कुल जनसंख्या घनत्व — 382 व्यक्ति / कि.मी.
3. भारत की कुल स्त्री पुरूष अनुपात — 940 / प्रति हजार पुरूषों पर
4. भारत की कुल साक्षरता दर — 74.4 प्रतिशत
5. सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य — उत्तर प्रदेश
6. सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य — सिक्किम
7. सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य — बिहार (1106 व्यक्ति / कि.मी.)
8. सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य — अरूणाचल प्रदेश (17 व्यक्ति कि.मी.)
9. जनसंख्या की कुल वृद्धि दर — 1.7 प्रतिशत वार्षिक
10. विश्व की जनसंख्या का भाग — 17.5 प्रतिशत
11. सबसे अधिक अनुकूल लिंगानुपात वाला राज्य — केरल (1084 / प्रति हजार पुरूष)
12. सबसे कम लिंगानुपात वाला राज्य — हरियाणा (877 / प्रति हजार पुरूष)
13. वह राज्य जहाँ 2011 में ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत सर्वाधिक था — हिमाचल प्रदेश
14. वह राज्य जहाँ 2011 में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत सर्वाधिक था — गोआ
15. केन्द्रशासित प्रदेश जहाँ ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत सर्वाधिक था — अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह
16. केन्द्रशासित प्रदेश जहाँ नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत सर्वाधिक था — दिल्ली

बहुविकल्पीय प्रश्न (एक अंक)

प्रश्न 1. राजस्थान जो पहले विरल जनसंख्या क्षेत्र था अब जनसंख्या का उच्च संकेन्द्रित क्षेत्र है, क्योंकि यहाँ

a) परिवहन जाल में विकास हुआ है।

b) ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता है।

c) एतिहासिक स्थलों का नवीकरण हुआ है।

d) सिचाई का विकास हुआ है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सुमेलित नही है–

वर्ष	**प्रवृत्ति**
a) 1921–1951	स्थिर वृद्धि
b) 1901–1921	अत्याधिक जनसंख्या वृद्धि का काल
c) 1981 से अबतक	घटती वृद्धि का काल
d) 1951 से 1981	जनसंख्या विस्फोट

प्रश्न 3. (i)**भारतीय जनसंख्या में किशोर वर्ग की क्षमताओं का विकास देश के आर्थिक, सामाजिक, उत्थान के लिए अतिआवश्यक है।**

(ii)**भारत सरकार ने इस उद्देश्य से 2014 –**NYP **2015 में कौशल विकास तथा उद्यमिता के लिए नीति बनाई है।**

a) केवल (i) कथन सत्य है

a) केवल (ii) कथन सत्य है

c) दोनों (i) और (ii) कथन सत्य है।

d) दोनों कथन असत्य हैं।

प्रश्न 4. व्यक्ति जो एक वर्ष में कम से कम 183 दिन काम करता है–

a) सीमांत श्रमिक

b) मुख्य श्रमिक

c) कुशल श्रमिक

d) अकुशल श्रमिक

प्रश्न 5. भारत में ..... भाषाएं एवं ..... के लगभग बेलिया हैं। (भाषाई सर्वेक्षण, 1903–1928 अनुसार)

a) 22 भाषाएँ एवं 154 बोलियाँ

b) 154 भाषाएँ एवं 22 बोलियाँ c) 179 भाषाएँ एवं 544 बोलियाँ

d) 544 भाषाएँ एवं 179 बोलियाँ

उत्तरमाला

1-d, 2-b, 3-c, 4-b, 5-c

अतिलघुउत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 6. भारत में जनसंख्या आँकड़ो का प्रमुख स्त्रोत क्या हैं?

उत्तर : जनगणना

प्रश्न 7. जनसंख्या वितरण को परिभाषित करें।

उत्तर : पृथ्वी की सतह पर जनसंख्या के फैलाव को जनसंख्या वितरण कहा जाता है।

प्रश्न 8. जनसंख्या के दुगुना होने के समय का वर्णन करें।

उत्तर : जनसंख्या के दुगुना होने का समय वर्तमान वार्षिक वृद्धि दर पर किसी भी जनसंख्या के दुगुना होने में लगने वाला समय है।

प्रश्न 9. अनुसूचित भाषा से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : अनुसूचित भाषांए वे भाषांए है जिन्हे भारतीय संविधान की आठवी अनुसूची में शामिल किया गया है।

प्रश्न 10. भारत के संविधान में कितनी अनुसूचित भाषाए हैं?

उत्तर : 22 अनुसूचित भाषाएँ

प्रश्न 11. जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि की गणना किस प्रकार की जाती हैं?

उत्तर : (जन्म–मृत्यु दर) + (अप्रवास – उत्प्रवास)

लघु उत्तरात्मक प्रश्न (तीन अंक वाले प्रश्न)

प्रश्न 12. भारत में जनसंख्या का वितरण बेहद असमान है। यह तथ्य क्या दर्शाता है?

उत्तर : भारत में जनसंख्या का वितरण अत्यधिक असमान है। भारत की लगभग 76 प्रतिशत आबादी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडू, मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक एवं गुजरात में बसती है। जो यह उजागर करता है कि भारत में:–

1) **भौतिक कारकों में असमानताएँ**:– देश में कृषि एवं अन्य आर्थिक क्रियाओं के लिए अनुकूल भौतिक कारकों का वितरण अत्याधिक

असमान है । उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में उपजाऊ मैदान एवं अनुकूल जलवायु बड़ी जनसंख्या का पोषण कर सकती है।

2) **असमान औद्योगिक विकासः**– महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक जैसे राज्यों में कृषि के साथ–साथ औद्योगिक विकास भी जनसंख्या, संकेंद्रण का कारण है।

3) देश में विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक अवस्थितियाँ है जिसके वजह से देश में जनसंख्या का वितरण असमान है ।

प्रश्न 13. आर्थिक स्तर की दृष्टि से भारत की जनसंख्या को कितने वर्गों में बांटा जा सकता है? (CBSE Delhi, 2008)

उत्तर : आर्थिक स्तर की दृष्टि से भारत की जनसंख्या को तीन वर्गों में बांट सकते हैं:–

1) **मुख्य श्रमिक** :– वह व्यक्ति जो एक वर्ष में कम से कम 183 दिन कार्य करता है, मुख्य श्रमिक कहलाता है।

2) **सीमांत श्रमिक** :– वह व्यक्ति जो एक वर्ष 183 दिनों से कम दिन काम करता है सीमांत श्रमिक कहलाता है।

3) **अश्रमिक** :– जो व्यक्ति बेरोजगार होता है उसे अश्रमिक कहते हैं।

प्रश्न 14. 1901–1921 की समयावधि में भारत की जनसंख्या वृद्धि दर में स्थिरता या नकारात्मकता क्यों थी? कारण स्पष्ट करें?

(CBSE Delhi, 2011, Outside)

उत्तर : इस अवधि में भारत में जन्मदर एवं मृत्युदर दोनों ही उच्च थे।

1) स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का अभाव था।

2) लोगों में साक्षरता प्रतिशत बहुत कम थी।

3) खाद्यान्नों एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के समुचित वितरण की व्यवस्था नहीं थी।

प्रश्न 15. भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय युवा नीति कब अपनाई गई तथा इसके मुख्य उद्देश्य क्या थे?

उत्तर : भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय युवा नीति 2014 में अपनाई गई और इसके मुख्य उद्देश्य थेः–

1) युवाओं व किशोरों के चहुमुखी विकास पर बल देना।

2) उनके गुणों का बेहतर मार्गदर्शन देना, ताकि देश के रचनात्मक

विकास में वे अपना योगदान दे सकें।

3) उनमें देशभक्ति व उत्तरदायी नागरिकता के गुणों को बढ़ाना।

प्रश्न 16. समाज के समक्ष किशोरों की प्रमुख चुनौतियाँ क्या है?

या

यदि किशोरों को समुचित ढंग से मार्गदर्शित न किया जाए तो वे काफी सुभेध भी होते हैं –स्पष्ट करो

उत्तर : समाज के समक्ष किशोरों की प्रमुख चुनौतियाँ हैः–

1) **निरक्षरता** :– अधिकतर किशोर वर्ग, विशेषतम स्त्रियां निरक्षर हैं। जिसके कारण वह अपने व परिवार के विकास में योगदान नहीं दे पाती।

2) **औषध दूरूपयोग** :– अधिकतर किशोर शिक्षा पूरी किए बिना ही विद्यालय छोड़े देते हैं और औषध या मदिरापान के कारण रास्ता भटक जाते है। ऐसे लोग समाज के लिए अभिशाप बन जाते हैं और सामाजिक परिवेश को बिगाड़ते हैं।

3) **विवाह की निम्न आयु** :– विवाह की निम्न आयु उच्च मातृ मृत्यु दर का कारण बनती है। जो आगे जाकर लिंगानुपात को प्रभावित करती है।

4) **समुचित मार्गदर्शन का अभाव** :– किशारों को समुचित मार्गदर्शन देने के लिए किसी ठोस कदम का अभाव है। जिस कारण वे मार्ग से भटक जाते हैं।

5) **अन्य चुनौतियां**:–HIV, AIDS किशोरी माताओं से उच्च मातृ मृत्यु दर आदि।

प्रश्न 17. आर्थिक कारकों के कारण जनसंख्या किस प्रकार प्रभावित होती है? उदाहरण द्वारा स्पष्ट करें ।

उत्तर : आर्थिक कारकों में प्राथमिक, द्वितीयक व तृतीयक क्रियाएँ भी सम्मिलित होती है। तकनीकी ज्ञान आर्थिक क्रियाओं का अंग है। इसलिए जिस क्षेत्र में तकनीकी ज्ञान पर निर्भर विकास होता है, वही अधिक जनसंख्या निवास करती है। औद्योगिक व नगरीय क्षेत्रों में इसी कारण अधिक जनसंख्या बसी होती है। जैसे–मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, बेंगलरू आदि। जिन क्षेत्रों में कृषि अधिक होती है, वहाँ उत्पादन अधिक होता है, वे क्षेत्र भी अधिक बसे होते है। जैसे –पश्चिमी, उत्तर प्रदेश, हरियाणा आदि।

प्रश्न 18. 1921–1951 के मध्य जनसंख्या वृद्धि स्थिर होने के तीन कारण स्पष्ट करें।

उत्तर : 1) स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि के कारण, मृत्यु दर में कमी आई।

2) लोगों में जागरूकता आई व वृद्धि दर नियमित रही।

3) समाज में शिक्षा के कारण लोगों में जागरूकता आई व जन्म दर भी कम रही।

4) परविहन एवं संचार तंत्र के बेहतर होने से वितरण प्रणाली में सुधार आना।

प्रश्न 19. भारत के आयु पिरामिड की विशेषताएँ बताए।

उत्तर : 1) उच्च आयु–वर्ग में पिरामिड संकरा है।

2) 22% जनसंख्या, 50 वर्ष की आयु तक पहुँच पाती है।

3) 60 वर्ष की आयु के लोगों की जनसंख्या 12% है।

4) 40–49 वर्ष आयु वर्ग में 10% जनसंख्या पाई जाती है।

प्रश्न 20. भारत में लिंग अनुपात घटने के चार कारण बताइऐ।

उत्तर : 1) लड़कियों की अपेक्षा लड़कों के जन्म को प्राथमिकता

2) कन्या भ्रूण हत्या

3) कुपोषण के कारण बाल्यावस्था में ही कन्या शिशुओं की मृत्यु हो जाती है।

4) समाज में स्त्रियों को कम सम्मान प्राप्त होना। उनके स्वास्थ्य व पोषण पर ध्यान न दिया जाना।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न (पाँच अंक वाले प्रश्न)

प्रश्न 21. भारत में चार भाषा परिवार कौन से है? दो प्रमुख भाषा परिवारों की दो–दो विशेषताएं बताइए।

उत्तर : भारत में चार भाषा परिवार :–

1) भारतीय–यूरोपीय (आर्य)

2) द्रविड़

3) आस्ट्रिक

4) चीनी–तिब्बत

भाषा परिवारों की विशेषताएं

भारतीय–यूरोपीय (आर्य)

1. कुल जनसंख्या का लगभग तीन चौथाई भाग आर्य भाषाएं बोलता है।
2. इस परिवार की भाषाओं का संकेद्रण पूरे उत्तरी भारत में हैं। इसमें हिन्दी मुख्य है।

द्रविड़ भाषा परिवार

1. कुल जनसंख्या का लगभग पांचवा भाग द्रविड़ भाषाएं बोलता है।
2. इस परिवार की भाषाएं मुख्यतः प्रायद्वीपीय पठार तथा छोटा पठार के क्षेत्रों में बोली जाती है। इस परिवार में तेलुगु, तमिल, कन्नड़ तथा मलयालम मुख्य भाषाएं हैं।

प्रश्न 22. भारत में जनसंख्या के घनत्व के स्थानिक वितरण की विवेचना कीजिए?

उत्तर : **1)** 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में जनसंख्या की घनत्व 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है।

2) राज्य स्तर पर जनसंख्या के घनत्व में बहुत विषमताएं पाई जाती है। अरूणाचल प्रदेश में 17 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। जबकि बिहार में यह घनत्व 1106 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है।

3) केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली का घनत्व सबसे अधिक 11320 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हैं जबकि अंडमान निकोबार द्वीप समूह में केवल 46 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है।

4) प्रायद्वीपीय भारत में केवल केरल राज्य का घनत्व सबसे अधिक 860 है इसके बाद तमिलनाडु 555 का दूसरा स्थान है।

5) पर्यावरण की विपरीत दशाओं के कारण उत्तरी तथा उत्तरी–पूर्वी भारतीय राज्यों की जनसंख्या घनत्व बहुत कम है। जबकि मध्य प्रदेश भारत तथा प्रायद्वीपीय भारत में मध्य दर्जे का जनसंख्या घनत्व पाया जाता है।

प्रश्न 23. जनसंख्या वृद्धि दर का क्या अर्थ है? भारत की जनसंख्या वृद्धि में बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ से लेकर वर्तमान तक जो चार अवस्थाएँ स्पष्ट दिखाई देती है, उनका वर्णन कीजिए?

उत्तर : जनसंख्या वृद्धिदर–किसी विशेष क्षेत्र में विशेष समयावधि में होने वाले जनसंख्या परिवर्तन को जब प्रतिशत में व्यक्त किया जाता है उसे जनसंख्या वृद्धिदर कहते हैं।

भारतीय जनसंख्या वृद्धि की चार अवस्थाएँ

1) **स्थिर वृद्धि की अवधि (1921 से पहले)** :– 1901 से 1921 की अवधि को भारत की जनसंख्या की वृद्धि की स्थिर अवस्था कहा जाता है, क्योंकि इस अवधि में वृद्धि दर अत्यंत निम्न थी यहां तक कि 1911–1921 के दौरान ऋणात्मक वृद्धि दर रही है। जन्म दर मृत्यु दर दोनों ऊँचे थे जिससे वृद्धि दर निम्न रही।

2) **निरंतर वृद्धि की अवधि (1921–1951)** :– इस अवधि में जनसंख्या वृद्धि निरंतर बढ़ती गई क्योंकि स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि के कारण मृत्यु दर में कमी आई इसीलिए इस अवधि को मृत्यु प्रेरितवृद्धि कहा जाता है।

3) **तीव्र वृद्धि की अवधि (1951–1981)** :– इस अवधि को भारत में जनसंख्या विस्फोट की अवधि के नाम से भी जाना जाता है। विकास कार्यों में तेजी, बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ, बेहतर जीवन स्तर के कारण मृत्यु दर में तीव्र ह्रास और जन्म दर में उच्च वृद्धि देखी गई ।

4) **घटती वृद्धि की अवधि (1981 से आज तक)** :– 1981 से वर्तमान तक वैसे तो देश की जनसंख्या की वृद्धि दर ऊँची बनी रही है परन्तु इसमें धीरे–धीरे मंद गति से घटने की प्रवृत्ति पाई जाती है। विवाह की औसत आयु में वृद्धि, स्त्रियों की शिक्षा में सुधार व जनसंख्या नियन्त्रण के कारगर उपायों ने इस वृद्धि को घटाने में मदद की है।

प्रश्न 24. भारत में भूदृश्य पर धर्म की औपचारिक अभिव्यक्ति संपूर्ण भू–दृश्य को एक विशेष आयाम प्रदान करती है। उचित उदाहरण देकर अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए?

उत्तर : 1) धर्म सर्वाधिक भारतीयों के सांस्कृतिक व सामाजिक जीवन को प्रभावित करने वाला प्रमुख बल रहा है।

2) भू–दृश्य पर धर्म की अभिव्यक्ति हमारी पवित्र रचनाओं कब्रिस्तानों व शमशान घाटो, धर्म के लिए पवित्र वृक्षों और धार्मिक स्थलों के रूप में प्रकट होती है।

3) भारत के नगरों व गाँवों में हर गली व चौराहें पर विशाल मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, गुरूद्वारें, समाधियाँ पूरे भू–दृश्य को एक नया आयाम प्रदान करती है।

4) प्रमुख नदियों के घाटों, झीलों व सरोवरों तथा पशु–पक्षियों व पेड़ों के पवित्र स्थलों के सम्मुख सम्पूर्ण भू–दृश्य पर देखे जा सकते हैं।

5) भारत का भू–दृश्य अनेकों धर्मों का जनक रहा है यहाँ पर विभिन्न धर्मों के अवतारों, पीरों, फकीरों, साधुसन्तों की लीलाओं के अवशेष चारों ओर नजर आते हैं जो इस संपूर्ण भू–दृश्य को पवित्र व अनोखा बनाते हैं।

प्रश्न 25. जनसंख्या घनत्व किसे कहते हैं? जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले भौतिक कारणों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : प्रति इकाई क्षेत्रफल पर निवास करने वाले लोगों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते हैं।

भारत में जनसंख्या वितरण घनत्व को निम्न भौतिक कारक प्रभावित करते हैं :–

1) **उच्चावच** :– जनसंख्या के बसाव के लिए मैदान अधिक उपयुक्त होते हैं। पर्वतीय व पठारी या घने वर्षा भागों में जनसंख्या कम केंद्रित होती है। उदाहरण के लिए भारत में उत्तरी मैदान घना बसा है जबकि उत्तर–पर्वतीय भाग तथा उत्तर–पूर्वी वर्षा वाले भागों में जनसंख्या घनत्व कम है।

2) **जलवायु** :– जलवायु जनसंख्या वितरण को प्रभावित करती है। थार मरूस्थल में गर्म जलवायु और पठारी भाग व हिमालय के ठंडे क्षेत्र सम–जलवायु वाले क्षेत्रों की अपेक्षा कम घने बसे है।

3) **मृदा** :– मृदा कृषि को प्रभावित करती है। उपजाऊ मृदा वाले क्षेत्रों में कृषि अच्छी होने के कारण इसलिए ये भाग अधिक घने बसे है। उदाहरण–उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब आदि।

4) **जल की उपलब्धता** :– जल की उपलब्धता बसावट को आकर्षित करती है। वे अधिक घने बसे होते हैं जैसेः– सतलुज–गंगा का मैदान, तटीय मैदान आदि।

क्रियाकलाप

प्रश्न 26. भारत में पुरुष श्रमिकों की संख्या स्त्री श्रमिकों की संख्या से सभी सेक्टरों में अधिक है। स्त्रियों की सहभागिता दर कम होने के प्रमुख कारकों की चर्चा कीजिए।

संकेत :–

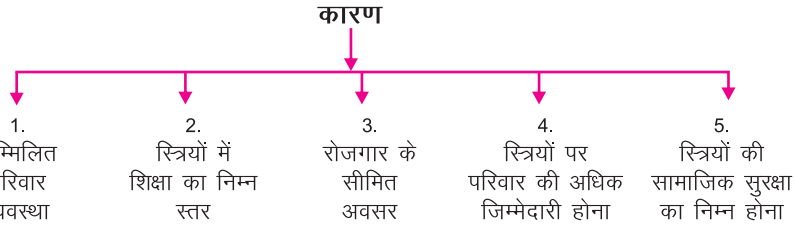

प्रश्न 27. लिंग के आधार पर सामाजिक भेदभाव, अलगाव तथा बहष्किार किसी भी विकासशील सभ्य समाज के लिए कए गंभीर समस्या है। इस कथन के संदर्भ मेंअपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं' सामाजिक अभियान भारत सरकार द्वारा समाज में स्त्रियों की स्थिति को मजबूत बनाता है। कथन की व्याख्या कीजिए।

उत्तर समाज का विभाजन पुरूष, महिला और ट्रांसजेंडर में प्राकृतिक और जैविक रूप से माना जाता है। जिसमे सामाजिक रूप से कोई भेदभाव नही होना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अनुसार यदि विकास में सभी जेंडर सम्मिलित नही है तो ऐसा विकास लूप्तप्राय है।

समाज में सभी लोगो को शिक्षा, रोजगार, राजनीतिक प्रतिनिधित्व में समान अवसर, समानकार्य के लिए समान वेतन, स्वाभिमान के साथ जीवन जीने का अवसर मिले इसके लिए विशेष प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

भारत सरकार ने लिंग संवेदनशीलता तथा भेदभाव से होने वाले दुष्प्रभावों को ध्यान में रखते हुंए राष्ट्रीय स्तर पर बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ सामाजिक अभियान चलाया है। इस अभियान की सफलता महिलाओं के हर स्तर पर बढ़े सकल नामांकन अनुपात में परिलक्षित होती है।

स्वंय आकलन

क्या हम समझ गए?

1. जनसंख्या वितरण परिभाषा
2. जनसंख्या घनत्व – परिभाषा एवं प्रकार
3. असमान जनसंख्या वितरण के कारण–
4. भारतीय जनसंख्या के घनत्व का स्थानिक वितरण–
5. भारतीय भाषा–परिवार एवं विशेषताएँ
6. भारतीय श्रमजीवी जनसंख्या – विशेषताएँ
7. जनसंख्या वृद्धि – स्थानक वितरण
8. भारतीय किशोरों की चुनौतियों एवं भारतीय सरकार के प्रयास
9. भारतीय ग्रामीण – नगरीय संघटक–
10. श्रम प्रतिभागिता दर

अध्याय–4

मानव बस्तियाँ

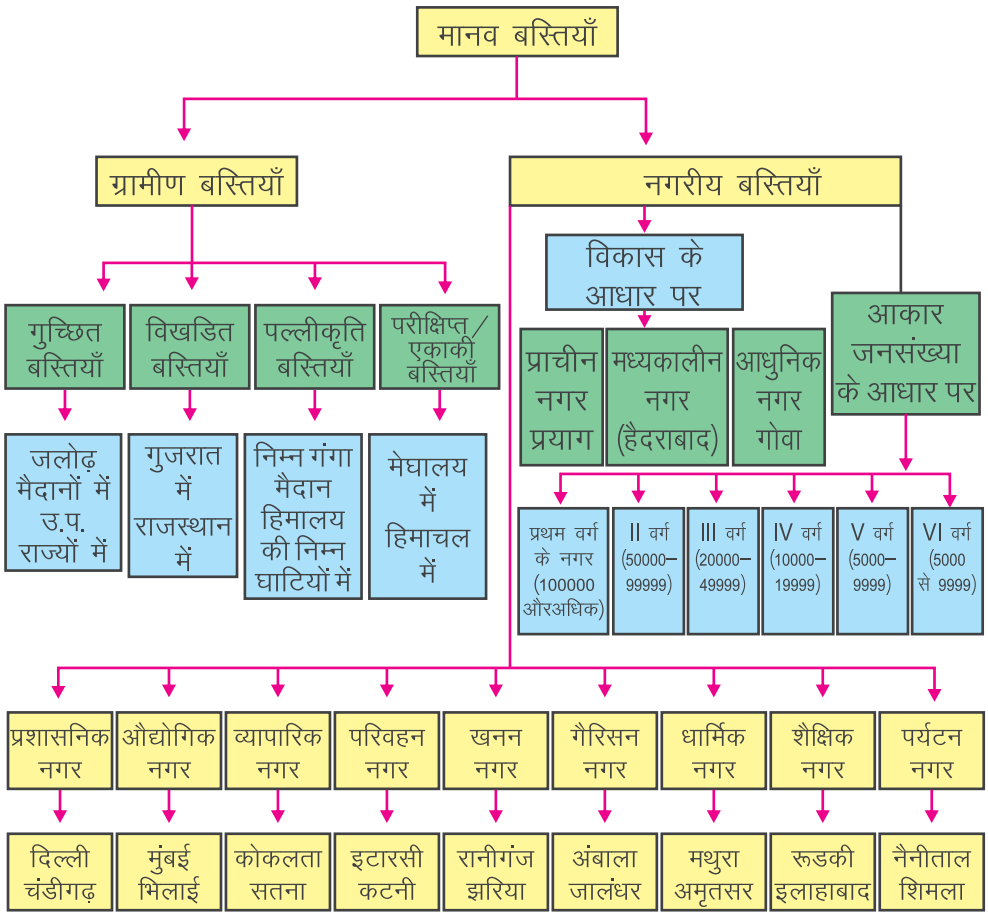

बहुविकल्पीय प्रश्न (एक अंक)

प्रश्न 1. किस प्रकार की ग्रामीण बस्ती को संकुलित बस्ती के रूप में भी जाना जाता है?

a) पल्ली

b) अर्धगुच्छित

c) परिक्षिप्त

d) गुच्छित

प्रश्न 2. वे स्थान जहाँ नगरपालिका कैंटोनमेंट बोर्ड/नोटीफाइड टाउन एरिया कमेटी है, क्या कहलाते है?

a) महानगर

b) जनगणना नगर

c) पर्यटन नगर

d) प्रशासनिक नगर

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में पल्ली बस्तियों के पाए जाने की अपेक्षा अधिक है?

a) हिमालय की निचली घाटियों में

b) गुजरात के मैदान व राजस्थान में

c) उत्तरी मैदानों में

d) उत्तर पूर्व के वन और पहाड़ियों में

प्रश्न 4. कौन सी योजना का उद्देश्य ऐसे सघन क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करना है जो एक मॉडल के रूप में अन्य बढते हुए शहरों के लिए लाइट हाऊस का काम करता है।

a) राष्ट्रीय आजीविका मिशन

b) प्रधानमंत्री शहरी विकास योजना

c) स्मार्ट सिटी मिशन

d) शहरी भारत के लिए राष्ट्रीय मिशन

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से कौन से शहर नदी तट पर स्थित नहीं है?

a) आगरा b) पटना

c) कोलकाता d) भोपाल

प्रश्न 6. निम्नलिखित में से कौन सा नगर गैरिसन नगर नहीं है

a) लखनऊ

b) जालंधर

c) बबीना

d) अंबाला

उत्तरमाला

1-d 2-d 3-a 4-c 5-d 6-a

एक अंक वाले प्रश्न / लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 7. मानव बस्तियों की परिभाषा दें।

उत्तर : मानव बस्ती का अर्थ है किसी भी प्रकार और आकार के घरों का संकुल जिसमें मनुष्य रहते हैं।

प्रश्न 8. नगरीय और ग्रामीण बस्तियों के बीच प्रकार्यात्मक संबंध किस प्रकार स्थापित होते हैं?

उत्तर : नगरीय और ग्रामीण बस्तियों के बीच प्रकार्यात्मक संबंध परिवहन और संचार परिपथ के माध्यम से स्थापित होता है।

प्रश्न 9. 1850 के बाद आधुनिक उद्योगो पर आधारित किस नगर का जन्म हुआ?

उत्तर : जमशेदपुर

प्रश्न 10. महानगर की परिभाषा लिखें।

उत्तर : एक लाख से अधिक नगरीय जनसंख्या वाले नगरीय केन्द्र को महानगर कहा जाता है।

प्रश्न 11. भारत का सबसे बड़ा नगरीय संकुल कौन सा है?

उत्तर : वृहत मुंबई

लघु उत्तरीय प्रश्न (तीन अंक वाले प्रश्न)

प्रश्न 12. भारत की ग्रामीण बस्ती एवं नगरीय बस्ती में आधारभूत अंतर स्पष्ट करें। (कोई तीन अंतर)

उत्तर : भारत की ग्रामीण एवं नगरीय बस्ती में तीन आधारभूत अंतर निम्नलिखित है:—

ग्रामीण बस्ती

1) यहाँ के लोग अपने जीवन यापन के लिए अधिकतर प्राथमिक क्रियाकलापों पर निर्भर करते है जैसे – कृषि, पशुपालन आदि ।

2) ग्रामीण बस्तियों में उत्पादित सब्जी, फल–फूल, अनाज आदि जैसे उत्पाद, नगरीय बस्तियों की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

3) ग्रामीण लोग एक स्थान छोड़कर दूसरे स्थान जाकर बसने के बारे में कम सोचते हैं अतः उनमें सामाजिक संबंध प्रगाढ़ होते है। ग्रामीण बस्तियों के निवासियों में क्षैतिज गतिशीलता कम होता है ।

नगरीय बस्ती

1) नगरीय बस्तियों में द्वितीयक एवं तृतीयक तथा विभिन्न प्रकार की सेवाओं की प्रधानता होती है ।

2) नगरीय बस्तियों के विनिर्माण उद्योग के उत्पाद ग्रामीण बस्तियों में जाते हैं। परिवहन एवं संचार माध्यम के जरिए यह कार्य संपन्न होता है।

3) शहरों में क्षैतिज गतिशीलता अधिक पाई जाती है अर्थात् लोग एक जगह जाकर बस जाते हैं।

4) उनमें सामाजिक संबंधों में औपचारिकता अधिक होती है ।

प्रश्न 13. कोई नगर नगरीय संकुल कब बन जाता है ?

उत्तरः कोई नगर नगरीय संकुल बन जाता है जब इसमें से किसी एक का समावेश हाता हैं

1) नगर एवं उससे संलग्न विस्तार

2) विस्तार सहित या बिना विस्तार के जब दो या अधिक नगर मिल जाते हैं।

3) एक नगर या उससे सटे हुए या एक से अधिक नगर और उन नगरों के क्रमिक विस्तार जैसे रेलवे कॉलोनी, विश्वविद्यालय परिसर, पत्तन क्षेत्र या सैनिक छावनी को मिलाकर नगरीय संकुल बन जाता है ।

प्रश्न 14. पल्ली बस्तिया क्या है ? भारत के किन्हीं दो क्षेत्रों के नाम बताए जहां इस प्रकार की बस्तियां पाई जाती है ? (सीबीएसई–2013)

उत्तर : वे बस्तियाँ जो किसी बडे गाँव से अलग छोटे–छोटे समूहों में बस जाती है लेकिन वे उसी बड़े गाँव का ही हिस्सा होती है इन्हें अलग–अलग जगहों

में अलग–अलग नामों में पुकारा जाता है जैसे पल्ली, नंगला, ढाणी, पूर्वा आदि। ये बस्तियाँ छत्तीसगढ़ एवं हिमालय की निचली घाटियों में पाई जाती हैं।

प्रश्न 15. भारत में ग्रामीण बस्तियों के विभिन्न प्रकारों के लिए उत्तरदायी किन्हीं तीन भैतिक कारकों को स्पष्ट कीजिए । (सीबीएसई–2015)

या

''बस्तियों के प्रकार या निर्मित क्षेत्र के विस्तार द्वारा निधार्रित होते हैं। फिर भी अनेक क्षेत्र ऐसे हैं जहाँ अन्य प्रकार की ग्रामीण बस्तियाँ पाई जाती हैं।'' इन बस्तियों के प्रंकारों के लिए उत्तरदायी भौतिक कारकों का वर्णन कीजिए ।

उत्तर : भारत में ग्रामीण बस्तियों के विभिन्न प्रकारों के लिए उत्तरदायी भौतिक कारक निम्नलिखित हैं :–

1) उच्चावच की प्रकृति–मानव अपने निवास हेतु ऊँचे क्षेत्रों को बाढ़ व जंगली जानवरों से सुरक्षित रहने के लिए चुनता है।
2) जल की उपलब्धता–कृषि ग्रामीण बस्तियां जल स्रोतों के निकट बसती हैं।
3) उर्वरक मृदा–मनुष्य बसने के लिए उस जगह का चुनाव करता है, जहाँ की मृदा कृषि के लिए उपयुक्त एवं उपजाऊ हो।
4) जलवायु मानव अपने निवास हेतु अनुकूल जलवायु में रहना पसंद करते हैं।

प्रश्न 16. ''भारत में आधुनिक नगरों में से कई एक नगर अंग्रेजी शासन में विकसित हुए थे।'' इस कथन को प्रमाणित कीजिए ।

(सी.बी.एस.ई.–2011, 2012 व 2016)

उत्तर : यह सच है कि भारत में आधुनिक नगरों में से कई नगर अंग्रेजी शासन में विकसित हुए थे –

– व्यापार के उद्देश्य से तटीय क्षेत्रों में नगरों का विकास किया गया ।
– केन्टोंमेन्ट कैम्प नगरों का विकास हुआ जैसे जी.टी.बी. नगर।
– विश्राम स्थलों को विकसित किया गया तथा पर्वतीय नगरो का विकास किया गया ।
– मुम्बई, चेन्नई व कोलकत्ता जैसे प्रमुख नोड़ों पर अंग्रेजों ने अपनी

पकड़ मजबूत की तथा उन्हें विकसित किया ।

प्रश्न 17. ''ग्रामीण बस्तियों के विपरीत नगरीय बस्तियाँ सामान्यतः संहत और विशाल आकार की होती हैं।'' कथन का स्पष्टीकरण उचित तर्क द्वारा कीजिए ।

उत्तर : ग्रामीण बस्तियों के विपरीत नगरीय बस्तियाँ सामान्यतः सहंत और विशाल आकार की होती है क्योंकि :–

– नगरीय बस्तियाँ अनेक प्रकार के प्राथमिक कार्यो के अतिरिक्त अन्य आर्थिक व प्रशासकीय प्रकार्यों में संलग्न होती है।

– नगर अपने चारों ओर के क्षेत्रों से प्रकार्यात्मक रुप से जुड़ा हुआ होता है।

– वस्तुओं व सेवाओं के विनिमय के कारण नगर, मण्डी शहरों व नगरों की श्रृखला से जुडे रहते हैं इसलिए नगर संहत व विशाल आकार के होते हैं।

प्रश्न 18. नीचे दी गई सारणी का अध्ययन कीजिये तथा निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

भारत जनसंख्या सहित आकार के अनुसार (वर्गानुसार) नगरों की संख्या, 2001

वर्ग	जनसंख्या का आकर	संख्या	जनसंख्या (दस लाख में)	कुल नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत	प्रतिशत वृद्धि 1991–2001
सभी वर्गों का योग		5161	285.35	100.00	31.13
1.	1,00,000 और अधिक	423	172.04	61.48	23.12
2.	50,000–99,999	498	34.43	12.30	43.45
3.	20,000–49,999	1386	41.97	15.00	46.19
4.	10,000–19,999	1560	22.60	8.08	32.94
5.	5,000–9,999	1057	7.98	2.85	41.49
6.	5,000 से कम	227	0.80	0.29	21.21

1) बीस हजार से कम जनसंख्या वाले नगरों की कुल संख्या ज्ञात करे।

उ. 2844 (1560+1057+227)

2) किस जनसंख्या आकार में नगरों की संख्या सबसे कम है ? इस जनसंख्या आकर के गनरों की संख्या बताइये ।

उ. 4 वर्ग (5000) से कम जनसंख्या वाले 227 नगर है।

3) इन नगरों की जनसंख्या तथा प्रतिशत वृद्धि बताइये।

उ. 8 लाख जनसंख्या, वृद्धि 21.21%

4) नगरों की किस जनसंख्या आकार में सर्वाधिक प्रतिशत जनसंख्या रहती है ? इस जनसंख्या आकार के नगरों की कुल जनसंख्या कितनी है ?

उ. 100,000 और अधिक जनसंख्या आकार वाले नगरों में सर्वाधिक प्रतिशत जनसंख्या 172.04 लाख है।

5) वर्ग 1 के नगरों में कुल नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत तथा प्रतिशत वृद्धि बताइये ।

उ. 61.48%

वृद्धि प्रतिशत – 23.12%

6) वर्ग 1 के नगरों में रहने वाली कुल नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत ऊँचा होने के दो कारण बताइये।

उ. क) रोज़गार के अधिक अवसर

ख) चिकित्सा शिक्षा की उत्तम सुविधायें

ग) गाँवों से नगरों में प्रवास

प्रश्न 19. नीचे दिए गए आरेख का अध्ययन कीजिए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

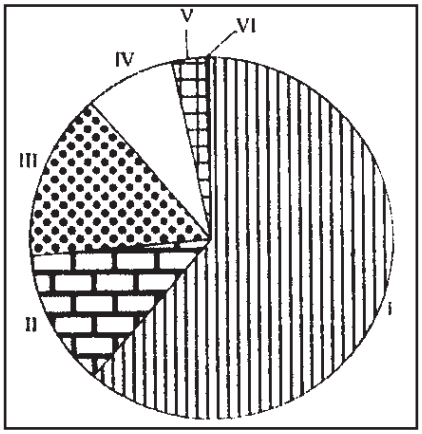

1. भारत की जनगणना नगरों को कितने वर्गों में वर्गीकृत करती है।

उ. छः (6) ।

2. किस वर्ग के नगरों की जनसंख्या सबसे अधिक है ?

उ. प्रथम वर्ग (I)

3. किस वर्ग के नगरों की नगरीय जनसंख्या सबसे कम है ?

उत्तर. *VI* वर्ग

4. कुल नगरीय जनसंख्या में किस वर्ग के नगरों का सर्वाधिक प्रतिशत भाग है?

उ. I वर्ग

5. कुल नगरीय जनसंख्या में किस वर्ग के नगरों का दूसरा स्थान है ?

उ. III वर्ग ।

6. दसरे (II) वर्ग के नगरों की जनसंख्या का आकार क्या है ?

उ. 50,000 से 99,999 ।

प्रश्न 20. भारत में परिक्षिप्त ग्रामीण बस्तियों की विशेषताएँ बताइएँ :–

उत्तर : भारत में परिक्षिप्त या एकाकी बस्तियों की प्रमुख विशेषताएँ हैं –

1. ये बस्ती प्रारुप सुदूर जंगलो या छोटो पहाड़ियों की ढालों पर खेतों या चारागाहों के आस पास दिखाई पड़ते हैं।
2. इनमें मकान एक दूसरे से दूर बने होते हैं और लोग अलग अलग या एकाकी रहते हैं।
3. मेघालय, उत्तरांचल व हिमाचल प्रदेश के अनेक भागों में यही बस्ती पाई जोती हैं ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (पाँच अंक वाले)

प्रश्न 21. भारत की ग्रामीण बस्तियों को कितने प्रकारों में रखा जा सकता है? सभी के नाम लिखें एवं किन्हीं तीन का वर्णन करें ?

अथवा

गुच्छित बस्तियाँ तथा पल्ली बस्तियों में अंतर स्पष्ट करे । उपयुक्त उदाहरण से इसको विवरण दे।

उत्तर : वृहत तौर पर भारत की ग्रामीण बस्तियों को चार प्रकारों में रखा सकते हैं। गुच्छित बस्तियाँ, अर्धगुच्छित बस्तियाँ, पल्ली व एकाकी। इनमें से प्रथम तीन का वर्णन नीचे दिया गया है :–

1) **गुच्छित बस्तियाँ** :– इस बस्तियों में घरों का समूह बहुत पास–पास होता है। इन गाँवों में आवास स्थान एवं खेत खलिहान और चारागाह क्षेत्र स्पष्ट रुप से अलग होते हैं। ये बस्तियाँ आयताकार, अरीय रैखिक आदि प्रतिरुपों में मिलती है और उपजाऊ जलोढ़ मैदानों में पाई जाती है सुरक्षा कारणों से बुंदेलखंड, नागालैंड में तथा जल के अभाव के कारण राजस्थान में ये बस्तियां मिलती हैं।

2) **अर्द्धगुच्छित बस्तियाँ** :– किसी बड़े गाँव में समाज का कोई वर्ग किन्हीं कारणों से मुख्य गाँव से दूर रहने लगता है । इस तरह अर्द्धगुच्छित बस्तियों का जन्म होता है । इस तरह की बस्तियाँ गुजरात एवं राजस्थान के कुछ भागों में पाई जाती है।

3) **पल्ली बस्तियाँ** :– इस प्रकार की बस्ती अनेक भागों बंटी होती हैं किन्तु बस्ती का नाम एक ही होती है इस बस्ती की इकाइयों को स्थानीय स्तर पर पान्ना, पाड़ा, पाली, नगला, ढाणी इत्यादि नाम से जानते हैं व ऐसे गाँव मध्य एवं निम्न गँगा के मैदान, छत्तीसगढ़ हिमालय की निचली घटियों में पाए जाते हैं।

प्रश्न 22. प्रकार्य के आधार पर भारतीय नगरों को छह प्रमुख प्रकारों में वर्गीकृत करें। उदाहरण भी दीजिए ? (CBSE, 2011)

उ. भारतीय नगरों को उनमें होने वाले कार्यों की प्रमुखता के आधार पर कई भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है उनमें से प्रमुख निम्नलिखित हैं :–

1) **प्रशासन शहर** :– वे शहर या नगर जहां उच्चतर क्रम के प्रशासनिक मुख्यालय होते हैं जैसे दिल्ली, चंडीगढ़ आदि ।

2) **औद्योगिक नगर** :– जिन नगरों में उद्योगों की प्रधानता हो जैसे – मुंबई, सेलम, जमशेदपुर ।

3) **परिवहन नगर** :– कुछ नगर पत्तन के रुप में आयात–निर्यात में संलग्न रहते हैं जैसे कांडला, कोच्चि, विशाखापट्नम् ।

4) **खनन नगर** :– वे नगर जो मुख्यतः खनन के लिए जाने जाते हैं। जैसे रानीगंज, झारिया, डिगबोई आदि ।

5) **गैरिसन (छावनी) नगर** :– जिन नगरों में सेन की छावनियां होती

हैं। जैसे अंबाला, मेरठ।

6) **धार्मिक एवं सांस्कृतिक नगर** :– ऐसे नगर जो धार्मिक व सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में विख्यात है। जैसे वाराणसी, मथुरा, अजमेर आदि।

प्रश्न 23. भारतीय नगरों को उनके विकास के विशिष्ट गुणों के आधार पर कितने वर्गों में रखा जाता है?

अथवा

''भारत में नगरों का अभ्युदय प्रागैतिहासिक काल से हुआ है।'' उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः भारत में नगरों का विकास इतिहास के विभिन्न चरणों से प्रभावित रहा है। इस आधार पर नगरों को विभिन्न वर्गों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

(1) **प्राचीन नगर**–इस काल में अधिकांश नगरों का विकास धार्मिक अथवा सांस्कृतिक केंद्रों के रूप में हुआ है। उदाहरण के लिए प्रयाग (इलाहाबाद), पाटलिपुत्र (पटना) मदुरई।

(2) **मध्यकालीन नगर**–इस काल में अधिकांशतः नगरों का विकास रजवाड़ों व राज्यों के मुख्यालयों के रूप में हुआ। हैदराबाद, जयपुर, लखनऊ, आगरा इसके उदाहरण हैं।

(3) **आधुनिक नगर**–अंग्रेजों व अन्य यूरोपीय देशों ने अपनी प्रभाविता को प्रत्यक्ष रूप से अथवा रजवाड़ों पर नियंत्रण के माध्यम से प्रशासनिक केंद्रों, ग्रीष्मकालीन विश्राम स्थलों, पत्तनों प्रशासनिक व सैन्य क्षेत्रों को नगरों के रूप में विकसित किया।

(4) **स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के नगर**–इस समय अनेक नगर प्रशासनिक केंद्रो जैसे–चंडीगढ़, भुवनेश्वर आदि व औद्योगिक केंद्र जैसे दुर्गापुर, भिलाई, बरौनी आदि के रूप में विकसित हुए।

अध्याय–5

भू संसाधन एवं कृषि

अवधारणा मानचित्र

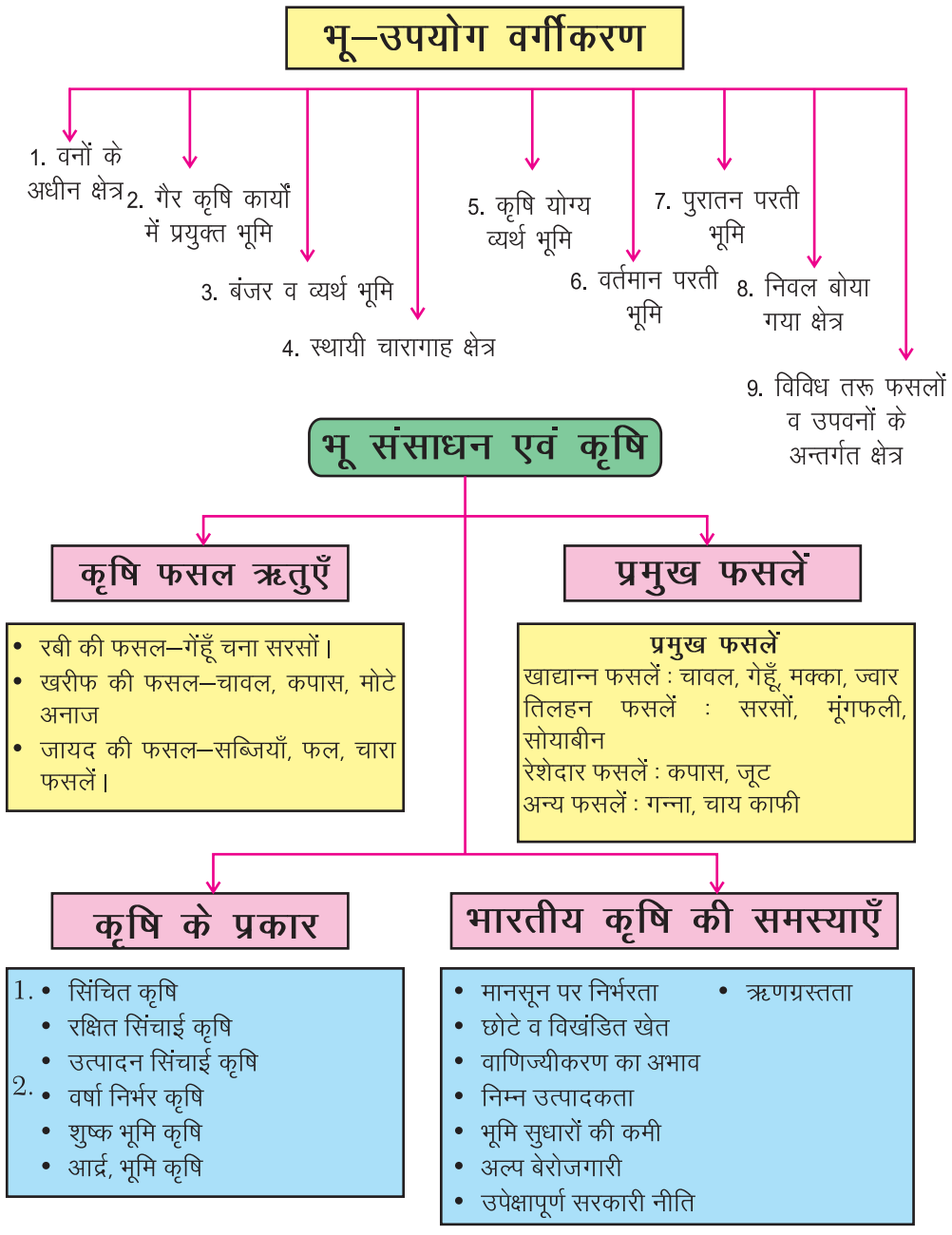

कुछ तथ्य

1) खाद्यान्नों के उत्पादन में भारत का विश्व में स्थानः तृतीय (चीन एंव U.S.A के बाद)

2) रबी एवं खरीफ की मुख्य फसल :– रबी–गेहूँ, खरीफ–चावल

3) गेहूँ उत्पादन में अग्रणी राज्य :– उत्तर प्रदेश, पंजाब हरियाणा, राजस्थान

4) किन फसलों के उत्पादन में विश्व में भारत अग्रणी (प्रथम स्थान) है :– दालें, चाय

5) हरित क्रान्ति का आधार :– अच्छे बीज, उर्वरक एवं सिंचाई

6) चावल का प्रमुख उत्पादक राज्य :– पश्चिम बंगाल

7) मूंगफली का प्रमुख उत्पादक राज्य :– गुजरात

8) जूट उत्पादन का प्रमुख राज्य :– पश्चिम बंगाल

9) ज्वार उत्पादन प्रमुख राज्य–महाराष्ट्र

10) सरसों उत्पादन का प्रमुख राज्य–राजस्थान।

11) कुल तिलहन उत्पादन का प्रमुख राज्य–मध्यप्रदेश।

12) गन्ना का प्रमुख उत्पादक राज्य–उत्तरप्रदेश।

बहुविकल्पीय प्रश्न (एक अंक)

प्रश्न 1. निम्नलिखित फसलों में से कौन सी एक खरीफ ऋतु की फसल नहीं है?

a) अरहर

b) सरसों

c) जूट

d) बाजरा

प्रश्न 2. कृषि गहनता है

a) निवल बोया गया क्षेत्र / सकल बोया गया क्षेत्र x 100

b) सकल बोया गया क्षेत्र / निवल बोया गया क्षेत्र

c) सकल बोया गया क्षेत्र / निवल बोया गया क्षेत्र x 100

d) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 3. भारत के कौन से राज्य में किसान चावल की तीन फसलें बोते है जिन्हें ओस,अमन,बोरो कहा जाता है?

a) गुजरात

b) राजस्थान

c) दिल्ली

d) पश्चिम बंगाल

प्रश्न 4. निम्नलिखित फसलों में से कौन सी जायद ऋतु की फसल नहीं हैं?

a) तरबूज

b) मक्का

c) खीरा

d) चारा फसलें

प्रश्न 5. निम्नलिखित में किन देशों द्वारा गेहूँ द्वारा और चावल की अधिक उत्पादकता की किस्मों को विकसित किया गया था?

a) मैक्सिको, फिलीपींन्स

b) रूस, जापान

c) चीन, आस्ट्रेलिया

d) मैक्सिको, अमेरिका

प्रश्न 6. निम्नलिखित में से कौन सी हरित क्रांति की विशेषता है?

a) उत्पादन में बढ़ोत्तरी

b) सिंचाई के साधनों का विकास

c) उर्वरक व कीटनाशकों का प्रयोग

d) उपर्युक्त सभी

उत्तरमाला

1-b 2-c 3-d 4-b 5-a 6-d

एक अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 7. भारत में कौन सा संगठन प्रशासनिक इकाई के भौगोलिक क्षेत्र को मापता है?

उत्तर : भारतीय सर्वेक्षण विभाग

प्रश्न 8. कृषि के दो मुख्य उपयोग उललेखित करें

उत्तर : कृषि में खाद्य आपूर्ती सुनिश्चित होती है, यह औद्योगिक क्षेत्र को कच्चा माल प्रदान करतें हैं।

प्रश्न 9. किन्हीं दो फसलों के नाम लिखें, जनके उत्पादन में भारत का विश्व में प्रथम स्थान है।

उत्तर : चाय, गन्ना, जूट

प्रश्न 10. किन्हीं दो मोटे अनाज वाली फसलों के नाम बताएं।

उत्तर : ज्वार, बाजरा, रागी

प्रश्न 11. 50 से.मी से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में या जल सिंचाई रहित प्रदेशों में किस प्रकार की कृषि की जाती है?

उत्तर : शुष्क कृषि

प्रश्न 12. 1988 में योजना आयोग द्वारा भारत में कृषि जलवायु योजना क्यों शुरू की गई थी?

उत्तर : योजना आयोग ने देश में क्षेत्रीय रूप से संतुलित कृषि विकास को प्रेरित करने के लिए 1988 में कृषि जलवायु योजना की शुरूआत की।

लघुउत्तरीय प्रश्न (तीन अंकीय प्रश्न)

प्रश्न 13. भारत के तीनों भिन्न फसल ऋतुओं की किन्हीं दो–दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिये। (सी.बी.एस.ई. – 2014)

उत्तर : भारत में निम्नलिखित तीन कृषि ऋतु होती है :–

1. **खरीफ ऋतु** :– यह ऋतु जून माह में प्रारम्भ होकर सितम्बर माह तक रहती है। इस ऋतु में चावल, कपास, जूट, ज्वार बाजरा व अरहर आदि की कृषि की जाती है। खरीफ की फसल दक्षिण पश्चिम मानसून के साथ सम्बद्ध है। दक्षिण पश्चिम मानसून के साथ चावल की फसल शुरू होती है।
2. **रबी ऋतु** :– रबी की ऋतु अक्टूबर–नवम्बर में शरद ऋतु से प्रारम्भ होती है। गेहूँ, चना, तोराई, सरसों, जौ आदि फसलों की कृषि इसके अन्तर्गत की जाती है।
3. **जायद ऋतु** :– जायद एक अल्पकालिक ग्रीष्मकालीन फसल ऋतु

हैं जो रबी की कटाई के बाद प्रारम्भ होती है। इस ऋतु में तरबूज, खीरा, सब्जियां व चारे की फसलों की कृषि होती है।

प्रश्न 14. फसलों के लिए आर्द्रता के प्रमुख स्रोत के आधार पर भारत में कृषि को कितने समूहों में वर्गीकृत किया जा सकता है? नाम लिखिए एंव प्रत्येक की दो विशेषताएँ बताइये।

उत्तर : 1) सिंचित कृषि 2) वर्षा निर्भर कृषि,

1) सिंचित कृषि :–

- वर्षा के अतिरिक्त जल की कमी को सिंचाई द्वारा पूरा किया जाता है। इसका उद्देश्य अधिकतम क्षेत्र को पर्याप्त आर्द्रता उपलब्ध कराना है।
- फसलों को पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध कराकर अधिकतम उत्पादकता प्राप्त कराना तथा उत्पादन योग्य क्षेत्र को बढ़ाना।

2) वर्षा निर्भर कृषि :–

- यह पूर्णतया वर्षा पर निर्भर होती है।
- उपलब्ध आर्द्रता की मात्रा के आधार पर इसे शुष्क भूमि कृषि व आर्द्र भूमि कृषि में बाँटते हैं।

प्रश्न 15. 'हरित क्रान्ति' से क्या तात्पर्य है? इसकी सफलता के प्रमुख कारण क्या थे ?

उत्तर : 1960–70 के दशक में खाद्यान्नों विशेषरूप से गेहूँ के उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि की गयी। इसे ही हरित क्रान्ति कहा जाता है। खाद्यान्नों के उत्पादन में वृद्धि के लिये निम्न उपायों को अपनाया गया।

1. उच्च उत्पादकता वाले बीज।
2. रासायनिक उर्वरकों का उपयोग।
3. सिंचाई की सुविधा।

पंजाब, हरियाणा एवं प. उत्तर प्रदेश में हरित क्रान्ति के कारण गेहूँ के उत्पादन में रिकार्ड वृद्धि हुई।

प्रश्न 16. अंतर स्पष्ट करें :–

1) बंजर भूमि तथा कृषि योग्य व्यर्थ भूमि।

2) शुद्ध बुआई क्षेत्र एंव सकल बोया गया क्षेत्र।

उत्तर : **1) बंजर भूमि** :– वह भूमि जो भौतिक दृष्टि से कृषि के अयोग्य है जैसे

वन, ऊबड़–खाबड़ भूमि एंव पहाड़ी भूमि, रेगिस्तान एंव उपरदित खड्ड भूमि आदि।

कृषि योग्य व्यर्थ भूमि :– यह वह भूमि है जो पिछले पाँच वर्षों या उससे अधिक समय तक व्यर्थ पड़ी है। इस भूमि को कृषि तकनीकी के जरिये कृषि क्षेत्र के योग्य बनाया जा सकता है।

2) **शुद्ध बुआई क्षेत्र** :– किसी कृषि वर्ष में बोया गया कुल फसल क्षेत्र शुद्ध बुआई क्षेत्र कहलाता है।

सकल बोया गया क्षेत्र :– जोते एंव बोये गये क्षेत्र में शुद्ध बुआई क्षेत्र तथा शुद्ध क्षेत्र का वह भाग शामिल किया जाता है जिसका उपयोग एक से अधिक बार किया गया हो।

प्रश्न 17. भारत में कृषि योग्य भूमि का निम्नीकरण किस प्रकार कृषि की गंभीर समस्याओं में से एक है ? कारण एंव परिणाम लिखिये ।

उत्तर : भूमि संसाधनों के निम्नीकरण के कारण :–

1) नहर द्वारा अत्यधिक सिंचाई–जिसके कारण लवणता एंव क्षारीयता में वृद्धि होती है।

2) कीटनाशकों का अत्याधिक प्रयोग।

3) जलाक्रांतता (पानी का भराव होना)।

4) फसलों को हेर–फेर करके न बोना, दलहन फसलों को कम बोना। सिंचाई पर अत्याधिक निर्भर फसलों को उगाना।

परिणाम :– 1) मिट्टी की उर्वरता शक्ति कम होना।

2) मिट्टी का अपरदन।

प्रश्न 18. वर्तमान परती एवं पुरातन परती भूमि में क्या अंतर है ?

उत्तर : **वर्तमान परती भूमि** :– यह वह भूमि जिस पर एक वर्ष या उससे कम समय के लिये खेती नहीं की जाती। यह भूमि की उर्वरत बढ़ाने का प्राकृतिक तरीका होता है।

पुरातन परती भूमि :– वह भूमि जिसे एक वर्ष से अधिक किन्तु पाँच वर्ष से कम के लिये खेती हेतु प्रयोग नहीं किया जाता।

प्रश्न 19. "किसी क्षेत्र के भू उपयोग अधिकतर उस क्षेत्र की आर्थिक क्रियाओं की प्रकृति पर निर्भर करता है। भारत में तीन उदाहरण देकर कथन की पुष्टि करें।

1) **अर्थव्यवस्था का आकार** :– इसे उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं के मूल्य के संदर्भ में समझा जाता है। समय के साथ जनसंख्या बढ़ने के कारण भूमि पर दबाव पड़ता है तथा सीमांत भूमि को भी प्रयोग में लाया जाता है।

2) **अर्थव्यवस्था की संरचना** :– द्वितीयक तथा तृतीयक सेक्टरों में प्राथमिक सेक्टर की अपेक्षा अधिक तीव्रता से वृद्धि होती है। इस प्रक्रिया में धीरे – धीरे कृषि भूमि गैर कृषि संबंधित कार्यों में प्रयुक्त होती है।

3) **कृषि कलापों का योगदान** :– समय के साथ कृषि क्रिया कलापों का अर्थव्यवस्था में योगदान कम होता जाता है, परंतु भूमि पर कृषि कलापों का दबाव कम नहीं होता।

प्रश्न 20. भारत में भू–संसाधनों का महत्व उन लोगों के लिए अधिक है जिनकी आजीविका कृषि पर निर्भर है। स्पष्ट कीजिए।(C.B.S.E.-2014)

उत्तर : 1) द्वितीय एंव तृतीय क्रियाओं की अपेक्षा कृषि पूर्णतया भूमि पर आधरित है। भूमिहीनता का ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी से प्रत्यक्ष संबंध है।

2) भूमि की गुणवत्ता कृषि उत्पादन को प्रभावित करती है अन्य कार्यों की नही।

3) ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि का स्वामित्व आर्थिक मूल्य के साथ–2 सामाजिक सम्मान से भी जुडा है।

प्रश्न 21. उपर्युक्त आरेख के आधार पर निम्नलिखित पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर है।

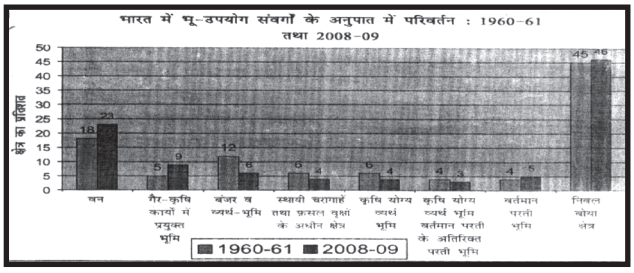

प्रश्न (A) कौन–कौन से संवर्गो में वृद्धि तथा कमी आई है ?

उत्तर : **वृद्धि संवर्ग :–**

1) वन क्षेत्र

2) गैर कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि

3) वर्तमान परती भूमि

4) निवल बोया क्षेत्र

गिरावट संवर्ग :–

1) बंजर भूमि

2) कृषि योग्य व्यर्थ भूमि

3) चरागाहों व तरू फसल क्षेत्र

4) कृषि योग्य व्यर्थ भूमि के अतिरिक्त परती भूमि।

प्रश्न (B) गैर कृषि कार्यों में अधिकतम वृद्धि दर का क्या कारण है ?

उत्तर : भारतीय अर्थव्यवस्था में बदलाव जैसे तृतीयक सेक्टर व औद्योगिक इकाई की ओर वृद्धि होना।

प्रश्न (C) वर्तमान परती भूमि में वृद्धि के क्या कारण है ?

उत्तर : वर्तमान परती क्षेत्र में समयानुसार काफी उतार चढ़ाव आते है जो फसल चक्र पर निर्भर है।

प्रश्न (D) चरागाह भूमि में गिरावट के क्या कारण है ?

उत्तर : चरागाह भूमि में गिरावट का प्रमुख कारण कृषि भूमि पर बढ़ता दबाव है। साझी चरागाहों पर गैर कानूनी तरीकों से कृषि विस्तार इसकी न्यूनता का कारण है।

प्रश्न 22. भारत की दो प्रमुख पेय फसलों के नाम लिखिए। प्रत्येक फसल के दो महत्वपूर्ण उत्पादक राज्यों के नाम बताइए।

उत्तर : भरत की दो प्रमुख पेय फसलें–चाय और कहवा।

1) चाय के महत्वपूर्ण उत्पादक राज्य–असम, पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु

2) कहवा के महत्वपूर्ण उत्पादक राज्य–कर्नाटक, केरल व तमिलनाडु।

प्रश्न 23. साझा संपत्ति संसाधन का छोटे कृषकों तथा महिलाओं के लिए विशेष महत्व है। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 1) ग्रामीण क्षेत्रों में भूमिहीन छोटे कृषकों तथा अन्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के व्यक्तियों के जीवन यापन में इनका महत्व है क्योंकि भूमिहीन होने के कारण पशुपालन से प्राप्त आजीविका पर निर्भर है।

2) ग्रामीण इलाकों में महिलाओं की जिम्मेदारी चारा व ईंधन एकत्रित करने की होती है।

3) साझा संपत्ति संसाधन वन उत्पाद जैसे–फल, रेशे, गिरी, औषधीय पौधे आदि उपलब्ध कराती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (पाँच अंकों वाले)

प्रश्न 24. छोटी कृषि जोत और कृषि योग्य कृषि योग्य भूमि का निम्नीकरण भारतीय कृषि को दो प्रमुख समस्याएँ किस प्रकार है। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर : भारतीय कृषि की प्रमुख दो समस्याएं :–

1. **छोटी कृषि जोत** :– बढ़ती जनसंख्या के कारण भूमि जोतों का आकार लगातार सिकुड़ रहा है। लगभग 60 प्रतिशत किसानों की जोतो का आकार तो एक हेक्टेयर से भी कम है और अगली पीढ़ी के लिए इसके और भी हिस्से हो जाते हैं जो कि आर्थिक दृष्टि से लाभकारी नहीं है। ऐसी कृषि जोतो पर केवल निर्वाह कृषि की जा सकती है।
2. **कृषि योग्य भूमि का निम्नीकरण** :– कृषि योग्य भूमि की निम्नीकरण कृषि की एक अन्य गंभीर समस्या है इससे लगातार भूमि का उपजाऊपन कम हो जाता है। यह समस्या उन क्षेत्रों में ज्यादा गंभीर है जहां अधिक सिंचाई की जाती है। कृषि भूमि का एक बहुत बड़ा भाग लवणता, क्षारता व जलाक्रांतता के कारण बंजर हो चुका है। कीटनाशक रसायनों के कारण भी उर्वरता शक्ति कम हो जाती है।

प्रश्न 25. भारतीय कृषि के विकास में 'हरित क्रांति' की क्या भूमिका रही है ? वर्णन कीजिए ।

उत्तर : भारत में 1960 के दशक में खाद्यान फसलों के उत्पादन में वृद्धि करने के लिए अधिक उत्पादन देने वाली नई किस्मों के बीज किसानों को उपलब्ध कराये गये। किसानों को अन्य कृषि निवेश भी उपलब्ध कराये गए, जिसे पैकेज प्रौद्योगिकी के नाम से जाना जाता है। जिसके फलस्वरूप पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश , आंध्र प्रदेश, गुजरात, राज्यों में खाद्यान्नों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। इसे हरित क्रान्ति के नाम से जाना जाता है। हरित क्रान्ति की निम्नलिखित विशेषताएं है :–

1) उन्नत किस्म के बीज
2) सिंचाई की सुविधा
3) रासायनिक उर्वरक

4) कीटनाशक दवाईयां

5) कृषि मशीनें

प्रश्न 26. भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का क्या महत्व है ?

उत्तर : भारत एक कृषि प्रधान देश है। इसलिए भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का अत्याधिक महत्व है।

1. देश की कुल श्रमिक शक्ति का 80 प्रतिशत भाग कृषि का है।
2. देश के कुल राष्ट्रीय उत्पाद में 26 प्रतिशत योगदान कृषि का है।
3. कृषि से कई कृषि प्रधान उद्योगों को कच्चा माल मिलता है जैसे कपड़ा उद्योग, जूट उद्योग, चीनी उद्योग।
4. कृषि से ही पशुओं को चारा प्राप्त होता है।
5. कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की आधारशिला ही नहीं बल्कि जीवन यापन की एक विधि है।

प्रश्न 27. साझा संपत्ति संसाधन का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसकी मुख्य विशेषताएं बताइए?

उत्तर : भूमि के स्वामित्व के आधार पर भूमि संसाधनों को दो भागों में बांटा जाता है:–

1) निजी भू–संपति।

2) साझा संपत्ति संसाधन।

निजी संपत्ति पर व्यक्तियों का निजी स्वामित्व या कुछ व्यक्तियों का सम्मिलित निजी स्वामित्व होता है जबकि साझा संपत्ति सामुदायिक उपयोग हेतु राज्यों के स्वामित्व में होती है। इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं –

1) पशुओं के लिए चारा, घरेलू उपयोग हेतु ईंधन, लकड़ी तथा साथ ही अन्य वन उत्पाद जैसे फल, रेशे, गिरी, औषधीय पौधे आदि साझा संपति संसाधन में आते हैं।

2) आर्थिक रूप में कमजोर वर्ग के व्यक्तियों के जीवन–यापन में इन भूमियों का विशेष महत्व है क्योंकि इनमें से अधिकतर भूमिहीन होने के कारण पशुपालन से प्राप्त अजीविका पर निर्भर हैं।

3) महिलाओं के लिए भी इनका विशेष महत्व है क्योंकि ग्रामीण इलाकों में चारा व ईंधन लकड़ी के एकत्रीकरण की जिम्मदारी उन्हीं की होती

है।

4) सामुदायिक वन, चारागाह, ग्रामीण जलीय क्षेत्र तथा अन्य सार्वजनिक स्थान साझा संपत्ति संसाधन के उदाहरण है।

प्रश्न 28. 1990 के दशक की उदारीकरण नीति तथा उन्मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था ने भारतीय कृषि विकास को प्रभावित किया हैं स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 1) उदारीकरण नीति तथा उन्मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था ने ग्रामीण कृषि अवसंरचना के विकास में तथा किसानों को मिलने वाले समर्थन मूल्य में कमी पैदा की है

2) इस नीति के कारण सरकार ने कृषि क्षेत्र की योजनाओं को पीछे कर दिया है। राष्ट्रीय आय का बहुत कम भाग कृषि विकास पर खर्च किया जाता है।

3) किसानों को बीजों उर्वरकों तथा कीटनाशकों पर मिलने वाली छूट में कमी आयी है।

4) ग्रामीण ऋण उपलब्धता में रूकावटें पैदा हुई है।

5) अंतर प्रादेशिक व अन्तःवैयक्तिक विषमता पैदा हुई है।

प्रश्न 29. ''पिछले पचास वर्षों में कृषि उत्पादन व प्रौद्योगिकी में उल्लेखनीय बढो़तरी हुई है'' इस कथन की पुष्टि उपयुक्त तथ्यों द्वारा किजिए।

उ.

- बहुत सी फसलों जैसे चावल तथा गेहूँ के उत्पादन तथा पैदावार में प्रभावशाली वृद्धि हुई है। दालों व जूट के उत्पादन में प्रथम व चावल, गेहूँ, गन्ना, मूंगफली में भारत दूसरा बड़ा उत्पादक देश है।
- सिंचाई के प्रसार ने देश में कृषि उत्पादन बढानें में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी बीजों की उत्तम किस्में रासायनिक खादों, कीटनाशकों तथा मशीनरी के प्रयोग के लिए आधार प्रदान किया है।
- देश के विभिन्न क्षेत्रों में आधुनिक कृषि, प्रौद्योगिकी का प्रसार तीव्रता से हुआ है। रासायनिक उर्वरकों की खपत में भी कई गुना वृद्धि हुई है।
- उत्तम बीज के किस्मों में कीट प्रतिरोधकता कम है अतः कीटनाशकों की खपत में भी महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

प्रश्न 30.भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् कृषि विकास की महत्वपूर्ण नीतियों का वर्णन कीजिए ?

उत्तर (1) स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले भारतीय कृषि मुख्यतः जीविकोपार्जी थी, जिसके अंतर्गत किसान बड़ी मुश्किल से अपने तथा अपने परिवार के सदस्यों के लिए ही फसलें उगा सकता था। इस अवधि में सूखा तथा अकाल आम घटनाएं हुआ करती थी और लोगों को खाद्यांनों की कमी का सामना करना पड़ता था।

(2) स्वतन्त्रता प्राप्ति के तुरंत बाद सरकार ने खाद्यांन्नों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कई उपाय किए जिनका उद्देश्य निम्नलिखित है।

a) व्यापारिक फसलों के स्थान पर खाद्यांन्नों की कृषि को बढ़ावा देना

b) कृषि गहनता को बढ़ाना

c) कृषि योग्य बंजर तथा परती भूमि को कृषि भूमि में परिवर्तित करना।

(3) केंन्द्र सरकार में 1960 में गहन क्षेत्र विकास कार्यक्रम (Intensive area Development Programme IADP) तथा गहन कृषि क्षेत्र कार्यक्रम (Intensive Agricultural Area programme IAAP) आरम्भ किया।

(4) गेंहूँ तथा अन्य खाद्यान्नों के अधिक उपज देने वाले बीज (HYV High Yielding Variety) भारत में लाए गए।

(5) रासायनिक उर्वरकों का उपयोग और सिंचाई की सुविधाओं में सुधार एवं उनका विकास किया गया। इन सबके संयुक्त प्रभाव को हरित क्रांति (Green Revolution) के नाम से जाना जाता है।

अध्याय–6

जल संसाधन

अवधारणा मानचित्र

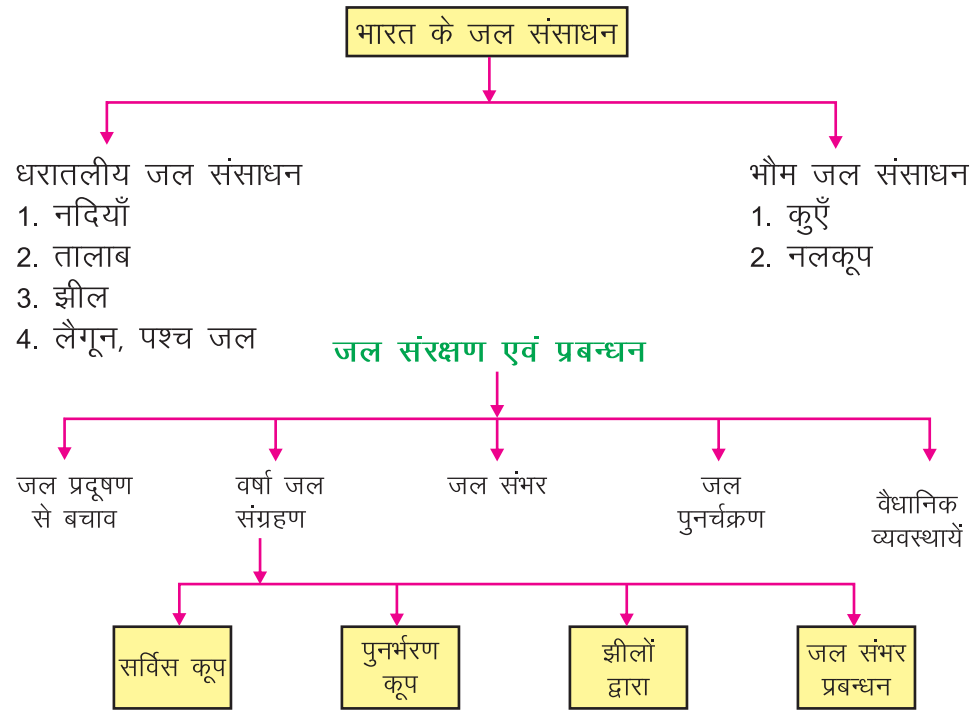

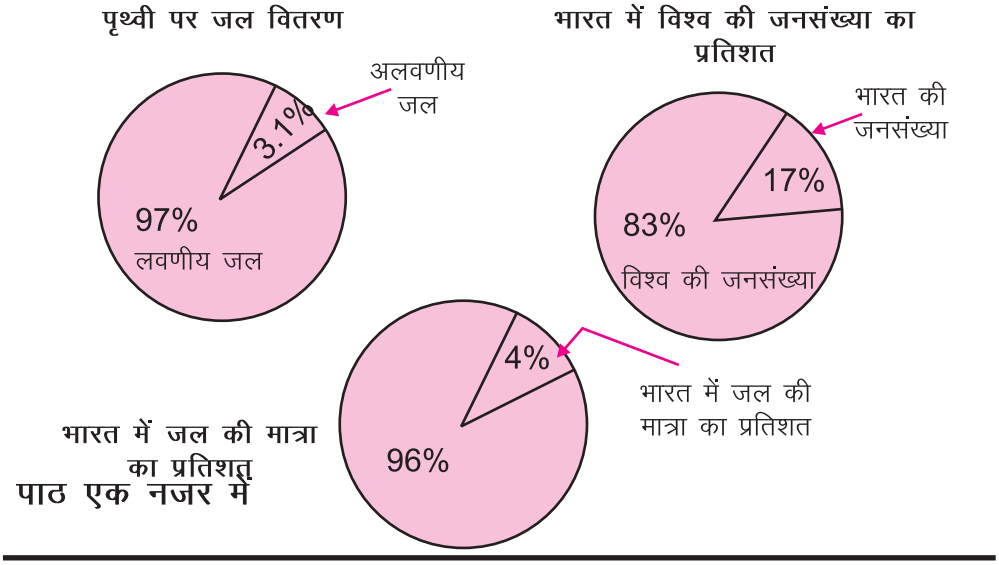

- पृथ्वी का लगभग 71% धरातल पानी से आच्छादित है। परन्तु अलवणीय जल की मात्रा कुल जल का केवल 3% ही है।
- भारत में विश्व के कुल क्षेत्रफल का लगभग 2.45 प्रतिशत, जनसंख्या का लगभग 16% तथा जल संसाधनों का 4 प्रतिशत भाग ही पाया जाता है।
- देश में एक वर्ष में वर्षण से प्राप्त कुल जल की मात्रा लगभग 4000 घन कि.मी. है। धरातलीय जल और पुनः पूर्ति योग्य भौम जल से 1869 घन कि.मी. जल उपलबध है।
- जल संभर प्रबंधन का संबंध धरातलीय और भौम जल संसाधनों के दक्ष प्रबंधन से है।
- तमिलनाडु एक ऐसा राज्य है, जहाँ जल संग्रहण संरचना आवश्यक है।
- इसमें से केवल 60% अर्थात् 1122 घन कि.मी. जल का ही लाभदायक उपयोग किया जाता है।
- धरातलीय जल के चार मुख्य स्रोत है, नदियाँ, झीलें, तलैया और तालाब। भारत में कुल नदियों व उसकी सहायक नदियों जिनकी लम्बाई 1.6 कि.मी. से अधिक है। इनकी संख्या 10360 है।
- जनसंख्या वृद्धि, जल का अति उपयोग व पर्यावरण प्रदूषण के कारण जल दुर्लभता बढ़ती जा रही है।
- भारत में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और तमिलनाडु राज्यों में भौम जल का उपयोग बहुत अधिक है। जबकि छत्तीसगढ़, उड़ीसा, केरल राज्य भौम जल क्षमता का बहुत कम उपयोग करते हैं।
- भारत में सतह जल व भूमिगत जल का सबसे अधिक उपयोग कृषि क्षेत्र में होता हैं।
- जल में वाह्य पदार्थों जैसे सूक्षम, जीव, रासायनिक पदार्थ, आद्योगिक और अन्य अपशिष्ट आदि पदार्थों से प्रदूषित होता है।
- देश में गंगा और यमुना दो अत्यधिक प्रदूषित नदियाँ है।
- केन्द्र एवं राज्य सरकारों ने देश में बहुत से जल–संभर विकास एवं जल प्रबंधन कार्यक्रम चलाए है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (एक अंक)

प्रश्न 1. निम्न लिखित में से किस नदी बेसिन का कुल पुनः पूर्तियोग्य भौमजल–संसाधन सबसे कम है?

a) तापी

b) गंगा

c) सवर्णरेखा

d) चम्बल तथा सहायक नदियाँ

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों को ध्यान से पढकर असत्य कथन का चयन कीजिए।

1)जल एक अजैविक संसाधन है।

2)पृथ्वी पर मानव तथा अन्य जीवों के उपयोग के लिए अलवणीय जल की मात्रा केवल 3% ही है

3)गोदावरी, कृष्णा और कावेरी में बार्षिक जल प्रवाह का उपयोग, गंगा और बह्नपुत्र नदियों की अपेक्षा अधिक होता है।

a) केवल 1

b) केवल 3

c) केवल 1 और 2

d) केवल 2 और 3

प्रश्न 3. चौरस सतह तथा अनप्रवाहित द्रोणी वाली छोटी झीलों को क्या कहते हैं।

a) सेलीनास

b) प्लाया

c) खबारी

d) शिट्ट

प्रश्न 4. भारत में भौमजल का सर्वाधिक उपयोग करने वाले राज्य निम्नलिखित में से कौन है?

a) पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, और तमिलनाडु

b) छत्तीसबढ़, ओडिशा, और केरल

c) गुजरात, उत्तरप्रदेश, बिहार, त्रिपुरा और महाराष्ट्र

d) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 5. धरातलीय और भौमजल का सर्वाधिक उपयोग किस क्षेत्र में है?

a) औद्योगिक क्षेत्र

b) कृषि

c) घरेलू सेक्टर

d) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 6. हीराकुंड बांध का निर्माण किस नदी पर किया गया है?

a) सतलुज

b) ब्यास

c) महानदी

d) नर्मदा

प्रश्न 7. वर्षण से प्राप्त जल कैसा होता है?

a) वायुमंडलीय

b) पृष्ठीय

c) लवणीय

d) अलवणीय

प्रश्न 8. वर्षा का जल बहकर नदियों, झीलों और तालाबों में चला जाता है, उसे क्या कहते हैं?

a) महासागरीय

b) पृष्ठीय जल

c) भौम जल

d) अलवणीय जल

प्रश्न 9. जल संसाधनों का तेजी से निम्नीकरण हो रहा है।

जल प्रदूषण देश के विभिन्न भागों में विषैली धातुओं फलुओराईड और नाइट्रेटस के संकेन्द्रण के कारण होता है।

a) A तथा B दानों ठीक है तथा B,A की सही व्याख्या करता है।

b) A तथा B दोनों ठीक है तथा B,A की सही व्याख्या नहीं करता

c) A ठीक है व B गलत है

d) B ठीक है व A गलत है

प्रश्न 10.भारत के किस राज्य में कुओं तथा नलकूपों द्वारा सिंचित क्षेत्र

सर्वाधिक है।

a) तमिलनाडु

b) गुजरात

c) राजस्थान

d) असम

उत्तरमाला

1-c 2-b 3-b 4-a 5-b 6-c 7-d 8-b 9-a 10-b

वस्तुनिष्ठ एक अंकीय प्रश्न

प्रश्न 11. वर्षा जल संग्रहण के कोई दो महत्व बताइए।

उत्तर : 1. भोमजल स्तर की गिरावट को रोकना

2. भौमजल की गुणवत्ता में सुधार

प्रश्न 12. भारत में जल की गुणवत्ता के ह्रास के कोई दो कारण बताइए।

उत्तर : 1. औद्योगिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थ

2. सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियाँ

प्रश्न 13. भारत में जल संरक्षण की किन्ही दो विधियों के नाम बताइए।

उत्तर : 1. जलसंभर प्रबन्धन

2. वर्षा जल संग्रहण

प्रश्न 14. भारत में जल क्रांति अभियान कब आरीा किया गया?

उत्तर : जल क्रांति अभियान भारत सरकार द्वारा 2015–16 में आरंभ किया गया।

प्रश्न 15. नमामि गंगे परियोजना किस से संबंधित हैं?

उत्तर : गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए

तीन अंक वाले प्रश्न/लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 16. भारत में उद्योग जल संसाधनों को प्रदूषित करने में किस प्रकार उत्तरदायी है। उदाहरण के साथ स्पष्ट करें।

अथवा

भारत में तीव्र औद्योगिकरण जल संसाधनों का तेजी से ह्रास किया है, स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 1) उद्योगों से निकला अवशिष्ट पदार्थों को बिना शुद्ध किये नदियों व झीलों में डाला जाता है।

2) ये प्रदूषण तत्व जल जीवों को नुकसान पहुँचाते है।

3) रसायन चमड़ा, लुग्दी एवं कागज उद्योग सर्वाधिक नुकसान पहुँचाने वाले उद्योग

प्रश्न 17. दक्षिण भारत की प्रमुख नदियों में अपने वार्षिक जल प्रवाह का अधिकतर भाग काम में लाया जाता है। लेकिन ब्रह्मपुत्र व गंगा नदियों के बेसिनों में ऐसा संभव नहीं हो पाया है। क्यों

उत्तर : 1) गंगा एवं ब्रह्मपुत्र नदियों के बेसिनों में द.भारत की नदियों की अपेक्षा अधिक वर्षा होती है। इनका प्रवाह बहुत तीव्र एवं वर्ष पर्यन्त है।

2) गंगा व ब्रह्मपुत्र जैसे उत्तर भारतीय नदियों का धरातल मुलायम, समतल व नदी अवरोधों से मुक्त है। इसलिए इन नदियों के जल का अधिकांश भाग समुद्रों में चला जाता है। इसका प्रयोग नहीं होता।

3) दक्षिण भारत की नदियों में जल का अधिकांश भाग तालाबों व जलाशयों में एकत्र किया जाता है। इन नदियों पर जल प्रपात व अन्य अवरोध पाये जाते हैं इस कारण उनके जल का अधिकांश भाग प्रयोग में लाया जाता है।

प्रश्न 18. भारत में जल संसाधनों का संरक्षण क्यों आवश्यक हैं? किन्हीं तीन कारणों को स्पष्ट कीजिए?

उत्तर : 1) अलवणीय जल की घटती उपलब्धता

2) शुद्ध जल की घटती उपलब्धता।

3) जल की बढ़ती मांग।

4) तेजी से फैलते हुए प्रदूषण से जल की गुणवत्ता का ह्रास

प्रश्न 19. भारत में कुछ राज्यों में भौम जल संसाधन के अत्यधिक उपयोग के तीन दुष्परिणामों का वर्णन कीजिए। (कोई तीन कारण)

उत्तर : भौम जल संसाधन के अत्यधिक उपयोग के दुष्परिणाम :–

1) पंजाब, हरियाण और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भौम जल संसाधन के अत्यधिक उपयोग से भौमजल स्तर नीचा हो गया है।

2) राजस्थान और महाराष्ट्र में अधिक जल निकालने के कारण भूमिगत जल में फ्लुरोइड की मात्रा बढ़ गई है।

3) पं. बंगाल और बिहार के कुछ भागों में संखिया की मात्रा बढ़ गई है।

4) पानी को प्राप्त करने में अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 20. नीचे दी गई तालिका के आँकड़ों का अध्ययन कर दिए गए प्रश्नों का उत्तर दें।

कुआँ और नलकूपों द्वारा कुल शुद्ध सिंचित क्षेत्र का प्रतिशत

राज्य	प्रतिशत
गुजरात	86.6
राजस्थान	77.2
मध्य प्रदेश	66.5
महाराष्ट्र	65
उत्तर प्रदेश	58.21
पं. बंगाल	57.6
तमिलनाडु	54.7

1) किस राज्य में कुओं तथा नलकूपों द्वारा सिंचित क्षेत्र सर्वाधिक है तथा क्यों?

2) किस राज्य में कुओं तथा नलकूपों द्वारा सिंचित क्षेत्र का प्रतिशत निम्न है तथा क्यों?

उत्तर : 1) गुजरात राज्य – इस राज्य में नहरों का अभाव है।

2) तमिलनाडु – इस राज्य में तालाबों से नहरे निकाल कर सिंचाई अधिक होती है। यहाँ कुएँ खोदना मुश्किल कार्य है क्योंकि यह पठारी प्रदेश है।

प्रश्न 21. नीचे दिए गए मानचित्र का अध्ययन करके दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

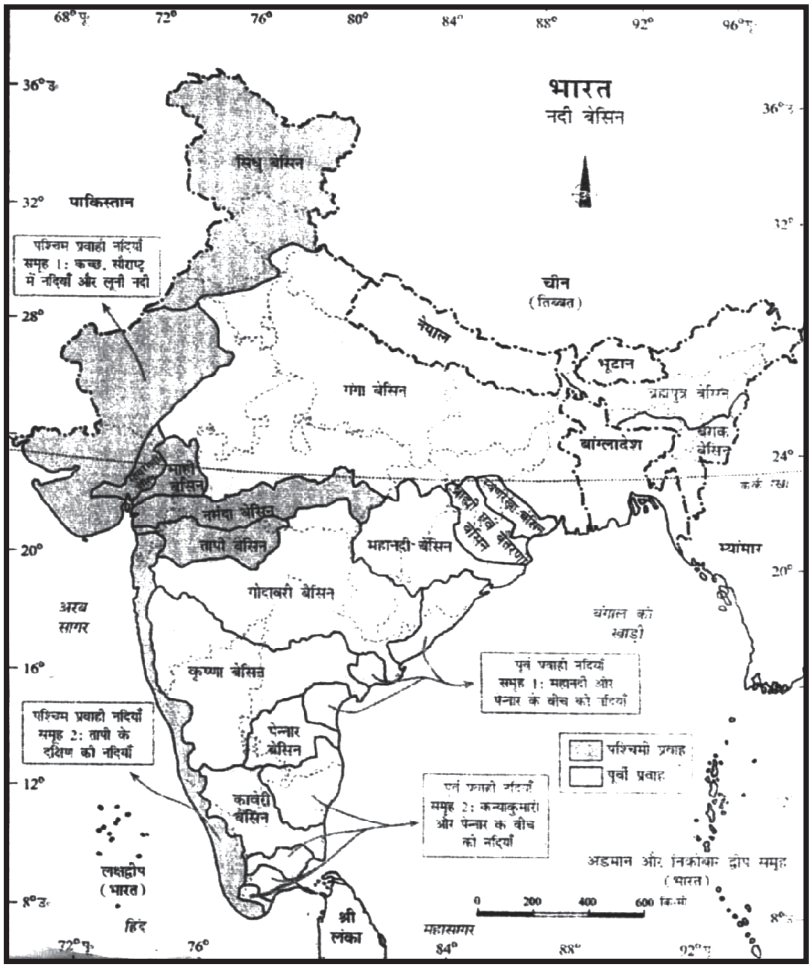

1) पश्चिमी प्रवाही प्रमुख दो नदियों के नाम दीजिए।

उ. नर्मदा व तापी नदियाँ

2) जम्मू कश्मीर राज्य किस नदी बेसिन में स्थित है?

उ. सिन्धु नदी बेसिन।

3) गंगा नदी बेसिन में आने वाले प्रमुख दो राज्यों के नाम बताइये।

उ. उत्तर प्रदेश और बिहार।

प्रश्न 22. नीचे दिए गए आरेख का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– (CBSE Exam 2011)

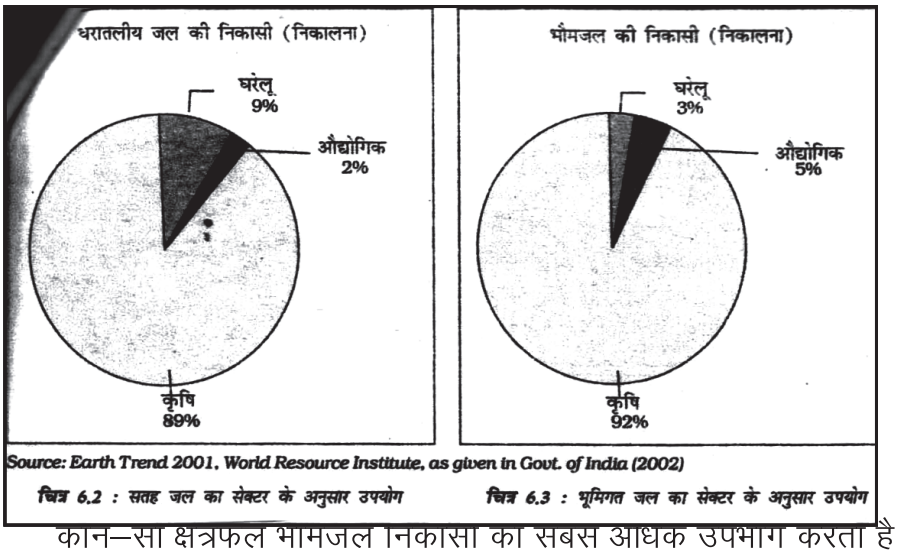

Source: Earth Trend 2001, World Resource Institute, as given in Govt. of India (2002)

चित्र 6.2 : सतह जल का सेक्टर के अनुसार उपयोग चित्र 6.3 : भूमिगत जल का सेक्टर के अनुसार उपयोग

1) कौन–सा क्षेत्रफल भौमजल निकासी का सबसे अधिक उपभोग करता है और क्यों?

उत्तर : कृषि क्षेत्र क्योंकि कृषि क्षेत्र के लिए सिंचाई की आवश्यकता की पूर्ति भौम जल द्वारा की जाती है।

2) घरेलू क्षेत्र में भौम जल का उपयोग कम क्यों है? दो कारण दीजिए।

उत्तर : क) कई स्थानों पर भौम जल पीने योग्य नहीं है।

ख) कई क्षेत्रों में भौम जल अधिक गहराई पर होता है।

प्रश्न 23. नीचे दिए गए आरेख की सहायता से प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

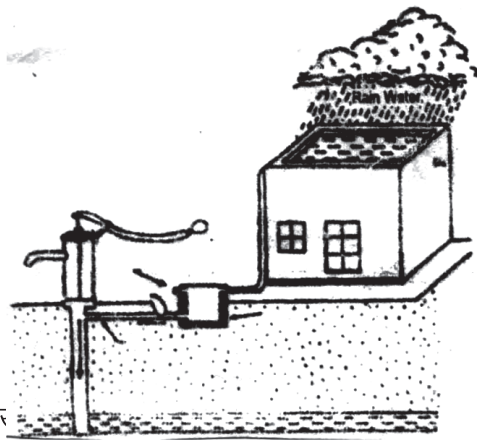

1) आरेख

उ. वर्षाजल संग्रहण की तकनीक।

2) इस विधि द्वारा वर्षा जल का संग्रहण किस प्रकार किया जाता है? स्पष्ट करो?

उ. वर्षा के जल को छतों पर एकत्रित किया जाता है। उस एकत्रित जल को पाइप की सहायता से भूमिगत और फिर हैण्डपम्प द्वारा उसे निकाल कर जल का सदुपयोग किया जाता है।

पाँच अंक वाले प्रश्न/विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 24. वर्षा जल संग्रहण किसे कहते है? वर्षा जल संग्रहण के आर्थिक व सामाजिक मूल्यों का विश्लेषण कीजिए। (किन्हीं चार का)

(CBSE - 2014)

अथवा

वर्षा जल संग्रहण के किन्हीं पांच उपयोगों का वर्णन करें।

उत्तर : वर्षा जल संग्रहण विभिन्न उपयोगों के लिए वर्षा के जल को रोकने और एकत्र करने की विधि है।

वर्षा जल संग्रहण के आर्थिक व सामाजिक मूल्य :–

1) पानी के उपलब्धता को बढ़ाता है जिसे सिंचाई तथा पशुओं के लिए उपयोग किया जाता है।
2) भूमिगत जल स्तर को नीचा होने से रोकता है।
3) मृदा अपरदन और बाढ़ को रोकता है।
4) लोगों में सामूहिकता की भावना को बढ़ाता है।
5) भौम जल को पम्प करके निकालने में लगने वाली ऊर्जा की बचत करता है।
6) लोगों में समस्या समाधान की प्रवृत्ति बढ़ाता है।
7) प्रकृति से मधुर संबंध बनाने में सहायक होता है।
8) लोगों को एक–दूसरे के पास लाता है।
9) फ्लुओराइड और नाइट्रेटस जैसे संदूषकों को कम कर के भूमिगत जल की गुणवत्ता को बढ़ाता है।

प्रश्न 25. हमारे देश में जल संसाधन किन समस्याओं से जूझ रहा है

व्याख्या कीजिए?

उत्तर : जल मानव की आवश्यक आवश्यकताओं में आता है लेकिन आज जल संसाधन की प्रति व्यक्ति उपलब्धता दिनों दिन कम होती जा रही है। इससे जुड़ी समस्यायें निम्नलिखित है।

1) जल की उपलब्धता में कमी :– जनसंख्या वृद्धि एवं सिंचाई के साधनों में वृद्धि के कारण भूमिगत जल का दोहन बढ़ गया है जिससे भूमिगत जल का स्तर दिनों दिन घट रहा है। नगरों की बढ़ती जनसंख्या को पेय जल की आपूर्ति कठिन हो रहा है।

2) जल के गुणों का ह्रास :– जल का अधिक उपयोग होने से जल भंडारों में कमी आती है साथ ही उसमें बाह्य अवांछनीय पदार्थ जैसे सूक्ष्म जीव औद्योगिक अपशिष्ट आदि मिलते जाते है जिससे नदियाँ जलाशय सभी प्रभावित होते हैं। इसमें जलीय तन्त्र भी प्रभावित होता है। कभी–कभी प्रदूषक नीचे तक पहुँच जाते हैं और भूमिगत जल को प्रदूषित करते हैं।

3) जल प्रबन्धन :– जल प्रबंधन के लिए देश में अभी भी पर्याप्त जागरूकता नहीं है। सरकारी स्तर पर बनी नीतियों एवं कानूनों का प्रभावशाली रूप से कार्यान्वयन नहीं हो पा रहा है इसीलिये प्रमुख नदियों के संरक्षण के लिए बनी योजनायें निरर्थक साबित हुई है।

4) जागरूकता एवं जानकारी का अभाव :– जल एक सीमित संसाधन है हाँलाकि यह पुनः पूर्ति योग्य है, इसे सुरक्षित एवं शुद्ध रखना हमारी जिम्मेदारी है और इस तरह की जागरूकता का अभी देश में अभाव है।

प्रश्न 26. जल संभर प्रबन्धन के लिए सरकार द्वारा उठाये गये प्रमुख कदम कौन से हैं? कम से कम चार बिन्दुओं में स्पष्ट करें?

अथवा

जल संभर प्रबंधन की व्याख्या करे। इसके मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर : **जल संभर प्रबंधन** :– धरातलीय एवं भौम जल संसाधनों का दक्ष प्रबन्धन, जिसमें कि वे व्यर्थ न हो, जल संभर प्रबन्धन कहलाता है। इससे भूमि, जल पौधे एवं प्राणियों तथा मानव संसाधन के संरक्षण को भी

विस्तृत अर्थ में शामिल करते हैं।

प्रमुख कदम :–

1) 'हरियाली' केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित जल संभर विकास परियोजना है। इस योजना से ग्रामीण जल संरक्षण करके पेय जल की समस्या को दूर करने के साथ–साथ वनरोपण, मत्स्य पालन एवं सिंचाई की सुविधा भी प्राप्त कर सकते हैं।

2) नीरू–मीरु कार्यक्रम आन्ध्रप्रदेश में चलाया गया है। जिसका तात्पर्य है 'जल और आप'। इस कार्यक्रम में स्थानीय लोगों को जल संरक्षण की विधियाँ सिखाई गई है।

3) अरवारी पानी संसद–राजस्थान में जोहड़ की खुदाई एवं रोक बांध बनाकर जल प्रबन्धन किया गया है।

4) तमिलनाडु में सरकार द्वारा घरों में जल संग्रहण संरचना आवश्यक कर दी गई है। उपर्युक्त सभी कार्यक्रमों में स्थानीय निवासियों को जागरूक करने उनका सहयोग लिया गया है।

उद्देश्य :–

1) कृषि और कृषि से संबंधित क्रियाकलापों जैसे उद्यान, कृषि, वानिकी और वन संवर्धन का समग्र रूप से विकास करना।

2) कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए।

3) पर्यावरणीय ह्रास को रोकना तथा लोगों के जीवन को ऊँचा उठाना।

प्रश्न 27. जल संसाधनों के कम होने के उत्तरदायी किन्हीं तीन कारकों की व्याख्या कीजिए। भारत में जल प्रदूषण को नियन्त्रित करने के लिए किन्हीं दो वैधानिक उपायों को बताइए। (CBSE Board-2013)

अथवा

भविष्य में भावी पीढ़ी को जल के लिए संकटमय स्थिति में ग्रसित होना पड़ सकता है। इस स्थिति के उत्पन्न होने के कारणों की विवेचना करो।

उत्तर : भारत में जल संसाधनों की कमी के कारण :–

1) अत्यधिक उपयोग :– बढ़ती जनसंख्या के कारण जल संसाधनों

का उपयोग लगातार बढ़ता जा रहा है। घरेलू ही नहीं औद्योगिक क्षेत्र में भी जल अत्यधिक उपयोग इस कमी को और भी बढ़ा देता है।

2) **नगरीय क्षेत्रों का धरातल कंक्रीट युक्त होना** :– बढ़ते विकास व औद्योगिकरण के कारण अब नगरीय क्षेत्रों में कहीं भी धरातल कच्चा नहीं है बल्कि कंक्रीट युक्त हो चुका है जिसमें भूमि के नीचे जल रिसाव की मात्रा में कमी होती जा रही है और भौम जल संसाधनों में कमी आ गई है।

3) **वर्षा जल संग्रहण के संदर्भ में जागरूकता की कमी** :– वर्षा जल संग्रहण के द्वारा संसाधनों का संरक्षण आसानी से किया जा सकता है। इसके लिए जरूरत है लोगों को जागरूक करने की ताकि वो वर्षा जल के महत्व को समझे और विभिन्न विधियों द्वारा उसका संग्रहण व संरक्षण कर सकें। वर्षा जल संग्रहण घरेलू उपयोग भूमिगत जल पर निर्भरता को कम करता है।

4) **जलवायविक दशाओं में परिवर्तन** :– जलवायु की दशाओं में परिवर्तन के कारण मानसून में भी परिवर्तन आता जा रहा है। जिसके कारण धरातलीय व भौम जल संसाधनों में लगातार कमी आ रही है।

5) **किसानों द्वारा कृषि कार्यों के लिए जल की अति उपयोग** :– किसानों द्वारा कृषि कार्यों के लिए अत्यधिक धरातलीय व भौम जल का उपयोग जल संसाधनों में कमी ला रहा है। बढ़ती जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वर्ष में तीन बार कृषि करने से जल संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है।

वैधानिक उपाय :–

(1) जल अधिनियम –1974 (प्रदूषण का निवारण और नियन्त्रण)

(2) पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम–1986

(3) जल उपकर अधिनियम– 1977

प्रश्न 28. भारत में सिंचाई की बढ़ती हुई माँग के लिए उत्तरदायी कारकों का वर्णन कीजिए?

उत्तर : भारत एक उष्ण कटिबन्धीय प्रदेश है इसलिए यहाँ सिंचाई की माँग अधिक है। सिंचाई की बढ़ती माँग के कारण निम्नलिखित है :–

- **वर्षा का असमान वितरण** :– देश में सारे वर्ष वर्षा का अभाव बना रहता है। अधिकांश वर्षा केवल(मानसून) वर्षा के मौसम में ही होती है इसलिए शुष्क ऋतु में सिंचाई के बिना कृषि संभव नहीं।
- **वर्षा की अनिश्चितता** :– केवल वर्षा का आगमन ही नहीं बल्कि पूरी मात्रा भी अनिश्चित है। इस उतार–चढ़ाव की कमी को केवल सिंचाई द्वारा ही पूरा किया जा सकता है।
- **परिवर्तन शीलता** :– वर्षा की भिन्नता व परिवर्तनशीलता अधिक है। किन्हीं क्षेत्रों में वर्षा अधिक होती है तो कहीं कम, कहीं समय से पहले तो कहीं बाद में। इसलिए सिंचाई के बिना भारतीय कृषि 'मानसून का जुआ' बनकर रह जाती है।
- **मानसूनी जलवायु** :– भारत की जलवायु मानसूनी है जिसमें केवल तीन से चार महीने तक ही वर्षा होती है। अधिकतर समय शुष्क ही रहता है जबकि कृषि पूरे वर्ष होती है इसलिए सिंचाई पर भारतीय कृषि अधिक निर्भर है।
- **खाद्यान्न व कृषि प्रधान कच्चे माल की बढ़ती माँग** :– देश की बढ़ती जनसंख्या के कारण खाद्यान्नों व कच्चे माल की माँग में निरन्तर वृद्धि हो रही है। इसलिए बहुफसली कृषि जरूरी है जिसके कारण सिंचाई की माँग बढ़ रही है।

प्रश्न 29. भारत में ''जलसंभर प्रबंधन'' और ''वर्षा जल संग्रहण'' धरातलीय जल संसाधनों के दक्ष प्रबंधन और संरक्षण की विधियाँ किस प्रकार है, स्पष्ट कीजिए। (CBSE 2018)

उत्तर : **जल संभर प्रबंधन**

(i) जल संभर प्रबंधन द्वारा बहते जल को रोका जाता है।

(ii) इसके द्वारा भौम जल का संचयन और पुनर्भरण अनेक विधियों जैसे–अंतः स्रवण तालाब, पुनर्भरण से किया जाता है।

(iii) इसके अंतर्गत सभी संसाधनों प्राकृतिक तथा जल संभर सहित मानवीय संसााधनो के संरक्षण, पुनरुत्पादन को सम्मिलित किया जाता है।

(iv) नीरू–मीरू (आंध्रप्रदेश) तथा अरवारी पानी संसद (अलवर,

राजस्थान के अंगर्तत लोगों के सहयोग से विभिन्न जल संगहण संरचनाएं जैसे–अंतः स्रवण तालाब ताल की खुदाई की गई है और बाँध बनाए गए है।

वर्षा जल संग्रहण :

(i) ग्रामीण क्षेत्रों में परंपरागत वर्षा जल संग्रहण सतह संचयन जलाशयों, जैसे–झीलों, तालाबों आदि में किया जाता है।

(ii) राजस्थान में वर्षा जल संग्रहण ढाँचे जिन्हें कुंड अथवा टाँका के नाम से जानी जाती है, निर्माण घर में संग्रहीत वर्षा जल को एकत्र करने के लिए किया जाता है।

(iii) जल संग्रहण पानी की उपलब्धता को बढ़ाता है, भूमिगत जल स्तर को नीचा होने से रोकता है, फ्लोराइड और नाइट्रेटस जैसे संदूषकों को कम करने अवमिश्रिण भूमिगत जल की गुणवत्ता बढ़ाता है।

प्रश्न 30. जल की बढ़ती माँग और घटती आपूर्ति के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा चलाए गए जल क्रांति अभियान की विवेचना कीजिए।

उत्तर जल क्रांति अभियान भारत सरकार द्वारा 2015–16 में आरंभ किया गया।

उद्देश्य – 1. जल की उपलब्धता को सुनिश्चित करना।

2. स्थानीय निकायो, सरकारी संगठन एवं नागरिकों को सम्मिलित करके लोगो को जल सरंक्षण के विषय में जागरूक करना।

इस अभियान के तहत किए गए कार्य–

1. **जल ग्राम बनाने के लिए देश के 672 जिलो में से एक ग्राम जिसमें जल की कमी है, उसे चुना गया है।**
2. **भारत के विभिन्न भागों मं 1000 हेक्टेयर मॉडलज कमांड क्षेत्र की पहचान की गई।**
3. **प्रदूषण को कम करने के लिए–**
   जल सरंक्षण और कृत्रिम पुनर्भरण
   भूमिगत जल प्रदूषण को कम करना
   देश के चयनित क्षेत्र में आर्सेनिक मुक्त कुँओ का निर्माण
4. **लोगो में जागरूकता फैलाने के लिए जनसंचार माध्यमों का प्रयोग।**

अध्याय–7

खनिज तथा ऊर्जा संसाधन

अवधारणा मानचित्र

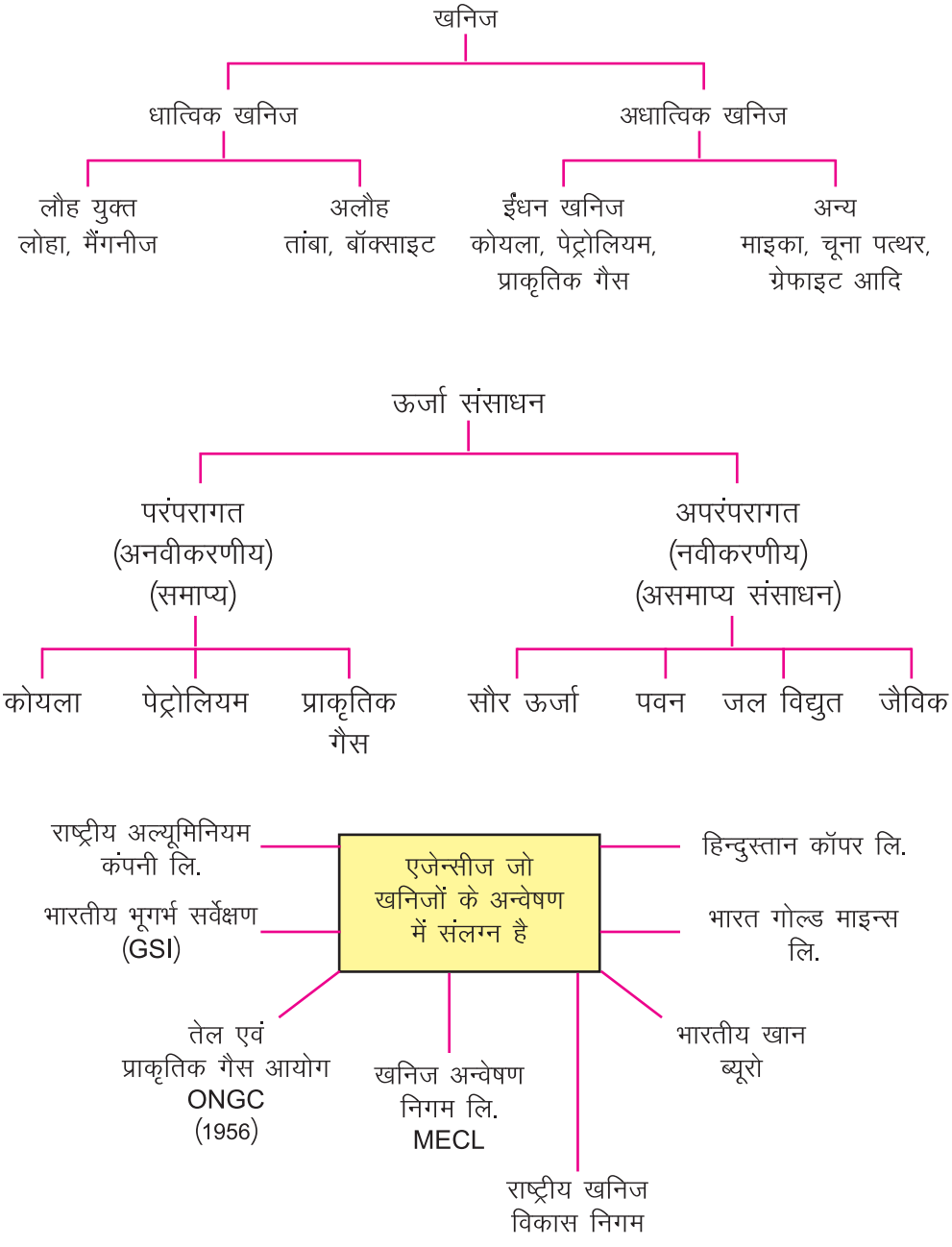

कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

खनिजः संक्षिप्त विवरण

क्र.सं.	खनिज	उपयोग	प्रमुख क्षेत्र जहाँ पाया जाता है
1.	लौह अयस्क	सभी उद्योगों का आधार	उड़ीसा, झारखंड, छत्तीसगढ़, कनार्टक आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु
2.	मैंगनीज प्रदेश	मिश्र धातु बनाने में सहायक एवं लौहधातु की गलन भट्टी में प्रयोग	उड़ीसा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, आन्ध्र
3.	बाक्साइड	अल्यूमिनियम उद्योग में सहायक	उड़ीसा, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक
4.	ताँबा	विद्युत संबंधी कार्यों में	आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु
5.	माइका/अभ्रक	विद्युत एवं इलेक्ट्रानिक मशीनरी में	झारखंड, आंध्र प्रदेश, राजस्थान

एक अंकीय प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से कौन सा धात्विक खनिज नहीं है?

a) बाक्साइट

b) अभ्रक

c) मैंगनीज

d) तांबा

प्रश्न 2. दिए गए कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।

1.खनिज, क्षेत्र में समान रूप से वितरित होते हैं।

2.खनिजों की गुणवत्ता और मात्रा के बीच विपरीत संबंध पाया जाता है।

3.खनिज समय के साथ समाप्त हो जाते हैं।

a) केवल 1 और 2 सही है।

b) केवल 2 और 3 सही हैं।

c) केवल 1 सही है।

d) 1, 2 और 3 सही हैं।

प्रश्न 3. भारत में खनिज क अन्वेषण कार्य में निम्नलिखित में से कौन सा एक संलग्न नहीं है?

a) भारतीय सर्वेक्षण विभाग

b) भारतीय गोल्ड माइंस लिमिटेड

c) तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग

d) भारतीय भू–वैज्ञानिक सर्वेक्षण

प्रश्न 4. निम्न कथनों पर विचार कीजिएः–

1 उत्तरी–पूर्वी पठारी प्रदेश में लौह एवं इस्पात उद्योगों में अवस्थित होने के कारण यहाँ लौह अयस्क, कोयला, मैंगनीज, बॉक्साइट व अभ्रक का प्रचूर मात्रा में पाया जाना हैं।

2. केरल में मोनो जाइट तथा थोरियम के निक्षेप पाए जाते हैं।

उपयुक्त कथनों में कौन–सा/से सही है/हैं।

a) केवल 1

b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

प्रश्न 5. पेट्रोलियम भण्डार भारत के उन क्षेत्रों में सर्वाधिक पाए जाते हैं–

a) छोटा नागपुर, ओडिशा पठार, पश्चिम बंगाल तथा बिहार

b) असम, गुजरात तथा मुबई हाई अर्थात अरव सागर के अपतटीय क्षेत्र

c) कर्नाटक, गोवा, गुजरात, और असम

d) राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश

प्रश्न 6. सूची 1 को सूची 2 से सुमेलित कीजिए तथा दिए हुए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए।

राज्य	**खनिज**
a) राजस्थान	1.लिग्नाइट कोयला
b) केरल	2.पेट्रोलियम
c) गुजरात	3.थोरियम
d) तमिलनाडु	4.बलुआ पत्थर

	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
a	1	2	3	4
b	2	1	3	4
c	4	3	1	2
d	4	3	2	1

प्रश्न 7. निम्नलिखित कथनों को ध्यान पूर्वक पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. लौह अयस्क के प्रगलन में बॉक्साइट का प्रयोग किया जाता है।

2. मैंगनीज का प्रयोग एल्युमिनियम के विनिर्माण में किया जाता है।

3. अभ्रक एक अधात्विक खनिज है, जिसका उपयोग मुख्यतः विद्युत एवं इलैक्ट्रानिक उद्योगों में किया जाता है।

a) केवल 1 और 2 सत्य हैं

b) केवल 3 सत्य है

c) केवल 2 और 3 सत्य हैं

d) 1, 2, और 3 सत्य हैं।

प्रश्न 8. निम्नलिखित में से कौन –सा एक ऊर्जा का परंपरागत संसाधन नहीं हैं?

a) कोयला

b) प्राकृतिक गैस

c) जैव भारत (Biomass)

d) परमाणु उर्जा

प्रश्न 9. कोयले के संदर्भ में निम्नलिखित कथनोंपर विचार कीजिए:

1.कोयले का प्रयोग ताप विद्युत उत्पादन तथा लौह अयस्क के प्रगलन के लिए किया जाता है।

2.बिटुमिनस कोयले में कार्बन की मात्रा 50 % से कम होती है।

3.भारत में सर्वाधिक गोंडवाना कोयला क्षेत्र दामोदर घाटी में स्थित है।

4.भूरे कोयले को लिग्लाइट के नाम से भी जाना जाता है।

उपयुक्त कथनों में से कौन सा / से सही नहीं है। हैं।

a) केवल 1 और 2

b) केवल 2

c) केवल 2 और 4

d) केवल 1,2,4

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सुमेलित नहीं है।

खनन क्षेत्रः– **राज्यः–**

a) बेलाडिला मध्यप्रदेश

b) कुन्द्रमुख कर्नाटक

c) रत्नागिरी महाराष्ट्र

d) गुआँ झारखण्ड

प्रश्न 11.निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सुमेलित नहीं है।

खनिजः–	**अग्रणी उत्पादक राज्यः–**
a) लौह अयस्क	उड़ीसा
b) अभ्रक	झारखण्ड
c) बाक्साइट	मध्य प्रदेश
d) तांबा	झारखण्ड

प्रश्न 12.अपरंपरागत उर्जा स्त्रोत के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. सौर उर्जा मुख्यतः फोटोवोल्टाइक और सौर तापीय प्रकमों पर निर्भर है।

2. भारत के पूर्वी भागों में ओड़िशा और पश्चिमी बंगाल राज्य में सौर उर्जा के विकास की अधिक संभावनाएँ हैं।

3. पवन उर्जा के लिए पवन की गतिज उर्जा को टरबाइन के माध्यम से विद्युत उर्जा में बदला जाता है।

4. भारत के पश्चिमी तटों के पास ज्वारीय उर्जा की अधिक संभावना हैं।

उपयुक्त कथनों में कौन–से सही हैं।

a) केवल 1,2,3

b) केवल 1,3,4

c) केवल 2,3,4

d) 1,2,3,4

उत्तर माला

1-b 2-b 3-a 4-c 5-b 6-d 7-b 8-c 9-b 10-a 11-c 12-b

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (एक अंक वाले प्रश्न)

प्रश्न 13. खनिज किसे कहते है?

उत्तर : एक खनिज निश्चित रासायनिक एवं भौतिक गुणधर्मो (विशिष्टताओं) के साथ कार्बनिक या अकार्बनिक उत्पत्ति का एक प्राकृतिक पदार्थ है।

प्रश्न 14. किन्हीं दो अपरंपरागत ऊर्जा स्रोतों के नाम बताइए।

उत्तर : सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा

प्रश्न 15. किन्हीं दो धात्विक खनिजों के नाम बताइए।

उत्तर : मैंगनीज, ताँबा

प्रश्न 16. भारत के प्रमुख गैस भंडार कहाँ पाए जाते हैं?

उत्तर : भारत के प्रमुख गैस भंडार मुम्बई हाई और अन्य संबद्ध क्षेत्र पश्चिमी तट पर पाए जाते है जिनको खंभात बेसिन में पाए जाने वाले क्षेत्र संपूरित करते हैं। पूर्वी तट पर कृष्णा–गोदावरी बेसिन में प्राकृतिक गैस के नए भंडार पाए गए हैं।

प्रश्न 17. भारत की किन नदी घाटियों में कोयले के महत्वपूर्ण भंडार पाए जाते है?

उत्तर : कोयले से संबंध्ति महत्वपूर्ण नदी घाटियाँ हैं– गोदावरी, महानदी तथा सोन

प्रश्न 18. भारत का कौन सा राजय मैंगनीज़ में अंग्रणी है?

उत्तर : ओडिशा

लघु उत्तरीय प्रश्न (तीन अंक वाले प्रश्न)

प्रश्न 19. तांबे के दो लाभ बताइए। भारत के चार मुख्य ताँबा क्षेत्रों का उल्लेख करो। (बोर्ड परीक्षा–2013)

उत्तर : तांबे के लाभ

1) बिजली की मोटरें, ट्रांसफार्मर, जेनरेटर्स आदि के बनाने तथा विद्युत उद्योग के लिए ताँबा अपरिहार्य धातु है।

2) यह एक आघातवर्द्धनीय तथा तन्य धातु हैं।

3) आभूषणों को मजबूती प्रदान करने के लिए इसे सोने के साथ मिलाया जाता है।

खनन क्षेत्र – झारखण्ड का सिंहभूमि जिला,

मध्यप्रदेश में बालाघाट

कर्नाटक में चित्रदुर्ग

राजस्थान में झुंझुनु, अलवर व खेतड़ी जिले।

प्रश्न 20. मैंगनीज के दो लाभ बताओ तथा चार उत्पादक राज्यों का उल्लेख करो। (बोर्ड परीक्षा–2013)

उत्तर : **लाभ :–**

1) लौह अयस्क के प्रगलन के लिए महत्वपूर्ण कच्चा माल है।

2) इसका उपयोग लौह मिश्र धातु तथा विनिर्माण में भी किया जाता है।

खनन क्षेत्रः– उड़ीसा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश व झारखण्ड।

प्रश्न 21. 'मुम्बई हाई' और 'सागर सम्राट' क्यों प्रसिद्ध है।

या

अपतट वेधन क्या है? भारत से उदाहरण देकर समझाइये।

उत्तर : समुद्र तट से दूर समुद्र की तली में मौजूद प्राकृतिक तेल को वेधन करके प्राप्त करना अपतट वेधन है।

खम्बात की खाड़ी के निकट अरब सागर में खनिज तेल के भण्डार प्राप्त हुए हैं। सागर तट से दूर 'बाम्बे हाई' नामक तेल क्षेत्र में 'सागर सम्राट' नामर्क जहाज से खुदाई से 1947 में तेल प्राप्त हुआ। यह क्षेत्र भारत में सबसे अधिक तेल उत्पन्न करता है।

प्रश्न 22. जैव ऊर्जा, ऊर्जा का संभावित स्रोत है। भारत जैसे विकासशील देश में यह ग्रामीण एवं शहरी जीवन को बेहतर बना सकता है। स्पष्ट कीजिए

या

जैव ऊर्जा की परिभाषा देते हुये इसके लाभ बताइये।

उत्तर : i) जैव ऊर्जा उस ऊर्जा को कहा जाता है जिसे जैविक उत्पादों से प्राप्त किया जाता है। इसमें कृषि अवशेष, सीवेज का अवशेष व औद्योगिक

अपशिष्ट शामिल होते हैं।

ii) जैव ऊर्जा पर्यावरण अनुकूल है। यह ग्रामीण जीवन में लोगो ंकी आत्मनिर्भरता को बढ़ाकर उनके आर्थिक जीवन को बेहतर बनाएगा तथा ईधन के लिए लकड़ी पर निर्भरता को घटाएगां

iii) शहरी क्षेत्रों के विशाल मात्रा में निकलने वाले अपशिष्टों के उचित निपटान की समस्या का समाधान व उनकी ऊर्जा की पूर्ति को सुनिश्चित करेगा।

प्रश्न 23. पवन–ऊर्जा पर संक्षिप्त टिप्पणी दो।

अथवा

पवन ऊर्जा पूर्ण रूपेण प्रदूषण मुक्त और ऊर्जा का असमाप्य स्रोत है। इसकी भारत में अपार संभावनाएँ है। स्पष्ट करो।

उत्तर : पवन – ऊर्जा प्रदूषण मुक्त ऊर्जा का असमाप्य स्रोत है। पवन की गतिज ऊर्जा को टरबाइन के माध्यम से विद्युत–ऊर्जा में बदला जाता है। संभावित पवनों व पछुआ पवनों जैसे स्थायी पवन प्रणालियाँ तथा मानसून पवनों को ऊर्जा के स्रोत के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। भारत में पवन ऊर्जा के लिए राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र तथा कर्नाटक में अनुकूल परिस्थिति विद्यमान हैं।

गुजरात के कच्छ में लाम्बा का पवन ऊर्जा संयंत्र एशिया का सबसे बड़ा संयंत्र है। तमिलनाडु के तूतिकोरिन में भी पवन ऊर्जा का एक अन्य संयंत्र है।

प्रश्न 24. विशेषताओं के आधार पर ऊर्जा के परंपरागत एवं गैर परंपरागत साधनों में अन्तर स्पष्ट करें।

या

ऊर्जा के गैर परम्परागत साधनों को प्रोत्साहित करना क्यों आवश्यक है?

उत्तर :

ऊर्जा के परम्परागत साधन	गैर परम्परागत साधन
1) पारंपरिक ऊर्जा स्रोत वे हैं, जो लबें समय से प्रयोग में है। ये प्रकृति में तय् तथा सीमित मात्रा में उपलब्ध होते है।	1) गैर पारंपरिक स्रोत वे है, जो हाल ही में प्रयोग में आए हैं। इन स्रोतो का प्रयोग करने को उपाय तथा तकनीक पहले दोनो नहीं थे।
2) ये गैर नवक्रणीय (Non-renewable) होते हैं।	2) ये नवकरणीय होते हैं।
3) इन साधनों का वितरण बहुत असमान हैं।	3) ये साधन अपेक्षाकृत अधिक समान रूप से वितरित है।
4) ये साधन पर्यावरण अनुकूल नहीं है अर्थात् पर्यावरण प्रदूषण में इनकी बड़ी भूमिका है।	4) ये ऊर्जा के स्वच्छ साधन और पर्यावरण हितैषी है।
5) इनके उदाहरण है–कोयला, पेट्रोल, डीजल, कच्चा तेल आदि।	5) इनके उदाहरण है–सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा, भूपातीय ऊर्जा आदि।

यह प्रश्न दीर्घ उत्तरीय भी हो सकता है

प्रश्न 25. नाभिकीय ऊर्जा के उत्पादन में प्रयुक्त होने वाले खनिज कौन से हैं। भारत में ये कहाँ पाये जाते हैं?

उत्तर : नाभिकीय ऊर्जा के उत्पादन में प्रयुक्त होने वाले महत्वपूर्ण खनिज यूरेनियम और थोरियम है। यूरेनियम निक्षेप धारवाड़ शैलों में पाये जाते हैं। राजस्थान के उदयपुर, अलवर, झूंझनू, मध्य प्रदेश के दुर्ग तथा महाराष्ट्र के भंडारा जिलों में यूरेनियम पाया जाता है। थोरियम केरल के तटीय क्षेत्र की बालू में मोनाजाइट और इल्मेनाइट से प्राप्त किया जाता है। मोनाजाइट निक्षेप केरल के पालाक्कड़ तथा कोलाम जिलों आन्ध्रप्रदेश के विशाखापटनम् तथा महानन्दी के डेल्टा में भी पाये जाते हैं।

प्रश्न 26. भारत में पाए जाने वाले खनिजों की तीन विशेषताओं का वर्णन कीजिए?

अथवा

भारत में खनिज तथा ऊर्जा संसाधनों के असमान वितरण का वर्णन उपयुक्त उदाहरण देकर कीजिए।

अथवा

भारत में खनिज असमान रूप से वितरित है। स्पष्ट करें?

उत्तर: भारत में अधिकाशं धत्विक खनिज प्रायद्वीपीय पठारी क्षेत्र की प्राचीन क्रिस्टलीय शैलों में पाए जाते है। जैसे

(i) कोयले का लगभग 97.10 भाग दामोदर, सोन, मदानदी और गोदावरी नदियों की घाटियों में पाया जाता है।

(ii) पैट्रोलियम के आरक्षित भंडार असम, गुजरात तथा मुंबई हाई में

पाए जाते है। नए आरक्षित क्षेत्र कृष्णा – गोदावरी तथा कावेरी वेसिनों में पाए जाते है।

(ii) खनिज मुख्यतः तीन पेटियों में संकेन्द्रित हैं।

अ) उत्तर – पूर्वी पठारी प्रदेश

ब) दक्षिण – पश्चिमी पठारी प्रदेश

स) उत्तर – पश्चिमी प्रदेश

प्रश्न 27. रासायनिक और भौतिक गुणों के आधार पर खनिजों को दो वर्गों में वर्गीकत कीजिए तथा प्रत्येक वर्ग के खनिज का एक उदाहरण दीजिए।

उत्तरः धात्विक खनिज–

इन खनिजों में धातु होती है। लोह अयसक, ताबां मैंगनीज़ आदि धात्विक खनिजों के उदाहरण हैं। धात्विक खनिज को पुनः दो वर्गों में बांटा जाता है।

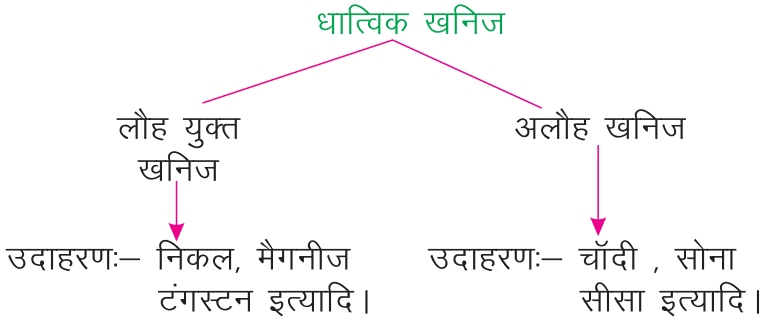

अधात्विक खनिज–

इन खनिजों में धातु नहीं होती चूना पत्थर, डोलोमाईट, अभ्रक आदि इसके उदाहरण हैं। अधात्विक खनिजों को पुनः दो वर्गों में बांटा जाता है–

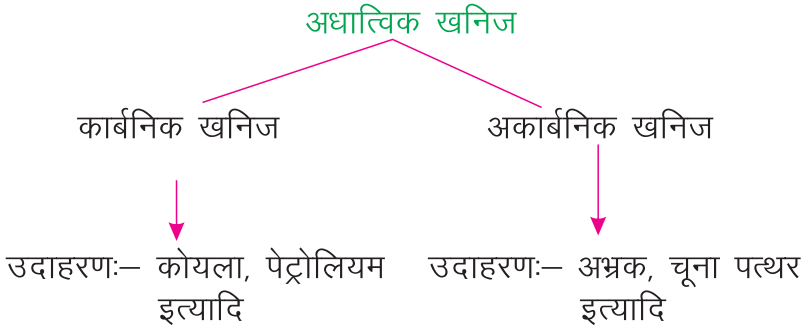

प्रश्न 28. भारत में खनिजों की तीन प्रमुख विस्तृत पट्टियों का वर्णन कीजिए।

उत्तरः 1) उतर पूर्वी पठारी पट्टी– इस पट्टी के अंतर्गत छोटा, नागपुर, पठार (झारंखंड), उड़ीसा का पठार, पं. बंगाल तथा छतीसगढ़ के कुछ भाग सम्मिलित है। यहां पर विभिन्न प्रकार के खनिज उपलब्ध है। इनमें लोह अयस्क, कोयला, मैंगनीज आदि प्रमुख है।

2) दक्षिणी परिचमी पठारी पट्टी–यह पट्टी कर्नाटक, गोआ, तमिलनाडु की उच्च भूमि और केरल में विस्तृत है। यह पट्टी लौह धातुओं तथा बॉक्साइट में समृद्व है।

3) उत्तर पश्चिमी पट्टी–यह पट्टी राजस्थान में अरावली और गुजरात के कुछ भाग पर विस्तृत है। यहां खनिज धारवाड़ क्रम की शैलों में पाये जाते है। जिनमें तांबा, जिंक, आदि प्रमुख खनिज है। गुजरात में पेट्रोलियम के निक्षेप है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 29. भारत में खनिजों का संरक्षण क्यों आवश्यक है? हम उनका संरक्षण किस प्रकार कर सकते हैं।

उत्तर : i) खनिज समय के साथ समाप्त हो जाते हैं। भूगर्मिक दृष्टि से इन्हें बनने में लम्बा समय लगता है

ii) आवश्यकता के समय तुरन्त इनका पुनर्भरण नहीं किया जा सकता।

iii) इसलिए सतत् पोषणीय विकास तथा आर्थिक विकास के लिए खनिजों का संरक्षण करना आवश्यक हो जाता है।

संरक्षण की विधियाँ :

1) इसके लिए ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन, तरंग व भूतापीय ऊर्जा के असमाप्य स्रोतों का प्रयोग करना चाहिए।

2) धात्विक खनिजों में, छाजन धातुओं के उपयोग तथा धातुओं के पुर्नचक्रण पर बल देना चाहिए।

3) अत्यल्प खनिजों के लिए प्रति स्थापनों का उपयोग भी खनिजों के संरक्षण में सहायक है।

4) सामरिक व अति अल्प खनिजों के निर्यात को भी घटाना चाहिए।

5) सबसे उचित तरीका है खनिजों का सूझ–बूझ से तथा मितव्यतता से प्रयोग कराना है ताकि वर्तमान आरक्षित भण्डारों का लंबे समय तक प्रयोग किया जा सके।

प्रश्न 30. सतत पोषणीय विकास की चुनौती के लिए आर्थिक विकास की

चाह का पर्यावरणीय मुद्दों से समन्वय आवश्यक हैं। इन कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर : i) भारत में संसाधनों के उपयोग के परंपरागत तरीकों के कारण बड़ी मात्रा में संसाधनों का अपव्यय हुआ है। अतः विकास को न रोकते हुये ऊर्जा के गैर परंपरागत साधनों का उपयोग हो।

ii) भारत में संसाधनों के वर्तमान उपयोग ने गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को जन्म दिया है। जीवाश्म इंधनों का उपयोग सीमित हो। प्रदूषण से निपटने के उपाय अपनाये जायें।

iii) संसाधनों के अतिशोषण व अविवेक पूर्ण उपयोग ने समाज में असमानता व तनाव को बढ़ाया है। संसाधनों को बचाया जाय।

iv) संतत पोषणीय विकास भावी पीढ़ी के लिए संसाधनों के संरक्षण का आहवान करता है।

v) सतत पोषणीय विकास के लिए आर्थिक विकास के तरीकों व पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों के साथ समन्वय आवश्यक है। धात्विक खनिजों का पुनर्चक्रण हो। खनिजों के स्थानापन्न वस्तुओं का उपयोग हो।

प्रश्न 31. भारत मैं अपरंपरागत ऊर्जा के पांच स्त्रोतो के नाम बताइए और प्रत्येक स्त्रोत का एक संभावित क्षेत्र भी बताइए।

उत्तरः अपरम्परागत ऊर्जा स्त्रांत–

(i) सौर ऊर्जा (ii) पवन ऊर्जा (iii) ज्वारीय ऊर्जा (iv) भूतापीय ऊर्जा (v) जैव ऊर्जा

प्रत्येक स्त्रोत का एक संभावित क्षेत्र–

(i) सौर ऊर्जा – भारत के परिचमी भागों गुजरात व राजस्थान में और ऊर्जा के विकास की अधिक संभावनाएं है।

(ii) पवन ऊर्जा – पवन ऊर्जा के लिए राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, तथा कर्नाटक में अनुकूल परिस्थितियों विधमान है।

(iii) ज्वारीय ऊर्जा – भारत के पश्चिमी तट के साथ ज्वारीय ऊर्जा विकसित होने की व्यापक संभावनाएं है।

(iv) भूतापीय ऊर्जा – इसके लिए हिमालय प्रदेश, में विकसित होने की व्यापक संभावनाएं है।

(v) जैव ऊर्जा – ग्रामीण क्षेत्रों में जैव ऊर्जा विकसित होने की व्यापक संभावनाएं है।

प्रश्न 32. ''ऊर्जा के अपरंपरागत स्त्रोत अधिक आरंभिक लागत के बावजूद अधिक टिकाऊ, पर्यावरण अनुकूल तथा सस्ती उर्जा उपलब्ध

कराते है'' । कथन की जाँच कीजिए ।

उत्तरः
- सौर, पवन, जल, भूतापीय ऊर्जा तथा जैव ऊर्जा के अपरंपरागत स्त्रोत है । ये सभी साधन पर्यारवरण अनुकूल है ।
- ये समान रूप से वितरित है ।
- ये अधिक आरंभिक लागत से प्रभावित होते है ।
- ये साधन पारिस्थतिक–अनुकूल होते है ।
- पवन ऊर्जा पूर्ण रूप से प्रदुषण मुक्त है ।
- महासागरीय धाराएं ऊर्जा का अपरिमित भंडार–गृह है ।
- जैव ऊर्जा ग्रामीण लोगो की आत्मनिर्भरता बढ़ाएगा तथा जलाऊ लकड़ी पर दबाव कम करेगा ।

अध्याय–9

भारत के संदर्भ में नियोजन एवं सतत् पोषणीय विकास

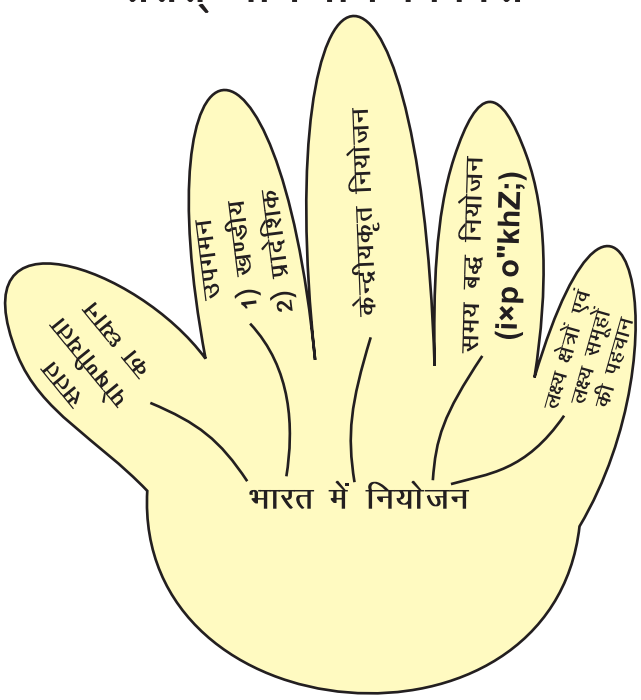

प्रादेशिक नियोजन

लक्ष्य क्षेत्र
1) कमान नियंत्रित क्षेत्र
2) सूखाग्रस्त विकास क्षेत्र
3) पर्वतीय विकास क्षेत्र
4) रेगिस्तानी विकास क्षेत्र

लक्ष्य समूह
लघु कृषक विकास संस्था
(SFDA)
सीमांत किसान विकास संस्था
(MFDA)

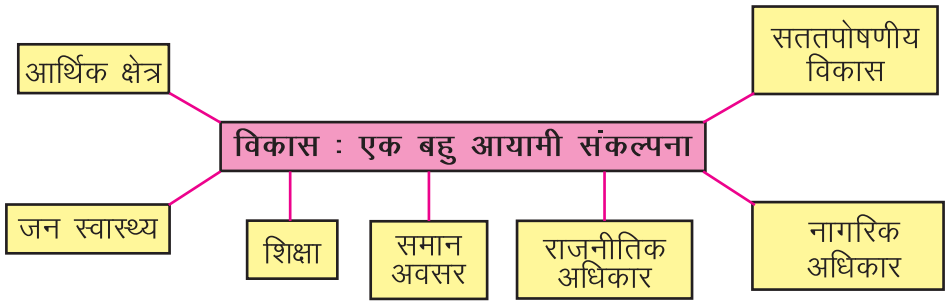

भारत के सन्दर्भ में नियोजन और सतत पोषणीय विकास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. भारत में विकेन्द्रीकृत नियोजन हैं।

2. भारत में नियोजन का कार्य योजना आयोग को सौंपा गया था।

3. आठवी योजना के देरी से शुरू होने का कारण पड़ौसी राज्यों से तनाव की स्थिति थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन–सा /से सही है / हैं।

a) केवल 1

b) केवल 1 और 3

c) केवल 2

d) 1, 2, और 3

प्रश्न 2. पर्वतीय क्षेत्रों का अन्तर–पूर्वी राज्यों, जनजातीय एवं पिछड़े क्षेत्रों में अवसंरचना को विकसित करने के लिए विशिष्ट क्षेत्र योजना को किस पंचवर्षीय योजना में तैयार किया गया था?

a) छठी पंचवर्षीय योजना

b) दूसरी पंचवर्षीय योजना

c) पॉचवी पंचवर्षीय योजना

d) आठवी पंचवर्षीय योजना

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से किस पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम शुरू किया गया?

a) 5 वीं

b) 11 वीं

c) 9 वीं

d) 7 वीं

प्रश्न 4. सूखा संभावी क्षेत्रों में लोगों के लिए चौथी पंचवर्षीय योजना को लागू करने का मुख्य उद्देश्य क्या था?

a) रोजगार उपलब्ध कराना

b) जल समस्या का निपटान

c) परिवहन साधनों का विकास

d) इनमें से कोई नहीं।

प्रश्न 5. सतत् विकास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. सतत् पोषाणीय विकास की परिभाषा संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) द्वारा प्रस्तुत की गई थी।

2. यह एक ऐसा विकास है जिसमें भविष्य में आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकता की पूर्ति को प्रभावित किए बिना वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनी आवश्यकता की पूर्ति करना है।

सही विकल्प का चयन कीजिए।

a) केवल 1

b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

प्रश्न 6. निम्न में से कौन से युग्म सुमेलित नहीं है।

सूची (i)	**सूची**(ii)
a) द पापुलेशन बम –	एहरलिच
b) द लिमिट टू ग्रोथ –	मीडोस
c) वृद्धि और समानता –	महात्मॉ गॉधी
d) अवर कॉमन फ्युचर –	गरोहरलेम ब्रटलैंड

प्रश्न 7. सतत् पोषणीय विकास की संकल्पना निम्न में से किस वर्ष में प्रातिपादित की गई थी?

a) 1985

b) 1987

c) 1997

d) 1967

प्रश्न 8. योजना आयोग एक .....संस्था है जिसके अध्यक्ष.....हैं।

प्रश्न 9. कमान क्षेत्रों में सतत् पोषणीय विकास को बढ़ावा देने के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं।

1. कमान क्षेत्र में सतत् पोषणीय विकास का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मुख्य रूप से पारिस्थितिकीय सतत् पोषणता पर ध्यान देनें की आवश्यकता हैं।

2. जल प्रवंधन नीति का कठोरता से कार्यान्वयन किये जाने की आवश्य

3. नहर के जल का समान वितरण और नालों को पक्का करना।

4. कमान क्षेत्रों में नवीनीकरण, वृक्षों का रक्षण में खला का निर्माण और चरागाह विकास या पारितंत्र विकास।

a) केवल 1,2 और 4

b) केवल 2 और 4

c) केवल 1, 2 और 3

d) 1, 2, 3, 4

प्रश्न 10. आई.टी.डी. पी. निम्नलिखित में से किसके लिए प्रयोग किया गया है?

a) समन्वित व्यापर विकास परियोजना

b) समन्वित पर्यटन विकास परियोजना

c) समन्वित जनजातीय विकास परियोजना

d) समन्वित ट्रांसपोर्ट विकास परियोजना

उत्तर माला

1-c 2-d 3-a 4-a 5-b 6-c 7-b

8-वैधानिक, प्रधानमंत्री 9-d 10-c

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक वाले प्रश्न)

प्रश्न 11. खण्डीय नियोजन का क्या अर्थ है?

उत्तर : खंडीय नियोजन का अर्थ है– अर्थव्यवस्था के विभिन्न सेक्टरों, जैसे– कृषि, सिंचाई, विनिर्माण, ऊर्जा, निर्माण, परिवहन, सामाजिक अवसंरचना और सेवाओं के विकास के लिए कार्यक्रम बनाना तथा उनको लागू

करना।

प्रश्न 12. 'द पापुलेशन बम' के लेखक कौन हैं?

उत्तर : एहरलिच

प्रश्न 13. सतत, पोषणीय विकास को परिभाषित करें?

उत्तरः सतत पोषणीय विकास एक ऐसा विकास हैंजिसमें भविष्य में आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकता पूर्ति को प्रभावित किए बिना वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनी आवश्यकता की पूर्ति करना है।

प्रश्न 14. किस वर्ष सतत् पोषणीय विकास की संकल्पना की शुरूआत हुई?

उत्तरः 1987

प्रश्न 15. इंदिरा गाँधी नहर कहाँ से निकाली गई हैं?

उत्तर : हरिके बैराज

लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक वाले प्रश्न)

प्रश्न 16. खण्डीय नियोजन एवं प्रादेशिक नियोजन में अन्तर स्पष्ट करें।

उत्तर : **खण्डीय नियोजन**– अर्थव्यस्था के विभिन्न सेक्टरों जैसे– कृषि, सिंचाई, विनिर्माण, ऊर्जा, परिवहन, संचार, सामाजिक अवसंरचना और सेवाओं के विकास के लिए कार्यक्रम बनाना और उन्हें लागू करना।

प्रादेशिक नियोजन– देश के सभी क्षेत्रों में आर्थिक विकास समान रूप से नहीं हो पाता। इसलिए विकास का लाभ सभी को समान रूप से पहुँचाने के लिए योजनाकारों ने प्रदेशों की आवश्यकता के अनुसार नियोजन किया। इस प्रादेशिक नियोजन कहते हैं।

प्रश्न 17. ''भारत के विकास में प्रादेशिक विषमतायें है।'' इस कथन को उचित उदाहरणों द्वारा स्पष्ट करें?

उत्तर : भारत के विकास में प्रादेशिक विषमताएं साफ झलकती हैः–

1) आन्तरिक भागों की तुलना में तटीय प्रदेश अधिक निर्धन है।
2) व्यापारिक कृषि के क्षेत्र में विकास अधिक व्यापक है। पंजाब व केरल के ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में विषमता कम है।
3) जनजातीय क्षेत्र अभी भी कम विकसित है।
4) भौतिक बाधाओं जैसे शुष्क जलवायु, ऊबड़–खाबड़ पर्वतीय व पठारी भूमि तथा बाढ़ से पीड़ित क्षेत्र आदि पिछड़े हुए हैं।
5) भिन्न–भिन्न क्षेत्रों में साक्षरता दर से भी काफी विषमताएँ हैं और

स्त्रियों की साक्षरता दर में भी काफी भिन्नता है।

प्रश्न 18. मात्र कृषि एव पशुपालन के विकास से इंदिरा गाँधी नहर कमांड क्षेत्र में आर्थिक सतत पोषणीय विकास की अवधारणा को साकार नहीं किया जा सकता। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 1) इन क्षेत्रों में कृषि और संबंधित क्रियाकलापों को अर्थव्यवस्था के अन्य सेक्टरों के साथ विकसित करना होगा।

2) इन क्षेत्रों का आर्थिक विविधीकरण करना पड़ेगा।

3) गाँवों की आबादी कृषि सेवा क्षेत्र और विपणन केन्द्रों को जोड़कर उनके बीच प्रकार्यात्मक संबंध स्थापित करना होगा।

प्रश्न 19. नहर कमांड क्षेत्र में सिचाई के लिए जल प्रदान करने में इंदिरा गांधी नहर का महत्व स्पष्ट कीजिए।

अथवा

''इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र में नहरी सिंचाई के प्रारंभ होने से उसकी पारिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था तथा समाज रूपांतरित हो गया है।'' इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर : (i) कमान क्षेत्र में सिंचाई कमशः 1960 तथा 1980 में शुरू हुई। सिंचाई के प्रसार ने इस शुष्क क्षेत्र की परिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था और समाज को रूपांतरित कर दिया।

(ii) पर्यारवणीय परिस्थियों पर सकारात्मक तथा नकारात्मक प्रभाव पड़े हैं। मृदा में लम्बे समय तक नहीं उपलब्धता सम्भव हो सकी हैं फलस्वरूप वनीकरण और चरागाह कार्यक्रयों से भूमि हरी–भरी हो गयी है।

(iii) वायु अपरदन और नहरी तंत्र में बालू निक्षेप की प्रक्रियाएं धीमी पड़ गयी है। प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था प्रत्यक्ष रूप से रूपांतरित हो गयी है तथा बोय गये क्षेत्र का विस्तार और फसलों की सघनता में वृद्वि हुई है। चना, बाजरा और ग्वार का स्थान गेहूं, कपास, मूंगफली और चावल ने ले लिया। कृषि पशुधन उत्पादकता में अत्यधिक वृद्वि हुई है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (पाँच अंक वाले)

प्रश्न 20. पहाड़ी क्षेत्रों के विकास के लिए नियोजन करते समय किन बातों का प्रमुखता से ध्यान दिया जाता है?

उत्तर : पहाड़ी क्षेत्रों के विकास के लिए नियोजन करते समय वहाँ की भूआकृति, पारिस्थितिकी, सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखा जाता है। इसके अतिरिक्त निम्नलिखित बातों को भी ध्यान में रखा जाता है।

1) सभी लोग लाभान्वित हों, केवल प्रभावशाली अथवा साधन सम्पन्न व्यक्ति ही नहीं।

2) स्थानीय संसाधनों और प्रतिभाओं का विकास।

3) जीविका निर्वाह अर्थव्यवस्था को निवेशोन्मुखी बनाना।

4) अंत प्रादेशिक व्यापार में पिछड़े क्षेत्रों का शोषण न करना।

5) पिछड़े क्षेत्रों की बाजार व्यवस्था में सुधार करके श्रमिकों को लाभ पहुँचाना।

6) परिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखना।

प्रश्न 21. सूखा संभावी क्षेत्र विकास कार्यक्रम क्यों बनाया गया और इसके अंतर्गत कौन से कार्यक्रम चलाये गये। स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः (i) इस कार्यक्रम की शुरूवात चौथी पंचवर्षीय योजना में हुई, इसका उददेश्य सूखा संभावी क्षेत्रों में लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाना था व उसके प्रभाव को कम करने के लिए उत्पादन के साधनों को विकसित करना था।

(ii) पॉचवी पचंवर्षीय योजना में इस कार्यक्रम के अंतर्गत अधिक श्रम की आवश्यकता वाले सिविल निर्माण कार्यो पर बल दिया ताकि अधिक से अधिक लोगों को रोज़गार दिया जा सके।

(iii) इसके अंतर्गत सिचाई परियोजनाओं, भूमि विकास कार्यक्रमों वनीकरण, चारागाह विकास कार्यक्रम शुरू किये गये।

(iv) गॉवों में आधार भूत अवसंरचना–विद्युत, सड़कों, बाजार ऋण सुविधाओं और सेवाओं पर बल दिया गया।

(v) इस क्षेत्र के विकास की रणनीति में जल, मिट्टी, पौधों, मानव तथा पशुजन–संख्या के बीच पारिस्थितिकीय संतुलन, पुनः स्थापन पर

ध्यान देने पर बल दिया गया।

प्रश्न 22. भरमौर क्षेत्र के विकास के लिए क्या कदम उठाये गये एवं इनके क्या सामाजिक एवं अर्थिक प्रभाव पड़े? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : यह क्षेत्र विकास योजना भरमौर क्षेत्र के निवासियों की जीवन गुणवत्ता को सुधारने व हिमाचल के अन्य प्रदेशों के समानान्तर विकास के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इसके लिए निम्न कदम उठाये गये।

1) आधारभूत अवसंरचनाओं जैसे विद्यालयों, अस्पतालों का विकास किया गया।

2) स्वच्छ जल, सड़कों, संचार तंत्र एवं बिजली की उपलब्धता पर ध्यान दिया गया।

3) कृषि के नये एवं पर्यावरण अनुकूल तरीकों को प्रोत्साहित किया गया।

4) पशुपालन के वैज्ञानिक तरीकों को प्रोत्साहित किया गया।

समाजिक व आर्थिक प्रभावः—

1) जनसंख्या में साक्षरता दर बढ़ी विशेषरूप से स्त्रियों की साक्षरता दर में वृद्धि हुई।

2) दालों एवं अन्य नगदी फसलों के उत्पादन में वृद्धि हुई।

3) कुरीतियों जैसे बाल–विवाह से समाज को मुक्ति मिली।

4) लिंगानुपात में सुधार हुआ।

5) लोगों के जीवन स्तर में वृद्धि हुई।

प्रश्न 23. इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र में सतत् पोषणीय विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक किन्हीं पाँच उपायों का वर्णन कीजिए?

उत्तर : 1) जल प्रबन्धन नीति का कठोरता से क्रियान्वयन करना।

2) सामान्यतः जल सघन फसलों को नहीं बोना चाहिए।

3) कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम जैसे नालों को पक्का करना, भूमि विकास तथा समतलन और बाड़बन्दी पद्धति प्रभावी रूप से कार्यान्वित की जाए ताकि बहते जल की क्षति मार्ग में कम हो सके।

4) जलाक्रान्त, वृक्षों की रक्षण मेखला का निर्माण और चारागाह विकास,

पारितंत्र विकास से लिए अति आवश्यक है।

5) निर्धन आर्थिक स्थिति वाले भूआवदियों की कृषि के पर्याप्त मात्रा में वितीय और संस्थागत सहायता उपलब्धत कराना।

प्रश्न 24. किसी देश के लिए नियोजन क्यों आवश्यक है?

उत्तर : नियोजन में सोच–विचार की प्रक्रिया कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करना तथा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु गतिविधियों का क्रियान्वन सम्मिलित है।

1) भारत जैसे विकास देश में यह सतत विकास का महत्वपूर्ण भाग हैं।

2) नियोजन का मुख्य ध्येय बहुमुखी विकास है जिसमें कृषि, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ आदि के सतत विकास को सम्मिलित किया जाता है।

3) नियोजन क्रमिक अवस्थाओं में सीमित संसाधनों तथा प्रौद्योगिकी के साथ किया जाने वाला प्रयास है जिससे देश का चहुमुखी विकास संभव है।

4) विकास में क्षेत्रीय असंतुलन को कम करने के लिए पिछड़े क्षेत्र के विकास के लिए नियोजन महत्वपूर्ण हे।

5) योजना प्रक्रिया में उन क्षेत्रों का विशेष ध्यान रखना होता है जो आर्थिक रूप से पिछड़े रह गए है।

अध्याय–10

परिवहन एवं संचार

अवधारणा मानचित्र

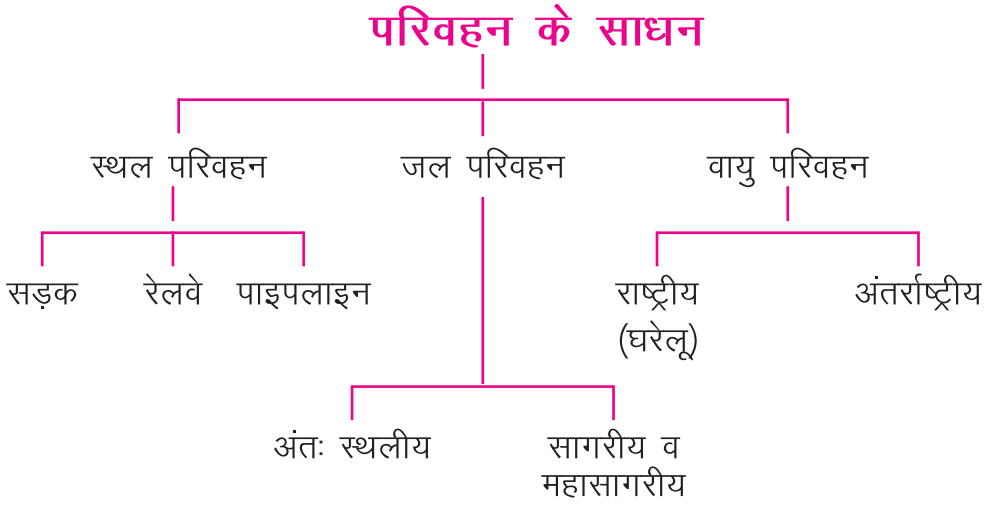

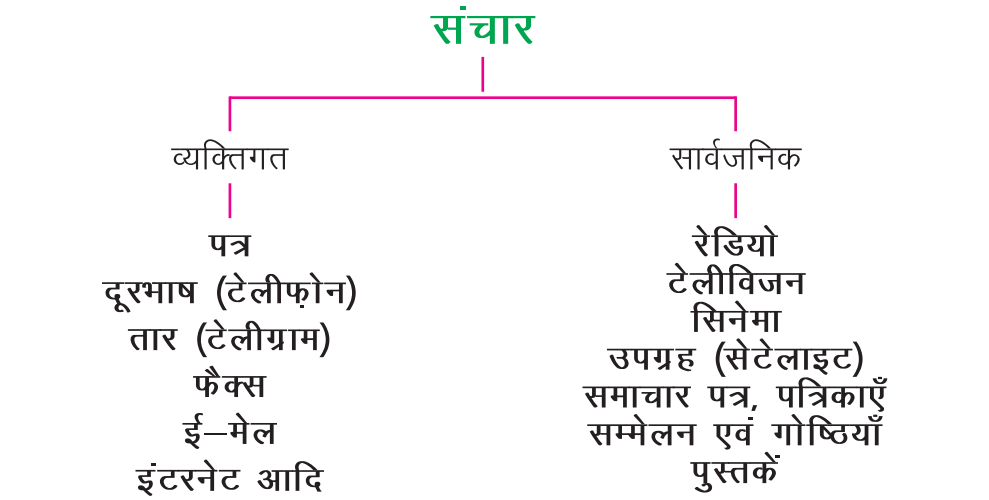

बहुविकल्पीय प्रश्न (एक अंक)

प्रश्न 1. भारत में राष्ट्रीय महामार्गों के रूप में निर्दिष्ट सड़कों की गुणवत्ता सुधारनें के लिए निम्न में कौन सी शीर्ष संस्था स्थापित की गई है।

a) भारतीय राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण (N.H.A.I)

b) सेंट्रल पब्लिक वर्कस डिपार्टमेंट (C.P.W.D.)

c) पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेन्ट(P.W.D.)

d) राज्य मार्ग विकास प्राधिकरण (S.R.D.A.)

प्रश्न 2. भारत में राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या–1 का विचार है:–

a) सादिया से धुबरी तक

b) इलाहाबाद से हल्दिया तक

c) कोट्टापुरम से कोलम तक

d) काकीनाडा से पुदुच्चेरी तक

प्रश्न 3. निम्न कथनों पर विचार कीजिए तथा दिए गए विकल्पों से उचित विकल्प का चुनाव कीजिए

1. मैदानी क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण सस्ता और आसान होता है।

2. भू–भाग की प्रकृति तथा आर्थिक विकास का स्तर सड़कों के घनत्व के प्रमुख निर्धारित हैं।

a) केवल कथन 1 सही है।

b) केवल कथन 2 सही है।

c) दोनों कथन सही हैं परन्तु परस्पर संबंधित नहीं हैं।

d) कथन 1 और 2 दोनों सही है। तथा कथन 2 कथन 1 की उचित व्याख्या करता है।

प्रश्न 4. निम्न में से कौन सा परिवहन का साधन सबसे सस्ता है तथा भारी एवं स्थल सामग्री के परिवहन के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है।

a) सड़क परिवहन

b) जल परिवहन

c) रेल परिवहन

d) वायु परिवहन

प्रश्न 5. निम्न में कोन सा युग्म सुमेलित है।

रेल मंण्डल	मुख्यालय
a) ईस्ट र्न	कोलकाता
b) सदर्न	नई दिल्ली
c) नदिन	मुंबई
d) वेस्टर्न	चेन्नई

उत्तर माला

1-a 2-b 3-d 4-c 5-a

(अति लघुउत्तरीय प्रश्न) एक अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 6. किन सड़कों को अन्य सड़को की श्रेणी में सम्मिलित किया जाता है?

उत्तर : सीमावर्ती सड़कों एवं अंतर्राष्ट्रीय सड़कों को अन्य सड़कों को श्रेणी में रखा जाता है।

प्रश्न 7. कौन–सी सड़कें भारत के ग्रामीण क्षेत्रों को आपस में जोड़े रखती है एवं इन सड़कों के घनत्व में प्रादेशिक विषमता के क्या कारण हैं?

उत्तर : ग्रामीण सड़के भारत के ग्रामीण क्षेत्रों को आपस में जोड़े रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ग्रामीण सड़कों के घनत्व में प्रादेशिक विषमता पाई जाती है क्योंकि ये भूभाग को प्रकृति से प्रभावित होती है।

प्रश्न 8. भारतीय रेल को 18 मंडलों में क्यो विभाजित किया गया है?

उत्तर : देश में भारतीय रेल सरकार का विशालतम उद्यम हे जिसका कुल लंबाई 67956 कि.मी. है। इसका अति विशाल आकार केंद्रीकृत रेल प्रबंधन तंत्र पर अत्याधिक दबाव डालता है। अत एव भारतीय रेल को 18 मंडलो में विभाजित किया गया है।

प्रश्न 9. भारत में कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गेस के अन्वेषण उत्पादन और परिवहन हेतु कौन–सी संस्था को स्थापित किया गया है?

उत्तर : पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गेस मंत्रालय के प्रशासन के अधीन स्थापित आयल इंडिया लिमिटेड (OIL) कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस के अन्वेषण

उत्पादन और परिवहन में संलग्न है।

प्रश्न 10. मुक्त आकाश नीति क्या है?

उत्तर : सरकर ने अप्रैल 1992 में भारतीय निर्यातको को मदद देने तथा उनके निर्यात की प्रतियोगिता पूर्ण बनाने के लिए नौभार के लिए एक मुक्त आकाश नीति शुरू की थी। इसके अंतर्गत विदेशी निर्यातक का संगठन कोई भी मालवाहक वायुयान देश में ला सकता है।

प्रश्न 11. देश के तटवर्ती राज्यों की सड़कों के विकास के लिए भारत सरकार ने कौन सी वृहद् योजना शुरू की है?

उत्तर : तटवर्ती भागों से लगे हुए राज्यों की सड़कों के विकास/सीमावर्ती भागों तथा छोटे बंदरगाहो से जोड़ने हेतु भारतमाला योजना शुरू की गई है।

लघुउत्तरीय प्रश्न (तीन अंक वाले प्रश्न)

प्रश्न 12. भारतीय कोंकण रेलवे का निर्माण कब हुआ। इसका विस्तृत वर्णन कीजिए? (2016)

उत्तर : भारतीय कोंकण रेलवे का निर्माण 1998 में हुआ। इसकी प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :–

1) यह रेल मार्ग रोहा (महाराष्ट्र) को कर्नाटक के मंगलौर से जोड़ता है। यह 760 किमी लंबा है।

2) यह रेलमार्ग 146 नदियों व धाराओं तथा 2000 पुलों एवं 91 सुरंगो को पार करता है।

3) इस मार्ग पर एशिया की सबसे लम्बी (6.5 कि.मी.) सुरंग भी है।

4) इस परियोजना में कर्नाटक, गोवा तथा महाराष्ट्र राज्य शामिल है।

प्रश्न 13. भारतीय रेल की मुख्य समस्याएँ क्या हैं?

उत्तर :

- मरूस्थली क्षेत्रों में रेत के टिब्बे के कारण तथा वन प्रदेश व दलदली क्षेत्रों में रेलमार्ग में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है।
- पहाड़ी क्षेत्रों पर तथा नदियों पर पुल बनाना अत्यधिक खर्चीला होता है।
- भारत/रेलवे का पुराना–संरचनात्मक ढांचा भी एक बहुत बड़ी

समस्या है।

प्रश्न 14. भारत में उपग्रह संचार के किन्हीं तीन लाभों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- उपग्रह, संचार की एक विधा है और ये संचार के अन्य साधनों का नियमन करती हैं।
- उपग्रह के उपयोग से एक विस्तृत क्षेत्र का सतत् व सारिक दृश्य प्राप्त होने के कारण यह आर्थिक व सामरिक कारणों से महत्त्वपूर्ण है।
- उपग्रह से प्राप्त चित्रों द्वारा मौसम का पूर्वानुमान व प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- सीमा क्षेत्रों की चौकसी के लिए भी उपग्रह अति महत्त्वपूर्ण हैं।

प्रश्न 15. ''नगरीय क्षेत्रों में बढ़ता हुआ परिवहन व संचार तन्त्र हमारा विकास तो कर रहा है साथ ही कई प्रकार की समस्याओं को भी जन्म दे रहा है।'' इस कथन को उपयुक्त उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : नगरीय क्षेत्रों में बढ़ता परिवहन व संचार तन्त्र जहाँ ट्रैफिक जाम व वायु प्रदूषण जैसी समस्याओं को बढ़ा रहा है वहीं पहाड़ी व पठारी क्षेत्रों में यह कई और समस्याओं को भी जन्म दे रहा है। जैसे 2013 की हिमाचल सुनामी (केदारनाथ में) इसी का परिणाम है।
- नगरीय क्षेत्रों में बढ़ता परिवहन एवं संचार तन्त्र अनेक बीमारियों को जन्म दे रहा है।
- नगरों में बढ़ती भीड़–भाड़ पर्यावरण प्रदूषण, तनाव व सामाजिक समस्याओं को जन्म दे रहा है।
- आज हमारे पर्यावरण पर भी इस का कुप्रभाव देखा जा सकता है।

प्रश्न 16. 'सीमा सड़क संगठन' की स्थापना कब व क्यों हुई?

उत्तर : मई 1960 में 'सीमा सड़क संगठन' की स्थापना, देश की उत्तरी व उत्तरी–पूर्वी सीमा से सही सड़कों के सुधार के माध्यम से आर्थिक विकास को गति देने तथा रक्षा तैयारियों को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से की गई। यह एक अग्रणी बहुमुखी निर्माण अभिकरण है। इसने अति ऊँचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में चंडीगढ़ को मनाली व लेह से जोड़ने वाली सड़क

बनाई।

प्रश्न 17. 'देश की प्रगति में रेलवे का गहन योगदान है।' स्पष्ट करें।

उत्तर : भारतीय रेल जाल विश्व के सर्वधिक लम्बे रेल जालों में से एक है। देश के आर्थिक विकास में इसका अत्याधिक योगदान है :–

1) रेलों द्वारा कोयला सबसे अधिक ढोया जाता है। इसके अधिक भारी कच्चे माल की ढुलाई भी रेल द्वारा होती है।
2) रेल तैयार माल को भी विभिन्न बाजारो तक पहुँचाती है।
3) विदेशों से आयातित माल को आन्तरिक भागों के बाजारों तक भी रेल पहुँचाती है।

इस प्रकार रेल यात्रियों को व माल को भारी संख्या में दूर–दराज के स्थानों तक ले जाती है और साथ ही कृषि व उद्योगों के विकास की गति को तेज़ कर देश के आर्थिक विकास में भी आवश्यक योगदान देती है।

प्रश्न 18. पाइप लाइन परिवहन की विशेषताएँ बताइए।

अथवा

परिवहन साधन के रूप में पाइपलाइनों की महत्ता के किन्हीं पाँच बिंदुओं का विश्लेषण कीजिए। (CBSE-2019)

उत्तर : 1) किसी भी प्रकार की जलवायु धरातल पर आसानी से बिछाई जा सकती है।
2) लम्बे समय तक उपयोग करने पर सस्ती पड़ती है।
3) समय की बचत होती है।
4) प्रदूषण नहीं करती।
5) तरल व गैसीय–पदार्थो के परिवहन के लिए उपयोगी है।

प्रश्न 19. भारत के प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय वायु पत्तनों के नाम बताइए।

भारत के प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे–

उत्तर :

दिल्ली	–	इन्दिरा गांधी हवाई अड्डा
मुबंई	–	नेताजी सुभाष चंन्द्र बोस हवाई अड्डा
चेन्नई	–	मीनाम्बकम् हवाई अड्डा
अमृतसर	–	श्री गुरू राम दास जी हवाई अड्डा

तिरूवन्तरपरम – तिरूवन्तपुरम हवाई अड्डा

पाँच अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 20. भारत में परिवहन के अन्य साधनों की तुलना में सड़क परिवहन अधिक उपयोगी क्यों माना जाता है?

उत्तर : 1) सड़के अपेक्षाकृत अधिक उबड़–खबड़ और ढलुआ भूमि पर भी बनाई जा सकती है।

2) सड़के द्वार से द्वार तक सेवा प्रदान करती है।

3) सड़क परिवहन अन्य परिवहन के साधनों की पूरक हैं।

4) शीघ्र खराब होने वाले सामान जल्दी से ढोये जा सकते हैं।

5) थोड़ी दूरी की मात्रा के लिए अपेक्षाकृत अधिक सुविधा जनक है।

6) सड़कों का निर्माण एवं रखरखाव अपेक्षाकृत आसान है तथा लागत कम है।

प्रश्न 21. भारत में सर्वाधिक प्रभावी व अधुनातन वैयक्तिक संचार प्रणाली कौन–सी है? उसकी विशेषताएं बताओ।

अथवा

वैयक्तिक संचार तंत्र में इंटरनेट सर्वाधिक प्रीाावी संचार प्रणाली है स्पष्ट करें।

उत्तर : सभी वैयक्तिक संचार तन्त्रों में इंटरनेट सबसे प्रभावी व अधुनातन संचार प्रणाली है। इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं :–

1) इंटरनेट विभिन्न मदों पर विस्तृत जानकारी सहित आंकड़े भी उपलब्ध कराता है।

2) नगरीय क्षेत्रों में इसका व्यापक स्तर पर प्रयोग किया जाता है।

3) यह उपयोग कर्त्ता को ई–मेल के माध्यम से कम लागत में सूचनाओं की अभिगम्यता प्रदान करते है।

4) ई–कामर्स तथा इलेक्ट्रिक लेन–देन के लिए यह अधिकाधिक प्रयोग में लाया जा रहा है।

प्रश्न 22. "भारतीय रेल नेटवर्क माल ढुलाई एवं यात्रियों की आवाजाही की सुविधा प्रदान करता है और साथ ही भारत के आर्थिक विकास में

योगदान देता है।'' भारतीय रेलवे के अब तक के सुधारों को देखते हुए उपयुक्त कथन को सत्यापित करें। (CBSE-2012)

उत्तरः

1) भारतीय रेल द्वारा मीटर तथा नेरो गेज को ब्रॉड गेज में बदलने के लिए व्यापक कार्यक्रम शुरू किया गया है।
2) वाष्पचलित इंजनो के स्थान पर डीज़ल और विद्युत इंजनों को लाया गया है।
3) रेलों की गति बढ़ने के साथ–साथ उनकी ढुलाई क्षमता भी बढ़ गयी है। मेट्रो रेल शुरू की गयी है।
4) रेलमार्गों का विस्तार अन्य राज्यों में भी किया गया है। कोंकण रेलवे का निर्माण किया गया है जो भारतीय रेल की बड़ी उपलब्धि है जिसके कारण पश्चिमी तट के साथ–साथ मुम्बई –मंगलौर थिरुवन्तपुरम तक यात्रा सम्भव हो सकती है।
5) रेलवे आरक्षण को कमप्युटराइज़ किया गया तथा रेलवे स्टेशनों व रेलगाड़ियों में सुविधाओं को उन्नत किया गया है।

प्रश्न 23. ''भारत में सड़कों का वितरण नहीं है समान'' उपयुक्त तर्कों के द्वारा इस कथन की पुष्टि कीजिए। (CBSE-2015, 2016 Compt.)

अथवा

भारत में सड़क घनत्व को निर्धारित करने वाले कारकों की विवेचना करे।

उत्तरः सड़कों के असम वितरण के लिए उत्तरदायी कारक हैः–

(a) भू भाग–(i) पर्वत (ii) पठार (iii) मैदान तथा (iv) मरूस्थल
(b) आर्थिक विकासः (i) कृषि विकास (ii) औद्योगिक विकास
(c) जनसंख्या वितरणः (i) उच्च (ii) मध्यम (iii) निम्न
(d) सरकारी नीतियाँ
(e) जलवायु

प्रश्न 24. भारत के अंतः स्थलीय जलमार्ग प्राधिकरण की भूमिका की परख कीजिए। अन्तः स्थलीय जल परिवहन, परिवहन की एक महत्वपूर्ण विधा क्यों हैं? (CBSE-2016)

उत्तरः

1) राष्ट्रीय जलमार्गों के विकास अनुरक्षण तथा नियमन के लिए अंतः स्थलीय प्राधिकरण 1986 में स्थापित किया गया।
2) इस प्राधिकरण ने तीन अतः स्थलीय जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया।
3) प्राधिकरण ने 10 अन्य जलमार्गों की पहचान की जिनका कोटि उत्तपन (upgradation) किया जा सकेगा।

b) **अतः स्थलीय जल परिवहन की महत्ताः–**

1) यह परिवहन का सस्ता साधन है। स्थल व भारी सामग्री के परिवहन के लिए उपयुक्त है मार्गों के निर्माण एवं रखरखाव पर खर्च नहीं होता
2) यह ईंधन–दक्ष तथा परिस्थितिकी अनुकूल प्रणाली है।
3) यात्री तथा माल वहन दोनों के लिए परिवहन की एक महत्वपूर्ण विद्या है।

प्रश्न 25. भारतीय रेल के प्रमुख मंडल व उनके मुख्यालयों को नामांकित कीजिए।

भारत के प्रमुख रेमलंडल व उनके मुख्यालय :–

रेल–मंडल	मुख्यालय
सेंट्रल	मुंबई (सी.एस.टी.)
ईस्टर्न	कोलकाता
ईस्ट सेंट्रल	हाजीपुर
ईस्ट कोस्ट	भुवनेश्वर
रेल–मंडल	**मुख्यालय**
नार्दन	नई दिल्ली
नार्थ सेंट्रल	इलाहाबाद
नार्थ इस्टर्न	गोरखपुर
नार्थ ईस्ट फ्रंटियर	मालीगाँव (गुवाहाटी)
नार्थ वेस्टर्न	जयपुर
सदर्न	चेन्नई
साउथ सेंट्रल	सिकंदराबाद
साउथ ईस्टर्न	कोलकाता
साउथ ईस्ट सेंट्रल	बिलासपुर
साउथ वेस्टर्न	हुबली
वेस्टर्न	मुंबई (चर्च गेट)
वेस्ट सेंट्रल	जबलपुर

प्र.26 **''भारत का सड़क जाल संसार के विशालतम सड़क जालों में से एक है''। उदाहरणों सहित इस कथन की पृष्टि करें।**

उत्तर' 1) भारतीय सड़कों की कुल लंबाई 54.8 लाख किलामीटर है।

2) प्रतिवर्ष सड़कों द्वारा लगभग 85 प्रतिशत यात्री तथा 70 प्रतिशत भर यातायात का परिवहन किया जाता है।

3) सडकों का संकेद्रण नगरों एवं उनके आस पास के क्षेत्रों व ग्रामीण एवं सुंदर क्षेत्रों से रहा है।

4) सडकों के विकास हेतु अनेक परियोजनाओं को लागू किया गया।

5) प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के अंतर्गत गांवो को अन्य सडकों से जोडा गया।

6) अनेक सुपर एक्सप्रेस वे का निर्माण किया गया।

प्र.27 **भारत में जल परिवहन के महत्व का विशलेषण करे तथा इसकी लोकप्रियता कम होने के कारण बताइए।**

अथवा

''भारत में जलमार्ग परिवहन की एक महत्वपूर्ण विद्या है''। कथन के प्रकाश में जल परिवहन के महत्व को स्पष्ट करे। (CBSE-2019)

उत्तर' 1) यह परिवहन का सबसे सस्ता साधन है।

2) भारी एवं स्थूल सामग्री के परिवहन के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है।

3) इसमें मार्ग बनाने की आवश्यकता नहीं होती।

4) भारत तीन ओर से जल से घिरा है। तथा लंबी तट रेखा है।

5) यह ईंधन दक्ष तथा परिस्थितिकी अनुकूल परिवहन प्रणाली है।

6) इसके अंतर्गत नदियाँ, नहरे, पश्चजल व संकरी खाडियाँ आदि आती है।

जल परिवहन की लोकप्रियता कम होने के कारण

1) रेल साधन से प्रतिस्पर्धा

2) सिंचाई के कारण जल का व्यपवर्तन

3) जल निकायों का खराब रखरखाव

प्र.28 **भारत में पाइपलाइनें परिवहन हेतु अत्यधिक सुविधाए एवं सक्षम परिवहन प्रणाली है। कथन की परख कीजिए। (CBSE-2019)**

उत्तर' 1) पाईप लाईनों के द्वारा ठोस पदार्थों को घोल या गारा में बदल कर परिवहित किया जा सकता है।

2) तेल और प्राकृतिक गैस को ताप संयंत्र केंद्रों उर्वरक संयंत्र को भेजा जाता है।

3) पश्चिम भारत में अंकेलेश्वर कोयली, मुंबई–हाई कोयाली तथा हजीरा वियजपुर–जगदीशपुर का निर्माण किया गया है।

4) गुजरात से मथुरा तक गैस लाईन बिछाई गई।

5) यह परिवहन का सुरक्षित साधन है।

प्रश्न 29. राष्ट्रीय महामार्ग की विशेषतायें लिखिये।

अथवा

भारत के राष्ट्रीय महामार्गो की किन्ही पाँच विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (CBSE-2018)

उत्तर : 1) इन मार्गों को केंद्र सरकार द्वारा निर्मित एवं अनुरक्षित किया जाता है।

2) इन मार्गों का उपयोग अंतर्राज्यीय परिवहन, सामरिक क्षेत्रों तक रक्षा सामग्री एवं सेना के आवागमन के लिये होता है।

3) ये मार्ग राज्यों की राजधानियों, प्रमुख नगरों, महत्वपूर्ण पत्तनों तथा रेलवे जंक्शनों को जोड़ते हैं।

4) 2008–09 में इन मार्गों की कुल लम्बाई 70934 थी।

5) ये मार्ग देश की कुल सड़कों की लम्बाई का 1.67 प्रतिशत है।

6) इन मार्गों का रखरखाव NHAI (भारतीय राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण) करता है।

प्रश्न 30. सड़क घनत्व को परिभाषित करते हुए उन कारणों को विवेचना कीजिए जिनके कारण भारत में असम सड़क घनत्व पाया जाता है।

उत्तर : देश में सड़कों का वितरण एक समान नहीं है। सड़कों का घनत्व (प्रति 100 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में सड़कों की लंबाई) एक क्षेत्र को सड़को के नेटवर्क की तुलना दूसरे क्षेत्र से करने की विधि है।

सड़क घनत्व को निर्धारित करने वाले कारक हैंः–

- भूभाग की प्रकृति
- आर्थिक विकास का स्तर (दोनो बिंदुओं को विस्तार से लिखें)

अध्याय–11

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

अवधारणा मानचित्र

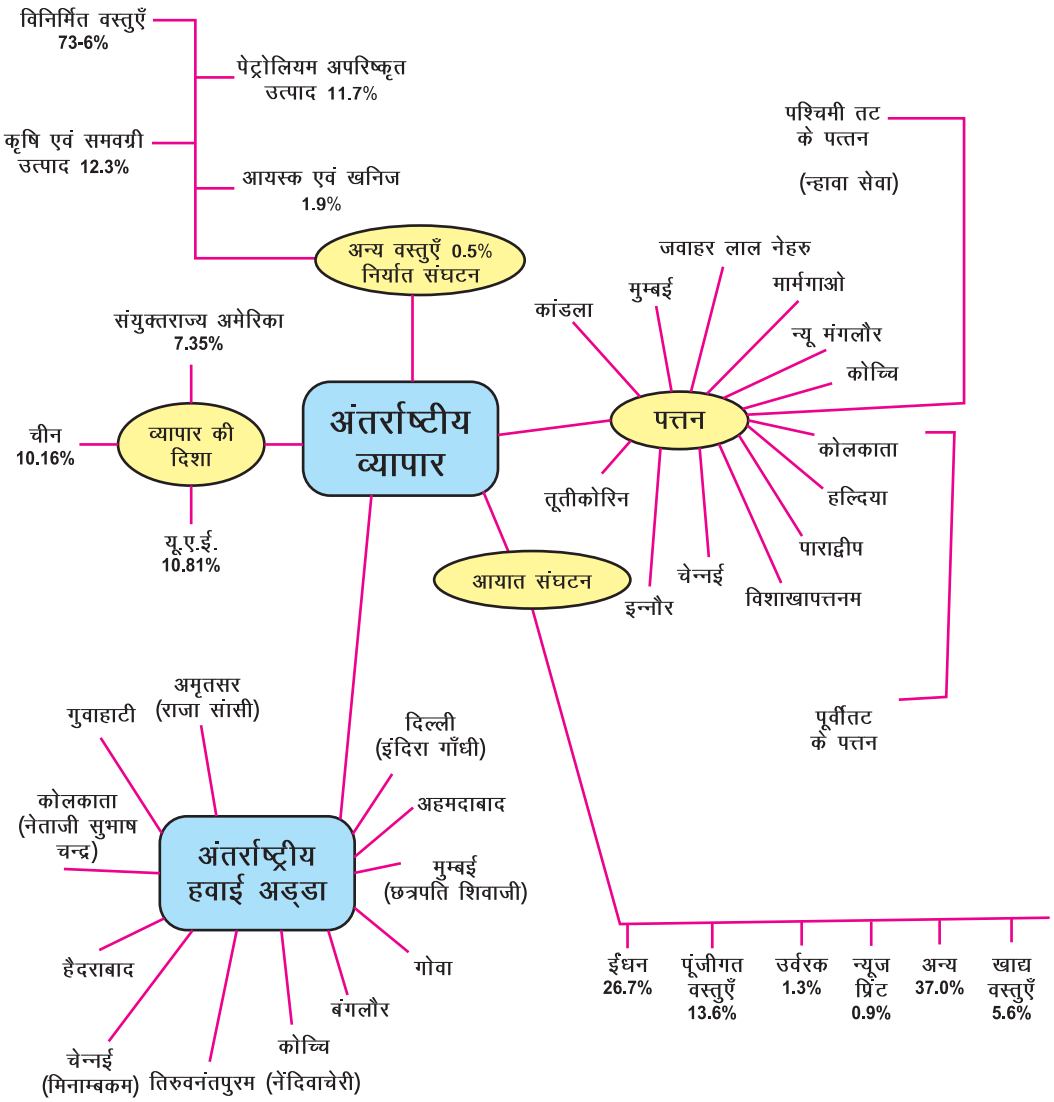

अतिलघुउत्तरीय प्रश्न (एक अंक)

प्रश्न 1. भारत के अंतराष्ट्रीय व्यापार के विषय में कौन सा कथन सही नहीं है।

a) भारत के विदेशी व्यापार में तीव्र वृद्धि हुई है।

b) विश्व व्यापार में भारत की भागीदारी मात्र 1 % है।

c) भारत के आयात एवं निर्यात दोनों की मात्रा में वृद्धि हुई है।

d) भारत के निर्यात का मूल्य आयात की तुलना में अधिक है।

प्रश्न 2. भारत में परंपरागत वस्तुओं के अंतराष्ट्रीय व्यापार में गिरावट का मुख्य कारण कौन सा है।

a) कडी अंतराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा

b) सरकार की उदार नीतियाँ

c) बाजारों की कमी

d) विनिर्माण का तेजी से विकास

प्रश्न 3. भारत में 1950 एवं 1960 के दशक में आयात की सबसे प्रमुख वस्तु क्या थी?

a) अयस्क एवं खनिज

b) दवाईयां

c) खाद्यांश

d) वस्त्र

प्रश्न 4. भारत का उद्देश्य आगामी पांच वर्षों के दौरान अंतराष्ट्रीय व्यापार में अपनी हिस्सेदारी दुगुना करने का रहा है। इस के लिए भारत ने कौन सा उपाय अपनाया है?

a) आयात उदारीकरण

b) आयात करों में वृद्धि

c) सीमा सुरक्षा कर लगाना

d) लाइसेसिंग व्यवस्था को मजबूत करना

प्रश्न 5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

भारत में प्रमुख पत्तनों के संबन्धों में .....नीतियों बनाती है। तथा छोटे पत्तनों के लिए ..... नीतियां बनाती है। और नियामक क्रियाएँ निभाती है।

प्रश्न 6. 1947 के विभाजन के बाद भारत से कौन से दो पतन अलग हो गए थे?

उत्तर : कराची, चटगांव

प्रश्न 7. भारत के किस तट में अधिक पतन पाए जाते हैं एवं क्यो?

उत्तर : भारत के पश्चिमी तट पर पूर्वी तट की अपेक्षा अध्कि तट हैं क्योंकि यहाँ समुद्र को गहराई अधिक है। पश्चिमी तट की तुलना में पूर्वी तअ बहुत गहरा नही है इसलिए यहाँ बंदरगाहों की संख्या कम है।

प्रश्न 8. किस भारतीय बंदरगाह को अरब सागर की रानी कहा जाता है एवं क्यों?

उत्तर : कोच्चि बंदरगाह को अरब सागर की रानी के रूप में जाना जाता है क्योंकि यह 14वीं शताब्दी से भारत के पश्चिमी तट पर मसालों का एक महत्त्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र है।

प्रश्न 9. पारंपरिक वस्तुओं के भारतीय निर्यात में गिरावट क्यो आई है?

उत्तर : पारंपरिक वस्तुओं जैसे कॉफी, काजू आदि के निर्यात में गिरावट आई है क्योंकि भारत कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहा है। श्रीलंका, चीन हमारे प्रमुख प्रतिस्पर्धी है।

प्रश्न 10. 1970 में खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने के बाद भी भारत का व्यापार संतुलन नकारात्मक क्यों बना हुआ है?

उत्तर : खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने के बाद भी भारत का व्यापार संतुलन नकारात्मक बना हुआ है, इसका प्रमुख कारण है 1973 में शुरू हुआ ऊर्जा संकट। इस संकअ के कारण पेट्रोलियम की कीमतों में उछाल आया एवं आयात बजट भी नकारात्मक हो गया।

उत्तर माला

1-d 2-a 3-c 4-a 5-केन्द्र सरकार/राज्य सरकारें

लघुउतरीय प्रश्न (तीन अंक वाले प्रश्न)

प्रश्न 11. भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए?

उत्तर : (i) भारत का विदेशी व्यापार सदा ही प्रतिकूल रहा है। (ii) आयात का मूल्य निर्यात के मूल्य से सदा ही अधिक रहा है। विश्व के सभी देशों के साथ भारत के व्यापारिक संबंध है। (iii) वस्त्र, अयस्क व खनिज, हीरे आभूषण तथा इलेक्ट्रानिक वस्तुएँ भारत के मुख्य निर्यात है। पेट्रोलियम हमारे देश का सबसे बड़ा आयात है।

प्रश्न 12. पृष्ठ प्रदेश किसे कहते हैं? **(CBSE-2011, 2016)**

उत्तर : **पृष्ठ प्रदेश** :– (i) किसी पतन का वह प्रभाव क्षेत्र जो रेल या सड़क मार्गों द्वारा पत्तन से अच्छे से जुड़ा है पृष्ठ प्रदेश कहलाता हैं। तरह जुड़ा होता है। (ii) पृष्ठ प्रदेश की सीमाओं का सीमांकन मुश्किल होता है क्योंकि यह क्षेत्र सुस्थिर नहीं होता। (iii) अधिकतर मामलों में एक पत्तन का पृष्ठ प्रदेश दूसरे पत्तन के पृष्ठ प्रदेश का अतिव्यापन कर सकता है।

प्रश्न 13. मुम्बई पत्तन देश का सबसे बड़ा पत्तन है, कैसे?

उत्तर : 1) यह एक प्राकृतिक बन्दरगाह है, जहां गहरे जल के कारण बड़े–बड़े जहाजों के लिए सुरक्षित सुविधाएं हैं।

2) यह पत्तन मध्यपूर्व, भूमध्य सागरीय देशों, उत्तरी अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका तथा यूरोप के देशों के सामान्य मार्ग के निकट है।

3) यह भारत का एक महत्त्वपूर्ण औद्योगिक व व्यापारिक केन्द्र है।

प्रश्न 14. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से देश कैसे लाभ प्राप्त करते हैं? वर्णन कीजिए।

उत्तर : (i) आज की जटिल अर्थव्यवस्था से बड़े से बड़ा राष्ट्र भी पूर्णतया आत्मनिर्भर नहीं हो सकता है। प्रत्येक देश में कुछ वस्तुएं उसकी आवश्यकता से अधिक है तो कुछ वस्तुएं कम होती है।

(ii) इस प्रकार प्रत्येक देश अपनी आवश्यकता से कम वस्तुएं आयात करता है तथा अधिक वस्तुओं का निर्यात करता है, जिससे सभी देशों की आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके।

(iii) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार देशों को अपने बाजारों का विस्तार करने और उन वस्तुओं और सेवाओं को उपलब्ध कराता है जो घरेलू स्तर पर उपलब्ध नही हैं।

प्रश्न 15. पत्तनों को ''अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार'' क्यों कहते हैं?

उत्तर :
- समुद्री पत्तन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए इन्हें अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार कहते हैं।
- पत्तन जहाज के लिए गोदी, सामान, उतारने लादने तथा भंडारण की सुविधाएं प्रदान करते हैं।
- पत्तन अपने पृष्ठ प्रदेशों से वस्तुएं इकट्ठा करने का काम करते हैं, जहां से उन वस्तुओं को अन्य स्थानों पर भेजा जाता है।

प्रश्न 16. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिये भारत में कई प्रयास किये। ऐसे किन्हीं तीन प्रयासों का उल्लेख करें।

उत्तर : भारत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का प्रारूप लगातार बदलता रहा है। स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् हमारे वैदेशिक व्यापार मूल्य में काफी वृद्धि हुई है। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए किए गए प्रमुख प्रयास हैं :–

1) भारत सरकार द्वारा उद्योगों में उदारीकरण की नीति को अपनाया गया।

2) विनिर्माण के क्षेत्र में अत्याधिक विकास।

3) भारत का विश्व व्यापार संगठन का सदस्य बनना।

4) बाजारों की विविधरूपता।

प्रश्न 17. 'कोलकाता पत्तन को ब्रिटिश भारत की राजधानी होने का गौरव प्राप्त था किन्तु अब उसने एक पत्तन के रूप में अपनी सार्थकता काफी हद तक खो दी है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 1) यह पत्तन हुगली नदी द्वारा लाई गाद की समस्या से जूझता रहा है।

2) विशाखापत्तनम, प्रायद्वीप और हल्दिया की ओर निर्यात के अधिक परिवर्तन के कारण इस पत्तन ने काफी हद तक अपनी सार्थकता खो दी है

3) इस पत्तन पर अधिक संकुलता बढ़ गई है।

प्रश्न 18. भारत के व्यापार की दिशा का वर्णन कीजिये।

उत्तर : 1) भारत के व्यापार की दिशा में रोचक परिवर्तन हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका जो 2003–2004 में भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझीदार था 2011–2012 में वह खिसक कर तीसरे स्थान पर आ गया।

2) 2016–17 में भारत का अधिकतम आयात असियन देशों के साथ है।

3) भारत इसके अतिरिक्त पश्चिम यूरोप के देशों यू.के., बेल्जियम, इटली, फ्राँस स्विटजरलैण्ड आदि के साथ महत्वपूर्ण व्यापारिक सम्बन्ध बनाये हुये है।

4) कनाडा, रूस, प. एशिया व अफ्रीकी देशों के साथ भी भारत के निरन्तर व्यापारिक सम्बंध है।

5) भारत के न्यूनतम व्यापारिक संबंध (2016–17) अफ्रीका से है।

प्र.19. तालिका का अध्ययन कीजिए और निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

वस्तुएँ / माल	2009–2010	2010–11	2015–2016	2016–17
कृषि एवं समवर्गी उत्पाद	10.0	9.9	12.6	12.3
अयस्क एवं खनिज	4.9	4.0	1.6	1.9
विनिर्मित वस्तुएँ	67.4	68.0	72.9	73.6
पेट्रोलियम व अपरिष्कृत उत्पाद	16.2	16.8	11.9	11.7
अन्य वस्तुएँ	1.5	1.2	1.1	0.5

1. **सबसे अधिक वृद्धि 2009–2010 से 2017 के मध्य किस वस्तु के निर्यात से हुई?**

उत्तर' विनिर्मित वस्तुएं

2. **सबसे अधिक गिरावट 2009–2010 से 2017 के मध्य किस वस्तु के निर्यात में हुई?**

उत्तर' अयस्क एवं खनिज

3. **कृषि उत्पादों यथ परंपरागत वस्तुओं के निर्यात में गिरावट का कारण बताइए?**

उत्तर' कडी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा।

प्र.20. निम्न तालिका का अध्ययन कीजिए और निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

उपयोगी वस्तुएँ	2009–10	2010–11	2015–16	2016–17
खाद्य तथा संबंधित वस्तुएँ	3.7	2.9	5.1	5.6
ईधन (कोयला, पी ओ एल)	33.2	31.3	25.4	26.7
उर्वरक	2.3	1.9	2.1	1.3
पेपर बोर्ड विनिर्मित और न्यूज प्रिंट	0.5	0.6	0.8	0.9
पूंजीगत वस्तुएँ	15.0	13.1	13.0	13.6
अन्य	42.6	47.7	38.1	37.0

1. **पेट्रोलियम तथा इसके उत्पाद के आयात में तीव्र वृद्धि के कारण उल्लेखित कीजिए।**

उत्तर' इसका प्रयोग ईंधन के अतिरिक्त उद्योगों में कच्चे माल के रूप में भी प्रयोग होता है।

2. **वर्ष 2016–17 के न्यूनतम आयात किन वस्तुओं का है?**

उत्तर' पेपर बोर्ड विनिर्मित और न्यूज प्रिंट

3. **भारत कृषि की दृष्टि से समृद्ध होते हुए भी खाद्य तेलों एवं दालों का आयात क्यों करता हैं?**

उत्तर' 1 भारतीय किसान व्यापारिक फसलों की ओर अग्रसर हो रहे है ताकि आय में वृद्धि हो सके।

2. अधिक जनसंख्या के कारण बढती मांग।

प्र.21 भारत के आयात व निर्यात संघठन के बदलते प्रारूप की समीक्षा कीजिए

उत्तर' भारत के आयात संघटन के बदलते प्रारूपः

1) 1950 एवं 60 के दशक में खाद्यान्नों की गंभीर कमी के कारण खाद्यान्न, पूंजीगत, माल, मशीनरी आयात की प्रमुख वस्तुएँ थी।

2) 1970 के दशक में खाद्यान्नों के आयात का स्थान उर्वरक एवं पैट्रोलियम ने ले लिया

3) मशीन एवं उपकरण, विशेष स्टील, खाद्य तेल तथा रसायन मुख्य रूप से आयात व्यापार की रचना करते है।

4) पेट्रोलियम तथा इसके उत्पाद के आयात में तीव्र वृद्धि हुई।

5) निर्यात की तुलना में आयात का मूल्य अधिक है।

भारत के निर्यात संघटन के बदलते प्रारूप

1) पंरपरागत वस्तुओं के निर्यात में गिरावट आई, तथा काजू, दालों आदि।

2) पुष्प कृषि उत्पादों ताजे फलों, समुद्री उत्पादों तथा चीनी आदि के निर्यात में वृद्धि दर्ज हुई।

3) वर्ष 2016–17 के दौरान विनिर्माण क्षेत्र ने भारत के कुल निर्यात मूल्य में अकेले 73.6 प्रतिशत की भागीदारी अंकित है।

4) अयस्क एवं खनिजों के निर्यात में आकस्मिक कमी दर्ज की गई।

प्रश्न 22. 1947 के विभाजन से हुई क्षति के बावजूद देश में पतन में निरंतर वृद्धि हो रही है। कथन की पुष्टि करे।

उत्तर : 1) आज भारतीय पत्तन विशाल मात्रा में घरेलू के साथ–साथ विदेशी व्यापार का निपटान कर रहे हैं।

2) अधिकतर पत्तनों को आधुनिक अवसंरचना से लैस है।

3) भारतीय पत्तनों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पत्तनों के समकक्ष बनाने के लिए निजी उद्यमों को आमंत्रित किया जा रहा है।

4) आज भारतीय पत्तनों की नौभार निपटान की क्षमता 1951 में 20 मिलियन टन से 2016 में 837 मिलियन टन से अधिक बढ़ गई थी।

अध्याय–12

भौगोलिक परिपेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

अवधारणा मानचित्र

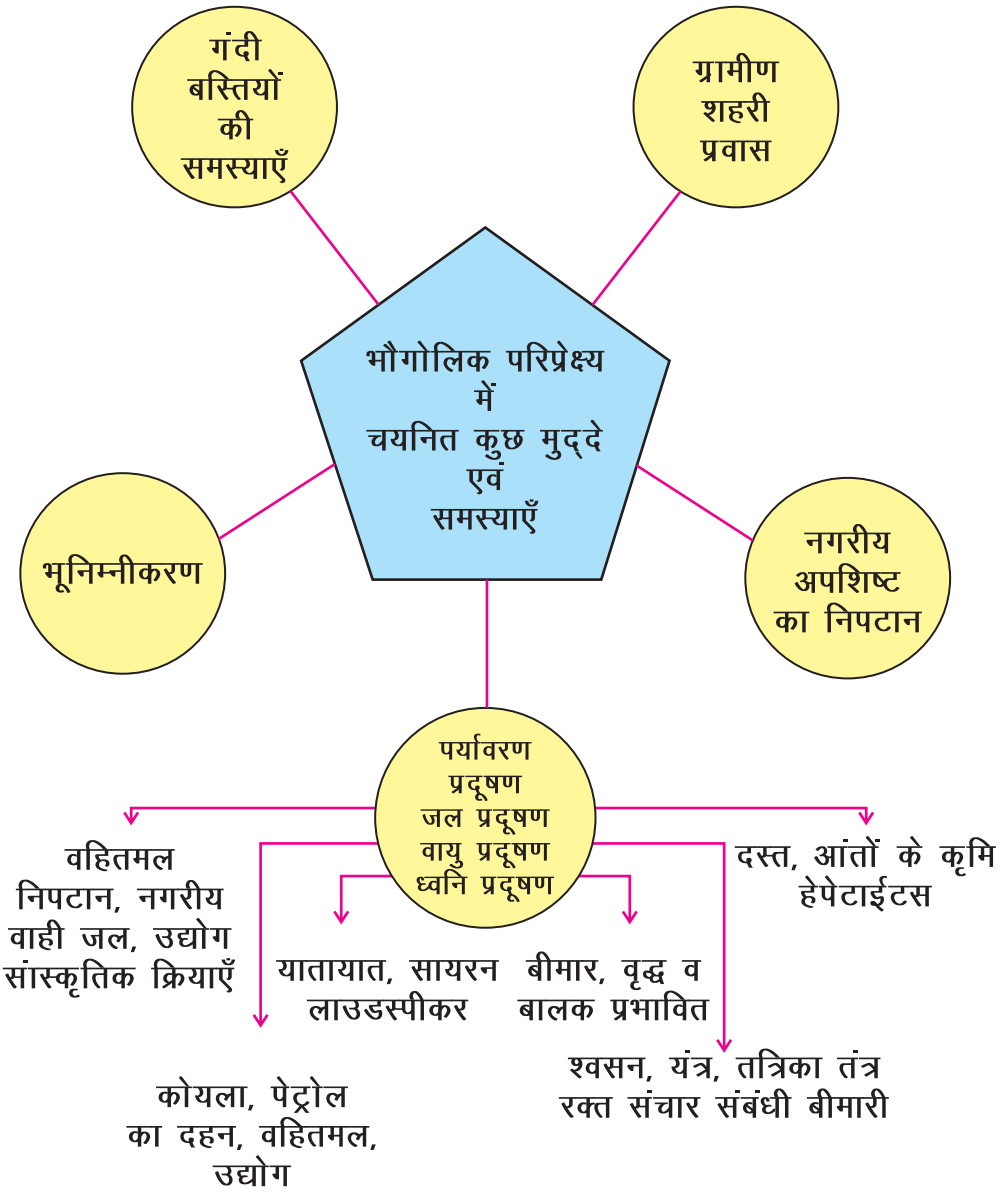

अति लघुउत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. निम्न लिखित में कारक जल प्रदूषण का सांस्कृतिक कारक है।

a) मेले और त्योंहार

b) औद्योगिक कचरा

c) रासायनिक अवशेष

d) जहरीली गैस

प्रश्न 2. निम्न में से कौन सा रोग जल जनित नही है।

a) डायरिया

b) वायरल बुखार

c) आंतों के कृमि

d) हेपेटाइटिस

प्रश्न 3. निम्न पर विचार कीजिए तथा सूचि 1 से सूचि 2 से सुमेलित कीजिए और दिए गए कूट की सहयाता से सही उत्तर का चयन कीजिए।

प्रदुषण के प्रकार	प्रदूषक
a) वायु प्रदूषण	1. वाहित मल निपटान
b) जल प्रदूषण	2. मोटर वाहन
c) कोयला पेट्रोल डीजन दहन	3. कोयला पेट्रोल डीजल दहन
d) ध्वनि प्रदूषण	4. अनुचित मानवीय क्रियाएँ

	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
a)	3	2	1	4
b)	3	1	4	2
c)	2	1	4	3
d)	3	1	2	4

प्रश्न 4. नमामि गंगे कार्यक्रम के उद्देश्यनुसार भारत के किस राज्य में गंगा ग्राम का विकास नही किया जाना है।

a) उत्तरा खण्ड

b) उत्तर प्रदेश

c) झारखण्ड

d) हरियाणा

प्रश्न 5. निम्न में कौन सा अम्ल वर्षा का प्रमुख कारण है।

a) जल प्रदूषण

b) भूमि प्रदूषण

c) ध्वनि प्रदूषण

d) वायु प्रदूषण

प्रश्न 6. निम्न में कौन सा ठोस कचरे का उदाहरण नही है।

a) जंगलगी पिने

b) कांच का समान

c) पोलीथिन की थैली

d) कारखानों से निकला रसायन युक्त जल

प्रश्न 7. झबुआ जिले में गरीबी को प्रबलता का मुख्य कारण निम्न में से कौन सा है।

a) जंगलों का निम्नीकरण

b) भमिका निम्नी करण

c) सरकार की उदासीनता

d) धीमा नगरीकरण

प्रश्न 8. जल की गुणवत्ता में कमी के क्या कारण हैं?

उत्तर : बढ़ती जनसंख्या और औद्योगिक विस्तार द्वारा पानी के अंधाधुंध उपयोग से भारत में जल की गुणवत्ता में तीव्र कमी आई हैं।

प्रश्न 9. किस प्रकार का प्रदूषण स्थान विशिष्ट होता है?

उत्तर : ध्वनि प्रदूषण स्थान विशिष्ट होता हें प्रदूषकों से दूरी बढ़ने के साथ इसकी तीव्रता में कमी आती है।

उत्तर माला (लघुउत्तरीय प्रश्न)

1-a 2-b 3-b 4-d 5-d 6-d 7-b

लघुउत्तरीय उत्तरीय प्रश्न (तीन अंक वाले)

प्र.10. **विकासशील देशों में नगरों की प्रमुख समस्याएँ क्या है? स्पष्ट कीजिए?**

उत्तर' 1) अवशिष्ट निपटान की समस्या

2) जनसंख्या विस्फोट की समस्या

3) स्लम बस्तियों की समस्या (तीनों बिन्दुओं का विस्तार करें)।

प्र.11. **नमामी गंगा परियोजना के प्रमुख उद्देश्यों का उल्लेख करें।**

उत्तर : 1. गंगा नदी के प्रदूषण को कम करना एवं गंगा नदी को पुनर्जीवित करना।

2. सीवेज ट्रीटमेंट प्लान्ट की क्षमता को बढ़ाना।

3. जल की गुणवत्ता में सुधार करना तथा विषाक्त एवं औद्योगिक रासायनिक कचरे को नदी में प्रवेश करने से रोकना।

प्र.12. **भू–निम्नीकरण की प्रक्रिया के आधार पर निम्नीकृत भूमि को कितने वर्गों में रखा जा सकता है? प्रत्येक के बारे में बताइये।**

उत्तर' भूनिम्नीकरण प्रक्रिया को दो वर्गों में रखा जा सकता हैः–

1) **मानवीय क्रियाओं द्वारा भूमिम्नीकरणः**– इसके अन्तर्गत कृषि के अन्तर्गत जमीन का अधिक दोहन, वनों को काटना, अत्याधिक चराई एवं अविवेकपूर्ण खनन कार्य व निर्माण कार्य शामिल है।

2) **प्राकृतिक कारण द्वारा निम्नीकृत भूमिः**– अवनालिका अपरदन, जल भराव, खडी ढाल पर अपरदन भूस्खलन आदि।

प्र.13. **आधुनिक समय में पर्यावरण प्रदूषण की बढती समस्या वर्तमान ही नहीं भविष्य की पीढी के लिए भी एक समस्या बन रही है। स्पष्ट करे।**

उत्तर' आधुनिक समय में पर्यावरण प्रदुषण मानव के लिए एक गम्भीर समस्या बन गई है। इससे पृथ्वी पर मानव जीवन खतरे में है। प्राकृतिक वातावरण पर हो रहे इस प्रदूषण का प्रभाव धीरे–धीरे इतना बढता जा रहा है कि सभी मण्डल (जल, स्थल, वायु व जैव) इससे प्रभावित हो रहे हैं। जब से गाँवों कस्बों व नगरों तथा औद्योगिकरण का विकास हुआ है तब से परिस्थिति धीरे–धीरे और भी अधिक बिगडने लगी है। हर प्रकार की अशुद्धियाँ वातावरण में बढती जा रही है जो न केवल वर्तमान बल्कि आने वाली पीढी के लिए भी गम्भीर समस्या बन रही है। पर्यावरण प्रदूषण के कारण हमारे भविष्य अर्थात बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। अनेकों गंभीर बिमारियां जन्म ले रही है। इससे बच्चों का भविष्य प्रभावित हो रहा है।

प्र.14. वायु प्रदूषण क्या है? इसके प्रमुख स्त्रोत क्या है? मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण का क्या प्रभाव पड़ता है?

अथवा

भारत में वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या क्यों है? (CBSE-2019)

उत्तर' धूल, धुँआ, जहरीली गैसें, दुर्गंध व वाष्प की वायु में वृद्धि जो जीव जन्तुओं व सम्पत्ति के लिए हानिकारक होती है, वायु प्रदूषण कहलाता है।

वायु प्रदूषण के स्त्रोत :– जीवाश्म ईंधन का दहन, खनन, औद्योगिक ठोस कचरा निपटान इसके प्रमुख स्त्रोत हैं ये स्त्रोत वायु में सल्फर, नाइट्रोजन आक्साइड, हाइड्रोजन कार्बन व कार्बन–डाइ–ऑक्साइड व कार्बन मोनोऑक्साइड, सीसा व एस्बेस्टस छोडतं हैं। जिससे वायु प्रदूषण होता है।

स्वास्थय पर प्रभावः–

1. इसके कारण श्वसन तन्त्रीय, तंत्रिका–तत्रीय तथा रक्त संचार सम्बन्धी विभिन्न बिमारियाँ होती है।

2. नगरों के ऊपर घूम्र कोहरा छाया रहता है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। इसके कारण अम्लीय वर्षा भी हो सकती है।

प्र.15. पेटलावाड विकास खण्ड के भील समुदाय ने अपना स्वयं का प्रयास करके विस्तृत भागों की सांझी संपदा को पुनर्जीवित किया है। तीन उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर' 1) प्रत्येक परिवार ने सांझा संपदा में एक पेड़ लगाकर उसकी देखभाल की है।

2) प्रत्येक परिवार ने चारागाह भूमि पर चारा घास को बोया तथा दो वर्ष तक उसकी सामाजिक घेराबंदी की।

3) पशुओं की खुली चराई पर रोक लगाकर पशुओं के आहार हेतु नाँदों की स्थापना की।

प्र.16. भारत में ग्रामीण क्षेत्रों से जनसंख्या का प्रवाह शहरों की ओर बढता जा रहा है। इसके लिए उदारदायी कारणों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर' 1) भारत में नगरीय क्षेत्रों में मजदूरी की माँग अधिक रहती है। इसलिए नियमित व अच्छी मजदूरी की आस लिए गाँवों से शहरों की ओर पलायन करते है।

2) भारत में ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा शहरों में शिक्षा स्वास्थ्य व रोजगार के अच्छे अवसर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

3) गांवों में गरीब व भूमिहीन लोगों के साथ सामाजिक भेदभाव व जातीय संघर्ष भी इन लोगों को शहरों की ओर पलायन के लिए मजबूर करता है।

प्र.17. भारत में नगरीय केन्द्र सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक–सांस्कृतिक विकास के अन्य संकेतकों के किसी अन्य क्षेत्र की अपेक्षा कहीं अधिक विविधतापूर्ण है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर' 1) भारत के नगरीय केंद्रों में सबसे ऊपर फार्म हाउस तथा उच्च आय वर्ग की बस्तियाँ है। जिनमें चौडी सडके, स्ट्रीट लाइट, जल व स्वच्छता की सुविधाएँ, पार्क उपवन तथा सुरक्षा के सभी उपाय मौजूद है।

2) दूसरी ओर भारत के नगरों में झुग्गी बस्तियाँ, गंदी बस्तियाँ व पटरी के किनारे व नालों की कगारों पर बनी बस्तियाँ हैं जिनमे किसी भी प्रकार की सुविधा नहीं है। ये नरक समान है लेकिन लोगों से भरी पडी है।

3) भारत के नगरों में कुछ गाँव भी अर्ध शहरी रूप में पाये जाते हैं जो ना तो पूर्णतः गाँव ही है और ना शहरीरूप ही प्राप्त कर सके है। इनमें उच्च आय वाले जमींदार व पुराने संपत्ति के स्वामी रहते है तक दूसरी ओर गरीब किराएदार भी एक कमरे में अपने परिवार को लेकर रहते हैं।

प्र.18. यद्यपि जल प्रदूषण प्राकृतिक स्त्रोतों से प्राप्त प्रदूषकों से भी प्रदूषित होता है। परन्तु मानव स्त्रोतों से उत्पन्न होने वाले प्रदूषक चिंता का वास्ताविक कारण हैं। क्यों।

उत्तर' 1) मानव जल को औद्योगिक, कृषि एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से प्रदूषित करता है।

2) औद्योगिक कचरा जहरीली गैस, रासायनिक अवशेष व भारी धातुएँ बिना उपचार के जल स्त्रोतों में विसर्जित कर दी जाती है।

3) आधुनिक कृषि की पद्धतियाँ, रासायनिक पदार्थ कीटनाशक आदि भी जल स्त्रोतों को प्रदूषित कर रहे हैं।

4) भारत में तीर्थ यात्राओं धार्मिक मेले, पर्यटन व अन्य सांस्कृतिक गतिविधियाँश जल स्त्रोतों को प्रदूषित कर रही है।

प्र.19. भारत में नगरीय अपशिष्ट निपटान एक गम्भीर समस्या क्यों हैं? कोई तीन कारण स्पष्ट कीजिए।

उत्तर' 1) तेजी से बढती जनसंख्या तथा उसके लिए अपर्याप्त सुविधाएँ तथा विभिन्न स्त्रोतों द्वारा अपशिष्ट की मात्रा में वृद्धि।

2) कारखानों, विद्युत गृहों तथा भवन निर्माण तथा विंध्वस से भारी मात्रा में निकली राख या मलबा।

3) अपशिष्ट/कचरे का पूर्णतः निपटान न होना। बिना एकत्र किये छोडना आदि।

4) पर्याप्त स्थान की कमी

5) पर्याप्त जागरूकता के अभाव में पुनर्चक्रण नहीं हो पाता।

प्र.20. भारत के जलाशयों को उद्योग किस प्रकार प्रदूषित करते है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर' 1) उद्योग अनेक अवांछित उत्पाद पैदा करते हैं। जिनमें औद्योगिक कचरा, प्रदूषित अपशिष्ट जल, जहरीली गैसें, रासायनिक अवशेषः अनेक भारी धातुएँ, धुल धुआँ आदि शमिल है।

2) अधिकतर औद्योगिक कचरे को बहते जल में या झीलों आदि में विसर्जित कर दिया जाता है। परिणाम स्वरूप रासायनिक तत्व जलाशयों, नदियों आदि में पहुँच जाते हैं।

3) सर्वाधिक जल प्रदूषण उद्योग चमडा लुगदी व कागज, वस्त्र तथा रसायन है।

दीर्घ उतरीय प्रश्न (पाँच अंक वाले प्रश्न)

प्र.21. भूमि निम्नीकरण की समस्या के कारणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर' 1) **अति सिंचाई**:– इसके कारण देश में उत्तरी मैदानों में लवणीय व क्षारीय क्षेत्रों में वृद्धि हुई है। सिंचाई मृदा की संरचना को बदल देती है इनके अतिरिक्त उर्वरक, कीटनाशी गुणों को नष्ट करके मृदा को बेकार कर देते हैं।

2) **औद्योगिक अपशिष्ट** :– उद्योगों द्वारा निकला अपशिष्ट जल को दूषित कर देता है और फिर दूषित जल से की गई सिंचाई मृदा के गुणों को नष्ट कर देती है।

3) **नगरीय अपशिष्ट** :– नगरों से निकला कूडा–करकट भूमि का निम्नीकरण करता है और नगरों से निकला जलमल व अपशिष्ट के विषैले रासायनिक पदार्थ आस–पास के क्षेत्रों की मृदा में मिलकर उसे प्रदूषित कर देते हैं।

4) **अम्ल वर्षा**:– कारखानों से निकलने वाली गंधक अम्लीय वर्षा का कारण है। इससे मृदा में अम्लता बढती है। कोयले की खानों, मोटर वाहनों, ताप बिजली घरों से भारी मात्रा में निकले प्रदूषण मृदा व वायु को प्रदूषित करते है।

5) **खनन गतिविधियाँ**:– खनन विशेषकर खुला खनन भूमि निम्नीकरण का महत्वपूर्ण कारण है।

प्र.22.भारत में गंदी बस्तियों की समस्याएँ क्या है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर' 1) इन बस्तियों में रहने वाले लोग ग्रामीण पिछडे इलाकों से प्रवासित होकर रोजगार की तलाश में आते है।

2) यहाँ अच्छे मकान का मिलना कठिन है।

3) ये बस्तियाँ रेलवे लाइन, सडक के साथ, पार्क या अन्य खाली पडी सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करके बसायी जाती है।

4) खुली हवा, स्वच्छ पेयजल, शौच सुविधाओं, प्रकाश का सर्वथा अभाव होता है

5) कम वेतन/मजदूरी प्राप्त करने के कारण जीवन स्तर अति निम्न होता है।

6) कुपोषण के कारण बीमारियों की संभावना बनी रहती है।

7) नशा व अपराध के कार्यों में लिप्त हो जाते हैं।

8) चिकित्सा सुविधाओं का अभाव बना रहता है।

प्र.23.भू–निम्नीकरण को रोकने/कम करने के उपायों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर' 1) किसान रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग उचित मात्रा में करें।

2) नगरीय/औद्योगिक गंदे पानी को उपचारित करके पुनः उपयोग में लाया जाये।

3) सड़ी–गली सब्जी व फल, पशु मलमूत्र को उचित प्रौद्योगिकी द्वारा बहुमूल्य खाद में परिवर्तित किया जाये।

4) प्लास्टिक से बनी वस्तुओं पर प्रतिबन्ध लगे।

5) कूडा–कचरा निश्चित स्थान पर ही डाला जाये ताकि उसका यथासम्भव निपटान हो सके।

6) वृक्षारोपण को बढावा दिया जाये।

मानचित्र कार्य

(Map Work)

विषय भूगोल – 12वीं

C.B.S.E Board

2022 - 2023

के पाठ्यक्रम पर आधारित

संसार के महाद्वीप में क्षेत्रफल के अनुसार सबसे बडा देश

(Teh largest country in each continent in term of area)

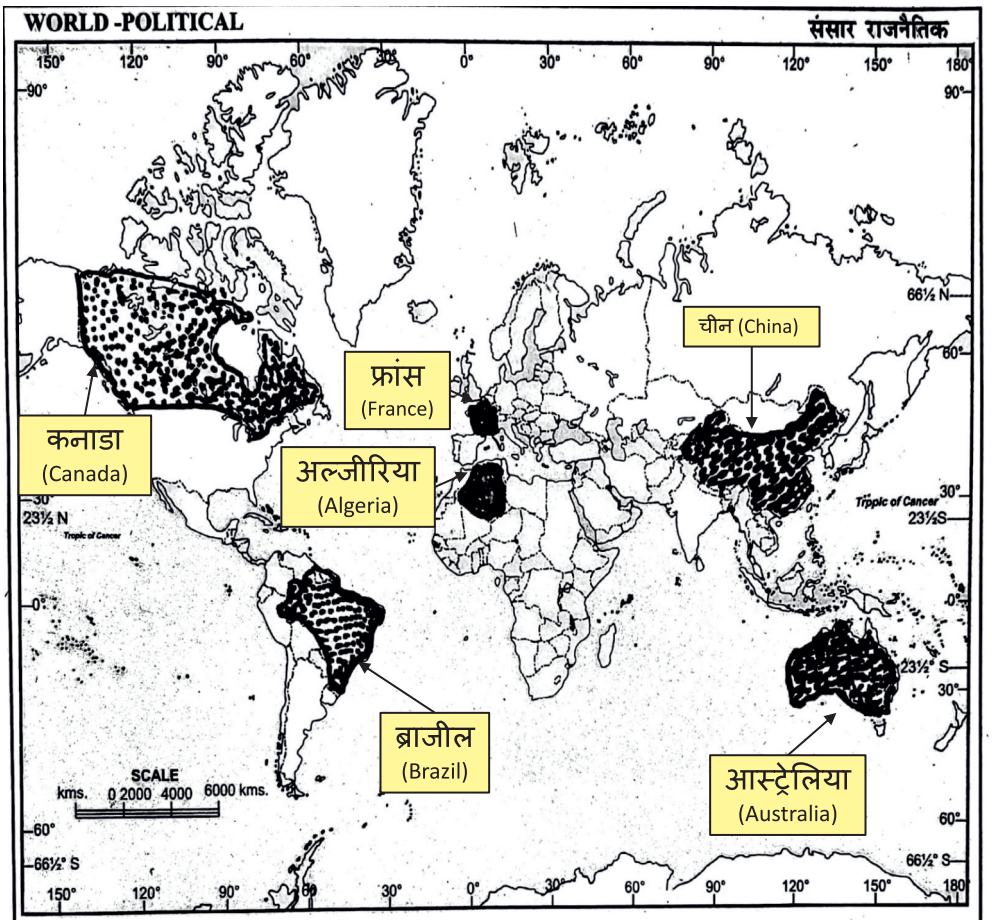

1. उत्तरी अमेंरिका – कनाडा
2. दक्षिण अमेरिका – ब्राजील
3. यूरोप - फ्रांस
4. अफ्रीका - अल्जीरिया
5. एशिया - चीन
6. आस्ट्रेलिया - आस्ट्रेलिया

1. North America – Canada
2. South America – Brazil
3. Europe – France
4. Africa – Algeria
5. Asia – China
6. Australia – Australia

संसार के प्रमुख निर्वाहन संग्रहण के क्षेत्र

(Area of subsistence gathering)

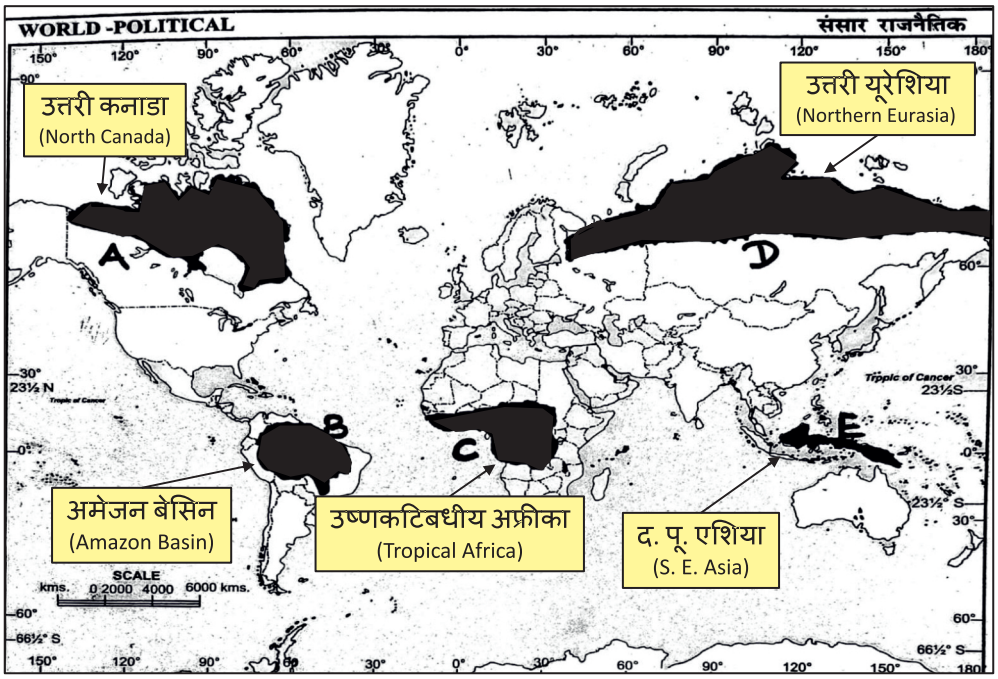

संसार के प्रमुख निर्वाहन संग्रहण के क्षेत्र

A. उत्तरी कनाडा

B. अमेजन बेसिन

C. उष्णकटिबधीय अफ्रीका

D. उत्तरी यूरेशिया

E. द0 पू0 एशिया

(Area of subsistence gathering)

A. (North Canada)

B. (Amazon Basin)

C. (Tropical Africa)

D. (Northern Eurasia)

E. (S. E. Asia)

संसार में चलवासी पशुचरण के प्रमुख क्षेत्र

(Major are of Nomadic Herding of the world)

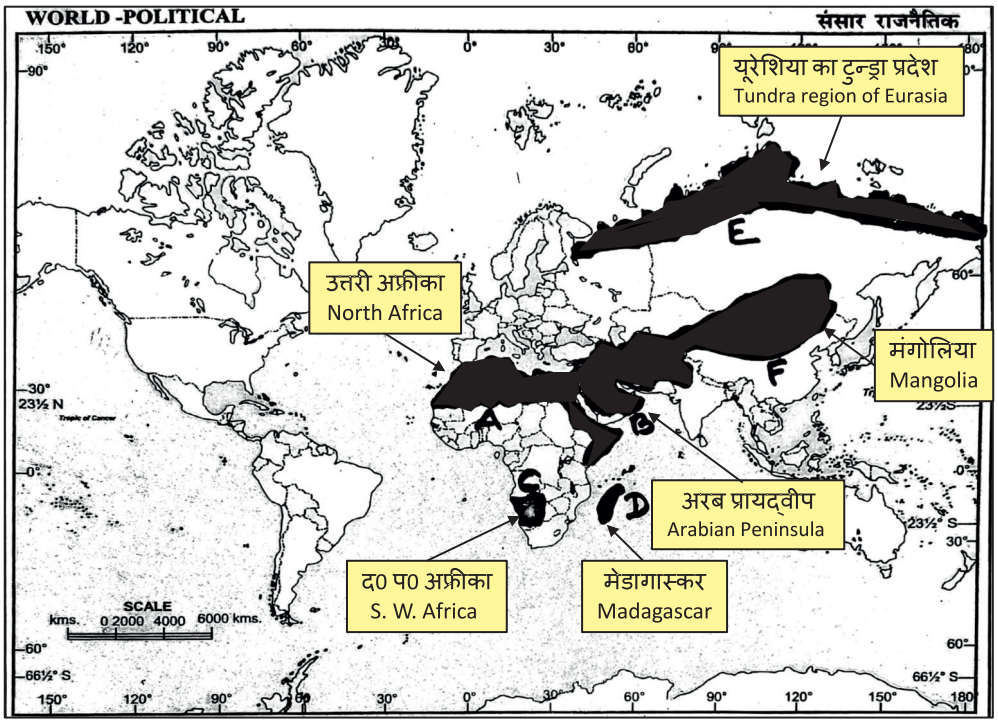

संसार में चलवासी पशुचारण के प्रमुख क्षेत्र

A. उत्तरी अफ्रीका
B. अरब प्रायद्वीप
C. दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका
D. मेडागास्कर
E. यूरेशिया का टुंड्रा प्रदेश
F. मंगोलिया

Major are of Nomadic Herding of the world

A. North Africa
B. Arabian Peninsula
C. S. W. Africa
D. Madagascar
E. Tundra region of Eurasia
F. Mangolia

संसार के प्रमुख वाणिज्य पशुधन पालन के क्षेत्र

(Major areas of commercial livestock rearing)

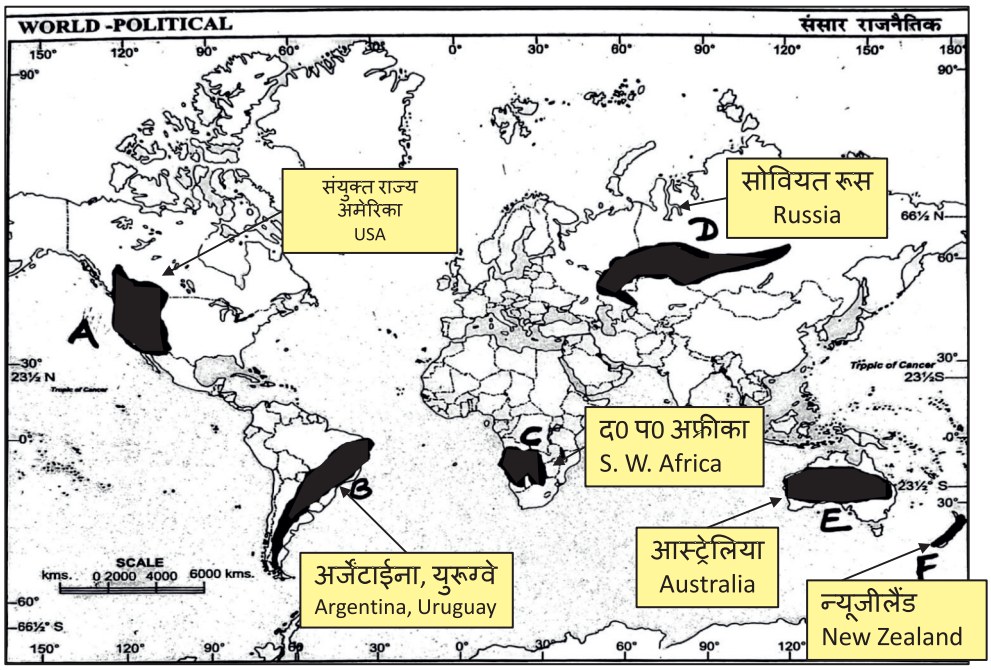

संसार के प्रमुख वाणिज्य पशुधन पालन के क्षेत्र

A. संयुक्त राज्य अमेरिका
B. अर्जेंटाईना, युरूग्वे
C. द0 प0 अफ्रीका
D. सोवियत रूस
E. आस्ट्रेलिया
F. न्यूजीलैंड

Major areas of commercial livestock rearing

A. USA
B. Argentina, Uruguay
C. S. W. Africa
D. Rusia
E. Australia
F. New Zealand

संसार में विस्तृत वाणित्य अनाज कृषि के क्षेत्र

(Major areas of extensive commercial grain farming)

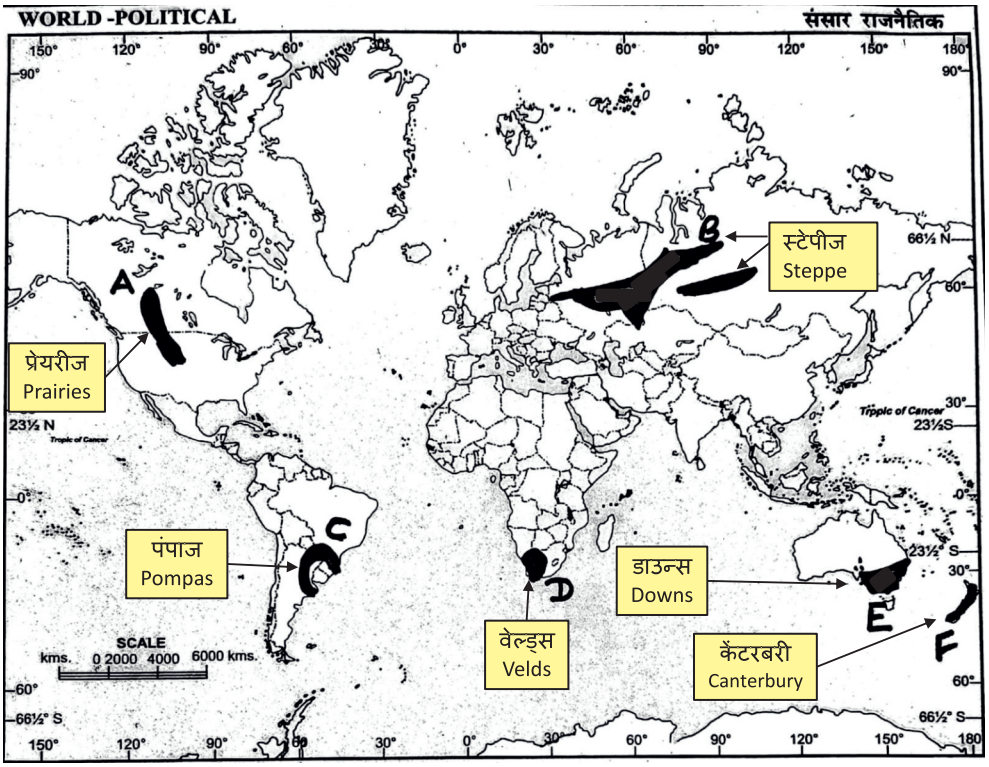

संसार मे विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि के क्षेत्रसंसार मे विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि के क्षेत्र

A. प्रेयरीज
B. स्टेपीज
C. पंपाज
D. वेल्ड्स
E. डाउन्स
F. केंटरबरी

Major areas of extensive commercial grain farming

A. Prairies
B. Steppes
C. Pompas
D. Velds
E. Downs
F. Canterbury

संसार में मिश्रित कृषि के प्रमुख क्षेत्र

(Major areas of mixed farming of the world)

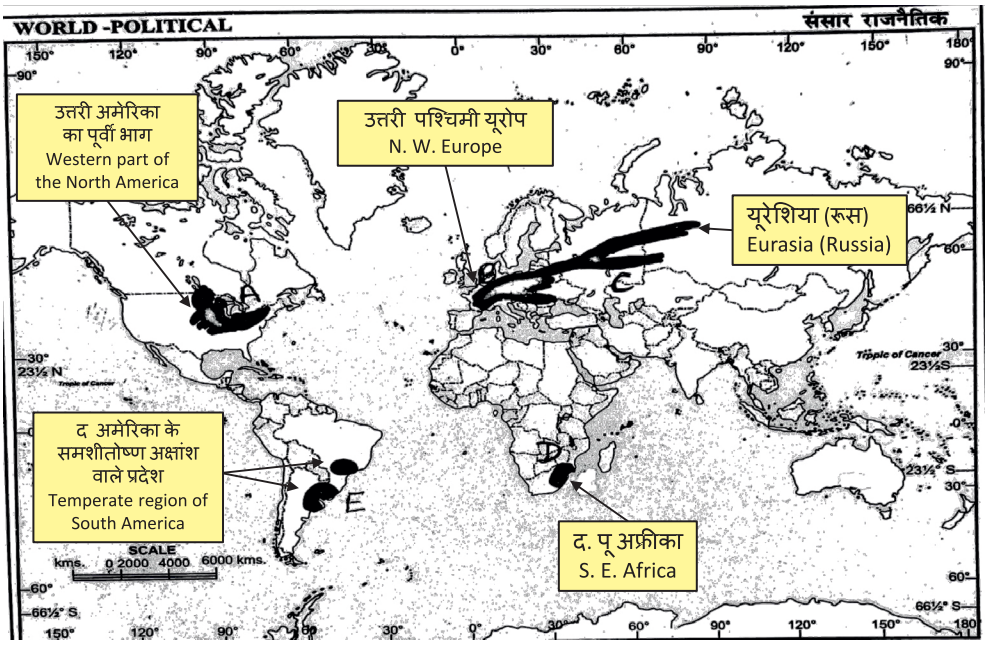

संसार में मिश्रित क्रषि के प्रमुख क्षेत्र

A. उत्तरी अमेरिका का पूर्वी भाग
B. उत्तरी पश्चिमी यूरोप
C. यूरेशिया (रूस)
D. द0 पू0 अफ्रीका
E. द अमेरिका के समशीतोष्ण अक्षांश वाले प्रदेश

Major areas of mixed farming of the world

A. Western part of the North America
B. N. W. Europe
C. Eurasia (Russia)
D. S. E. Africa
E. Temperate region of South America

संसार में पार महाद्वीपीय रेलमार्गों के अंतिम सिरों के स्टेशन

(Terminal stations of trans continental railways)

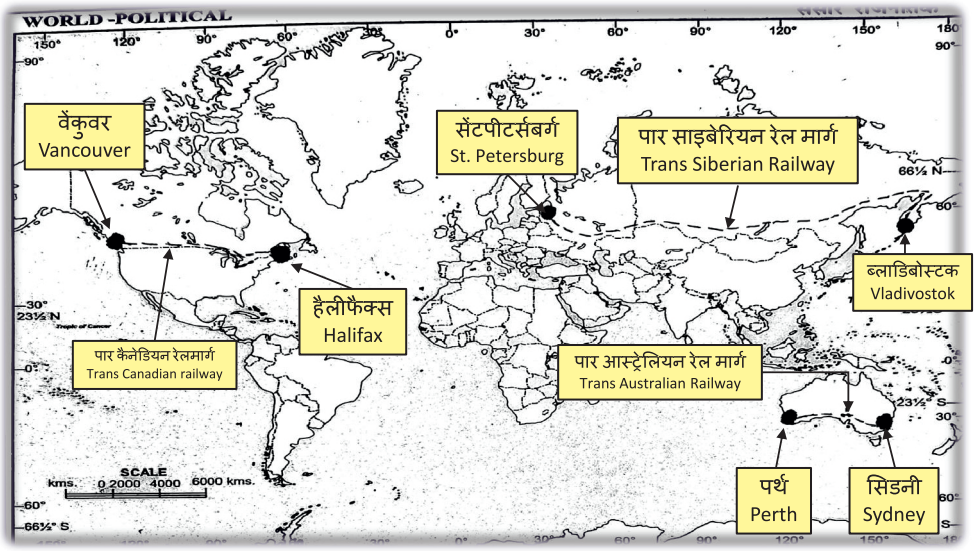

संसार मे पार महाद्वीपीय रेलमार्गों के अंतिम सिरों के स्टेशन

पार साइबेरियन रेल मार्ग (सेंटपीटर्सबर्ग से ब्लाडिबोस्टक तक)

पार कैनेडियन रेलमार्ग (वैंकुवर से हैलीफैक्स तक)

पार आस्ट्रेलियन रेल मार्ग (पर्थ से सिडनी तक)

Terminal stations of trans continental railways

Trans Siberian Railway (St. Petersburg to Vladivostok)

Trans Canadian railway (Vancouver to Halifax)

Trans Australian Railway (Perth to Sydney)

संसार के प्रमुख समुद्री पत्तन

(Major Sea Port of the world)

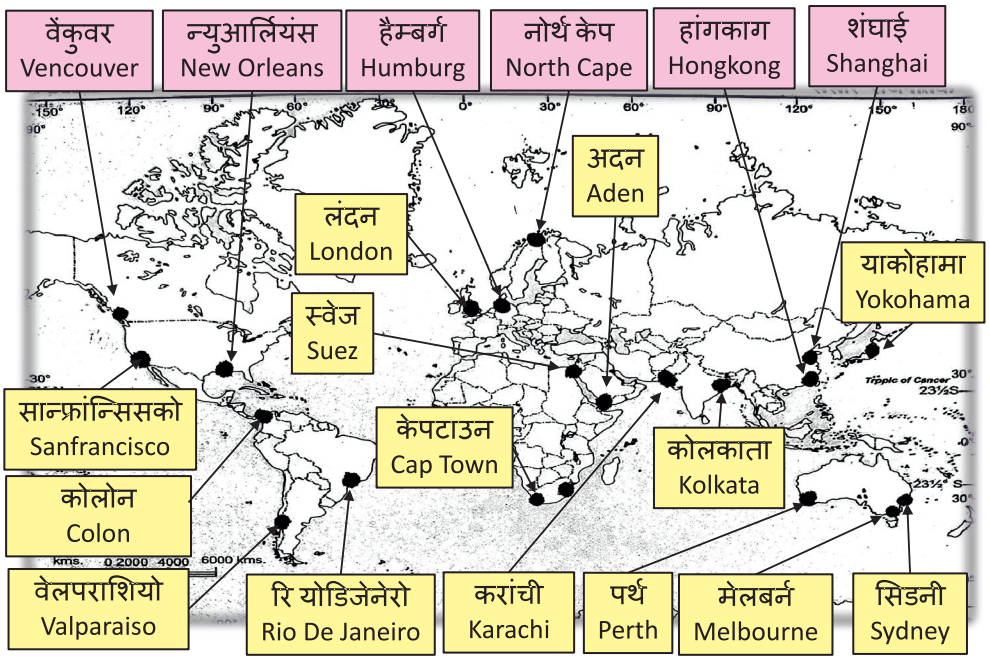

संसार के प्रमुख समुंद्री पत्तन

1. **यूरोप** - नोर्थ केप, लंदन, हैम्बर्ग
2. **उ. अमरीका** - वेंकुवर, सान्फ्रांन्सिसको, न्युआर्लियंस
3. **द. अमरीका** - रि योडिजेनेरो, कोलोन, वेलपराशियो
4. **अफ्रीका** - स्वेज, केपटाउन
5. **एशिया** - याकोहामा, शंघाई, हांगकाग, अदन, करांची, कोलकाता
6. **आस्ट्रेलिया** - पर्थ, सिडनी, मेलबर्न

Major Sea Port of the world

1. **Europe** - North Cape, London, Humburg
2. **N. America** - Vencouver, New Orleans. Sanfrancisco
3. **S. America** - Rio De Janeiro, Colon, Valparaiso
4. **Africa** - Suez, Cap Town
5. **Asia** - Karachi, Kolkata, Aden, Shanghai, Hongkong, Yokohama
6. **Australia** - Sydney, Melbourne, Perth

वृहद झीलें सेंट लारेंस जलमार्ग
GREAT LAKES ST. LAWRENCE SEAWAY
Sept-Îles
Port-Cartier
Baie-Comeau
Gulf of St. Lawrence
Thunder Bay
MINNESOTA
LAKE SUPERIOR
ONTARIO
QUEBEC
Duluth
Sault Ste. Marie locks
MICHIGAN
St. Lawrence River
Québec
Bécancour
Trois-Rivières
Sorel
Montréal
Salaberry-de-Valleyfield
Ottawa
WISCONSIN
Green Bay
LAKE MICHIGAN
LAKE HURON
Prescott
Ogdensburg
SAINT LAWRENCE SEAWAY
Oshawa
Toronto
Goderich
Milwaukee
Hamilton
LAKE ONTARIO
Oswego
Lake St. Clair
Sarnia
Nanticoke
Buffalo
NEW YORK
ATLANTIC OCEAN
Boston
Detroit
LAKE ERIE
Chicago
Monroe
Windsor
Erie
Conneaut
Burns Harbor
Toledo
Lorain
Ashtabula
Cleveland
ILLINOIS
INDIANA
OHIO
PENNSYLVANIA
New York
Philadelphia
Ports
0 100 200 300 km

राइन जलमार्ग
रॉटरडैम
नीदरलैंड
राइन नदी
डॉटमंड
डुइसबर्ग
जर्मनी
बेल्जियम
कोलोन
काब्लेंज
फैंकफर्ट
मुख्य नदी
लक्जमबर्ग
मैंज
मैनहाइम
मोसेल नदी
नैंसी
राइन नदी
स्टूटगार्ट
फ्रांस
स्ट्रासबर्ग
स्वैबियन जूरा पर्वत
फेरीबर्ग
कि.मी. 50
0
50 कि.मी.
बेसल
स्विटजरलैंड
6°
10°
50°

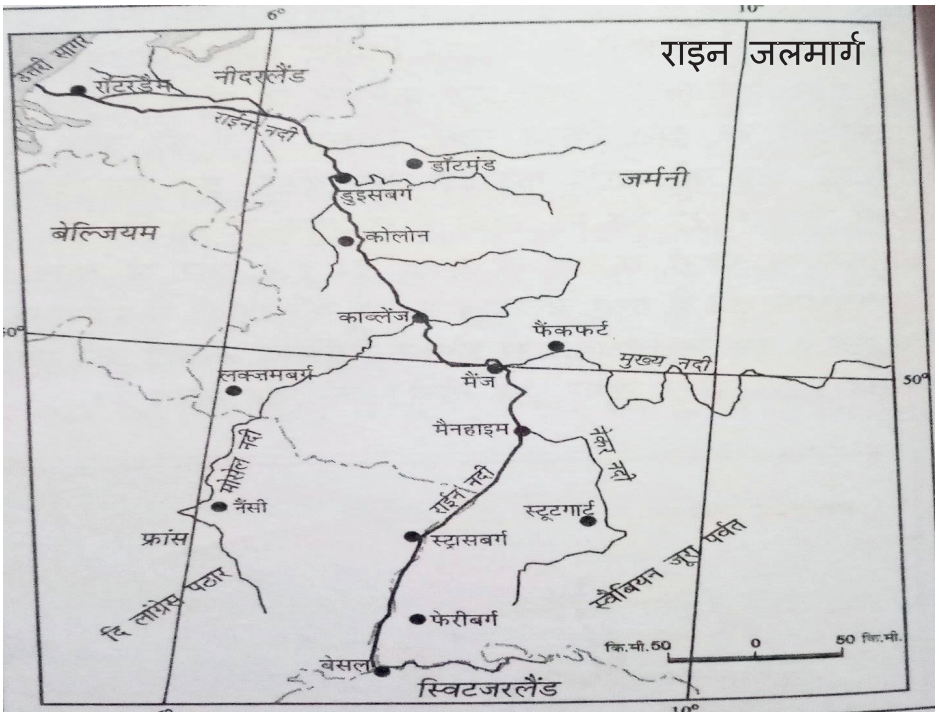

SUEZ CANAL
Port Said
Lake Manzala
Mediterranean Sea
Bay of Tinah
Suez Canal
Egypt
Al Qantarah
11 mi
11 km
Egypt
Ismailia
Nafishah
SINAI PENINSULA
Great Bitter Lake
Fa'id
Suez Canal
AFRICA
Egypt
Suez
Gulf of Suez
worldatlas
©GraphicMaps.com

स्वेज़ नहर

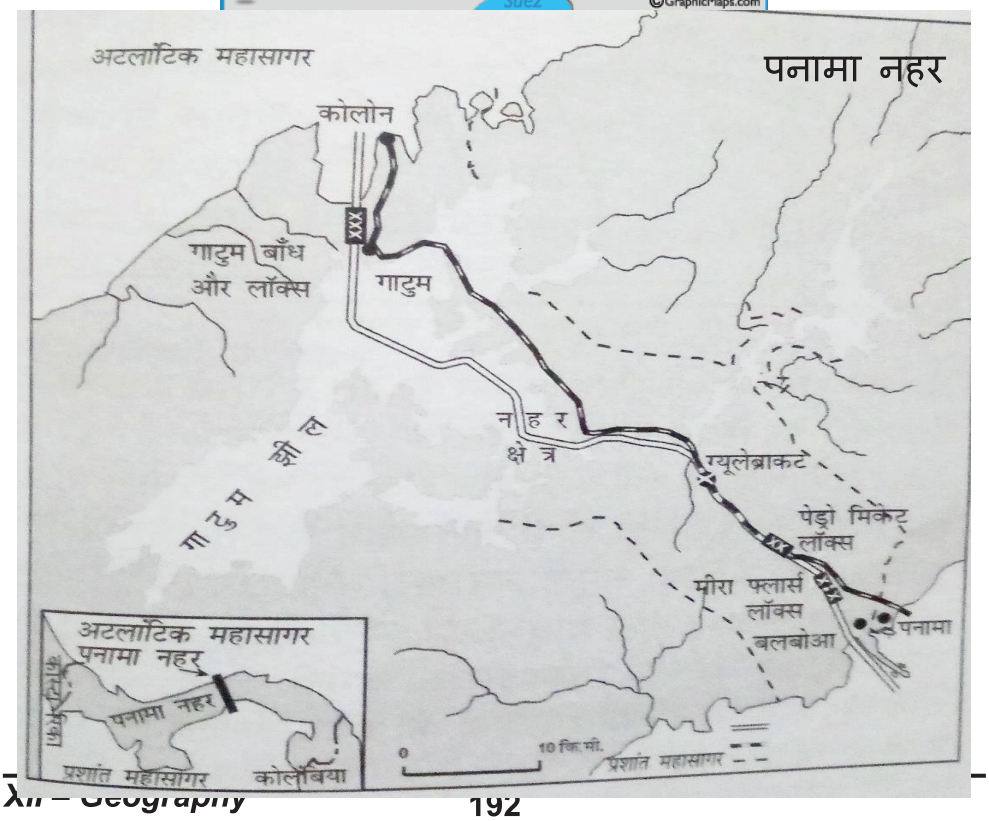
अटलांटिक महासागर
पनामा नहर
कोलोन
गाटुम बाँध और लॉक्स
गाटुम
नहर क्षेत्र
ग्यूलेब्राकटे
पेड्रो मिगेल लॉक्स
मीरा फ्लार्स लॉक्स
बलबोआ
पनामा
अटलांटिक महासागर
पनामा नहर
पनामा नहर
प्रशांत महासागर
कोलंबिया
10 कि.मी.
प्रशांत महासागर

संसार के प्रमुख वायु पत्तन

(Major Airport of the world)

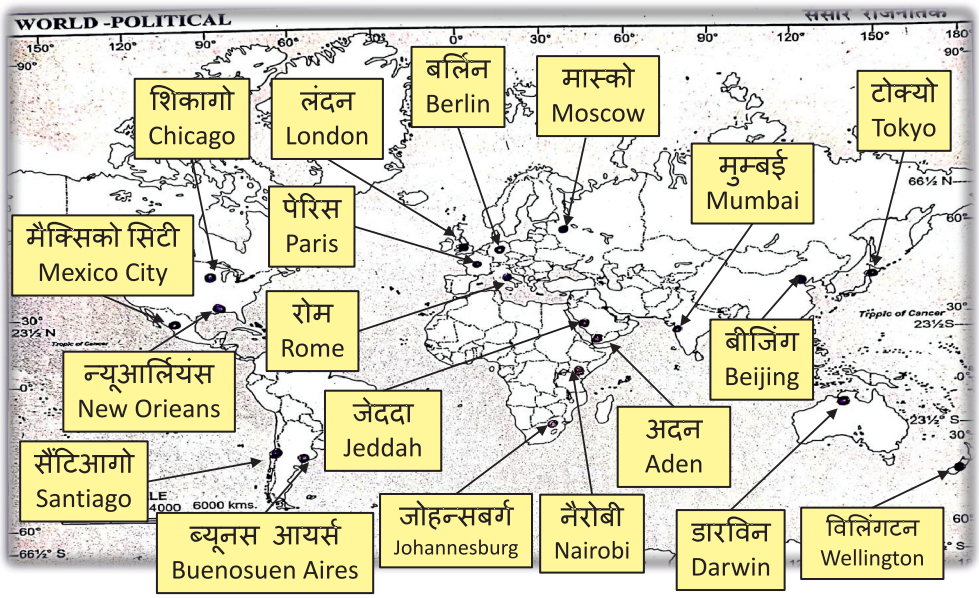

संसार के प्रमुख वायु पत्तन

1. **एशिया** - टोक्यो, बीजिंग, मुम्बई, जेददा, अदन
2. **अफ्रीका** - जोहन्सबर्ग, नैरोबी
3. **यूरोप** - लंदन, मास्को, पेरिस, बर्लिन, रोम
4. **उ. अमरीका** - शिकागो, न्यूआर्लियंस, मैक्सिको सिटी
5. **द. अमरीका** - सैंटिआगो, ब्यूनस आयर्स
6. **आस्ट्रेलिया** - डारविन, विलिंगटन

Major Airport of the world

1. **Asia** - Tokyo, Beijing, Mumbai, Jeddah, Aden
2. **Africa** - Johannesburg, Nairobi
3. **Europe** - London, Moscow, Paris, Berlin, Rome
4. **N. America** - Chicago, New Orieans, Mexico City
5. **S. America** - Santiago, Buenosuen Aires
6. **Australia** - Darwin, Wellington

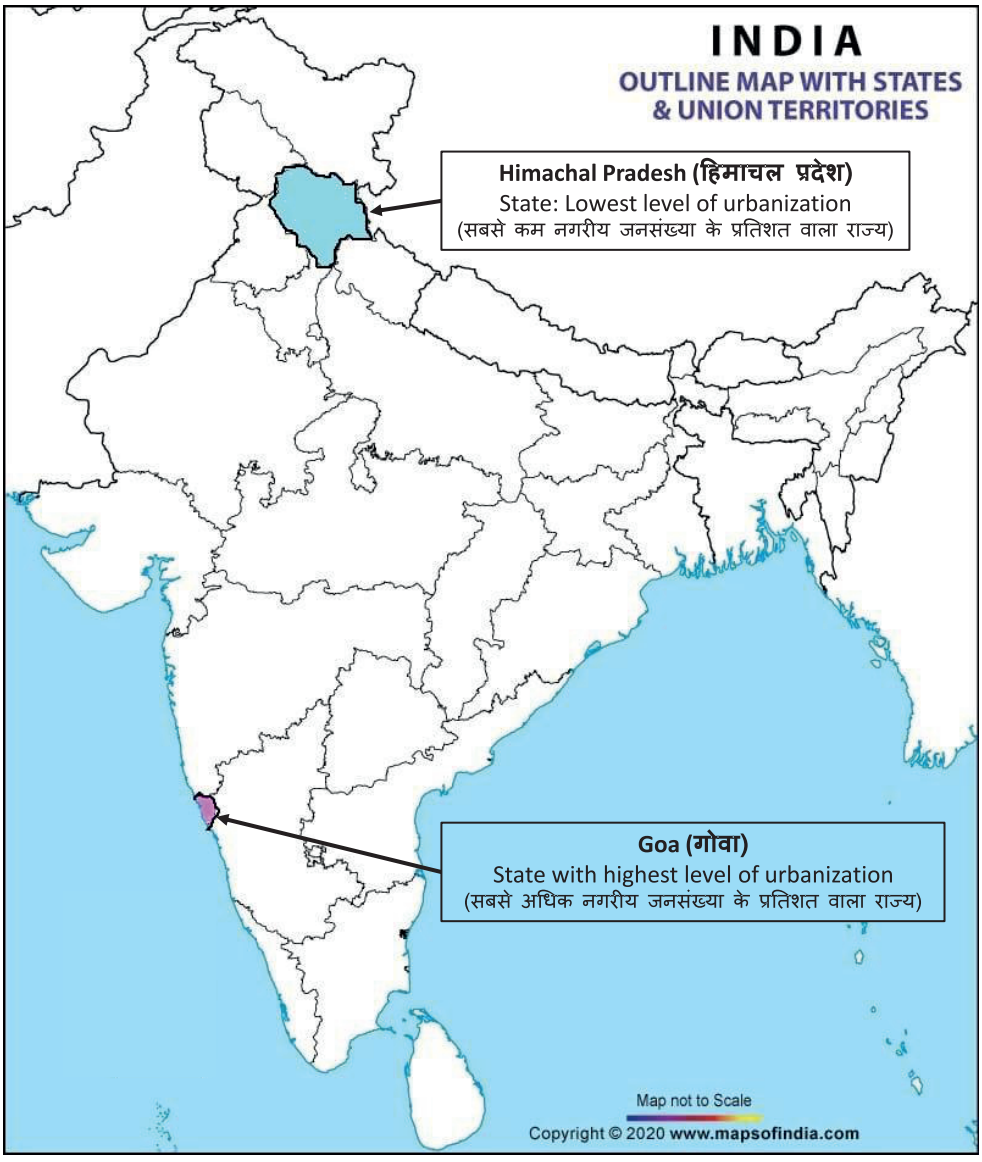
INDIA
OUTLINE MAP WITH STATES
& UNION TERRITORIES
Himachal Pradesh (हिमाचल प्रदेश)
State: Lowest level of urbanization
(सबसे कम नगरीय जनसंख्या के प्रतिशत वाला राज्य)
Goa (गोवा)
State with highest level of urbanization
(सबसे अधिक नगरीय जनसंख्या के प्रतिशत वाला राज्य)
Map not to Scale
Copyright © 2020 www.mapsofindia.com

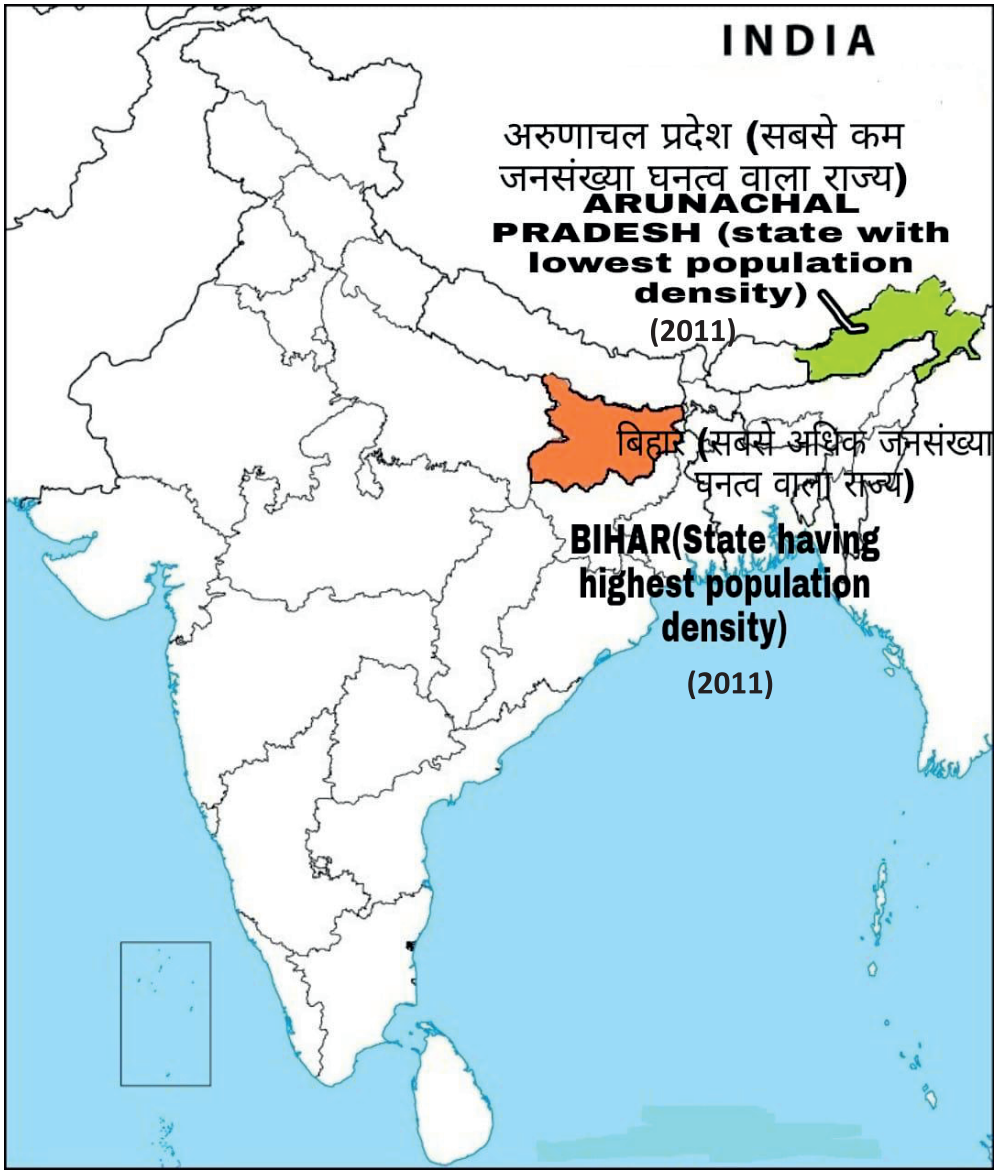
INDIA
अरुणाचल प्रदेश (सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य)
ARUNACHAL PRADESH (state with lowest population density)
(2011)
बिहार (सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य)
BIHAR(State having highest population density)
(2011)

INDIA
10 मिलियन से अधिक जनसंख्या वाले नगर
Cities with more than 10 million population
दिल्ली (DELHI)
कोलकाता (Kolkata)
बृहत मुंबई (Greater Mumbai)
बेंगलुरु (Bengaluru)
चेन्नई (Chennai)

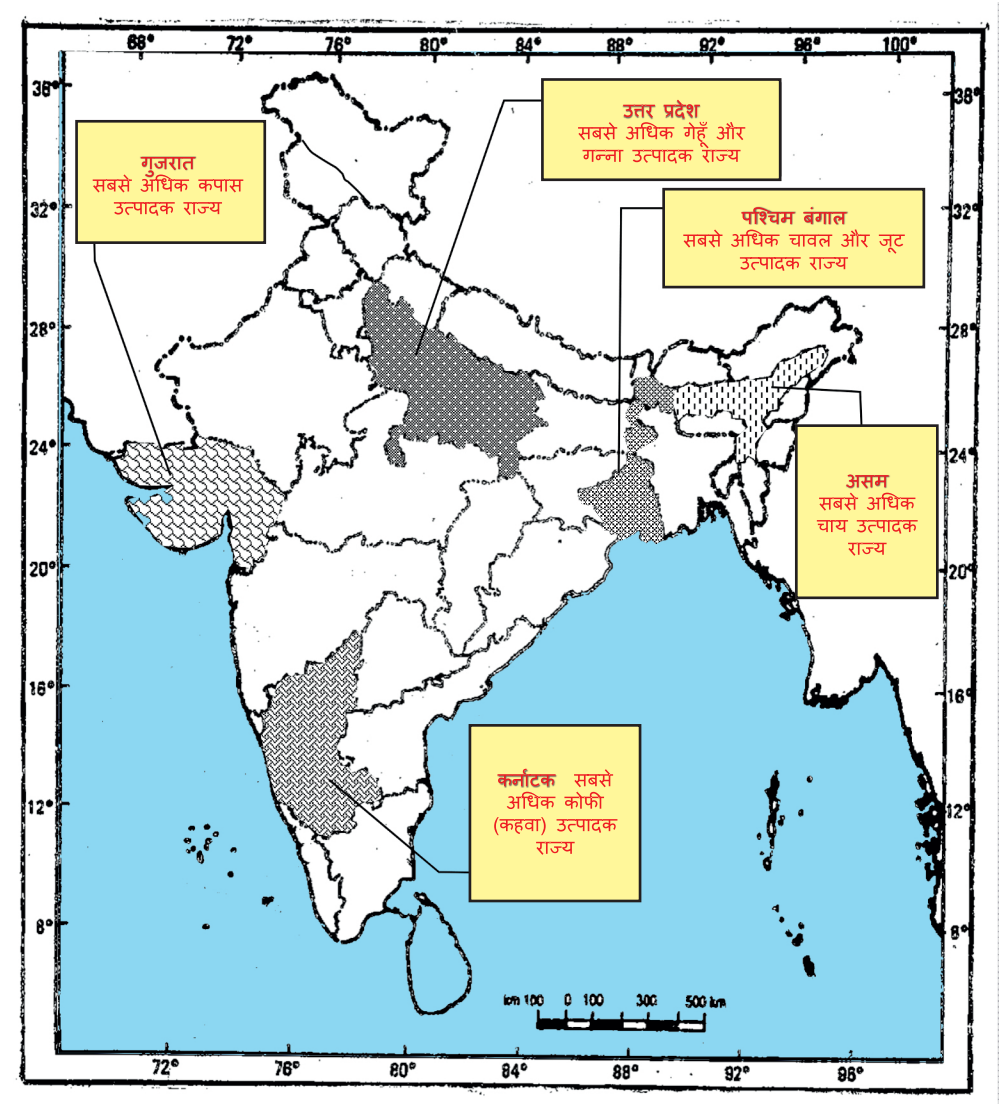
गुजरात
सबसे अधिक कपास
उत्पादक राज्य
उत्तर प्रदेश
सबसे अधिक गेहूँ और
गन्ना उत्पादक राज्य
पश्चिम बंगाल
सबसे अधिक चावल और जूट
उत्पादक राज्य
असम
सबसे अधिक
चाय उत्पादक
राज्य
कर्नाटक सबसे
अधिक कोफी
(कहवा) उत्पादक
राज्य
68°
72°
76°
80°
84°
88°
92°
96°
100°
38°
32°
28°
24°
20°
16°
12°
8°
km 100 0 100 300 500 km

INDIA (भारत)
Iron Ore Mines
लौह अयस्क खदानें
Bailadila
(बैलाडिला)
Chhattisgarh
(छत्तीसगढ़)
Ratnagiri
(रत्नागिरी)
Maharashtra (महाराष्ट्र)
Mayurbhanj
(मयूरभंज)
Odisha (ओड़िशा)
Bellari
(बेल्लारी)
Karnataka (कर्नाटक)

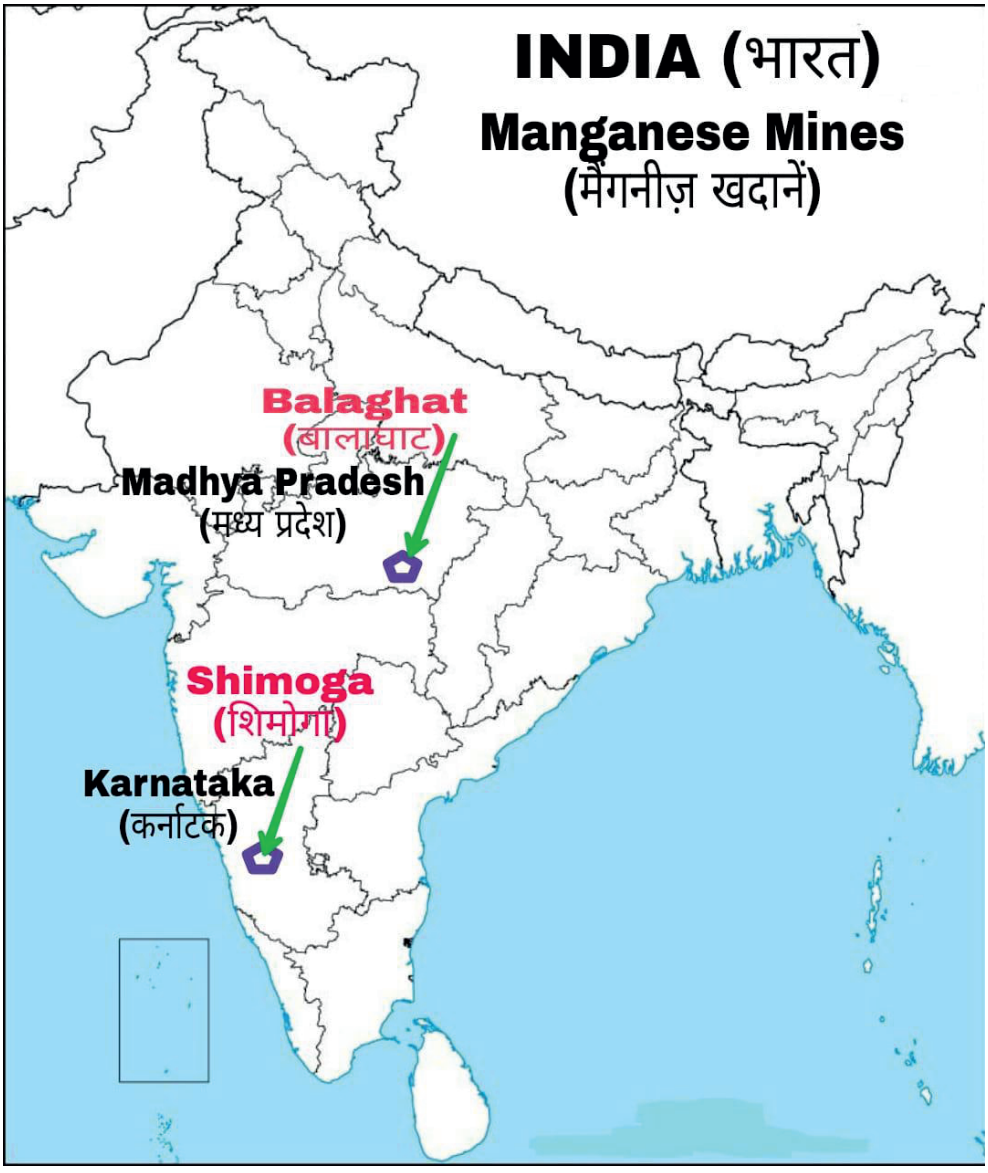
INDIA (भारत)
Manganese Mines
(मैंगनीज़ खदानें)
Balaghat
(बालाघाट)
Madhya Pradesh
(मध्य प्रदेश)
Shimoga
(शिमोगा)
Karnataka
(कर्नाटक)

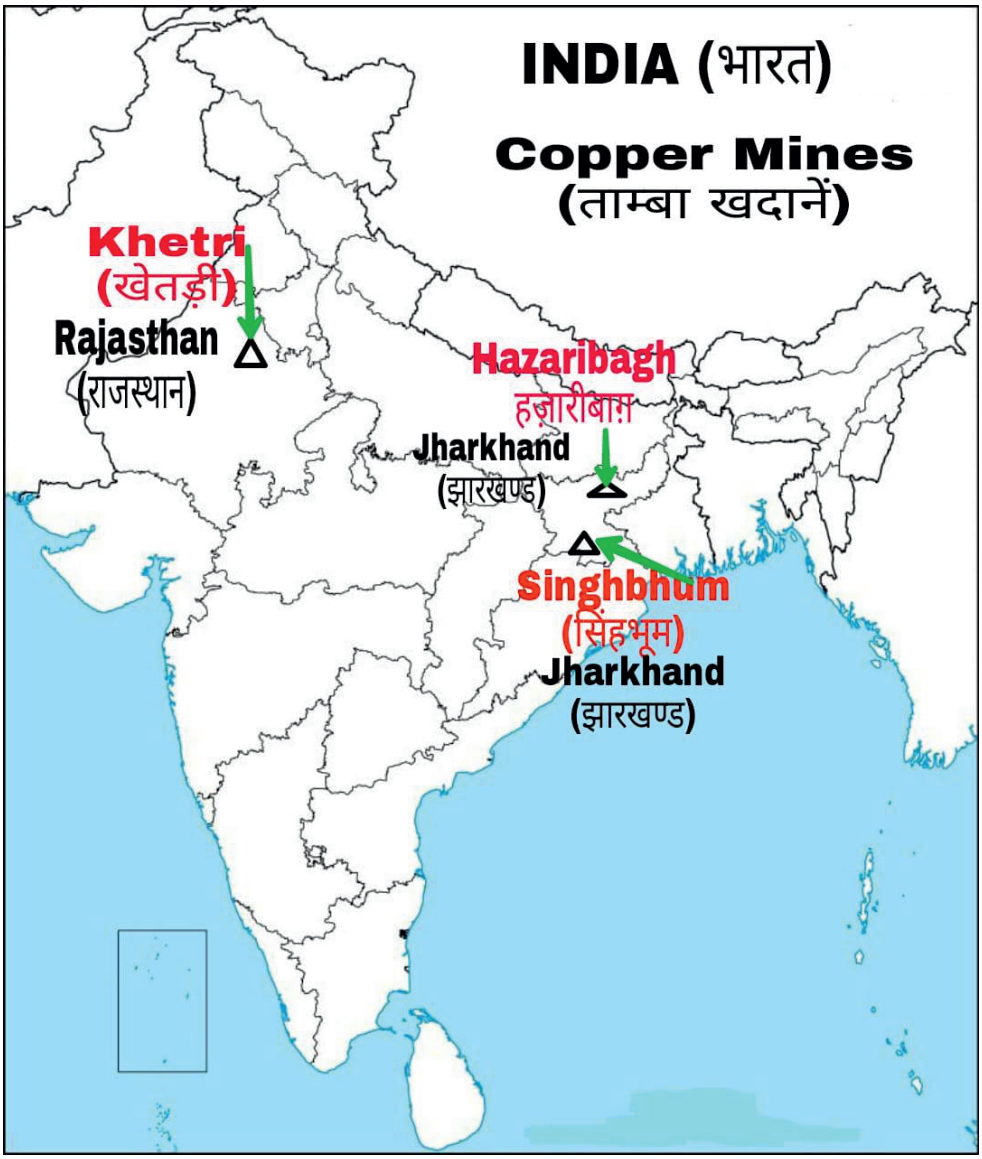
INDIA (भारत)
Copper Mines
(ताम्बा खदानें)
Khetri
(खेतड़ी)
Rajasthan
(राजस्थान)
Hazaribagh
हज़ारीबाग़
Jharkhand
(झारखण्ड)
Singhbhum
(सिंहभूम)
Jharkhand
(झारखण्ड)

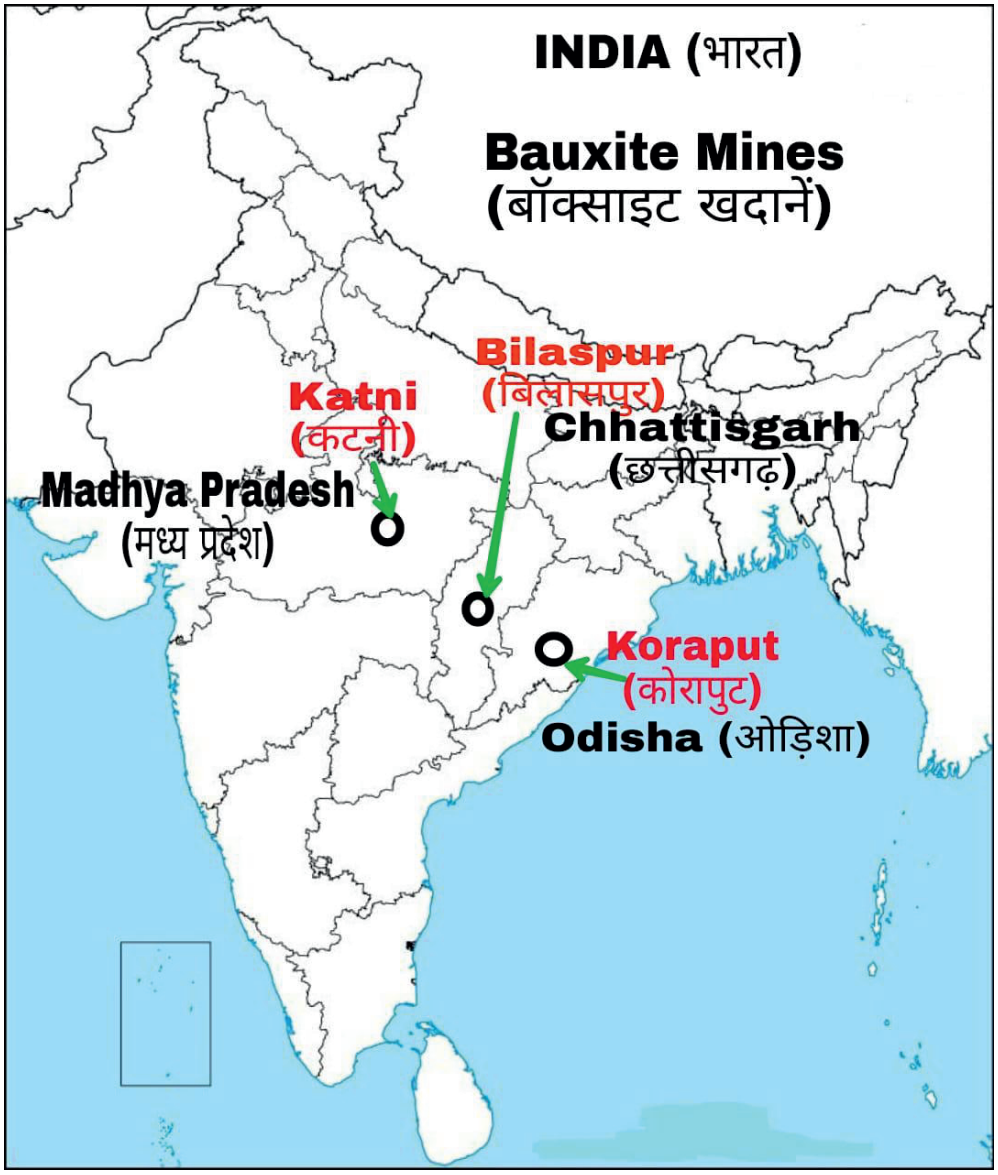
INDIA (भारत)
Bauxite Mines
(बॉक्साइट खदानें)
Bilaspur
(बिलासपुर)
Katni
(कटनी)
Chhattisgarh
(छत्तीसगढ़)
Madhya Pradesh
(मध्य प्रदेश)
Koraput
(कोरापुट)
Odisha (ओड़िशा)

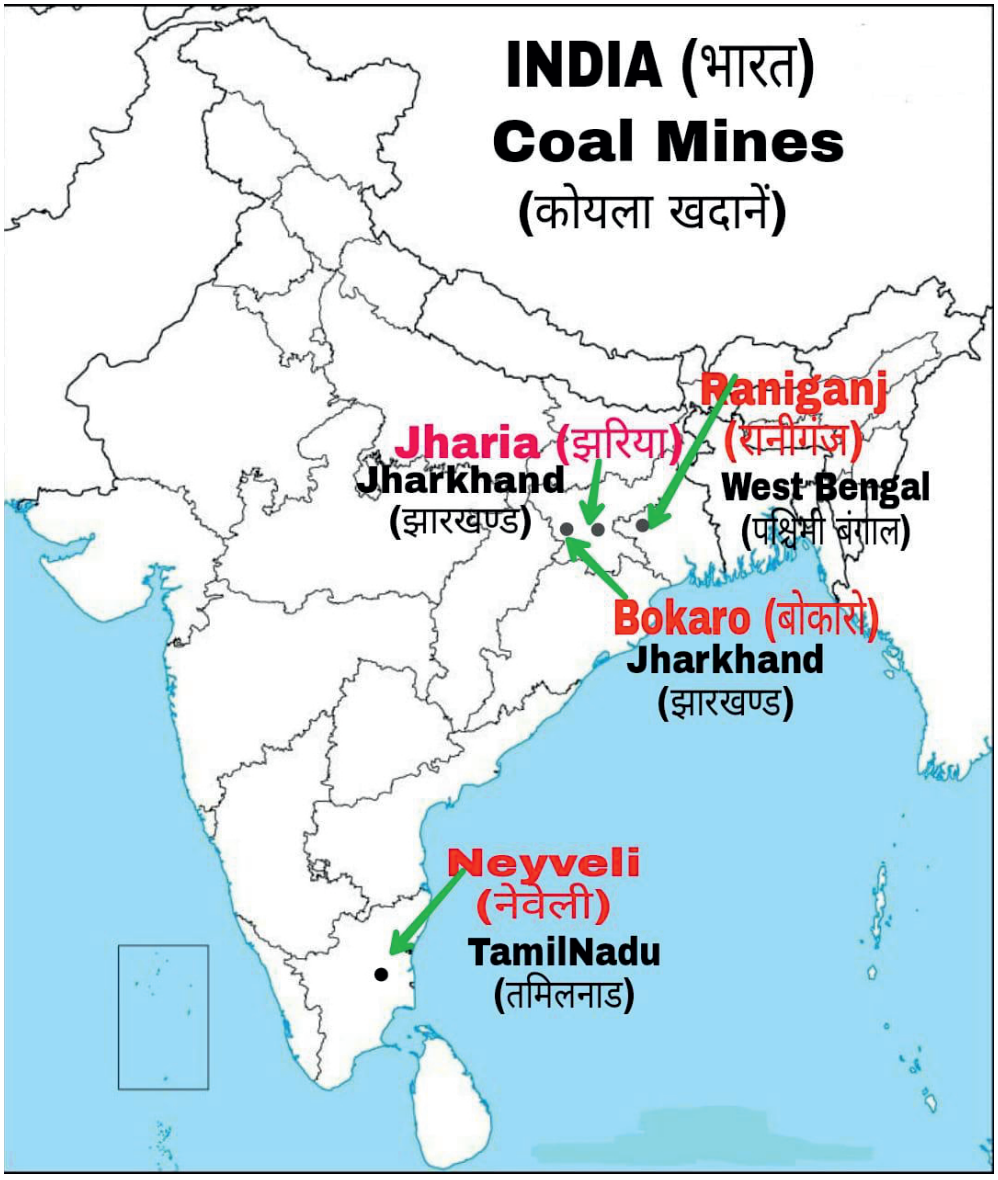
INDIA (भारत)
Coal Mines
(कोयला खदानें)
Raniganj
(रानीगंज)
West Bengal
(पश्चिमी बंगाल)
Jharia (झरिया)
Jharkhand
(झारखण्ड)
Bokaro (बोकारो)
Jharkhand
(झारखण्ड)
Neyveli
(नेवेली)
TamilNadu
(तमिलनाड)

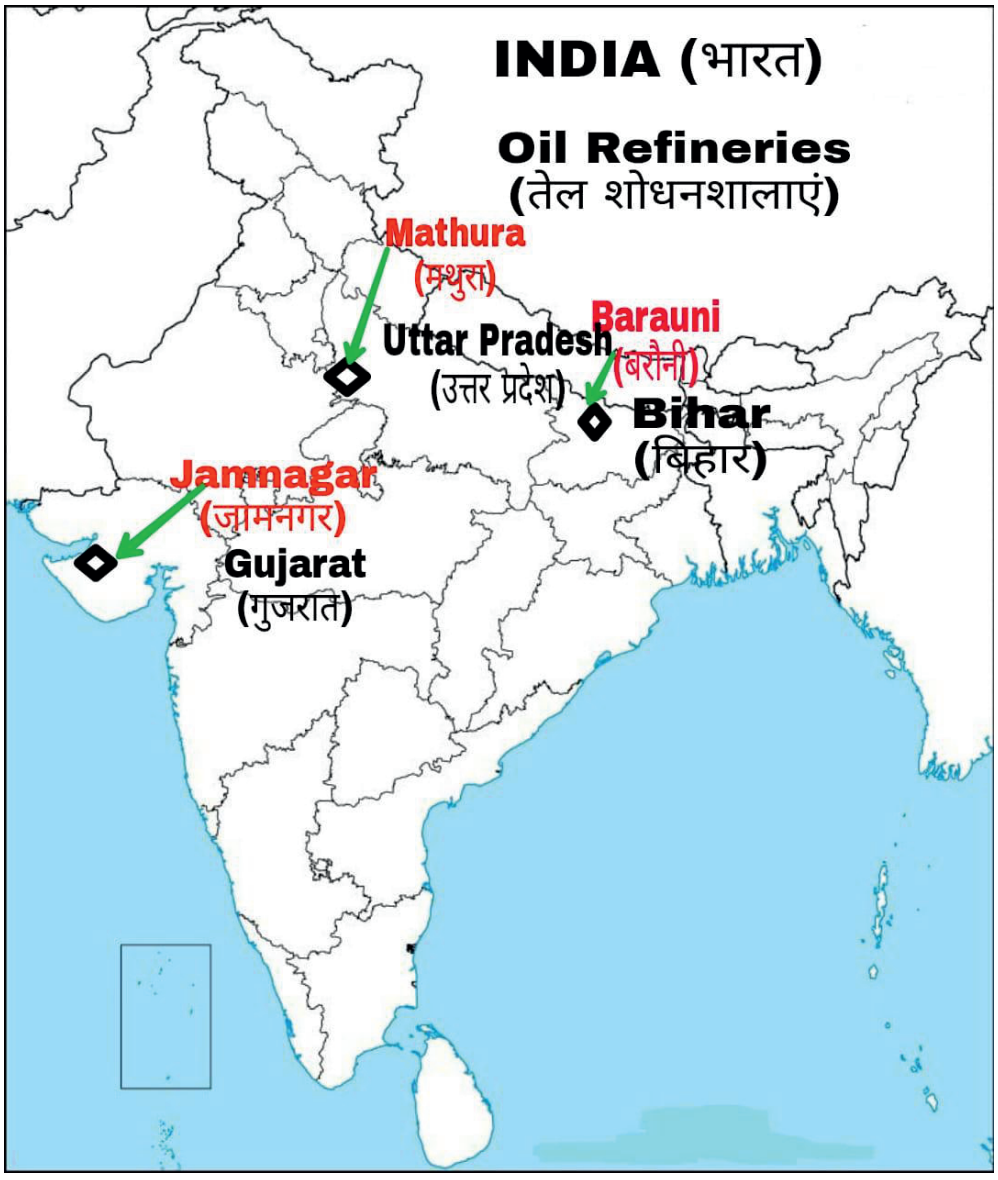
INDIA (भारत)
Oil Refineries
(तेल शोधनशालाएं)
Mathura
(मथुरा)
Uttar Pradesh
(उत्तर प्रदेश)
Barauni
(बरौनी)
Bihar
(बिहार)
Jamnagar
(जामनगर)
Gujarat
(गुजरात)

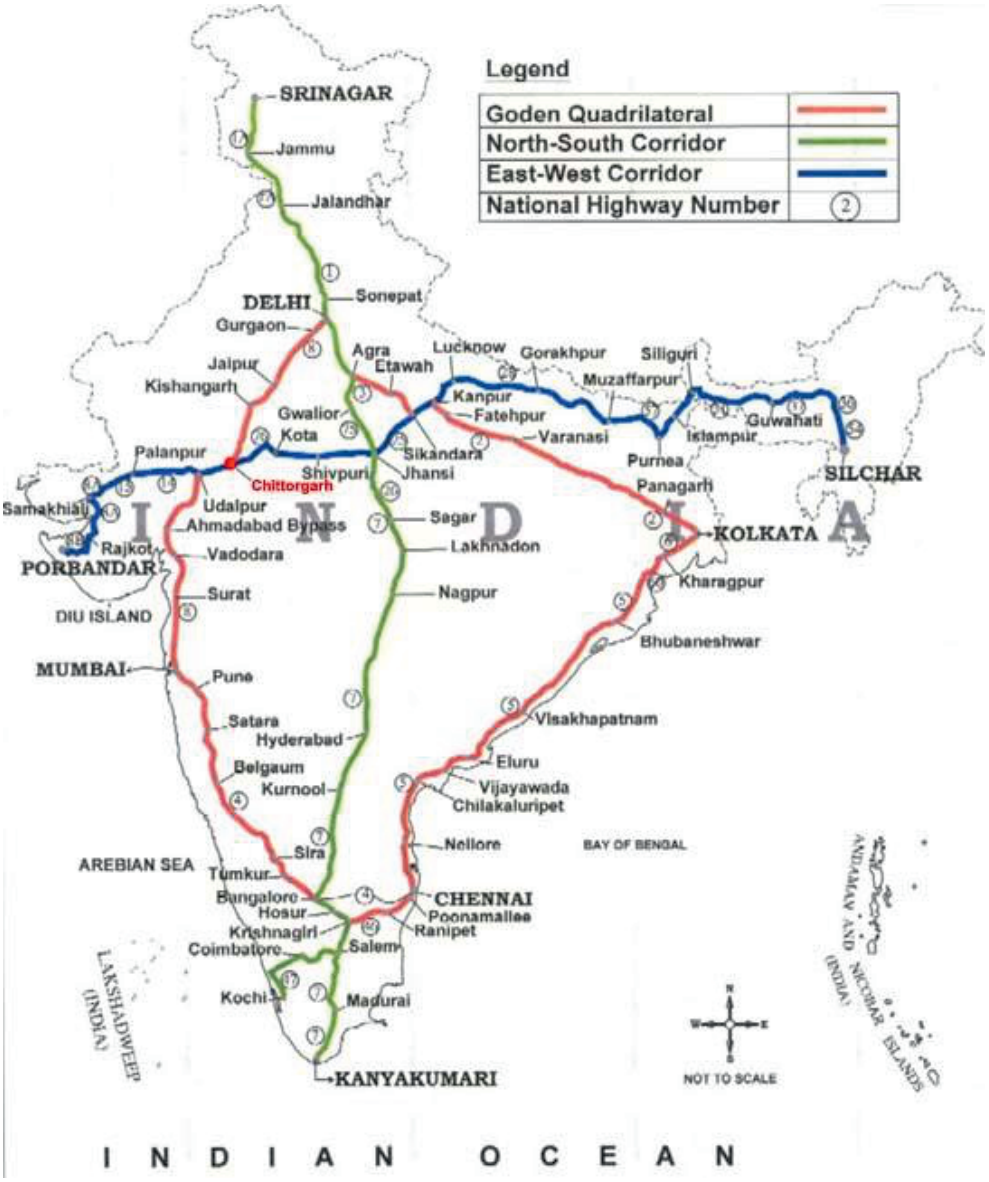

Legend
Goden Quadrilateral
North-South Corridor
East-West Corridor
National Highway Number
SRINAGAR
Jammu
Jalandhar
DELHI
Sonepat
Gurgaon
Jaipur
Kishangarh
Agra
Etawah
Lucknow
Gorakhpur
Siliguri
Muzaffarpur
Kanpur
Fatehpur
Guwahati
Islampur
Varanasi
Purnea
SILCHAR
Gwalior
Kota
Sikandara
Shivpuri
Jhansi
Palanpur
Chittorgarh
Panagarh
Samakhiali
Udaipur
Ahmadabad Bypass
Sagar
KOLKATA
Rajkot
PORBANDAR
Vadodara
Lakhnadon
Kharagpur
Surat
Nagpur
DIU ISLAND
Bhubaneshwar
MUMBAI
Pune
Satara
Visakhapatnam
Hyderabad
Eluru
Belgaum
Vijayawada
Kurnool
Chilakaluripet
Nellore
BAY OF BENGAL
AREBIAN SEA
Sira
Tumkur
Bangalore
CHENNAI
Hosur
Poonamallee
Krishnagiri
Ranipet
Coimbatore
Salem
Kochi
Madurai
KANYAKUMARI
LAKSHADWEEP (INDIA)
ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS (INDIA)
NOT TO SCALE
I N D I A
I N D I A N O C E A N

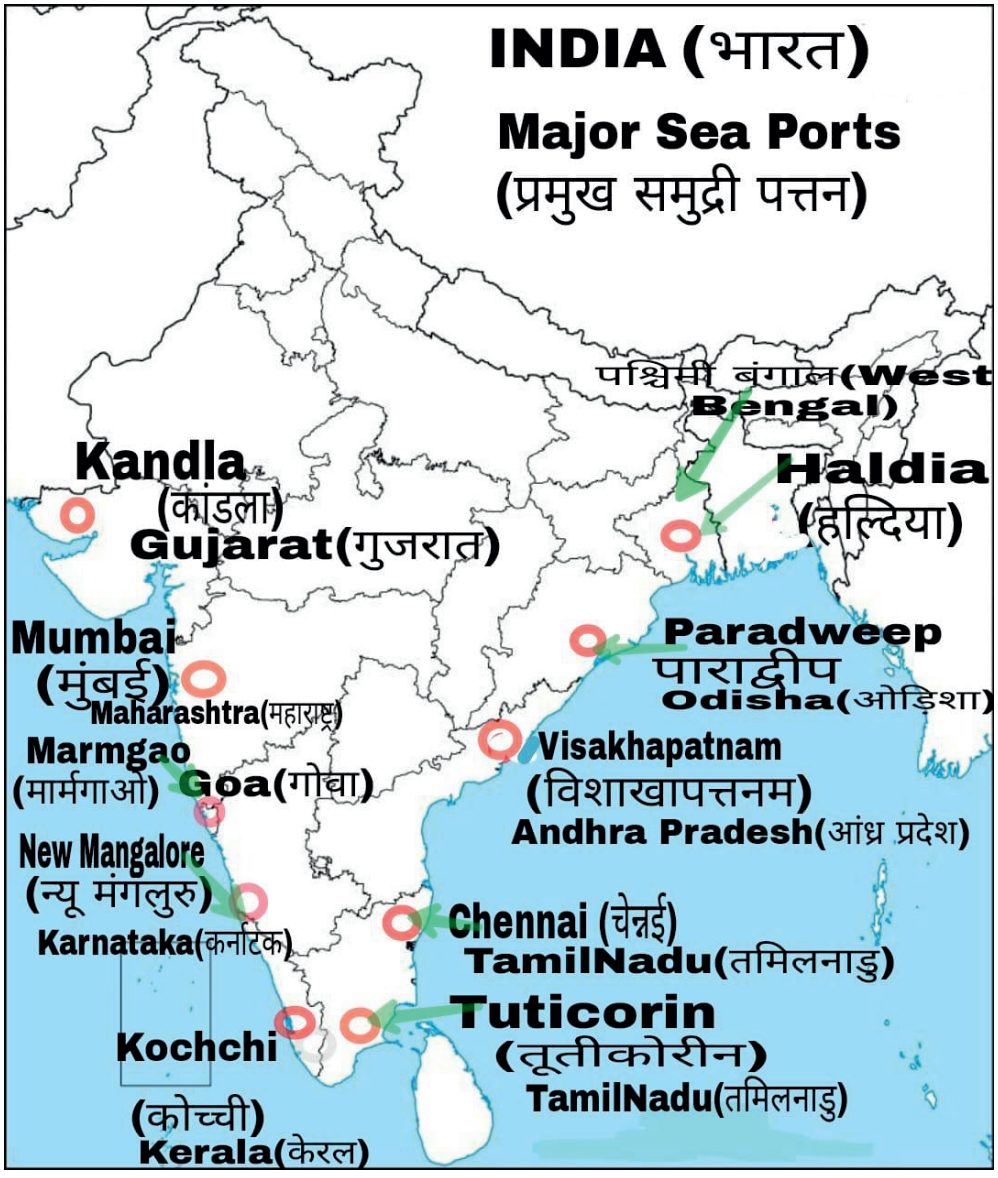
INDIA (भारत)
Major Sea Ports
(प्रमुख समुद्री पत्तन)
पश्चिमी बंगाल(West Bengal)
Haldia
(हल्दिया)
Kandla
(कांडला)
Gujarat(गुजरात)
Mumbai
(मुंबई)
Maharashtra(महाराष्ट्र)
Paradweep
पाराद्वीप
Odisha(ओड़िशा)
Marmgao
(मार्मगाओ)
Goa(गोवा)
Visakhapatnam
(विशाखापत्तनम)
Andhra Pradesh(आंध्र प्रदेश)
New Mangalore
(न्यू मंगलुरु)
Karnataka(कर्नाटक)
Chennai (चेन्नई)
TamilNadu(तमिलनाडु)
Tuticorin
(तूतीकोरीन)
TamilNadu(तमिलनाडु)
Kochchi
(कोच्ची)
Kerala(केरल)

INDIA(भारत)
Amritsar(अमृतसर)
Punjab (पंजाब)
Major Air Ports
प्रमुख वायु पत्तन
Delhi (दिल्ली)
Guwahati (गुवाहाटी)
Assam (असम)
Ahmedabad(अहमदाबाद)
Gujarat(गुजरात)
Kolkata(कोलकाता)
West Bengal(पश्चिमी बंगाल)
Mumbai(मुंबई)
Maharashtra(महाराष्ट्र)
Hyderabad(हैदराबाद)
Andhra Pradesh(आंध्र प्रदेश)
Bengaluru(बेंगलुरु)
Karnataka(कर्नाटक)
Chennai (चेन्नई)
Tamilnadu (तमिलनाडु)
Thiruvananthapuram
(तिरुवनंतपुरम)
Kerala (केरल)

स्त्रोत आधारित प्रश्न

स्त्रोत–1

उदाहरण–

बेंदा मध्य भारत के अबूझमाड़ क्षेत्र के जंगलों में रहता है। उसके गांव में तीन झोपड़ियां है जो जंगल के बीच हैं। यहाँ तक कि पक्षी और आवारा कुत्ते जिनकी भीड़ प्रायः गाँवों में मिलती है, भी यहाँ दिखाई नहीं देते। छोटी लंगोटी पहने और हाथों में कुल्हाड़ी लिए वह पेंडा (वन) का सर्वेक्षण करता है जहां उसका कबीला व कृषि का आदिम रुप–स्थानान्तकरी कृषि करता हैं। बेंदा और उसके मित्रवन के छोटे टुकडों को जुताई के लिए जलाकर साफ करते हैं। राख का उपयोग मृदा को उर्वर बनाने के लिए किया जाता है। अपने चारों ओर खिले हुए महुआ वृक्षों को देखकर बेंदा प्रसन्न है। जैसे ही वह महुआ, पलाश और साल के वृक्षों को देखता है, जिन्होने उसे बचपन से ही आश्रय दिया है, वह सोचता है कि इस सुन्दर ब्रह्माण्ड का अंग बनकर वह कितना सौभाग्यशाली है। विसर्पी गाति से पेंडा को पार करके बेंदा नही तक पहुँचता है। जैसे ही वह चुल्लू भर जल लेने के लिए झुकता है, उसे वन की आत्मा लोई–लुगीकी प्यास बुझाने की स्वीकृति देने के लिए धन्यवाद करना याद आता है। अपने मित्रों के साथ आगे बढते हुए बेंदा गूदेदार पत्तों और कंदमूल को चबाता है। लडके जंगल से गज्झरा और कुचला को इक्ठा करने का प्रयास कर रहे हैं। ये विशिष्ट पादप हैं जिनका प्रयोग बेंदा और उसके लोग करते हैं। वह आशा करता है कि जंगल की आत्माएं उस पर दया करेंगी और उसे जडी–बूटियों तक ले जाएंगी। ये अगामी पूर्णिमा कोमधाई अथवा जनजातीय मेले में वस्तु विनियम के लिए आवश्यक हैं। वह अपने नेत्र बंद करके स्मरण करने का कठिन प्रयत्न करता है, जो उसके बुजुर्गों ने उसे इन जडी बूटियों और उनके पात्र जाने वाले स्थानों के बारे में समझाया था। वह चाहता है कि काश उसने अधिक ध्यानपूर्वक सुना होता। अचानक पत्तों में खडखडाहट होती है। बेंदा और उसके मित्र जानते है कि ये बाहरी लोग हैं जो इन जंगलों में उन्हें ढूंढते हुए यहाँ आये हैं। एक ही प्रवाही गति से बेंदा और उसके मित्र सघन वृक्षों के वितान के पीछे अदृश्य हो जाते हैं और वन की आत्मा के साथ एकाकार हो जाते हैं।

निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्र. बेदां तथा उसके समुदाय के लोग किस प्रकार खेती करते हैं? स्त्रोत के आधार पर किन्हीं दो उपायों को लिखिए।

उ. 1. वे खेती करने के लिए सर्वप्रथम वनीय भूमि छोटे से टुकड़े को जलाते हैं।

2. जलाए गए वन की राख को वे मृदा की उर्वरता बढ़ाने के लिए प्रयोग करते है।

प्र. बेदा तथा उसके मित्र बधाई आदिवासी मेले में वस्तु विनिमय के लिए किन दो औषधीय पौधों को एकत्रित करते हैं।

उ. गलहरा और कुचला

प्र. दिए गए स्त्रोत में भूगोल की कौन सी विचारधारा के लक्षण पता चलते हैं?

उ. बेंदा तथा उसके मित्रों की जीवन शैली पर्यावरणीय संभववाद की विचारधारा को परिलक्षित करती है।

स्त्रोत–2

ट्रॉन्डहाईम शहर में सर्दियों का अर्थ है–प्रंचड पवनें और भारी हिम। महीनों तक आकाश अदीप्त रहता है। कैरी प्रातः आठ बजे अंधेरे में कार से काम पर जाती है। सर्दियों के लिए उसके पास विशेष टायर है और वह अपनी शक्तिशाली कार की लाइटें जलाए रखती है। उसका कार्यालय कृत्रिम रूप से एक आरामदायक 23 डिग्री सेल्सियस पर गर्म रहता है। विश्वविद्यालय का परिसर जिसमें वो काम करती हैं, कांच के एक विशाल गुम्बद के नीचे बना हुआ है। यह गुम्बद सर्दियों में हिम को बाहर रखता है और गार्मियों में धूप का अंदर आने देता है। तापमान को सावधानीपूर्वक निंयत्रित किया जाता है और वहाँ पर्याप्त प्रकाश होता है। यद्यपि ऐसे रूक्ष मौसम में नयी सब्जियाँ और पौधे नहीं उगते। कैरी अपने डेस्क पर आर्किड रखती है और उष्णकटिबंधीय फलों जैसे–केला व कीवी का आंनद लेती है। ये नियमित रूप से वायुयान द्वारा उष्ण क्षेत्रों से मंगाए जाते है। माउस की एक क्लिक के साथ कैरी नयी दिल्ली मे अपने सहकर्मियों से कंप्यूटर नेटवर्क से जुड जाती है। वह प्रायः लन्दन के लिए सुबह की उड़ान लेती है और शाम को अपना मनपसंद टेलीविजन सीरियल देखने के लिए सही समय पर वापस पहुँच जाती है। यद्यपि कैरी 58 वर्षीय है फिर भी वह विश्व के अन्य भागों के अनेक 30 वर्षीय लोगों से अधिक स्वस्थ और युवा दिखती है।

प्र. मानव अपनी आवश्यकतानुसार प्रकृति में बदलाव कर सकता हैं। स्त्रोत के आधार पर कनि की पुष्टि किन्हीं दो बिन्दुओं द्वारा कीजिए।

उ. 1. प्रचंड पवने तााि भारी हिम होते हुए भी केरी का कार्यालय आरामदायक 23° सेल्सियस पर गर्म रहना।

2. ठंडा और शुष्क मौसम होते हुए भी उष्णकटिबन्धीय फलों की उपलब्धता।

प्र. दिए गए स्त्रोत से किस अवधारणा का आभास मिलता है? अवधारणा को परिभाषित भी कीजए।

उ. उक्त स्त्रोत से 'संभववाद' की अवधारणा का आभास मिलता है जिसका अर्थ है कि प्रकृति अवसर प्रदान करती है ताि मानव आवश्यकतानुसार उनका उपयोग करता है। इस प्रकार धीरे–धीरे पृथ्वी का मानवीरकण हो जाता है।

प्र. ट्रॉडहीम जेसे जमा देने वाले वातावरण में मानव ने जीवन को सरल बनाने के लिए क्या प्रयास किए हैं?

उ. 1. यातायात तथा संचार के साधनों का उक्त विकास

2. बर्फीले तथा अन्धेरे वातावरण के लिए विशेष टायरो तथा वाहनों के लिए शक्तिशाली लाइटों का प्रयोग।

स्त्रोत–3

नीचे दिये आरेख को ध्यान से देखें और किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर दीजिए

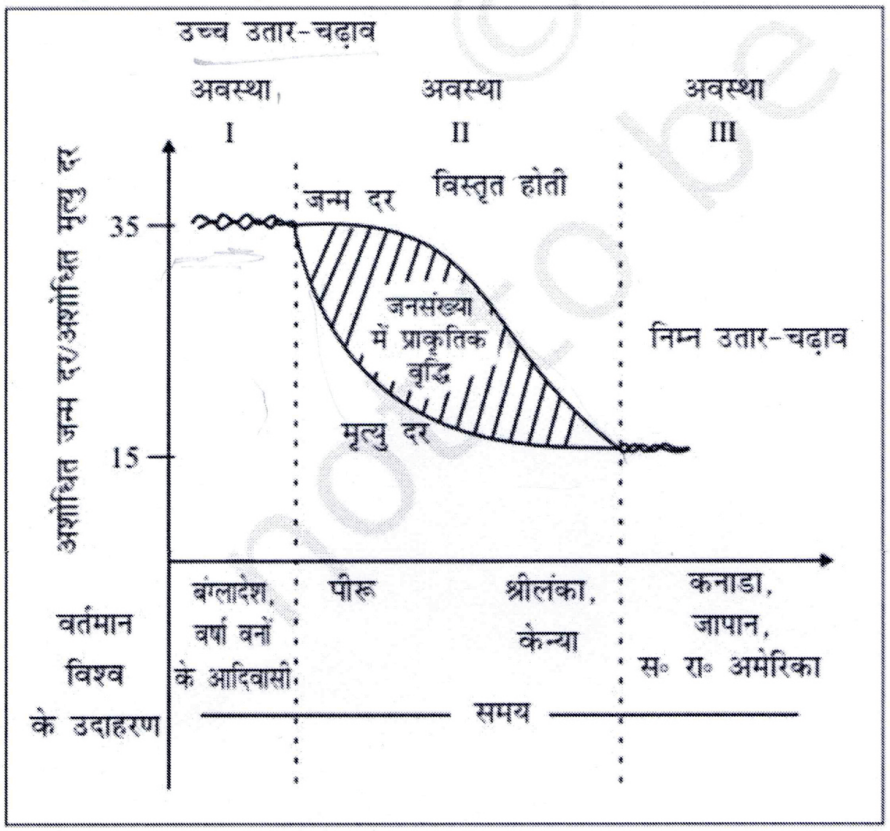

प्र. कनाडा, जापान तथा संयुक्त राज्य अमेरिका जनसंख्या वृद्धि की तृतीय अवस्था में निम्न उतार चढ़ाव को प्रदर्शित करते है। उपर्युक्त तर्क द्वारा कनि को न्यायसंगत ठहराईए।

उ. इन देशों में उच्च नगरीकरण, उच्च साक्षरता तााि तकनीकी ज्ञान का उच्च स्तर होता है, ऐसी जनसंख्या विचारपूर्वक परिवार के आकार को नियन्त्रित करती है।

प्र. जनसंख्या में प्राकृतिक वृद्धि को स्पष्ट कीजिए

उ. किसी क्षेत्र विशेष में दो समय अंतरालों में जन्म और मृत्यु के अंतर से बढ़ने वाली जनसंख्या को उस क्षेत्र की प्राकृतिक वृद्धि कहते हैं।

प्र. दिए गए आरेख के अनुसार जनसंख्या वृद्धि की प्रथम अवस्था उच्च उतार चढ़ाव को प्रदर्शित करती है। विश्व में कौन से क्षेत्र इस अवस्था को प्रदर्शित करते हैं?

उ. बांग्लादेश तथा वर्षा वनों के आदिवासी

स्त्रोत–4

केस अध्ययन

झबुआ जिला मध्य प्रदेश के अति पश्चिमी कृषि जलवायु क्षेत्र में अवस्थित है। यह वास्तव में हमारे देश के सर्वाधिक पाँच पिछडे जिलों में से एक है। जनजातीय जनसंख्या विशेषतः भील का उच्च सांद्रण इसकी विशेषता है। लोग गरीबी के कारण कष्ट झेल रहें, और यह गरीबी जंगल एवं भूमि दोनों संसाधनों के उच्च दर से निम्नीकरण के कारण प्रबलित हो गई है। यहाँ भारत सरकार के 'ग्रामीण विकास' तथा 'कृषि मंत्रालय' दोनों ही से जल संभरण प्रबधन कार्यक्रम फंड अनुदानित है, जिन्हें झबुआ जिले में सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया है। यह निम्नीकरण को रोकने तथा भूमि की गुणवत्ता को सुधारने में सफल सिद्ध होगा। जल संभरण प्रबंधन कार्यक्रम भूमि, जल तथा वनस्पतियों के बीच संबद्धता को पहचानता है और प्राकृतिक संसधनों के प्रबंधन एवं सामुदायिक सहभागिता से लोगों के आजीविका को सुधारने का प्रयास करता है। पिछले पाँच वर्षों में, ग्रामीण विकास मंत्रालय से निधि प्राप्त राजीव गांधी मिशन द्वारा क्रियांवित जल संभरण प्रबंधन ने अकेले झबुआ जिले की लगभग 20 प्रतिशत भूमि का उपचार किया है।

झबुआ जिले का पेटलावाड विकास खंड, जिले के सर्वाधिक उत्तरी छोर पर स्थित है तथा सरकार एवं गैर सरकारी संगठनों की साझेदारी तथा जल संभरण प्रबंधन हेतु समुदाय की प्रतिभागिता का सफल और रोचक प्रकरण प्रस्तुत करता है।

पेटलावाड विकास खंड के भील (कारावट गाँव के सतरूंडी बस्ती) समुदाय ने अपना स्वयं का प्रयास करके विस्तृत भागों की साझी संपदा संसाधनों को पुनजीवित किया है। प्रत्येक परिवार ने साझी संपदा में एक पेड़ लगाया और उसे अनुरक्षित किया। इसके साथ ही प्रत्येक परिवार ने चरागाह भूमि पर चारा घास को बोया और कम से कम दो वर्षों तक उसकी सामाजिक घेराबंदी इसके बाद भी, उनका कहना था, इन जमीनों पर कोई खुली चराई नही होगी और पशुओं की आहार पूर्ति हेतु नाँद बनाए जाएँगें और इस प्रकार से उन्हें यकीन था कि जो चरागाह उन्होंने विकसित किए हैं, वे भविष्य में उनके पशुओं का सतत पोषण करते रहेंगे। इस अनुभव का एक रोचक पक्ष यह है कि समुदाय इस चरागाह प्रबंधन प्रक्रिया की शुरूआत करते कि इससे पहले ही पड़ोसी गाँव के एक निवासी ने उस पर अतिक्रमण कर लिया। गाँव वालों ने तहसीलदार को बुलाया और साझी जमीन पर अपने अधिकारों को सुनिश्चित कराया। इस अनुवर्ती संघर्ष को गाँववालों द्वारा सुलझाया गया जिसके लिए उन्होंने साझी चरागाह भूमि पर अतिक्रमण करने वाले दोषी को अपने प्रयोक्ता समूह का सदस्य बनाकर उसे साझी चरागाह भूमि की हरियाली से लाभांश देना आरंभ किया। (साझी संपदा संसाधन के बारे में 'भूमि–संसाधन एवं कृषि' वाले अध्यास को देखें।

प्र. झबुआ जिले में गरीबी के प्रबलन के प्रमुख कारण की पहचान करिए।

उ. जंगल एवं भूमि संसाधनों के निम्नीकरण की उचच दर झबुआ जिले में गरीबी के प्रबलन का मुख्य कारण है।

प्र. झबुआं जिले में लोगों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए भारत सरकार के ग्रामीण विकास तथा कृषि मंत्रालय द्वारा किए गए प्रयास की समीक्षा कीजिए।

उ. जल संभरण प्रबंधन कार्यक्रम का क्रियान्वयन जो भूमि, जल तथा वनस्पतियों के बीच संबद्धता की पहचान करता है और प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन एवं सामुदायिक सहभागिता से लोगों की अजीविका को सुधारने का प्रयास करता है।

प्र. पेटलावाद विकास खंड के भलि समुदाय द्वारा साझी संपदा दो संसाधनों के पुनर्जीवित करने के प्रयास की किन्ही बिन्दुओं द्वारा समीक्षा कीजिए।

उ. 1. प्रत्येक परिवार ने साझी संपदा में एक पेड़ लगाया और उसे अनुरक्षित किया।

2. इसके साथ ही प्रत्येक परिवार चरागाह भूमि पर चारा घास को बोया।

स्त्रोत–5

केस अध्यन

रमेश अनुबंध के आधार पर तलचर (उडीसा का कोयला क्षेत्र) में निर्माण स्थल पर पिछले दो वर्षों से एक वेल्डर के रूप में कार्य कर कर रहा है। यह अपने ठेकेदार के साथ–साथ देश–भर में विभिन्न जगहों, जैसे कि सूरत, मुंबई, गांधीनगर, भरूँच, जामनगर आदि नगरों में जाता है। यह प्रतिवर्ष अपने पैतृक गाँव में पिता के पास रु 20,000 भेजता है। उनके द्वारा भेजे गए पैसे मुख्यतः दैनिक उपयोग, स्वास्थ्य की देखभाल, बच्चों की पढाई आदि पर खर्च होता है। कुछ पैसे, कृषि, जमीन की खरीद तथा घरों के निर्माण पर भी खर्च होता है। रमेश के परिवार के रहन–सहन का स्तर सार्थक रूप से सुधरा है।

15 वर्ष पहले, हालात ऐसे नही थे। परिवार बहुत ही कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा था। उसके तीन भाई और उनके परिवार तीन एकड भूमि पर निर्भर थे। परिवार बुरी तरह से कर्ज में डूबा हुआ था। रमेश को अपनी पडाई नवीं कक्षा में ही छोडनी पडी। शादी के बाद तो वह और भी कठिन परिस्थितियों में घिर गया। इसी समय, रमेश अपने गाँव के कुछ सफल उत्प्रवासियों से प्रभावित हुआ, जो लुधियाना में काम कर रहे थे और गाँव में अपने परिवारों को पैसे और उपभोक्ता वस्तुएं भेज कर पाल–पोस रहे थे। इस तरह परिवार को कंगाली और लुधियाना में नौकरी का भरोसा पाकर वह अपने मित्र के साथ पंजाब चला आया। उसने 1988 में लुधियाना की एक ऊन फैक्टरी में रु 20 प्रतिदिन की मजदूरी पर 6 माह तक काम किया। अपनी इस अल्प आय में वैयक्तिक खर्चा का इंतजाम कर पाने की मुश्किल के साथ–साथ, उसे नई संस्कृति और पर्यावरण के साथ स्वयं को अनुकूलित करने में कठिनाइयों का सामना करना पडा। इसके बाद उसने अपने दोस्त के मार्गदर्शन पर लुधियाना से सूरत (गुजरात) में काम करने का निर्णय लिया। सूरत में उसने वेल्डिंग के कार्य करने का कौशल सीखा और इसके बाद वह उसी ठेकेदार के साथ अलग–अलग जगहों पर जाता रहता है। हालांकि रमेश के गाँव मे उसकी परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरी है, पंरतु उसे अपने से दूर रहने की पीडा झेलनी पडती है। वह अपनी पत्नी एवं बच्चों को अपने साथ नही ले जा सकता क्योंकि उसकी नौकरी अस्थायी और स्थानांतरणीय है।

प्र. ऐसे दो कारकों की पहचान करिए जो कि ग्रामीण इलाकों से उत्प्रवास के प्रमुख स्त्रोत के रूप में परिलक्षित होते है।

उ. ग्रामीण इलाकों में रोज़गार के अवसरों की कमी तथा बहुत अधिक गरीबी इसके प्रमुख कारण है।

प्र. उत्प्रवासी गंतव्य स्थान पर कई समस्याओं का सामना करते हैं। दो उपर्युक्त तर्को द्वारा कथन का समर्थन कीजिए।

उ. 1. नई संस्कृति और पर्यावरण के साथ स्वयं को अनुकूलित करने में कठिनाई।

2. अपनों से दूर रहने की पीड़ा

प्र. हुंडियाँ का अर्थ तथा महत्ता बताईए।

उ. उत्प्रवासियों द्वारा अपने उदगम् स्थल को भेजे जाने वाले पैसे हुडियाँ कहलाते हैं। ये पैसे मुख्यतः दैनिक उपयोग, स्वास्थ्य की देखभाल, बच्चों की पढ़ाई आदि पर खर्च होते हैं।

स्त्रोत–6

रालेगॅन सिद्धि, अहमदनगर, महाराश्ट्र में जल–संभर विकास : एक वस्तुस्थिति अध्ययन

महाराष्ट्र में, अहमदनगर जिले में रालेगॅन सिद्धि एक छोटा–सा गाँव है। यह पूरे देश में जल–संभर विकास का एक उदाहरण है। 1975 में, यह गाँव गरीबी और शराब के गैर कानूनी व्यापार जाल में जकडा हुआ था उस समय गाँव मे परिवर्तन आया जब सेना का एक सेवानिवृत कर्मचारी उस गाँव में बस गया जल–संभर विकास का कार्य आरंभ किया उसने गाँव वालों को परिवार नियोजन और ऐच्छिक श्रम, खुली चराई, वृक्षों की कटाई रोकने और मद्य निषेध के लिए तैयार किया। ऐच्छिक श्रम आर्थिक सहायता के लिए सरकार पर कम से कम निर्भर रहने के लिए आवश्यक था। उस स्वयंसेवी के कथनानुसार, ''इसने परियोजनाओं की लागत का समाजीकरण कर दिया।'' जो व्यक्ति गाँव के बाहर काम कर रहे थे, उन्होनें भी प्रति वर्ष एक महीने का वेतन देकर विकास में सहयोग दिया। गाँव में अंतः स्रावी तालाब के निर्माण के साथ कार्य शुरू हुआ। 1975 में तालाब में पानी नही रूक सका। तटबंध की दीवारें रिस रही थीं। तटबंध को स्वैच्छिक रूप से मरम्मत करने के लिए लोगों को एकत्र किया गया। लोगों की याद में पहली बार गर्मी में इसके नीचे सात कुओं में जल भर गया। लोगों ने अपने नेता और उसके विचारों में अपना विश्वास दिखाया। नौजवानों का एक समूह बनाया गया जिसे 'तरूण मंडल' कहा गया। समूह ने दहेज प्रथा, जातिवाद और छुआछूत पर प्रतिबंध लगाने का काम किया। शराब आसवन इकाई खत्म कर दी गई और मद्य निषेध लागू कर दिया गया। थान पर चारा देने पर जोर

देकर खुली चराई पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया। गहन जल फसल, जैसे– गन्ने की खेती पर प्रतिबंध लगा दिया गया। कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों, जैसे–दालें, तिलहन और कुछ नगदी फसलों को प्रोत्साहित किया गया। स्थानिक संस्थाओं के सारे चुनाव सर्वसम्मति के आधार पर शुरू कर दिए गए। ''इसने संप्रदाय के नेताओं को लोगों का पूर्ण प्रतिनिधि बना दिया न्याय पंचायत प्रणाली स्थापित की गई। तब से कोई भी मुकदमा पुलिस को नही दिया जाता। 22 लाख रुपए की लागत से एक विद्यालय की इमारत का निर्माण केवल गाँव के संसाधनों के उपयोग से किया गया। उसके लिए कोई धन को कर्ज लेकर

रालेगॅन सिद्धि जल संभर विकास से पूर्व

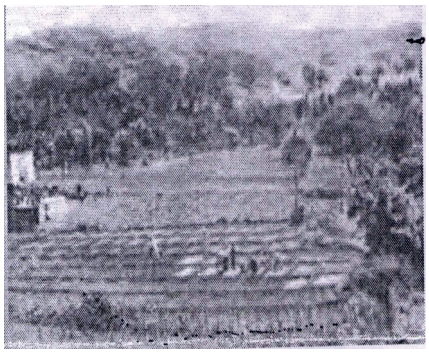

बाद में वापस कर दिया गया। गाँव वालों को इस आत्मनिर्भरता से गर्व महसूस हुआ गर्व की अनुप्रेरणा और ऐच्छिक भावना की इस अनुप्रेरणा से श्रम की हिस्सेदारी की एक नई प्रणाली का विकास हुआ। लोग कृषि कार्य में स्वेच्छा से एक–दूसरे की मदद करने लगे। भूमिहीन श्रमिकों को रोजगार मिल गया। आजकल ग्राम अपने समीपवर्ती ग्रामों में उनके लिए भूमि खरीदने की योजना बनाते हैं। वर्तमान में जल पर्याप्त मात्रा में है, खेती फल–फूल रही है, यद्यपि उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग अत्यधिक हो रहा है। नेता के बाद कार्य जारी रखने के लिए वर्तमान पीढी की समृद्धि को बनाए रखने की योग्यता के संबंध में प्रश्न उठता है। उनके शब्दों में इसका उत्तर मिलता है. रालेगेंन के विकास की प्रक्रिया एक आदर्श गाँव बनने तक नही रुकेगी।'' बदलते समय के साथ लोग विकास के नए रास्तों की ओर अग्रसर है। भविष्य में, रालेगन देश का एक अलग मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।''

प्र. 70 के दशक में रालेगांव सिद्धि किन समस्याओं से जूझ रहा था? किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए।

उ. 70 के दशक में यह गांव गरीबी और शराब के गैर कानूनी व्यापार जाल में जकड़ा हुआ था।

प्र. रालेगांव में पानी की समस्या से छुटकारा पाने के लिए अनेकों प्रयास किए गए। किन्हीं दो प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

उ. 1. गहन जल फसल जेसे गन्ने की खेती पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया।

2. कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों जैसे दाले, तिलहन इत्यादि को प्रोत्साहित किया गया

प्र. गाँव के विकास में सामुदायिक सहभागिता के काखा रालेगांव में उत्पन्न सामाजिक परिवर्तनों को उजागर करिए।

उ. 1. श्रम की हिस्सेदारी की एक नई प्रणाली का विकास हुआ।

2. लोग कृषि कार्य में स्वेच्छा से एक दूसरे की मदद करने लगे।

स्त्रोत – 7

भारत का निर्यात संघटन, 2009–17

(निर्यात में प्रतिशत अंश)

वस्तुएँ / माल	2009–2010	2010–11	2015–2016	2016–17
कृषि एवं समवर्गी उत्पाद	10.0	9.9	12.6	12.3
अयस्क एवं खनिज	4.9	4.0	1.6	1.9
विनिर्मित वस्तुएँ	67.4	68.0	72.9	73.6
पेट्रोलियम व अपरिष्कृत उत्पाद	16.2	16.8	11.9	11.7
अन्य वस्तुएँ	1.5	1.2	1.1	0.5

प्र. किस मद का आयात, आयात संघटन के बड़े भाग का निर्माण करता है?

उ. ईंधन (कोयला, पी ओ एल)

प्र. तालिका के अनुसार किस मद का आयात निरंतर वृद्धि को दर्शा रहा है?

उ. पेपर बोर्ड विनिर्मित और न्यूज़ प्रिंट

प्र. वर्ष 2016–17 में किस मद के आयात में तेल गिरावट रिकॉर्ड की गई?

उ. उर्वरक

स्त्रोत – 8

दौराला में पारिस्थितिकी के पुनर्भरण और मानव स्वास्थ्य के सुरक्षण का एक अनुकरणीय उदाहरण : केस अध्ययन

'प्रदूषक भोगता है' के वैश्विक नियम के आधार पर मेरठ के निकट दौराला में लोगों की प्रतिभागिता के सहारे पारिस्थितिकी के पुनर्भरण और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए प्रयास किया गया है। मेरठ के एक गैर सरकारी संगठन (एन. जी.ओ) द्वारा पारिस्थितिकी पुनर्भरण के एक मॉडल की रचना के तीन वर्ष परिणाम आने आरंभ हो गए। दौराला स्थित उद्योगों के पदाधिकारियों, गैर–सरकारी संगठनों, सरकारी अधिकारियों और अन्य पणधारियों की मेरठ में हुई मीटिंग में परिणाम सामने आए। लोगों के शाक्तिशाली तर्कों, प्रामणिक अध्ययनों और दबाब ने इस गाँव के 12,000 निवासियों को एक नया जीवन दान दिया है। यह सन् 2003 की बात है जब दौरालावासियों की दयनीय दशा ने एक जनहित सभा (सिविल सोसायटी) का ध्यान आकृष्ट किया। 12,000 लोगों की जनसंख्या वाले इस गाँव का भू–जल भारी धातुओं के संपर्क से संदूषित हो चुका था। इसका कारण यह था कि दौराला के उद्योगों के अनपचारित अपशिष्ट जल का भू–जल स्तर में निक्षालन हो रहा था। एन.जी.ओ के कार्यकर्ताओं ने घर–घर जाकर लोगों के स्वास्थ्य स्तर संबंधी सर्वेक्षण किया और एक रिपोर्ट बनाई उस संगठन, ग्रामीण समुदाय और जन–प्रतिनिधियों ने आपस में बैठकर इन समस्याओं के टिकाऊ समाधान ढूढँने का प्रयास किया। उद्योगपत्तियों ने पारिस्थितिकी की गिरती दशा को नियंत्रित करने में गहरी रुचि दिखाई। गाँव की उपरली टंकी (over hand tank) की क्षमता बढाई गई और समुदाय को पीने योग्य जल उपलब्ध कराने के लिए 900 मीटर की अतिरिक्त पाइपलाइन बिछाई गई। गाँव के गाद–युक्त तालाब को साफ किया गया और इसे गााद–विमुक्त करके पुनः जल से भर दिया गया। बड़ी मात्रा में गाद को हटाकर अधिक मात्रा में जल का मार्ग प्रशस्त किया गया तथा जलभूतों में जल पुनः भरा जाए। जगह–जगह वर्षा–जल संग्रहण की संरचनाएँ बनाई गई। जिनसे मानसून के पश्चात भू–जल के संदूषण में कमी आई। एक हजार वृझों की लगाए गए जिनसे पर्यावरण का संवर्धन हुआ।

प्र. वर्ष 2003 में दौरालावासी किस दयनीय दशा से गुज़र रहे थे? उल्लेख कीजिए।

उ. इस गाँव का भू–जल भारी धातुओं के संपर्क से संदुषित हो चुका था। जो कि दौराला के उद्योगों के अनुपचारित अपशिष्ट जल के, भू–जल स्तर में निक्षालन से हो रहा था।

प्र. दौराला वासियों को सुरक्षित जल पहुँचाने के लिए किए गए किन्हीं दो उपायों की समीक्षा कीजिए।

उ. 1. पीने योग्य जल उपलब्ध कराने के लिए 900 मीटर की अतिरिक्त पाइपलाइन बिछाई गई

2. जगह–जगह वर्षा जल संग्रहन की संरचनाएँ बनाई गई।

प्र. प्रदूषक भोगता है के वैश्विक नियम को समझाईए

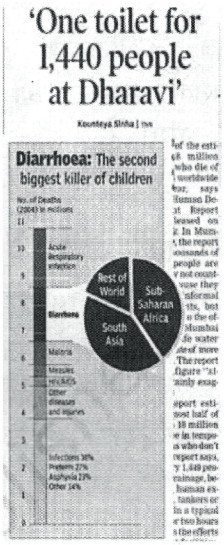

उ. इसका सरल अर्थ है कि जिसके कारण प्रदूषण होगा वही उसको कम करने का प्रयास भी करेगा। जैसा दौराला केस में हुआ जिल उद्योगों के कारण दौराला का जल संदुषित हुआ उन्हीं के प्रयास से दौरालावासियों को स्वच्छ जल मिला।

स्त्रोत – 9

धारावी–एशिया की विशालतम गंदी बस्ती (स्लम)

''बसें सिर्फ बस्ती की परिधि से गुजरती है। ऑटो अपवादस्वरूप भी उसके अंदर नहीं जा सकते। धारावी केंद्रीय मुंबई का एक हिस्सा है जहाँ तिपहिया वाहनों का प्रवेश भी निषेध है। इस गंदी वस्ती से केवल एक मुख्य सड़क गुजरती है। इसे 'नाइटीफुट रोड' के गलत नाम से जाना जाता है। जो अपनी चौडाई में घटकर आधे से कम रह गई है। कुछ एक गलियाँ एवं पंगडंडियाँ इतनी सैकरी हैं कि वहाँ से एक साईकिल गुजरना भी मुश्किल है। समूची बस्ती अस्थायी निर्माण के भवन हैं जो कि दो से तीन मंजिल ऊँची है तथा उनमें जंग लगी लोहे की सीढियाँ ऊपर को जाती हैं जहाँ एक ही कमरे को किराए पर लेकर पूरा परिवार रहता है। कई बार तो यहाँ एक कमरे में 10–12 लोग रहते हुए देखें जा सकते हैं। यह एक प्रकार से विक्टोरिया लंदन के पर्वी सिरे की औद्योगिक

इकाइयों का उत्कट अनुवर्ती संस्करण जैसा है। लेकिन धारावी बहुत ही निराशाजनक रहस्यों का पालक है, अपेक्षाकृत धनाढय मुंबई के निर्माण में इसकी भूमिका है। यहाँ पर छायारहित स्थान वृक्षरहित, सूर्य की रोशनी (धूप), असंगृहीत कचरा, गंदे पानी के ठहरे हुए गडढे, जहाँ केवल अमानवीय प्राणी जैसे काले कौआ और लबें भूरे चूहे के साथ–साथ कुछेक सर्वाधिक सुदरतापूर्ण तथा भारत में निर्मित मूल्यवान परिष्कृत चमडे का काम, उच्च, फैशन, वस्त्रादि, महीन पिरवाँ (रॉटमैंटल) का कार्य, उत्कृष्ट आभूषण सेट, लकडी कर पच्चीकारी तथा फर्नीचर आदि भारत एवं दुनिया भर के धनाढयों के घरों तक जाता है। धारावी वस्तुतः सागर का हिस्सा है जोकि व्यापक रूप से कचरे से भरी गई जगह पर है जिसे (कचरा) मुख्यतः यहाँ पर रहने के लिए आने वाले लोगों द्वारा उत्पादित किया गया था जो अधिकतर अनुसूचित जाति और गरीब मुसलमान आदि थे। यहाँ नालीदार चादरों से बनी 20 मीटर ऊँची जगह/भवन इधर–उधर संबद्ध पडी हैं जिनमें खाल एवं चमडा शोधन के कार्य होते है। यहाँ पर खुशी का हिस्सा यह है कि सभी जगह कुडा–कचरा छितराया होता है।

प्र. किन्हीं दो बिन्दुओं द्वारा गन्दी बस्तियों में सामान्यतया पाए जाने वाली जीवन की दशाओं का वर्णन कीजिए

उ. 1. पूरा परिवार केवल एक कमरे के मकान में रहता है।

2. घर और गलियाँ बहुत सटे हुए होते हैं जहाँ अकसर रूके हुए गन्दे पानी के गढ्ढे पाए जाते हैं।

प्र. कोई दो क्रियाकलापों का उल्लेख कीजिए जो अपनी अजीविका चलाने के लिए धारावी के लोग करते हैं।

उ. 1. फर्नीचर तथा लकड़ी पर नक्काशी करने का काम

2. मृतिजा, शिलप, परिष्कृत चमड़े का काम उच्च फैशन वस्त्रादि का निर्माण

प्र. एक गंदी बस्ती होते हुए भी, मुंबई की अर्थव्यवस्था में धारावी की भूमिका का आकलन कीजिए।

उ. धनाढ़य मुंबई के निर्माण में इसकी भूमिका है। कुछ बहु ही, कीमती और उपयोगी सामान यहाँ बनता है। जो देश–विदेशों में जाता है तथा विदेशी मुद्रा का आगमन होता है।

अभ्यास प्रश्न पत्र

भूगोल (029)

खंड (अ) प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित है।

प्र.1 विकास और वृद्धि में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्र.2 चतुर्थ क्रिया कलाप के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।

प्र.3 कोलकाता पतन की दो प्रमुख विशेषताओं की पहचान कीजिए।

प्र.4 प्रादेशिक नियोजन की महत्ता की जाँच कीजिए

प्र.5 भारत में पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क घनत्व कम होने के दो कारन स्पष्ट कीजिए।

प्र.6 भारत में वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या क्यों है। दो कारण स्पष्ट कीजिए।

प्र.7 विश्व व्यापार संगठन के दो कार्य बताइए।

खंड (ब) प्रत्येक प्रश्न के लिए 3 अंक

प्र.8 नवनिश्चयवाद की अवधारण की तीन बिंदुओं में व्याख्या कीजिए।

प्र.9 छोटे पैमाने के उद्योग और बड़े पैमाने के उद्योगों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्र.10 विश्व में सड़क परिवहन की किन्ही तीन समस्याओं का वर्णन कीजिए।

प्र.11 विश्व में जनसंख्या वितरण के प्रारूप तो तीन बिन्दुओं में स्पष्ट कीजिए।

प्र.12 भारत में ग्रामीन और नगरीय बस्तियों में तीन अंतर स्पष्ट कीजिये।

प्र.13 बढ़ती हुई जनसंख्या और औध्योगिक विस्तारण के कारण जल के अविवेकपूर्ण उपयोग से जल की गुणवत्ता का बहुत निम्नीकरण हुआ है। इस कथन का मूल्यांकन कीजिए।

खंड (स) पाँच अंक वाले प्रश्न

प्र.14 जनसंख्या घनत्व शब्द को परिभाषित कीजिए। विश्व में जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले चार भौगोलिक कारणों की उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

प्र.15 आखेट एंव भोजन संग्रह आर्थिक क्रिया कलाप की किन्ही पाँच प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्र.16 स्वेज नहर की किन्ही पाँच विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्र.17 भारत में किशोर जनसंख्या के सम्मुख आज अनेकों समस्याएँ है। किन्ही पाँच प्रमुख समस्याओं को उदाहरण सहित उजागर कीजिए।

प्र.18 भारत में जल संसाधनों के निरंतर घटने के किन्ही पांच कारणों का मूल्याकन कीजिए।

प्र.19 भारत में ऊर्जा के अपरंपरागत स्रोतो के विकास की अपार संभावनाएँ है। कथन की परख कीजिए।

प्र.20 भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों की किन्ही पाँच विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्र.21 संसार के राजनेतिक रेखा मानचित्र में दिखाए पाँच भौगोलिक लक्षणों की पहचान कीजिए और उनके नाम निर्धारित स्थान पर मानचित्र में लिखिए।

अ. एक समुद्री पत्तन

आ. एक अंतर्राष्ट्रीय वायु पत्तन

इ. क्षेत्रफल में सबसे बड़ा देश

ई. पार महाद्वीपीय रेलमार्ग का अंतिम स्टेशन

उ. विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि का क्षेत्र

प्र.22 निम्न को भारत के राजनैतिक रेखा मानचित्र में उपयुक्त चिन्हों से दर्शाइए और उनके नाम लिखिये।

अ चाय का अग्रणी उत्पादक राज्य

ब बैलाडिला लौह अयस्क खदान

स सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य (2011)

द गुजरात की तेलशोधन शाला

द विशाखापटनम पतन

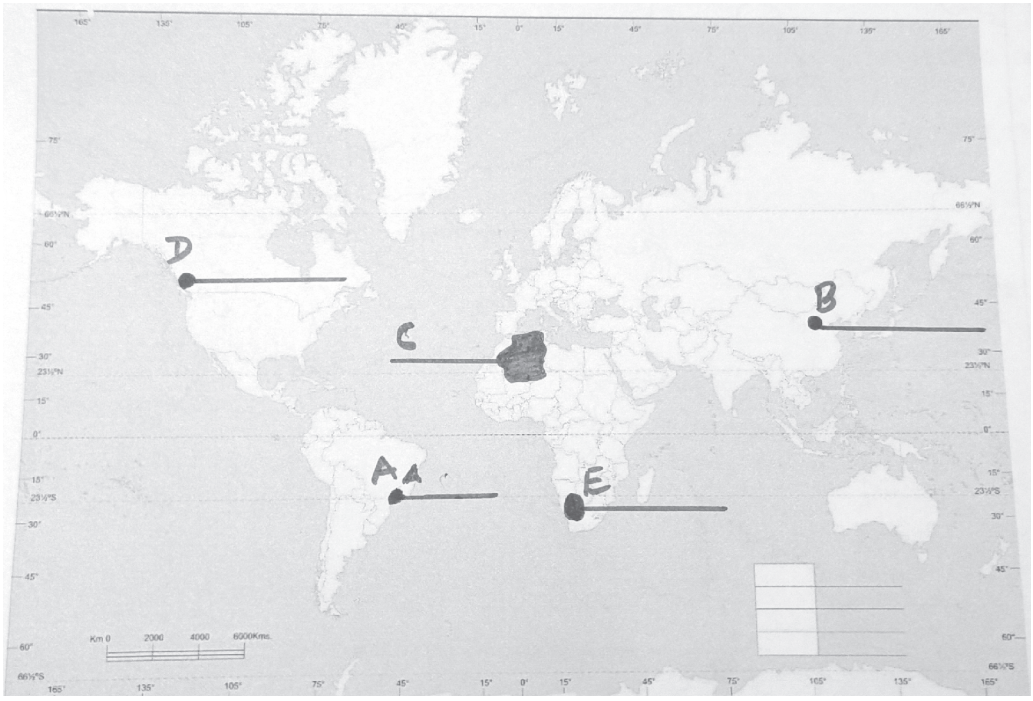
D
C
B
A
E
Km 0 2000 4000 6000Kms.

अभ्यास प्रश्न पत्र

भूगोल (029) – XIIth

प्र.1 विकास और वृद्धि में अंतर स्पष्ट कीजिए।

i. इस प्रश्न पत्र में कुल 30 प्रश्न हैं।

ii. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।

iii. प्रश्न संख्या 1 से 18 तक वस्तुनिष्ठ (MCQ) प्रश्न है प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उत्तर पुस्तिका पर केवल सही उत्तर लिखे।

iv. प्रश्न संख्या 19 से 22 तक लघुत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 80–100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

v. प्रश्न संख्या 23 से 28 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक पत्र 5 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 150 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

vi. पत्र संख्या 29 और 30 मानचित्र आधारित भौगोलिक लक्षणों को पहचानने तथा उनकी स्थिति दर्शाने से सम्बंधित है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

vii. आपको दिए गए संसार तथा भारत के रेखा मानचित्रों को उत्तर पुस्तिका से आवश्य सलंग्न करें।

viii. रेखा मानचित्रों के लिए स्टेंसिल या टेम्प्लेट्स के उपयोग की अनुमति दी जाती है।

खण्ड A

1. निम्नलिखित में से किस वर्ग की जनसंख्या को कार्यशील जनसंख्या कहा जाता है?

   A. 0–14 वर्ष

   B. 15–59 वर्ष

   C. 0–69 वर्ष

   D. 60 वर्ष से अधिक

2. मानव विकास के सम्बंध में कौन सा कथन सही नहीं है?

   B. विकास मात्रात्मक और मूल्य निरपेक्ष होता है।

B. विकास गुणात्मक परिवर्तन है। जो मूल्य सापेक्ष होता है।

C. विकास उस समय होता है जब सकारात्मक वृद्धि होती है।

D. विकास गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन है।

3. कालम A की मदो का मिलान कालम B की मदों से कीजिए तथा नीचे दिए कूट की सहायता से उचित विकल्प का चयन कीजिए।

कालम A	कालम B
i. समता	1. मानव क्षमताओं का निर्माण
ii. सतत पोषणीयता	2. अवसरों के लिए समान पहुँच
iii. उत्पादक्ता	3. अवसरों की निरंतरता
iv. सशक्तीकरण	4. विकल्प चुनने की शक्ति

	i	ii	iii	iv
A.	3	1	2	4
B.	4	3	1	2
C.	2	3	1	4
D.	2	1	3	4

4. निम्न लिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए।

निम्न में से कौन सा कथन सही नहीं है?

A. पीटसवर्ग क्षेत्र का महत्व घट रहा है। इस क्षेत्र को जंग का कटोरा कहा जाता है।

B. जर्मनी के इस्पात उत्पादन का 80: रुहर से प्राप्त होता है। ६ सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग सरकार के अधीन होते है।

C. सूती बख उद्योग सभी उद्योगो का आधार है। इसलिए इसे आधारभूत उद्योग कहते हैं।

अथवा

निम्न में कौनसा कथन कुटीर उद्योगो के लिए सही नही है।

A. कुटीर उद्योग निर्माण की सबसे छोटी इकाई है।

B. इस उद्योगों के लिए विशाल बाजार विभिन्न प्रकार का कच्चा माल व कुशल श्रमिक आपेक्षित है।

C. पूंजी व परिवहन इन उद्योगों को अधिक प्रभावित नहीं करता।

D. साधारण औजारों से परिवार के सदस्य दैनिक जीवन के उपभोग की वस्तुओं का उत्पादन करते हैं।

5. निम्न में से कौन सा सुमेलित नहीं है।

A. रबर उद्योग कृषि आधारित

B. जवाहरात उद्योग – खनिज आधारित

C. प्लास्टिक निर्माण वन आधारित

D. ऊनी वस्त्र उद्योग पशु आधारित

6. निम्न में से कौन सा चुतुर्थ सेक्टर का क्रियाकलाप नहीं है।

A. रंगमंच कर्मी

B. साफ्टवेयर इंजिनियर

C. वैज्ञानिक

D. प्रबंधक

7. जब रोगियों के उपचार को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन गतिविधि से संबंध कर दिया जाता है तो इसे क्या कहते है।

A. धार्मिक पर्यटन

B. निकित्सा पर्यटन

C. बेल पर्यटन

D. संस्कृतिक पर्यटन

8. कालम A की मंदो का मिलान कालम B की सदो से कीजिए तथा उचित कूट की सहायता से सही विकल्प का चयन कीजिए।

कालम A कालम B

i. सिंगापुर — 1. नी सेना पत्तन

ii. डोवर — 2. तैल पत्तन

iii. अबादान — 3. पैकेट स्टेशन

iv. कोचिय — 4. आंत्रपो पत्तन

	i	ii	iii	iv
A.	4	3	2	1
B.	2	3	1	4
C.	4	1	3	2
D.	3	1	4	2

9. निम्न में कौन सा सुमेलित नहीं है।

A. झील व तालाब के चारों ओर बसी बस्ती वृत्ताकार पतिरूप

B. रेलवे लाइन व सड़क के किनारे–किनारे बसी बस्ती आयताकार प्रतिरूप

C. चौराहे पर बसी बस्ती चौक पटटी प्रतिरूप

D. विभिन्न दिशाओं से आये मार्गों के सहारे बसी वस्ती तार प्रतिरूप

अथवा

निम्न में से कौन सा सुमेलित नहीं है।

A. केनवारा प्रशासनिक नगर

B. मैनचेस्टर – व्यापारिक नगर

C. जैसलम औद्योगिक नगर

D. ब्रोकन हिल खनन नगर

10. निम्न में से कौन सा राज्यो का समूह अन्य राज्यों से प्रवासियों को आकर्षित करता है।

A. हिमाचल, पंजाब, राजस्थान, असम

B. कर्नाटक, बिहार, उत्तप्रदेश, हरियाणा

C. तैलंगाना, महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार

D. महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा

11. भारत में मानव विकास के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए और नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही विकल्प चुनिए।

भारत में मानव विकास

i. अवसरों के साथ–साथ उपेक्षाओं एवं बंचनाओं का मिला–जुला थैला है।

ii. महानगरों में एक छोर पर विकसित इनक्लेव है तो दूसरे छोर पर विशाल गंदी बस्तियां है। भारत में विकास के अवसरो का वितरण सभी के लिए न्याय संगत है।

A. केवल कथन 1 और 3 सही है।

B. कथन 2 और 3 सही है।

C. कथन 1 और 2 सही है।

D. कोई भी कथन सही नही है।

12. निम्न में से कौन सा स्मार्ट सिटी योजना का मिशन नही है।

A. शहरो को बढावा देना।

B. शहरी नगरिकों को बेहतर जीवन प्रदान करना।

C. आपदाओं से कम जोखिम वाले क्षेत्र विकसित करना

D. नगरो में औद्योगिकरण का विस्तार करना।

अथवा

निम्न में कौन सा सुमेलित नहीं है।

A. हडप्पा – प्रागैतिहासिक नगर

B. इलाहाबाद मध्यकालीन नगर

C. सूरत– आधुनिक नगर

D. गांधीनगर– स्वतंत्रता के पश्चात का नगर

13. निम्न में कौन सा कथन साझा संपति संसाधन के विषय में सही नही है।

A. सांझा सम्पति सामुदायिक उपयोग के लिए राज्यों के स्वासित्व में होती है।

B. साझा सम्पति संसाधनों का महत्व भूमिहीन किसान तथा कमजोर वर्ग के लिए अधिक है।

C. साझा सम्पति संसाधनों को सामुदायिक प्रकृतिक संसाधन भी कहा जाता है।

D. किसानों के अपने बाग व खेत इसके उदाहरण है।

14. निम्न में से किन दो शहरो के बीच यमुना नदी देश की सबसे अधिक प्रदुषित नदी है।

A. दिल्ली इटावा के बीच

B. दिल्ली– कानपुर के बीच

C. आगरा – इलाहाबाद के बीच

D. आगरा कानपुर के बीच

15. भारत के किन दो राज्यो में अधिक जल निकालने के कारण भूमिगत जल में फ्लुओराइड का संकेंद्रण बढ़ गया है।

A. असम और नागालैण्ड

B. हिमाचल और जम्मू कश्मीर

C. राजस्थान और महाराष्ट्र

D. केरल व तमिलनाडू

16. निम्न लिखित तालिका को पूरा कीजिए।

	खनिज	प्रमुख उपयोग	प्रमुख खनन क्षेत्र/राज्य
1.	लौह अयस्क	लौह इस्पात बनाना, मशीन व औज़ार बनाना	बेलाडिला, उड़ीसा
2.	मैगनीज़	A	B .....

17. निम्न में से कौन सी बाजार आधारित तेल शोधनशाला है।

A. डिगबोई

B. बरौनी

C. नुमालीगढ

D. कोयली

18. निम्न को सुमेलित कीजिए और नीचे विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

इस्पात संयन्त्र	सहयोगी देश
i. राउरकेला इस्पात संयन्त्र	1. रूस
ii. भिलाई इस्पात संयन्त्र	2. स्वदेशी तकनीक
iii. दुर्गापुर इस्पात संयन्त्र	3. जर्मनी
iv. विजयनगर इस्पात संयन्त्र	4. यूनाइटेड किंगडम

	i	ii	iii	iv
A.	3	1	4	2
B.	2	3	4	1
C.	4	1	3	2
D.	2	1	3	4

19. नव निश्वयवाद की अवधारणा संभववाद और निख्यवाद के बीच मध्यम मार्ग का अनुसरण करती है।'' तीन तर्क देकर कथन को प्रमाणित कीजिए।

20. पार साइवेरियन रेल मार्ग के आर्थिक महत्व को तीन बिंदुओं में स्पष्ट कीजिए)

अथवा

पार कनेडियन रेल मार्ग के आर्थिक महत्व को तीन बिंदुओं में स्पष्ट कीजिएः

21. ''भारत में जनसंख्या का वितरण सामाजिक आर्थिक एवं एतिहासिक कारकों से प्रभावित रहा है तीन तर्क देकर कथन को न्यायसंगत ठहराइए।

22. मेट्रो रेल ने कोलकाता और दिल्ली में नगरीय परिवहन में क्रांति ला दी है।'' तीन

तर्क देकर कथन का विश्लेषण कीजिए।

खण्ड C

23. ''बेटी बचाओ बेटी पढाओ सामाजिक अभियान ने समाज में जेंडर के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा दिया है। कथन को प्रमाणित कीजिए।

24. विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि की पाँच विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

डेरी कृषि की किन्ही पांच विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

25. संसार में विकासशील देशों में ग्रामीण बस्तियों की किन्ही पांच समस्याओं का विश्लेषण कीजिए।

विश्व में विकासशील देशों की नगरीय बस्तियों की किन्ही पांच पर्यावरणीय समस्याओं का विश्लेषण कीजिए।

26. पर्यटन शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए। संसार में पर्यटकों को आकृषित करने वाले किन्ही चार कारको की व्याख्या कीजिए।

27. भारत में सतत पोषणीय विकास को बढावा देने वाले किन्ही पांच उपायों को उजागर कीजिए।

28. मुम्बई पुणे औद्योगिक प्रदेश की किन्ही पांच विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

छोटे नागपुर पठार औद्योगिक प्रदेश को किन्ही पांच विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

29. संसार के दिए गए राजनीतिक रेखा मांचित्र में दिखाए गए पाँच भैगोलिक लक्षणों A, B, C, और D की पहचार कीजिए और उनके सही नाम निम्नलिखित जानकारी की मदद से उनके पास खीची गई रेखाओं पर लिखिए।

A. प्रमुख समुद्री पत्तन

B. अन्तर्राष्ट्रीय वायु पत्तन

C. प्रमुख औद्योगिक प्रदेश

D. चलवासी पशुचारण का महत्वपूर्ण क्षेत्र

E. मेगा सिटी

30. भारत के दिए गए राजनैतिक रेखा मानचित्र में निम्न में से किन्ही पांच लक्षणों की स्थिति को उपयुक्त चिन्हों की सहायता से दर्शाइए तथा उनके नाम लिखिए

A. चाय का प्रमुख उत्पादक राज्य

B. मयूरभंज लौह अयस्क क्षेत्र

C. मानव विकास के सर्वोच्च स्थान प्राप्त राज्य

D. बिहार की तेल शोधनशाला

E. उडीसा का लोहा इस्पात सयंत्र

F. चेन्नई समुंद्री पत्तन

G. असम का अंतराष्ट्रीय वायु पत्तन

H. उत्तर दक्षिण गलियारे का दक्षिणतम बिंदु

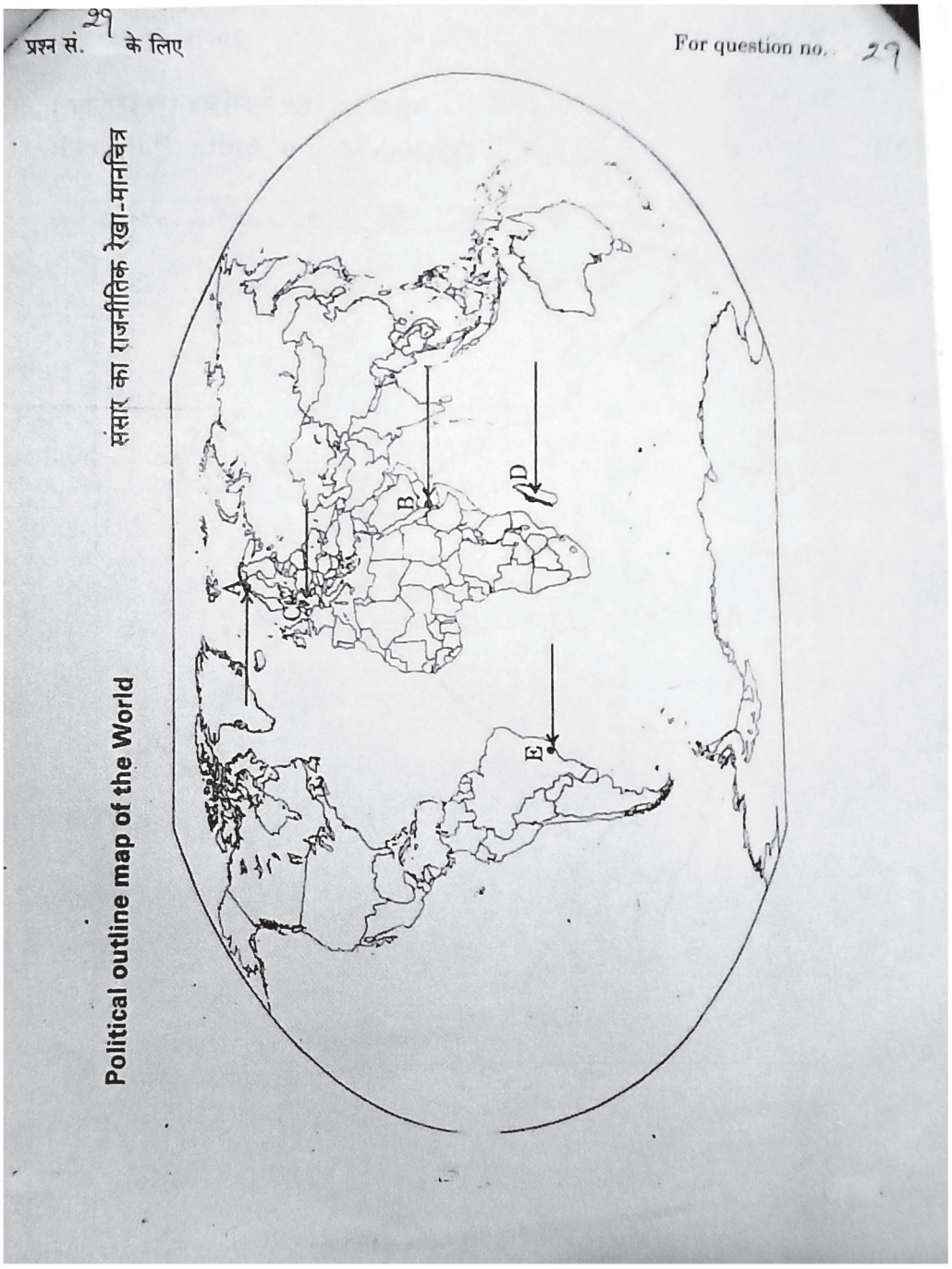

प्रश्न सं. 29 के लिए
For question no. 29
संसार का राजनीतिक रेखा-मानचित्र
Political outline map of the World
A
B
C
D
E

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)

Outline Map of India (Political)

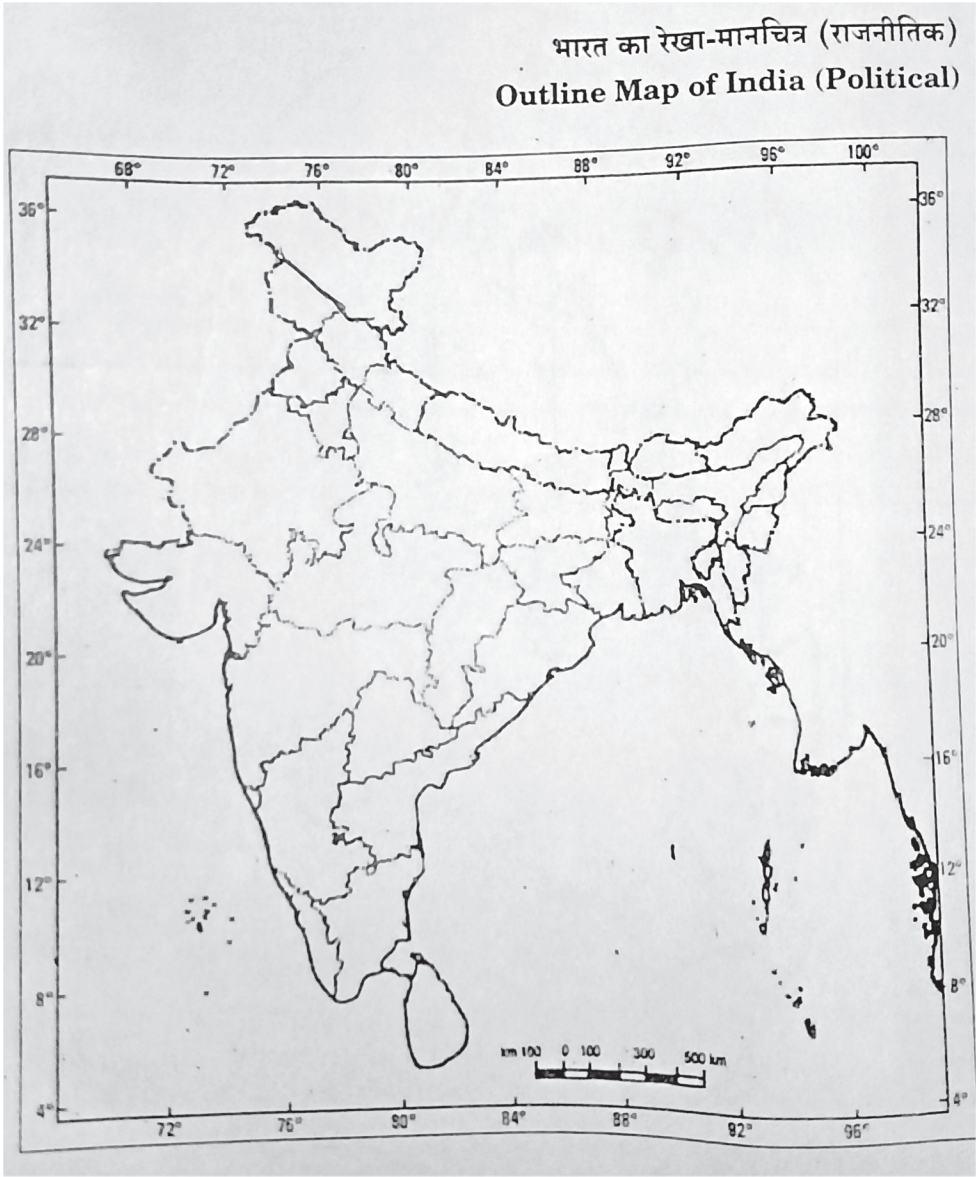

टिप्पणी

टिप्पणी